حق
یا طبیب
القلوب قد
طبع هذا

صحیفة
موجزة كافیة وافیة
المسمى بشفاء الأبد في علاج
أسقام الأنسان وهو مخلى من الخلل
التطویل والتقصیر في عهد عدل حضرت
السلطان ابن السلطان والخاقان ابن الخاقان
سلطان ابو النصر ناصر الدین شاه قاجار
لا زال [illegible] اشتهر بتألیف الطبیب الفاضل
الكامل الحاذق الحاذق
یحیى بن عیسى
عفي عنه

[illegible] سنة ١٣٠٢
الهجریة وقد
[illegible] مقبول [illegible]
ارباب الفضل

| عدد ورق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضی که در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ۱ | حمی یوم | حمی یوم از گرمی آفتاب و تابش آن | حمی یوم از تشنگی [illegible] | حمی یوم از غذاها و دواهای گرم | حمی یوم از رنج و تعب | در بیان تقسیم مطلق مرض و تقسیم |
| ۲ | حمی یوم | حمی یوم از خشم و غضب | حمی یوم از غم و اندوه | حمی یوم از بیخوابی | حمی یوم از ورم [illegible] | حمی یوم و وجه تسمیه و غیر آن |
| ۳ | حمی خلطی | [illegible] | [illegible] | حمی ربع | حمی [illegible] | در بیان تقسیم حمی خلطی و اقسام آن |
| ۴ | حمی خلطی و دق | [illegible] | [illegible] | حمی دق | [illegible] | معالجاتیکه صفحه گنجایش ندارد |
| ۵ | اقسام ورم و جوششها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تعریف ورم و تقسیم آن |
| ۶ | اقسام ورم و جوششها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان چیزهای متعلقه ببدن |
| ۷ | امراضیکه عارض پوست بدن میشود [illegible] | جدری و حصبه | جذام | برص | بهق ابیض و اسود | در بیان تقسیم امراضی که عارض شود |
| ۸ | امراضیکه عارض پوست بدن میشود [illegible] | قوبا | جرب و حکه | تقشر جلد | قمل | پوست بدن و وجه تسمیه و غیر آن |
| ۹ | امراضیکه عارض پوست بدن میشود [illegible] | شری | بثور صغار | حصف | ثآلیل و مسامیر | در بیان موریکه تعلق کلی |
| ۱۰ | امراضیکه عارض پوست بدن میشود [illegible] | [illegible] فارسی | جراحتهائی که حادث شود از خون سوخته | ام الدم | عرق بسیار | بورق نهم و دهم دارد |
| ۱۱ | مرضهائیکه در پوست سر و رو پیدا میشود | داء الثعلب و داء الحیه | سعفه | حزاز | بزرگ شدن سر و کج شدن آن | در بیان موریکه تعلق کلی |
| ۱۲ | مرضهائیکه در پوست سر و رو پیدا میشود | ورم نرم که در زیر پوست سر بهم رسد | کلف و نمش در رو | توثه و بثور عدسیه در روی | ترکیدن پوست و سوزش آن | بورق یازدهم و دوازدهم دارد |
| ۱۳ | مرضهائیکه بهم میرسند در پوست دست و پا | عرق مدنی | العنصل داء | داء [illegible] | [illegible] | در تفصیلیکه محتاج الیه امراض پوست |
| ۱۴ | مرضهائیکه بهم میرسند در پوست دست و پا | داء الحس | [illegible] | [illegible] | [illegible] | که کدام مشترک [illegible] |
| ۱۵ | جراحتها و زخمها | جراحت [illegible] | زخم کهنه [illegible] | زخم کهنه که حرکت بسیار [illegible] | زخم کهنه با [illegible] مزاج | در تعریف جراحت و بیان اقسام آنها |





| عدد ورق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضی که در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ۱۶ | جراحتها و زخمها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | علی التفصیل و سایر متعلق |
| ۱۷ | کلام در بعضی دیگر از زخمها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان معالجه استخوان شکسته و سایر |
| ۱۸ | در بعضی از زخمها [illegible] | زخمهای کهنه [illegible] | زخمهائیکه [illegible] | سوختن آتش | [illegible] | زخمها و آنچه متعلق است [illegible] |
| ۱۹ | در معالجه گزیدن جانوران زهردار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تفصیلیکه در ورق نوزدهم |
| ۲۰ | در معالجه گزیدن جانوران زهردار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تقسیم احتیاج بآن دارند |
| ۲۱ | کلام در باب زهرهای کشنده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان کشندگی دوا [illegible] |
| ۲۲ | کلام در باب زهرهای کشنده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | یا بسبب زیادی سردی یا گرمی است |
| ۲۳ | کلام در باب زهرهای کشنده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در معالجه کسانیکه از [illegible] |
| ۲۴ | کلام در باب زهرهای کشنده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | کشنده و خورده باشد |
| ۲۵ | کلام در باب زهرهای کشنده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تدبیر کسیکه [illegible] باشد |
| ۲۶ | کلام در باب زهرهای کشنده | کسیکه خورده باشد سفیداب قلعی | کسیکه آهک و زرنیخ خورده باشد | کسیکه خورده باشد [illegible] | کسیکه بسته شده باشد شیر در معده او | [illegible] |
| ۲۷ | کلام در درد سر و اقسام آن | درد سریکه از حرارت باشد | درد سریکه از برودت باشد | درد سریکه از سبب خلط باشد | درد سریکه از سبب [illegible] خلط [illegible] | در شناختن مرضهائیکه مخصوص است |
| ۲۸ | کلام در درد سر و اقسام آن | درد سریکه از سبب پری [illegible] | درد سریکه بعد از دفع اخلاط از [illegible] | شقیقه | درد سر [illegible] | [illegible] عضوی از اعضا و سایر متعلق |
| ۳۱ | مرضهای دماغ | سدر | دوار | صرع | سکته | در تفصیل اسباب و علامات و معالجه |
| ۳۲ | مرضهای دماغ | کابوس | مالیخولیا و مراقیه | قطرب | عشق | امراضیکه در ورق نهم و دهم مذکور است |

| عدد ورق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضی که در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ۳۳ | مرضهای نخاع | فالج و خدر | استرخا | لقوه | مرض مرکب از استرخا و تشنج | در تفصیل [illegible] |
| ۳۴ | مرضهای نخاع | تشنج از پری خلط | تشنج از یبوست | رعشه و اختلاج | [illegible] | که در ورق سی و یکم و سی و دوم مذکور شده |
| ۳۵ | مرضهای پلک چشم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان [illegible] چشم و امراضی که |
| ۳۶ | مرضهای پلک چشم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | عارض می‌شود در آنها |
| ۳۷ | مرضهای پلک چشم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در اموری که تعلق به ورق |
| ۳۸ | مرضهای پلک چشم | [illegible] | [illegible] | سلاق | شترناق | سی و پنجم و سی و ششم دارد |
| ۳۹ | مرضهای طبقهٔ ملتحمه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان امراض طبقهٔ |
| ۴۰ | مرضهای طبقهٔ ملتحمه | سبل | ظفره | دمعه | [illegible] | ملتحمه علی سبیل التفصیل |
| ۴۱ | مرضهای طبقهٔ قرنیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تفصیل امراض طبقهٔ قرنیه |
| ۴۲ | مرضهای طبقهٔ قرنیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | و بیان آنها |
| ۴۳ | [illegible] | [illegible] | سیلان | [illegible] | [illegible] | در بیان امراض ماق |
| ۴۴ | مرضهای عصب چشم و دردهای [illegible] | شبکره | [illegible] | [illegible] | [illegible] | علی سبیل التفصیل |
| ۴۵ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تفصیل امراض [illegible] |
| ۴۶ | مرضهای عصب چشم و دردهای [illegible] | ورم گرم در [illegible] | ورم سرد در [illegible] | [illegible] | [illegible] | که از دماغ به چشم آمده است |
| ۴۷ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان اموری که تعلق به ورق |



| عدد ورق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضی که در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ۴۸ | مرضهای گوش و بینی | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | چهل و پنجم و چهل و ششم دارد |
| ۴۹ | مرضهای آلت بوییدن و مرضهای زبان | [illegible] | زکام | قلاع | ورم گرم در زبان | در تقسیم مرضهای آلت بوییدن |
| ۵۰ | مرضهای آلت بوییدن و مرضهای زبان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | و زبان علی التفصیل |
| ۵۱ | مرضهای لب و دندان | ترکیدن لبها | [illegible] | جوشش در لبها | درد دندان | در تقسیم مرضهای |
| ۵۲ | مرضهای دندان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | لب و دندان |
| ۵۳ | مرضهای دندان و گوشت بن دندان | جنبیدن دندانها | ورم گرم در گوشت دندان | [illegible] | [illegible] | در بیان امور متعلقه ورق |
| ۵۴ | مرضهای گوشت [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | پنجاه و یکم و پنجاه و دوم |
| ۵۵ | مرضهای حلق و حنجره و قصبهٔ ریه | خناق | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان تفصیل امراض |
| ۵۶ | مرضهای حلق و حنجره و قصبهٔ ریه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ورق پنجاه و سیم و پنجاه و چهارم |
| ۵۷ | آمدن خون و چرک از حلق و [illegible] | نفث الدم | نفث المدة | سل | [illegible] | در تفصیل امراض حلق |
| ۵۸ | پرده‌های [illegible] و حجاب دل | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | و اضلاع و حجاب دل |
| ۵۹ | مرضهای دل | تری مزاج دل | خشکی مزاج دل | خفقان | [illegible] | در تقسیم امراض [illegible] |
| ۶۰ | مرضهای [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | علی سبیل التفصیل |
| ۶۱ | مرضهای [illegible] | گرمی مزاج [illegible] | سردی مزاج [illegible] | خشکی مزاج [illegible] | تری مزاج [illegible] | در تفصیل مرضهای |
| ۶۲ | مرضهای [illegible] معده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | اعضای غذا |

| عدد اوراق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضیکه در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ٦٣ | مرضهای معده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ورم سرد [illegible] | در تقسیم |
| ٦٤ | مرضهای معده | ورم سرد در معده | ناخوش آمدن خوردن | باطل شدن اشتها | بولیموس | امراض معده |
| ٦٥ | مرضهای معده | شهوة الکلبی | وجع الفؤاد | عطش | [illegible] شدن غذا | در بیان |
| ٦٦ | مرضهای معده | ناگوار شدن [illegible] | ناگوار شدن غذا از غلط صفرا | ناگوار شدن غذا از غلط بلغم | ناگوار شدن غذا از غلط [illegible] | تفصیل وجع الفؤاد |
| ٦٧ | مرضهای معده | [illegible] | هیضه | [illegible] | [illegible] | در تفصیل مرض هیضه |
| ٦٨ | مرضهای معده | غشیان و قی | [illegible] | ذواق از [illegible] اخلاط در بدن | [illegible] | و غیر آن از امراض معده |
| ٦٩ | مرضهای امعاء | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تقسیم امراض روده |
| ٧٠ | مرضهای مقعده | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | و کیفیت آنها علی سبیل التفصیل |
| ٧١ | مرضهای جگر | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان اموریکه تعلق [illegible] |
| ٧٢ | استسقا | استسقای لحمی | استسقای زقی | استسقای طبلی | [illegible] | در مرضهای گرده |
| ٧٣ | مرضهای جگر | ورم گرم جگر | ورم سرد جگر | [illegible] | [illegible] | مرضهائیکه در شصت و نهم و هشتادم دارد |
| ٧٤ | مرضهای زهره و سپرز | یرقان زرد | یرقان سیاه | [illegible] | ورم در سپرز | مفصلا و اسباب آن |
| ٧٥ | مرضهای سپرز و گرده | [illegible] | ورم سرد [illegible] | [illegible] | ورم سرد [illegible] | تفصیل مرضهای گرده |
| ٧٦ | مرضهای گرده | ورم صلب در گرده | بول الدم | بول المدة | سلس البول | و اسباب آن |
| ٧٧ | مرضهای مثانه و انثیین | [illegible] | ورم مثانه | قرحه [illegible] | [illegible] | بیان امراض مثانه و انثیین |



| عدد اوراق کتاب | نام مرضها | فهرست امراضیکه در هر ورق کتاب مذکور است | | | | حاشیه |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ٧٨ | مرضهای مثانه و بزرگ شدن انثیین | بیرون آمدن بول بی اختیار | فتق | ورم گرم در انثیین | ورم سرد در انثیین | و اسباب و علامات آن مفصلا |
| ٧٩ | مرضهای انثیین و ذکر | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در تقسیم امراض |
| ٨٠ | مرضهای انثیین و ذکر | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | انثیین و ذکر |
| ٨١ | مرضهای رحم | زفر رحم | احتباس حیض | سیلان رحم | اختناق رحم | در تقسیم امراض |
| ٨٢ | مرضهای رحم | [illegible] | ورم گرم در رحم | ورم صلب در رحم | [illegible] | رحم مفصلا |
| ٨٣ | مرضهای رحم | سرطان رحم | [illegible] | بواسیر رحم | [illegible] رحم | در تقسیم مرض سرطان رحم |
| ٨٤ | مرضهای رحم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | و تمیز او را از سایر امراض |
| ٨٥ | مرضهای رحم و پستانها | آبستن شدن | انداختن بسیار بچه | دشوار زائیدن | مرده شدن بچه در رحم | در بیان آبستن شدن که آیا از طرف |
| ٨٦ | مرضهای رحم و پستانها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | مرد است یا از طرف زن و علامات آبستنی |
| ٨٧ | مرضهای کمر و پاها | عرق النسا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در بیان امراض کمر و پاها |
| ٨٨ | مرضهای کمر و پاها | درد مفاصل از گرمی | [illegible] | نگهداشتن خود را از مفاصل سرد | [illegible] از مفاصل گرم | و کیفیت معالجه آنها علی التفصیل |
| | | | تمت الفهرست | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |

رب یسر ولا تعسر

بسم الله الرحمن الرحیم

سپاس بی‌قیاس حکیم درمان آفرینی را سزاست که باقتضای حکمت بالغه استخراج تقویم ابدان بشریه فرموده از جداول اعصاب و عروق جدول کشی
اوراق آن تقاویم نموده که بحکم کریمه ولقد خلقنا الانسان فی احسن تقویم هریک از صفحات باهر آرایش بر وجه شایستگی و طور بایستگی باحکام
کلیه قدرت کامله ارقام جمیله رحمت شامله اراسته که تمام تواند داشت و باستدعای مصلحت شایعه بالغه جبهه هر دردی دوائی مقرر نموده
بدستیاری اسباب و علامات سررشته معرفت آن را بدستوری بدست شفاسازی اطبای حذاقت انتما داده که تبار باریک نبض هر کس نسخه بیدی
تمام احوال نموده و جهت برچاره جوئی اسقام و آلام کافه انام توانند گماشت و درود نامعدود بر رسول امی قریشی را سزاست که قانون شریعت
غرای معمول اش نسخه شفای علم بدو آورد و جهالت و نادانیست و جام داروی شفاعت سید ربیع مقبول اش درمان مرض گناهکاران و بر فرزندان
عظیم و علی آله الائمة و عترته الطاهرین الاطیبین صلوة ... بالکل ماذات ... و سایط لرفع الامراض و الحسن و بعد بر طلبان حکمه
شناسای و نسخه نویسان طب معرفت و دانائی پوشیده و مبینت که کتاب تقویم الابدان تالیف یحیی بن عیسی بن علی بن جزله که در باب
تدبیر امراض و معرفت اسباب و اعراض همت نگارش بنام فرمانفرمای عصر مولف متعددی با مراتبه یافته در میان کتب مولفه در فن شریف
طب وجود ... جامع مسایل ضروریه و حاوی فواید بسیار است و چون ... اطلاع ... بدست ... رتبه ارجمند والا
مطرح اشعه انوار آفتاب اطلاع اعلیحضرت نواب کامیاب گردون قباب سپهر جناب عالیان مآب مصطفوی آداب مرتضوی
القاب آب و رنگ گلستان دین و دولت گلگونه بهارستان ملک و ملت شیرازه اوراق سلطنت و شهریاری فهرست
صحیفه کامله عظمت و بختیاری ذخیره آمال امیدواران ذریعه انتظام احوال ... قانون حکومت ... زوال
در چاره گری علت استیلاج کافه جهانیان نسخه ایست موافق و بخشش الشفاعت ... آوازه ... در دل ... عالمیان ... حقوق
فرزندانه ... سپهر عدالت و عالم پناهی که گوهر بحرین سیادت و پادشاهی باسط ... آثار ظلم و عدوان ... سلاطین زمان

باجمله یعنی ظاهر و آشکارا است

انتما یعنی نسبت و آن اسمی است موضوع بکنیه ... و معانی نزدیک باین معنی

ذریعه یعنی وسیله و دست آویز است





السلطان بن السلطان بن السلطان و الخاقان بن الخاقان بن الخاقان السلطان شاه سلیمان الصفوی الموسوی الحسینی بهادر خان خلد الله تعالی ایام اقباله
بالنبی محمد و آله گردیده و از آنجا که حمایت جسم و جان کافه برایا ... الواجب ... درفع هرگونه نقص و خلل از بیمارستان ...
در آینه خورشید مثال خاطر ملکوت ناظر جلوه فرما ... گردیده که کتاب مسطور از لباس لغت عرب برآمده در جامه زیبای لهجه فارسی جلوه
حقایق نمائی نماید تا افتتاح ... بنامی نسبت متعددی مراتبه که در نظر استحسان ارباب بصیرت چشم زخم تمام عیار این کتاب مستطاب و در
دیده دریافت اهل خرد نازل منزله ... دانش وران فضایل ... یافته بنام نامی و اسم سامی این منتخب مجموعه کون و مکان و زبده
نتایج ارکان لازال حمایة الله ... و الطغیان ... و اللطف و الاحسان ... دوازده کانه صفحات مذهب حق اثنی عشری
گرفته بعد از تحلی باین حلیه الهی ... سپهر منزلت پادشاهی بر صفحه وجود ... تحریر پذیرد تا کافه اهل ایمان
از فواید آن مستفید گشته ثواب آن بروزگار فرخنده آثار اولیای دولت قاهره عاید گردیده و در خلوت مطالعه خواص و عوام قرار
گیرد لهذا حسب الامر الاعلی کمترین بندگان اخلاص نصیب محمد اشرف بن شمس الدین محمد طبیب مامور گردیده که بترتیب و اسلوب اصل
کارگذاری ترجمه نموده بعبارت و لهجه فارسی جمیع مسایل و مطالب کتاب مزبور را بر صفحه تالیف نگارد بنابر علیه امتثالا للامر الاقدس
الاعلی ... قلم بر امتثال فرمان قضا توام بر میان جان بسته بقانون مقرر شروع در ترجمه نسخه مزبوره نموده و من الله الاستعانة
و کل مطلوب و مقصود ... مولف این کتاب بعد از حمد و سپاس الهی و نعت حضرت رسالت پناهی محمد صلی الله علیه و آله که ترتیب داده ام
این کتاب را بر وجهی که ... در معالجه ... و نفع بردن از آن بیشتر است و کم حجم و پر فایده است و ساخته ام این کتاب را
بر صورت تقویم و بر حاشیه آن ذکر کرده ام قسمت مرضها را و فایده چند را که در خانها دوازده کانه که مذکور میشود جای آن نبود
در آنخانها گنجایش آن نداشت ... و از برای هر مرضی دوازده خانه ترتیب داده ام اول نام مرض مذکور است و در خانه دویم مزاجی
که با آن مزاج آن مرض بیشتر عارض شود و در خانه سیم سنی یا سالی که در آن سن یا سال آن مرض بیشتر عارض شود مذکور است و در خانه
ششم مذکور میشود که آن مرض خطرناکست یا نه و در خانه هفتم سبب آن مرض مذکور میشود و در خانه هشتم علامات آن مرض مذکور میشود و
در خانه نهم اینکه در آن مرض استفراغ یعنی دفع اخلاط از بدن بهر قسم که باشد خواه باسهال یا بقی یا بادرار بول یا عرق فرمودن
باید کرد یا نه مذکور میشود و مذکور میشود که اگر استفراغ باید کرد بچه طریق مناسبست بفصد یا باسهال یا بحقنه یا بامثال آن
و چون که مردم در باب دوا بکار بردن سه قسمند قسم اول جماعتی اند که دوای بدمزه بکار نتوانند برد مانند پادشاهان
و اهل تنعم و اطفال قسم دوم کسانیکه از بدمزگی دوا چندان مضایقه ندارند لاکن قدرت بر تحصیل بعضی از دواها ندارند
مانند درویشان قسم سیم طایفه اند که دوای بدمزه میتوانند خورد و قدرت بر تحصیل هر نوع دوا دارند بنابراین بعد
از خانه نهم دو خانه وضع شده در یکی از آن دو خانه دواهائیکه چندان بدمزه نباشد که مناسب قسم اول از مردمانست مذکور
میشود و این معالجه پادشاهانه نامیده ایم و آنخانه دهم است و در خانه دیگر دواهای کم قیمت که در همه جاها بهم
میرسد و مناسب قسم دوم از مردمانست و این معالجه درویشانه و سهل الوجود نامیده ایم و اینخانه یازدهم است و بعد از آنخانه خانه
دیگر قرار داده ایم که در آنخانه در باب معالجه حال ... منظور نیست بلکه هر تدبیر که مناسب آن مرض است در آنخانه ذکر میکنیم و اگر چه بحسب
عمل بیشتر طریقه ... در آنخانه ذکر میکنیم و اینخانه دوازدهم است و این را معالجه عام نامیده ایم و من الله التوفیق و الاستعانة

بوجهی ... کردند ... نموده ...

توام مخفف توامانست که معنی لغوی آن مشهور است و در اصطلاح منشیین متساویین را گویند

[illegible]

ورق ۱

## حمی یوم

| نام حمیات | مزاج حمیات | سنها | فصلهای سال | شهرها | ساعات اوقات خطر | سبب | علامات | بول | نبض | علامات دیگر |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| حمی یومی [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | جنوبی | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی یومی [illegible] | سرکی و خشک | کودکان و جوانان | بهار و تابستان | شمالی | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی یومی [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | بی خطر است | [illegible] | سرخی چشم [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی یومی [illegible] | خشک | جوانان | تابستان | گرمسیر | بی خطر است | [illegible] | خشکی [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

معالجه که مشترکه [illegible]



[illegible]

## معالجه عام

۱

معالجه که مشترک است در میان اقسام حمی یوم که در صفحه سابق مذکور است قطع کردن سببی است که باعث حمی شده پس اگر سبب حرارت آفتاب و مانند آن باشد روغن گل سرخ و گلاب و اندکی سرکه با هم بیامیزند و بر سر مکرر بریزند و پارچه کتان بدان تر کنند و با یخ سرد کرده بر سر بگذارند و چون گرم گردد بردارند و سرد کرده باز بر سر گذارند و چون ساکن گردد بحمام بروند و آنچه بنفشه و نیلوفر در آن جوشانیده باشند در حمام بر سر بریزند و چون از حمام بیرون آیند شیره جو با قند سفید با یخ سرد کرده بیاشامند یا بانیکه در آب سرد تر کرده باشند تناول نمایند یا مزوره از کدو و ماش میل کنند و بعد از غذای مذکور آسایش نموده بخواب روند

صاحب این حمی را بجامهای نرم بپوشانند در خانه گرمی و بدن وی را بهموار بمالند و چون تب ساکن شود بحمام رود و چون از حمام بیرون آید باید که جامه نو پوشیده باشد و غذا تیهو یا جوجه مرغ خانگی طبخ نموده یا کباب کرده تناول نماید و مزعفر بخورد [?] و اگر تب بکلی ساکن نشود و اندک حرارتی باقی باشد و نبض اختلاف داشته باشد و قاروره خام بود بباید دانست که بر تب عفونی منتقل شده یا خواهد شد پس باید که فصد کرده شود و اگر قوت بیمار روشن [?] داد و وقت موافق و مناسب باشد و غذا شیره جو باشد و بعد از آن شربت لیمو و چون تب ساکن شود شوربا با جوجه مرغ میل کنند

صاحب این حمی باید که اگر فصل تابستان باشد در جای خنک استراحت کند و شربتی از شیره تخم خرفه و گلاب و قند و آب انار میل کند سرد کرده به یخ و مزوره از ماش و اسفناج و کدو و روغن بادام تناول کند یا آرد گندم بو داده یا آرد جو بو داده با آب سرد و نبات سفید شیرین کرده میل نماید و اگر فصل زمستان باشد در خانه که هوای آن معتدل باشد آرام گیرد و شربت غوره بیاشامد چون تب ساکن شود بحمام رود و بعد از بیرون آمدن ساعتی آسایش نموده پس غذا جوجه مرغ خانگی با آب غوره و آب انار میل کند پس بسیار بخوابد و آسایش کند

صاحب این حمی باید که آسایش کند در جای معتدل بحسب هوا خواه در تابستان و خواه در زمستان و چون تب ساکن شود بحمام رود و آب گرم بکار برد و چون از حمام بیرون آید بمالند بدن او را بروغن بنفشه یا نیلوفر مالیده و همواره غذا جوجه مرغ خانگی و پاچه بزغاله و کاسنی و کاهو و خرفه میل نماید و غذا اینقدر میل نماید تا چند دفعه تا بدل شود از آنچه که بسبب تعب و رنج از بدن به تحلیل رفته

۱ در صفحه برابر مذکور است و معالجات این ضعف با اسباب و علامات که بعضی از اقسام منقسم است [illegible]

## حمی یوم

| نامها | حمی یوم از غم | حمی یوم از اندوه | حمی یوم [illegible] | حمی یوم از ورم [illegible] پوست بدن |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | سرد و خشک | سرد و خشک | گرم |
| سالها | جوانان | دو مویان | دو مویان | جوانان |
| فصلهای سال | تابستان | پائیز | پائیز | تابستان و بهار |
| شهرها | جنوبی | شمالی | شهریکه هوایش از خشک باشد | جنوبی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | حرکت نمودن خون و روح بجانب [illegible] بدن | میل نمودن روح و خون [illegible] بدن | [illegible] غم [illegible] | [illegible] گرم شدن [illegible] |
| علامتها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | نباید کرد | نباید کرد | نباید کرد | [illegible] کردن |
| تدبیر و غذا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه بدون تب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





## معالجهٔ عام یعنی معالجه که دانستن آن از ملاحظات حاذق است ۲

معالجهٔ صاحب این حمی آنستکه اول بار خشم او را ساکن کنند و چون خشم ساکن شود تب و تلخی کنند بحمام رود و در آب شیرین نیم گرم قدری بنشیند و اگر وقت تابستان باشد آب سرد بکار برد و چون از حمام بیرون آید آسایش کند و بوهای خوب و خوش مثل گلاب صندل و کافور بکار برد و بیاشامد شربتی از آب انار و گلاب و قند سفید سرد کرده و بیخ و غذاهای بارد مثل ماهی تازه ریزه که با آب غوره و آب انار پخته باشند میل کند و آسایش و خواب بسیار کند

معالجهٔ صاحب این حمی آنستکه اول بار دفع غم و اندوه وی کنند بانچه ممکن باشد مثل آوازها و سازهای خوش و مانند بهوا و چون تب ساکن شود بحمام رود و در آب نیم گرم شیرین بنشیند و چون از حمام بیرون آید غذاهای معتدل مثل گوشت بره و بزغاله و ماهی تازه میل کند و اگر تابستان باشد در جای خنک آرام گیرد و اگر زمستان باشد در جای گرم و باید که بسیار خواب بکند

معالجهٔ صاحب این حمی آنستکه چاره کنند که او را خواب ببرد و بچکانیدن روغن تخم کدو و روغن بنفشه در بینی یا آنکه بجوشانند در آن بنفشه و نیلوفر و پوست خشخاش و جو نیم کوفته و بر سر او بریزند و چون ساکن شود تب بحمام رود و در جائیکه معتدل است قرار گیرد و نه در جائیکه بسیار گرم است و بریزند بر سر او آب شیرین نیم گرم و بمالند بدن او را بروغن بنفشه و مانند آن و چون از حمام بیرون آید ساعتی استراحت کند و بعد از آن غذاهای لطیف مثل جوجهٔ مرغ بکار برند و باید که از مجامعت و اعراض نفسانی مثل خشم و اندوه دوری کند که باعث زیادتی خشکی بدن است

معالجهٔ صاحب این حمی آنستکه اول مشغول معالجهٔ ورم شوند بانیکه بمالند بر ورم دواهای سرد مثل صندل و گلاب و آب عنب الثعلب و بیاشامد شربتهای سرد مانند لعاب بذر قطونا و گلاب و اندک قند سفید و شیرهٔ تخم خرفه و تناول باید نمود زرده که و اسفناج و ماش با آب غوره و باید که تا ورم بهتر نشود پرهیز کند از حمام و بحمام نرود و چون ورم برطرف شود و تب ساکن گردد بحمام رود و گرم آب آن شیرین باشد و بسیار در حمام مکث نکند

## حمی خلطی

| اسماء | مزاجها | سنها | فصلهای سال | شهرها | سالهای ... | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| حمی عفونی | گرم و خشک | جوانان | تابستان | گرم و خشک | بلخ خطا است | عفونت صفرا | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد و تر | کودکان و جوانان | بهار | معتدل | بلخ خطا است | عفونت بلغم | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی ربع | سرد و خشک | کودکان و جوانان | پاییز | معتدل | بلخ خطا است | عفونت سودا | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد و تر | کودکان و پیران | زمستان | سرد و تر | حضر است | عفونت بلغم | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

بعد از انکه



## معالجهٔ خاص و عام

بعد از انکه اسهال خلط کرده باشند بیاشامند روز نوبه آب تمر هندی صاف کرده با سکنجبین و گلاب یا اندک آب انار و قند در روز بعد از نوبه بیاشامند شیرهٔ جو پیسته پنج مثقال با هفت مثقال قند سفید و بعد از اینده و انچهار ساعت بیاشامند نیم مثقال سکنجبین ساده و بلکه انار ترش شیرین و آلو و کاهو تناول کنند و اگر فصل تابستان باشد باید که سرد کنند یخ آنچه تناول کنند و در خانه که هوای آن سرد باشد قرار گیرند و اگر فصل زمستان باشد در خانه که هوای آن معتدل باشد قرار گیرند و با آب گرم و سکنجبین قی فرمایند و بعد از آن شربت غوره یا شربت انار یا شربت بالنگ میل فرمایند

هرگاه ظاهر شود علامات نضج اسهال خلط باید کرد بمطبوخ افسنتین و باید که در روز نوبه غذا میل نکند اما اگر قوت ضعیف باشد بیاشامند شیرهٔ جو با قند و شیرهٔ سبوس گندم بعد از انکه عرق کرده باشند و در غیر روز نوبه شیرهٔ جو با قرص گل دهند و بعد از آن سکنجبین و غذا جوجهٔ مرغ خانگی یا تیهو میل فرمایند

اگر عارض شود تب ربع در تابستان در سن جوانی اکتفا باید کرد در معالجهٔ آن بانچه مذکور شد در صفحهٔ گذشته و غذاهای لطیف میل باید کرد مثل شوربای تیهو و جوجهٔ مرغ خانگی نه غذاهای غلیظ مثل ماهی و سیر و میوه‌ها و گوشت گاو و گوشت بز و عدس و فصد باید کرد اگر قوت وفا کند و مطبوخ افتیمون بعد از کمال نضج ماده باید داد و در روز غیر نوبه قدر حب خاقشا با سکنجبین باید داد و در روز نوبه قی باید فرمود به سکنجبین که خیسانیده باشند در او ترب یا آب گرمیکه جوشانیده باشند باشبت و گفته‌اند ابن ماسویه که موی پیش بز را هرگاه بپاویزند بر گردن صاحب ربع و همچنین هرگاه بسایند با روغن زیتون عنکبوت را و همچنین جامه مردار بر گازران زائیده بپوشد و بعد از انکه صاحب ربع بپوشد نفع میکند ربع را بجا صیت

سزاوار است انکه در این تب اهتمام کنند بدفع خلط بلغم و تب زیاده نکنند و اگر عارض شود تشنگی در این تب پس بیاشامند بیست مثقال شیرهٔ جو پیش از نوبه بشش ساعت و بعد از نوبه بچهار ساعت تناول کنند یازده مثقال سکنجبین ساده و اب سرد و اگر تشنگی نباشد اکتفا کنند بگلقند و سکنجبین ساده و اگر قوت ضعیف باشد تناول کنند دراج و جوجهٔ مرغ خانگی کباب کرده یا شوربا نموده و هرگاه ظاهر شود علامتهای نضج اسهال کنند بحبی از تربد و غاریقون و ایارج فیقرا که هر یک دو دانگ باشد و نمک هندی یک دانگ و این حب را در وقت سحر با آب نیم گرم تناول کنند و در باید قی نمود با آب گرم و سکنجبین و اندکی نمک خورده و اگر این تب طول انجامد و بعد ضعیف شود پس باید که تناول کند وقت صبح گل نیم مثقال عسل که خوب باشد هر یک دو دانگ زرد کوفته با چهار مثقال گل قند و بعد میل ... آن تعقیب باید

## ۴ معالجهٔ خاص و عام

در این تب اول با فصد کنند بعد از آن سکنجبین ساده بیاشامند و بعد از آن ترش شیرین اگر قوت ضعیف باشد تناول کند سوی با کرنج پخته باشد ماو جوجهٔ مرغ خانگی با آب غوره و اگر قوت باشد تناول کنند کاهو و خیار با اندک آب غوره تناول نمایند مزوره که پخته باشد از اسفناج با آب غوره تناول کند پس نزد برآمدن آفتاب سر رود آب انار ترش با شیرین و بعد از برآمدن آفتاب شیرهٔ جو با قند سفید و بعد از آن سکنجبین ساده با آب سرد بنوشند و بعد از آن این مزوره که مذکور شد تناول کنند اگر مرض دراز کشیده باشد و اگر طبیعت خشک باشد پس باید که تلیین کنند به آب ترهندی و آب آلو و ترنجبین با شربت بنفشه یا شیاف از خطمی و بوره ارمنی و شکر سرخ استعمال کنند و حقنه کنند حقنه که مرکب باشد از روغن کنجد و شکر سرخ و آب برگ چغندر و اگر یافت شود در اندرون بدن درد و طبیعت قبض باشد پس باید که شیرهٔ جو دهند مگر بعد از آنکه درد ساکن شود و طبیعت نرم شود پس باید که بمالند بر زبان لعاب بذرقطونا در روغن بادام و گلاب باید که بنوشند شیرهٔ تخم خرفه دو درم با قند سفید و باید که [illegible]

معالجهٔ این تب مرکب است از معالجهٔ تبهای مفرده و اگر تبها برابر باشند باید که معالجهٔ تبها با هم برابر باشد و اگر یکی از تبها زیاده باشد بر دیگری باید که اهتمام به معالجهٔ آن تب بیشتر کنند و اگر مدت این تب دراز کشد و خشکی غالب شود قرص کافور باید داد و سعی باید کرد که خشکی بدن [illegible] شیرهٔ جو و مانند آن برطرف شود اما معالجه در زرگی در تمام حمیات مطبقه آنست که بیاشامند گرم و جمیعه [illegible] محکم ببندند کف دست و پا را و باید که بگذارند دست و پا در آب گرم و بعد از آن گرم بپوشانند و اگر لرز دراز کشد بمالند [illegible] بدن [illegible] را با روغنی که پخته باشد در او روغن بودنه و بابونه و اگر بیاشامند در تب لرز [illegible] نیم مثقال با آب گرم و سکنجبین ساده [illegible] کند

باید که مسکن صاحبان تب باید در جای سرد باشد که بوزد در آن باد شمال در حوالی بیمار ظرفهای [illegible] بر آب نهاده باشند و همچنین گل سرخ و گل نیلوفر و بنفشه و شکوفهٔ سیب و امرود و برگ بید و برگهای تازهٔ انگور در اطراف بیمار پهن کنند و بپاشند برین گلها و برگها گلاب و صندل سائیده و کافور و خواب کند بر فرشهای نرم و اگر فصل زمستان باشد باید که مسکن بیمار در هوای معتدل باشد در سردی و گرمی و منع کنند صاحب این تب را از تعب و بیخوابی و گرسنگی و تشنگی و مجامعت و باید که بیاشامد شیرهٔ جو با قند سفید و [illegible] عناب تناول کنند حریره از آرد گندم پوست کنده و قند و روغن بادام و میوه از ترنجبین و سیب تناول کند

در این تب اگر حرارت بسیار زیاد باشد تناول باید قرص کافور با شیر دختران یا شیر خر که تازه دوشیده باشند و اگر حرارت زیاد باشد قرص کافور با دوغ گاو بیاشامد و اگر طبیعت نرم باشد قرص طباشیر قابض و سفوف الطین و شربت مورد دهند و غذا مزوره از ماش و داده و بغش کرنج پخته باشد با [illegible] بلوط تناول کنند و اگر در این تب خشکی بسیار غالب باشد مضمضه کنند با شیر دختران و ترنجبین بریزند شیر را در بدن تا مالش کند آنگاه بگذارند گوشت مرغ جوان کوفته که انداخته باشند در آن آش [illegible] و اندک [illegible] و باید دانست که اگر در این تب طبیعت نرم باشد این سفوف بسیار نافعست مغز تخم کدو و مغز تخم خیار [illegible] از هر یک [illegible] طباشیر سفید از هر یک دو دانگ تخم خرفه بو داده چهار دانگ صندل سفید تخم حماض شاه بلوط از هر یک دو دانگ کافور یک دانگ تخم گل [illegible] کوفته و بیخته با شربت مورد بیاشامند خوراک این سفوف یک مثقال است

## ورق ۴ حمی خلطی و حمی دق

| اسماء | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| حمی مطبقه [illegible] | [illegible] | کودکان و جوانان | بهار | جنوبی | خط [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] بودن [illegible] | [illegible] |
| حمی مرکبه [illegible] | [illegible] | کودکان و جوانان | [illegible] | جنوبی | خط [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی دق [illegible] | گرم و خشک | جوانان | تابستان | گرم و خشک | خط [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| حمی دق [illegible] | گرم و خشک | جوانان | تابستان | گرم و خشک | خط [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## افسام ورمها و جوششها



| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | فلغمونی | حمره | [illegible] | [illegible] |
| مزاجها | گرم و تر | گرم و خشک | سرد و تر | سرد و خشک |
| سالها | کودکان | جوانان | پیران | [illegible] |
| فصلها | بهار | تابستان | زمستان | پاییز |
| شهرها و ساعتهای مخصوص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| تدبیر عام | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه خاص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





## معالجه خاص و عام



اگر خون در بدن بسیار باشد بکار برند چیزیکه ورم را نرم کند مثل روغن نیم گرم با آب نیم گرم و بگذارند بر ورم آرد جو و خطمی و شبت
و اگر خون در بدن بسیار باشد استفراغ کند بفصد و بمالد سر و گردن و ورم را بگل ارمنی و صندل با آب کاهو و بعد از روز
چهارم بیامیزند با آنچه مذکور شد آرد جو بابونه و گندم و اگر در ابتدای ورم درد بسیار باشد بکار برند چیزهای بسیار سرد
بلکه بکار برند چیزی چند که بعضی از وی قابض باشد و عضو را نگه دارد و بعضی دیگر ورم را نرم کند مثل موم و روغن گل سرخ که
فرو برند در آن بید و چیز پشم تازه و بر موضع ورم گذارند و غذا دهند مزوره ماش و اسفناج و مغز خیار شنگ و اگر حرارت بسیار
باشد پس بایشامد بیمار شیره جو و آب انار و سکنجبین و شیره تخم خیار و ضماد کنند در آخر ورم بابونه و اکلیل الملک و خطمی که تر کرده
باشند بلعاب بزرگ سفید و اگر جمع شود در ورم چنان ماده که باید و امّا تحلیل نرود باید که نشتر زنند و فتیله گذارند آنجا که جراحان می کنند

سزاوار آنست که بکار برند در نمله دوائی که خشک کند نمله را یعنی آنکه سوزشی داشته باشد مثل قشر سیب و گل ارمنی و گل قیمولیا از هر یک
جزوی اقاقیا نیم جزو با گلاب و اگر نمله عضو را بخورد محتاج باشد بخشک کردن یا پس بخیزند مازوی سبز و برگ مورد
خشک و برگ سوسن و بکوبند بسیار نرم و بریزند بر روغن گل سرخ که گداخته باشند در او اندکی موم و بر جسم زنند تا مرهم شود
بمالند بر موضع نمله و بیاشامد بیمار شیره تخم خرفه با شربت غوره و تناول کند آش انار نیخود آش

و درین مرض اوّل بار اسهال بلغم کند و بعد از آن پرهیز باید کرد از غذاهائیکه بلغم از وی بهم رسد مثل ماهی و شیر و ضماد کنند
عضو را بنمک و صبر و مر سائیده یکدیگر بان قسم که بکوبند اینها را نرم و تر کنند بآب برگ مورد تازه و اندکی سرکه و اگر ورم
رخو در عضوی باشد که توان بست باید که بر بندند بپارچه که طرف بالای ورم سخت بربسته شود و طرف پائین نرم و اگر ورم رخو
از ریحی که آمیخته به بخار باشد بهم رسد چنانکه میباشد در طایفه که مزاج ایشان فاسد است و در گروهی که سل دارند باید که
روغن گل و نمک بر موضع بمالند که باین تدبیر زود زایل شود

و درین ورم اوّل مسهل باید داد که اسهال سودا کند پس ضماد باید کرد ورم را به سر ساق گاو و با موم گداخته بانکه بپزند انجیر سفید
و شیرین را چنانکه مهرا شود پس بیامیزند با او آب شنبلیله و آرد برزک سفید و روغن سوسن و مجموع را در هاون نرم سائیده
بر موضع ورم گذارند و پرهیز کنند از غذاهائیکه سودا از آنها بهم میرسد مثل گوشت گاو و گوشت بز و عدس و نمک سود

ورق ۴

# افسانه ورمها وجوشها

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | معالجه جزئیه | معالجه قرابادین |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| حمره [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | بیخطر است مگر آنکه در عضو شریف باشد | [illegible] | [illegible] | فصد کردن | [illegible] | [illegible] |
| سرطان [illegible] | سرد و خشک | دو مویان | پائیز | سردسیر | خطرناکست | [illegible] | [illegible] | فصد کردن و اسهال [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| دبیله [illegible] | تر | پیران | زمستان | جنوبی | خطرناکست [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد کردن | [illegible] | [illegible] |
| سلعه [illegible] | تر | جوانان | بهار | جنوبی | بیخطر است | [illegible] بسیار | [illegible] | فصد کردن و اسهال [illegible] | مرهم [illegible] موضع گذارند | [illegible] |





| معالجه عام | ۶ |
|---|---|

هرگاه بعد از فصد محتاج باشد بیمار باسهال باید که اسهال کند بمطبوخ عناب و سپستان و انجیر و تمر هندی و آلوی بخارا و هلیله زرد و بیاشامد بیمار شیره تخم خرفه با سکنجبین یا دوغ تناول کند غذا آش غوره و بمالند بر موضع ورم اقاقیا و صندل و گلاب و آب همیشه بهار

پیش از آنکه سرطان زخم شود ضماد کنند بر هم شنجرف و بعد از آنکه زخم شد بمالند بر سرطان سفیداب قلعی و توتیای مغسول و روغن گل سرخ و آب شیشم تازه و قنطوریون با آب سایشده و پنج شبت و برگ بارتنگ که سرشته باشند تا مانند مرهم شود پس اگر کار دشوار شود و اراده کنی که قطع کنی او را از آهن پس اگر در رحم باشد راهی نیست طبیب را بقطع آن و اگر در پستان باشد یا در موضعی از بدن که در حوالی آن رگهای جهنده بسیار نباشد پس باید شکاف کرد او را به تیغ بسیار تند و سرطان را بیرون باید آورد و پس رگها را باید فشرد و خونیکه در آنجا باشد بیرون آید بعد از آن علاج آن بمرهمی باید که گوشت برویاند

آنچه یاری میدهد بر گشودن دبیله آرد جو است که بیامیزند بروغن زیتون و بر دبیله گذارند پس اگر باین گشوده نشود روغن شبت بر آن بمالند و اگر محتاج شوند بشکافتن دبیله باآهن باید که بشکافند چنانکه مذکور شد در طمون و فتیله گذارند آنچنانکه جراحان کنند

اکثر اوقات خنازیر در بیخ گردن و بیخ ران بهم میرسد و سزاوار آنست منع کنند صاحب این ورم را از غذاهای غلیظ بعد از آنکه پاک کنند بدن و را باسهالها و غذا بسیار کم دهند و ضماد کنند ورم را با آرد باقلا و آرد جو و اصل السوس کوفته و خطمی کوفته و سوم سفید با پیه اردک و روغن زیتون تازه پس هرگاه خنازیر بحرکت آید فلاخمون بر آن گذارند تا پاک کنند او را از گوشت مرده و چرک و بعد از این روغن بر آن بمالند پس هرگاه پاک شود مرهم زنگار بر بندند تا گوشت بروید و اگر خواهی معالجه او را باآهن کنی شکاف پوست را بدر از انچنانکه اصل ورم شکافته نشود و بعد از آن پوست را بقلاب از روی ورم جدا کن و خنازیر را آهسته آهسته بیرون بیاور و علاج سلعه باآهن نیز چنین است و بپرهیز از آنکه سلعه و خنازیر پاره پاره شود زیرا که اگر پاره شود علاج مشکل شود و بعد از آنکه سلعه و خنازیر را بیرون آوری بدوز او را و زرد و صفره بر آن بپاش تا خشک شود گاه هست که سلعه و خنازیر به بستن سرب برطرف شود

ورق ۷

## مرضها که عارض میشود بدن و خصوصیت بعضو از اعضا ندارد

| نامها | مزاجها | سنها | فصلها | شهرها | سالها | سبب | علامات | نبض | قاروره | معالجه |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| حصبه | گرم و تر | کودکان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد کردن از رگ بدن [illegible] | [illegible] |
| جذام | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد کردن از رگ [illegible] | [illegible] |
| برص | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | اسهال کردن بلغم [illegible] | [illegible] |
| بهق | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| معالجه عام | ۷ |
|---|---|

اول فصد کنند بعد از آن شیره جو که پخته باشند در مدس و عناب و سپستان بیاشامند و شربت خشخاش و غذای ماش مزوره که و تا پس اگر بیرون آید بگیرند پنج دانه انجیر خشک و پنج درهم عدس مقشر و نیم درهم رازیانه و پرسیاوشان مثقال آب دیگ بجوشانند و صاف نمایند باویکی ورم آب نار پس چار بیاشامد و اگر قبض شد طبیعت او پس باید که بیاشامد ترنجبین با شیره جو و مغز تیار شنبر یا لعوق آلو و اگر نرم باشد طبیعت او پس بگیرند جو بوداده نیم کوفته و پسته بدانجم سوره دو بپاشند بر تضمیغ عربی و گل ارمنی و قرص طباشیر قابض و ارب بیمار بیاشامد و اگر سرفه باشد دوای ماذکوره با ربت مورد باید داد و غذا جاورسی که پخته باشند با جو بوداده نیم کوفته تناول کند و باید که میوه و سیب و به باشد و باید که حذر کنند از نرمی طبیعت بعد از هفتم و بچکانند در چشم بیمار و دراب اکلاک که خیسانیده باشند و آن سماق و آب کشنیز و اگر بیرون آید در چشم آبله سرمه باید کشید و در آخر بیماری دود کنند چشم را پر و دو چوب گز و شاخهای درخت انگور اگر فصل زمستان باشد و اگر تابستان باشد صندل و مورد و ورد باید گرد و باید که بریزند بر رختخواب بیمار گل سرخ کوفته و برگ آبی و حب به شروع کند در خشکی ریزند بر بدن نمک با روغن کنجد و بعد از تجامات بشویند و بعد از شستن بمالند بر بدن
آرد جو و آرد جاورس و اندک زعفران و یکشبانه روز بگذارند و بعد از آن بشویند

پیش از آنکه این مرض مستحکم شود باید که فصد کنند و مسهل بدهند و غذاهائیکه ترطیب بدن کند بکار برند مثل گوشت بره و بزغاله و شیر تازه دوشیده و باید که غرغره فرمایند بشیر دختران یا روغن بادام و ملاحظه کنند از هوای سرد و مکان و جا باشد که هوای آن گرم و تر باشد و پرهیز کنند از غذاهائیکه سودا از آنها بهم رسد مثل گوشت گاو و گوشت شتر و گوشت جانوران شکاری و نمک سود و بمالند بدن را بروغن بنفشه و پیه اردک و پیه مرغ و بریزند در حمام بر بدن و آنچه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و بنفشه و بعد از آن بمالند بدن را با آرد نخود و آرد باقلا و باید که بیاشامد هر روز شصت مثقال ماء الجبن با این سفوف هلیله کابلی هلیله سیاه از هر یک نیم مثقال افتیمون و اسطوخودوس و برگ گاوزبان از هر یک دو دانگ لاجورد و نمک نفط از هر یک یکدانگ کوفته و بیخته سفوف سازند و نفع میکند صاحب جذام را اینکه تناول کند نیم مثقال فتر ... [illegible] با شربت عسل شوربا گوشت افعی و علامت صحت ایشان روییدن اندا ... [illegible]

پرهیز کنند از غذاهائیکه مولد بلغم باشد مثل شیر و ماهی که در شلالنست و میوه های سرد و تر مثل خیار و خیار شنبر و تناول کند گوشتهای شکاری که نمک سود کرده باشند و باید که بمالند بر موضع برص زرنیخ و نفط سفید و شیطرج و عاقرقرحا و شقایق و بیخ درخت انگور و خربق که بسرکه سائیده باشند و از آنچه زنگ میکنند بآن برص نیل است و روناس از هر یک دو درم بکوبند نرم و بسرشند بسرکه و بمالند بر موضع برص و همچنین جنبش تحدید و مرصاف کرنجیانند در آب پوست انار و بمالند ... شبانه روز

باید که مسهل بلغم و سودا بکار برند و پرهیز فرمایند از غذاهائیکه مولد بلغم و سودا است بعد از آنکه بمالند بر موضع اگر بهق سفید باشد پوست بیخ کبر کوفته سرشته باشند بسرکه و بالنسبة حرارت ... [illegible] و دانگ شسته گرد کرده باشند بسرکه و گشنیز و آفتاب گردان ... [illegible] اگر بهق سیاه باشد بمالند بر موضع زرنیخ نارنج با سرکه

ورق ۸

مرضهائیکه عارض پوست بدن شوند و از آنها اند که فقط در پوست بدن حادث شوند و مخصوص بعضو نباشد

| نامها | قوبا یعنی درشتی که در پوست بدن هم رسد | حکه یعنی خارش | نقش جلد یعنی پوسی از نقش بدن | قمل یعنی شپش |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | خشک | خشک | تر |
| سالها | جوانان و دموی‌ها | دموی‌ها و جوانان | دموی‌ها و جوانان | پیران |
| فصلهای سال | زمستان و پائیز | پائیز | پائیز | زمستان |
| شهرها | گرم | خشک | خشک | جنوبی |
| سلامت و خطر | بیخطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | سودا یا بلغم که آمیخته باشد با خون تند شود | بلغم آمیخته با خون صفرا شور | بلغم شور که با خون سوخته آمیخته باشد | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | ظاهر است | ظاهر است |
| علاج | فصد کردن و اسهال کردن با آب میوها و تربد سفید | فصد کردن و اسهال کردن [illegible] | فصد کردن | اسهال کردن بحب ایارج |
| پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | بسیار بحمام رفتن و غذاهای لطیف خوردن |
| معالجات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

خوردن انجیر خشک

باید که



۸

باید که فصد کنند و مسهل سودا و بلغم بکار برند و پرهیز فرمایند از غذاهائی که مولد سودا و بلغم باشد و اگر قوبا در رو باشد بمالند بر موضع روغن گندم و گرد عیزرو باشد بمالند بر موضع پوست هلیله زرد که کوفته باشند و سرشته باشند بصمغ درخت آلو که در سرکه حل کرده باشند و بمالند خربق و آرد نخود که سرشته باشند با سرکه

بعد از آنکه مسهل بکار برده باشند و اصلاح غذا فرموده باشند باید که بدن صاحب حکه را در حمام با آب شور مکرر بشویند و باید که بمالند بر بدن آرد باقلای مصری و سرکه و گوشت خربزه و روغن گل سرخ و آب برگ چغندر که با یکدیگر آمیخته باشند و اگر باین علاج نشود باید که بمالند بر بدن او آب کرفس و سرکه که آمیخته باشند با بوره ارمنی و روغن گل سرخ و در جرب این حب نافع است هلیله زرد و صبر سقوطری کتیرای سفید گل سرخ از هر یک یکدرم زعفران یکدانگ سقمونیا یکدانگ کوفته و بیخته حب نموده میل کنند و بعد از آن نیم رطل آب شاهتره که چهل مثقال است بنوشند و بمالند در شب بر جرب بوره ارمنی و نمک نفط و کندش از هر یک دو درم که کوفته و بیخته و آمیخته باشند بروغن گل و صبح در حمام بشویند با اشنان پس بمالند بر بدن گل سرخ و صندل سائیده یا آنکه بمالند بر جرب کوگرد سفید و کندش و زرنیخ سرخ از هر یک یک جزو و خاکستر درخت انگور مساوی مجموع که کوفته و بیخته و سرشته باشند بروغن گل سرخ

باید که پرهیز کنند از غذاهائی که مولد بلغم باشد و بمالند بر بدن مویزج و باقلای مصری و بیخ سوسن و قردمانا که کوفته و آمیخته باشند بعسل و سرکه پس داخل حمام شود و بشوید بدن را یا بمالد بر بدن کوگرد و نخود که کوفته و سرشته باشند با سرکه

باید که اول مسهل بکار برند مثل حب ایارج پس غذاهای مناسب میل کنند و اهتمام کنند بپاکیزه کردن بدن خود را از چرک و بسیار بحمام روند و بپوشند جامهای کتان نرم و پرهیز کنند از خوردن انجیر خشک و بمالد در بدن در شب زیبق کشته و مویزج کوفته با روغن کافته و صبح بحمام رفته بدن را بشویند یا آنکه بمالند بر بدن قسط و قردمانا و زهره گاو از هر یک یکجزو که تمام کوفته باشند و بروغن پسته سرشته باشند پس بشوید بدن را بآب سبوس گندم

| ورق ۹ | مرضها که عارض پوست بدن میشود [illegible] |
|---|---|

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | [illegible] | استفراغ | پرهیز | معالجه دیگر |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| شری یعنی [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | جنوبی | بی خطر است | خون تنک که آمیخته باشد با صفرا یا بلغم | [illegible] | فصد کردن اگر صفرا باشد اسهال نمودن بمطبوخ افتیمون یا باهلیله کابلی | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] یعنی جوشهای [illegible] | تر | پیران و [illegible] | زمستان | سردسیر | بی خطر است | غلیظ بودن رطوبت | [illegible] | اسهال نمودن با ایارج فیقرا | غذای لطیف تناول کردن و [illegible] بحمام رفتن | [illegible] |
| حصف یعنی [illegible] در جدول علامات مذکور است | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | بی خطر است | گرمی [illegible] آمیخته باشد با خون | [illegible] | فصد کردن | [illegible] | [illegible] |
| مسامیر [illegible] یعنی [illegible] در جدول علامات مذکور است | سرد | [illegible] | پاییز | سردسیر | بی خطر است | سودا با بلغم آمیختن | [illegible] | اسهال کردن بمطبوخ افتیمون | [illegible] | [illegible] |





| ۹ | معالجه خاص |
|---|---|

اگر شری از صفرا بهم رسد باید که بیاشامد چهار آب تمر هندی و سکنجبین و طباشیر و کافور و بمالند بر موضع شری آب گشنیز تر و آرد جو و بشویند بدن را با آب برگ زیتون که جوشانیده باشند و کرده باشند سرد و اگر شری از بلغم بهم رسد پس باید که بیاشامد چهار پانزده مثقال سکنجبین با یک مثقال پودنه نهری بمالند بر بدن آرد جو بوداده و کرفس پس اگر نفع نکند باید که بیاشامد ماء الجبن چند روز با این سفوف هلیله سیاه و هلیله کابلی از هر یک یکمثقال تربد یک دانگ رازیانه دو دانگ نرم بکوبند و چهار کف کند و بیاشامد و بعد از آن ماء الجبن را با هفت مثقال نبات سفید بخورد

اگر این جوششها بهم رسد از خلط بد که حرکت کند از اندرون به بیرون و در میان گوشت و پوست بماند و معالجه این مرض آنست که مسهلات بکار برند و پرهیز از غذاهائی که مولد خلطهای غلیظ باشد و بگذارند بر بدن پارچها که تر کرده باشند با آب گرم تا اینکه جوششها خوب بیرون آید بعد از آن بمالند بر موضع اندک تریاک با سداب که آمیخته باشد با سرکه

بمالند بر بدن در حمام گوشت خرزه که آمیخته باشند با آرد عدس و باید که بریزد بسیار بر بدن آب گرم که جوشانیده باشند در آن سبوس گندم و اکلیل الملک و آب سرد بر بدن نریزند که بسا باشد که این مرض از ریختن آب سرد بهم رسد و هرگاه بکوبند بادام و زردچوبه و خمیر نموده باشد که در روغن گل سرخ بمالند بر بدن در حمام نافع باشد

شونیز نرم کوفته با سرکه خمیر نموده بر موضع گذارند پس سوهان کرده که با سرکه سائیده باشند پس اگر نفع نکند بکار برند فلفل و نمک پس بمالند بر موضع روغن طعام پس اگر بر موضع حاصل شود خشک ریشه باز همین دوا را بکار برند پس روغن بمالند تا اینکه بالکلیه برطرف شود و نفع میکند اینکه بگیرند زنگار و سبوس سوخته و شحم حنظل و بوره ارمنی و نوشادر و قلقطار و زرنیخ و اشنان از هر یک جزوی و آهک نصف جزو و بکوبند در صابون و خمیر کنند با آب صابون و بر موضع گذارند بعد از آنکه ببندند بیخ ثؤلول را بموی یال یا دم اسب یا بنخ ابریشم و اگر خواهی که معالجه کنی ثؤلول را با آهن باید که بشکافی حوالی ثؤلول را بتیغ و بکشی بمنقاش و ببری از بیخ و اگر خواهی که عود نکند بعد از بریدن موضع داغ باید کرد

ورق ۱۰

مرضهائی که عارض میشود بپوست بدن و از آن بیرون می‌آید و مخصوص نیست از اعضا بعضوی

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | فاوفارس معنی آن در جدول ... علامت ... گذشت | جوششهای کوچک که از خون و سودا برون آید | اقلادم معنی آن نیز در جدول ... علامت ... گذشت | عرق بسیار کردن |
| مزاجها | گرم | خشک | خصوصیت بمزاجی ندارد | گرم |
| سالها | کودکان و جوانان | ی و موبان | در همه سنها بهم میرسد | جوانان |
| فصلهای سال | تابستان و بهار | پائیز | همه فصلها | تابستان |
| شهرها | گرمسیر | خشک | در همه شهرها میباشد | جنوبی |
| سلامت و خطر | خطرناکست اگر بسیار باشد | بی خطر است | خطرناکست | خطرناکست اگر ضعیف کنند بدن را |
| سبب | ریختن خون ... | خون و سودا ریختن | [illegible] | گشادگی مسام و بسیاری رطوبت در بدن |
| علامتها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد کردن | فصد کردن و اسهال نمودن بمطبوخ افتیمون | نباید کرد | نباید کرد |
| تدبیر | [illegible] | مرداسنج ... بمالند | [illegible] | بمالند بر بدن گل ارمنی و مرداسنج با گلاب ... |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

نمیکند



| ۱۰ |
|---|

نفع می‌کند؛ زرفارسی را سوراخ کردن او بسوزن و گذاشتن بر موضع سفیداب و مرداسنج و صندل و کافور که سائیده باشند با گلاب و پارچه در آن خیسانیده باشند آن پارچه را بر زرفارسی مکرر بگذارند و بمالند بعد از آن گل ارمنی که برشته باشند با سرکه و آب

دوائی که مسهل سودا باشد بکار برند و منع نمایند او را از غذاهائی که مولد سودا باشد و غذاهای لطیف نیکو بکار برند پس بگیرند بیخ سوسن و بجوشانند او را با آب و صاف نموده او را با آب و موم را در آن آب بگدازند و بر موضع بمالند و اگر کسی خواهد اثریکه باقی مانده باشد از ریشها و آبله پاک کند بگیرد مرداسنگ و بیخ نی خشک و آرد برنج و تخم خربزه و قسط و بکوبد و با شیره تخم خربزه آمیخته بر موضع بمالد

اگر واقع شود دام الدم در زیر بغل یا بیخ ران یا گردن یا اعضای دیگر که رگهای جهنده بزرگ در آن بسیار باشد باید که علاج او با آهن نکنند و اگر واقع شود در عضوی که رگهای جهنده آن خورد باشد باید که بشکافند پوست را از بالای آن و بیرون آرند خونی که در زیر پوست است و گوشتی که بر روی رگ جهنده است که پاره شده را برآورند و بقلاب رگ را بیرون کنند و ببندند دو موضع آن رگ را که دور باشند از موضع پاره شده بعرض یک انگشت با بریشم محکم بعد از آن پاک کنند خون از او بپاشند بر او ذرور اصفر بعد از آن مرهمی که گوشت برویاند بکار برند

بمالند بر بدن مرداسنج و مازو که کوفته باشند و با آب برگ شاخ انگور تر کرده باشند یا این روغن را صفت آن بگیرند به و شکوفه به از هر یک چهل مثقال گل سرخ خشک بیست و پنج مثقال و در چهارصد مثقال آب بجوشانند تا صد مثقال بماند و صاف نمایند و بریزند بر او پنجاه مثقال روغن گل سرخ و با آتش ملایم بجوشانند تا آب او برود و روغن بماند

| ١١ | معالجه عام |
|---|---|

باید که پرهیزد صاحب مرض از غذاهائیکه مولد خلطی است که آن مرض از آن خلط بهم رسیده است پس بمالند موضع را بپارچهٔ زبر درشتی تا سرخ شود و بعد از آن چندین جا را از آن موضع تیغ زنند که خون بیرون آید و اگر این مرض از بلغم باشد بمالند بر موضع سیر کوفته با بورهٔ ارمنی و خردل و مویزج که سرشته باشد با روغن زیتون و اگر از این دوا موضع آبله شود سفیداب را با روغن گل سرخ و پیه مرغ خانگی بر آن بمالند و اگر این مرض از سودا بهم رسیده باشد بمالند بر موضع شیح سوخته و حضض با روغن مورد و پس بشویند موضع را بخطمی و سبوس که در آب جوشانیده باشند و اگر موی بریزد از عضو بعد از مرضهای حار پس تناول کند غذاهائیکه رطوبت دهد بدن را مثل گوشت بره و بزغاله و مکرر بحمام نیم گرم رود و چون از حمام بیرون آید روغن موم بر بدن بمالند

هرگاه چرب کنند سر را بروغن کنجد و بپاشند برادرگ سوسن کوفته نافعست و همچنین نفع میکند اینکه بگیرند مازو و مورد و بکوبند و بیامیزند با روغن کنجد و اندکی موم بر سر بمالند یا بگیرند گل سرشور و سرگین کبوتر نیک و بکوبند و بیامیزند بروغن کنجد و بر سر بمالند و اگر نفع نکند فصد کنند دو رگ را که در پس گوش است و خونی که از آن بیرون آید بر سر بمالند

بعد از تنقیه بدن بشویند سر را هر روز با آبیکه جوشانیده باشند در او آرد نخود و آرد حلبه و بورهٔ ارمنی و شیشهٔ سفید که بسیار ساییده باشند و خطمی از هر یک نیم مثقال و اندکی سرکه اضافه نموده باشند و باید که مداومت کند بتراشیدن سر و چرب کردن سر بروغن گل سرخ و اندک سرکه و گل قیمولیا

بعد از استفراغ بدن بگیرند عود هندی کف دریا و پسته و مشک و عنبر از هر یک یک جزو زعفران نیم جزو همه را نرم بکوبند و ببیزند و خمیر نمایند با آب مرزنجوش و بقدر نخودی بزایند و اندر چیزی که آزاد نباشد تا سه روز اول ماه و میان ماه و آخر ماه

ورق ۱۱

## مرضهائیکه در پوست سر بهم میرسد

| نامها | داء الثعلب و داء الحیه | سعفه | حزاز | ترک شدن سر و شکافتن آن |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم و خشک | تر | خشک | تر |
| سالها | کودکان و جوانان | کودکان و پیران | جوانان | پیران |
| فصلهای سال | پائیز | زمستان | پائیز | زمستان |
| شهرها | تر و خشک | تر | خشک | تر |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | هر یک از اخلاط ... [illegible] | بلغم شور | بخار بلغم شور ... بخار خون ... با سودا | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد کردن اگر سبب خون باشد و اسهال فرمودن ... [illegible] | فصد کردن از رگ قیفال ... [illegible] | اسهال فرمودن ... ایارج ... صبر | اسهال فرمودن ... [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه مخصوص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

مرضهاکه در پوست و روی بهم رسد

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | معالجه [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] چون بهم رسد کورو پوست | تر | کودکان | زمستان | تر | بی خطراست. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] کلف که در روی بهم رسد از جدول علامت معلوم شود | خشک | دو موزایان | پائیز | خشک | بی خطراست. | سوداوی ... بخار خون و خلط | [illegible] | فصد کردن ... ماء الجبن | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] که در روی بهم رسد از جدول علامت معلوم | خشک | دو موزایان | پائیز | خشک | بی خطراست. | [illegible] | [illegible] | اسهال ... مطبوخ افتیمون | مرهم زنکار بکار برند | [illegible] |
| [illegible] | خشک | دو موزایان | پائیز | خشک | بی خطراست. | بسیار کرم مادهٔ غلیظ | [illegible] | فصد کردن ... مطبوخ افتیمون | [illegible] | [illegible] |

باید که تنقیه



# معالجه عام

باید که تنقیه بدن کنند بحب ایارج و پرهیز کنند از غذاهائیکه مولد بلغم باشد و از مالیدنیها آنچه در جدول برابر نوشته شده بکار برند و هر دوائیکه خشک کننده باشد و رطوبت را برطرف کند هرگاه بمالند نفع کند

بگیرند پوست نی دو مثقال و نیم و تخم ترب و کندش و خربق از هر یک یک مثقال بکوبند و بآب ترب خمیر کرده در شب بمالند صباح با پنگه سبوس گندم در او جوشانیده باشند بشویند و اگر کلف و نمش بسیار غلیظ باشد باید که بکوبند خردل و سرکین گنجشک و خمیر کنند تا پیکا بخر در آن پخته باشند و بر موضع بمالند و اگر از این دواها سوزش بهم رسد که چتاب کند باید که بشویند و بمالند بران کتیرای که در شیر [illegible]

و اگر دواهائیکه در جدول برابر نوشته شده نفع نکند باید که بخراشند موضع را تا از گوشت فاسد پاک شود و بعد از آن مرهم زنکار بکار برند و چون خوب پاک شود مرهم احمر و غیرا و از مرهمهائی که گوشت برویاند بکار برند و باید که علاج کنند شوره بعد سینه را بموم و روغن تا اینکه نرم شود و بعد از آن بمالند بران صمغ الوکوهو بوره و اوامنی و کندش و اگر از این دواها خارش عظیم بهم رسد باید که افیون بر موضع بمالند

بعد از تنقیه بدن باید که زلو در موضع بچسبانند تا خون سوداوی بمکشد بعد از آن عدس را بکوبند و با پیه مرغ خاکی سرشته بر موضع بمالند و معالجه ترکیبه نهائی وی را بموم و روغن بنفشه و کتیرا کنند

## مرضهائی که بهم میرسد در پوست و دست و پا

| | | | |
|---|---|---|---|
| نام مرضها | عرق مدنی | داء الفیل | دوالی |
| سن ارجحها | کرم | خشک | خشک |
| فصلهای بیشتر | جوانان | کودکان و مردان | کودکان و مردان |
| شهرها | تابستان | پاییز | پاییز |
| سلامت از خطر | گرمسیر | خشک | خشک |
| سبب | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سوء مزاج | سوداء | سوداء | سوداء |
| تنقیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | فصد کنند اگر با آن تب باشد | اسهال نمودن بحب صبر و ماء الجبن | فصد کردن رگهای ساق و اسهال فرمودن بمطبوخ افتیمون |
| پرهیز و غذا | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علاج مخصوص | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



## معالجه عام

باید که پرهیز دارا زادویه حاره و اقسام کامها و خوردن ماهی شور و هر گوشتی که نمک سود باشد و از خرما ها و بمالند بر موضع گرد صبر و هر گاه عرق مدنی از پوست بیرون آید به پیچند بر پارچه سرب و گره زنند و همچنین آنچه هر روز از پوست به پیچند بر آن سرب و گره زنند و باید که بکشند این رگ را بهمواری تا بیرون آید و پاره نشود و اگر بخودی خود بیرون نیاید باید که بشکافند موضع را تا سر آن رگ از زیر پوست پیدا آید و آنچه باعث بیرون آمدن عرق مدنی از زیر پوست باشد آنست که بگیرند مرداسنج و خاکستر نی از هر یک یکمثقال و نیم و بیامیزند با روغن کنجد هشتاد مثقال که بیست مثقال موم در آن گداخته باشند و بر موضع بگذارند و همچنین بگذارند بر موضع بذر قطونا که بروغن بنفشه آمیخته باشند

باید که بعد از تنقیه و مالیدن آنچه مذکور شد ببندند ساق پا را از پایین تا نزدیکی زانو بپارچهای محکم پهن دراز و قی در این کوفت نافع است و بگیرند تخم کلم و خاکستر چوب انگور و باقلای مصری و قطرون و گل زرد آرد حلبه و بکوبند و بسرشند بآبی که کلم در آن پخته باشند و بر موضع بگذارند

پرهیز از غذاهائیکه مولد سوداست و راحت فرماید پاها را از حرکت و کم تعب دهد آنها را و بار سنگین برندارد و بدود و غذاهای نیکو بکار برد و اگر احتیاج شد بمعالجه کردن با آهن باید شکافت پوستی را که بر روی رگهاست تا رگهائی که از ماده سودا پر است ظاهر شود و بعد از آن بالا و پایین رگها را آنجا که ماده کم است محکم باید بست بابریشم و آنچه از رگ در میان باشد باید برید و بیرون آورد

باید که بپادشاه صاحب این مرض در هر روز پانزده مثقال روغن کنجد تا یک هفته تناول کند پاچه و گوشت بره و در ترکیدن پا ببندند چنانکه خمیر کرده بکشند بآرد حلبه و در ترکیدن پاشنه بمالند پیه بز که گداخته باشند با مازو نیکه بسیار نرم کوفته باشند و در با ون با یکدیگر سائیده باشند یا این مرهم را با مرداسنج کتیرا و مازو نرم بکوبند و با روغن بنفشه که مغز ساق گاو و موم در آن گداخته باشند بیامیزند و در ریش شدن بن ران و پا باید که بمالند مرداسنج و گل ارمنی که با گلاب سائیده باشند یا آنکه بمالند روغن گل سرخ بر موضع بعد از آن بپاشند بر آن گل سرخ و مورد که بسیار نرم کوفته باشند

## مرضهاکه بهم میرسد بسبب دست و پا

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | [illegible] | استفراغ | [illegible] | معالجه [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| داحس [illegible] | گرم | کودکان و جوانان | بهار | گرمسیر | بی خطر است | خون زیاده | [illegible] | فصد کردن | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | تر | کودکان و جوانان | زمستان | سردسیر | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| کمی ناخن [illegible] | خشك | دو مویان | پائیز | سردسیر | بی خطر است | خشکی مزاج | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| ریش شدن [illegible] | سرد | پیران | زمستان | سردسیر | بی خطر است | بلغم زیاده | [illegible] | استعمال نمودن حب صبر | [illegible] | [illegible] |





| ۱۴ | معالجه عام |
|---|---|

اگر ساکن نشود درد جنس ادویه مذکوره در جدول برابر باید که بکار برند دوا تا یکه سه روکند مثل تخم مرو و زرک سفید و پسته بعد از کوفتن بر موضع گذارند و پارچه کتان بر آن ببندند و اگر باید واسه و کند بیشتر باید زد و فشرد تا بیرون آید آنچه در گشت باید بعد از آن گذاشت بر موضع عدس و مورد کوفته و باگلاب پخته باشند و اگر درد آن بسیار باشد باید که افیون را در سرکه حل کرده بر موضع بمالند و بگذارند بر روی او پارچه کتان که بذر قطونا را تر کرده و بر روی او پهن کرده باشند

نیم مسکن او را آبی که جوشانده باشند در او انجیر و کلم و عدس متشرچه کاه دست را مکرر در او بگذارند و همچنین آنچه پخته باشند در او کاه و دانه و باقلای مصری و چغندر و همچنین آنچه در او شلغم پخته باشند یا بگذارند بر موضع انجیر که پخته باشند و با اندک روغن زیتون در هاون خوب ساییده باشند و اگر اینها نفع نکنند بکار برند آنچه برگ بیخ در او پخته باشند و اگر رنگ موضع تیره یا سبز باشد تیغ باید زد و عدس پخته در آن باید گذاشت و هرگاه انگشتان از نقرس بدین حرارتش بهم رسانند و ترکه باید مکرر بر موضع بول کنند و پیاز ببندند

باید که تناول کنند غذاهای موافق مثل گوشت بره و بزغاله و مرغ خانگی و ماهی ریزه که از رود خانه گرفته باشند تا مزاج بدن رطوبت بهم رساند و بچسبانند بر موضع مرهم داخلیون که نرم کرده باشند با روغن بادام و روغن بنفشه و بگذارند بر موضع موم زرد پرورده و مصطکی که با روغن ان در هاون نرم ساییده باشند و اگر روغن فاسد شود و خواهی که بگیری او را اول بار مرهم داخلیون باید گذاشت بعد از آن زرنیخ سرخ و زرد و جاو شیر را با روغن بادام تلخ و روغن زیتون در هاون نرم ساییده با به مالید

بگیرند دبق و زرنیخ از هر یک جزوی و فراربیح ربع جزو پس کج بندد و با سه که سرشته بر ناخنی که برص داشته باشد بمالند و در خوره شدن ناخن بسبب ضربه با زبیدیا غیر ضرب بگیرند برگ مورد و برگ انار و نرم بکوبند پس در هاون نرم با حب صلایه کنند و بر موضع گذارند و اگر آرد گندم با روغن گل بسرشند و بر ناخن گذارند سود دارد و در ریش شدن ناخن پاشنه بسبب موزه باید که ششش بر موزه بندند که سود دارد و اگر ششش نزد ابسوزانند تا خاکستر شود و بر پاشنه پاشند نفع است و همچنین اگر بگیرند پارچه پوستی از زیر کفش کهنه و بسوزانند و خاکستر آن را بر پاشنه پاشند نافعست و هرگاه ساکن نشود درد آن باید که مازو را بسوزانند و با اقاقیا بسایند و با سرکه سرشته بر موضع بگذارند

## جراحتها و زخمها

| نامها | جراحتها | زخم کهنه | زخم کهنه که چرک بسیار داشته باشد | زخم کهنه با گرمی مزاج |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | خصوصیتی بمزاجی ندارد | سردی | تر | گرم |
| سالها | در همه سنها بهم میرسد | پیران | پیران | جوانان |
| فصلهای سال | در همه فصلها بهم میرسد | پائیز | زمستان | تابستان |
| شهرها | در همه شهرها میباشد | سردسیر | جنوبی | گرمسیر |
| سلامت و خطر | بیخطر است مگر آنکه پهلوی عضو شریف باشد | بیخطر است مگر آنکه نزد عضو شریف باشد | بیخطر است مگر آنکه نزد عضو شریف باشد | بیخطر است مگر آنکه نزد عضو شریف باشد |
| سبب | کارد یا شمشیر عضو ببرد [illegible] | جراحت کهنه شود [illegible] | ضعیف بودن عضو [illegible] فضلات را دفع کند [illegible] | گرم یا جراحت کهنه یا خوردن چیزهای گرم [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد باید کرد اگر خون بسیار از عضو رفته باشد | فصد باید کرد اگر اخلاط در بدن بسیار باشد | [illegible] | فصد کردن |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| ١٥ | معالجه عام |
|---|---|

اول باره و لب زخم را بهم باید چسبانید باین روش که از چهار جانب آن یعنی بالا و پائین و دو پهلو چهار خرقه که آنها را رفاده گویند بگذارند و بعد از آن محکم باید بست پس اگر بانعل لبهای زخم بهم نچسبید لبهای زخم را باید دوخت و احتیاج بدوختن جهت در وقتی است که زخم در رگهای بدن واقع شده باشد پس اگر حرارتی در زخم بهم رسد صندل خشک سائیده و بر رفادها باید پاشید و باید که بمالند بر حوالی رفادها صندل با آب کاسنی سائیده و هرگاه دو سه روز گذشته باشد و هنوز جراحت تازه باشد لیکن خون نداشته باشد باید که بخراشند دو لب زخم را از آلتی آهنین بهمین تا که خون افتد بعد از آن لبهای زخم را بهم باید چسبانید بر رفادها بهمان روش که مذکور شد پس اگر زخم بسیار بزرگ باشد بپاشند بر آن ذرور صفر صفت آن انزروت دو درم صبر و افیون و شیاف مامیثا هر کدام یکدرم دم الاخوین مرکی هر کدام نیم درم زعفران یکدانگ نرم کوفته بپاشند و بکار برند

اگر زخم کهنه پاک نباشد و چرک داشته باشد برکنند زخم را به پنبه کهنه که آلوده باشند بروغن کهنه تا آنکه آن زخم را بعسل یا آب آمیخته بشویند و اگر با زخم حرارت بسیار نباشد مرهم اسود بکار برند و اینها پاک میکند زخم را و گوشت میرویاند صفت آن کندر و جبر و زراوند و بیخ سوسن گرد و اقلیمیای نقره نرم کوفته بر زخم بپاشند واگر چرک در زخم بسیار باشد همین دوا را با عسل بسرشند و بمالند بر پارچه کتان و بر زخم گذارند و اگر زخم بسبب آنکه گوشت برآمده باشد باید گذاشت بر آن انزروت مرهم را روغن گل سرخ دو درم موم سه درم موم را در روغن بگدازند و صبر و اقاقیا و دم الاخوین از هر کدام نیم درم نرم کوفته بسرشند و چون زخم گوشت نو برویاند و با پوست بدن مساوی شود بجهت خشکی آن این دوا را استعمال باید نمود گلنار و مازو و پوست انار و درمنه ترکی سوخته و برگ سوسن کوفته بیخته بکار برند

باید که پرهیز کنند از غذاهای تر مثل میوها و از آنکه غذا بسیار خورند و باید که غذا جوجه مرغ خانگی بریان باشد و اینها بکار برند بگدازند چهار درم اشق دو درم و چهار درم زنگار و یکدرم زرا و ند بسرشند و همچنین اینها و انا هست مرداسنگ زرد چوبه نرم بکوبند و با کره در روغن گل سرخ بسرشند و اگر رطوبت و چرک در زخم بسیار زیاده باشد اضافه دوای مذکور باید دار و گلنار و اقلیمیای نقره

باید که دواهای سرد و غذاهای سرد بکار برند و این مرهم زخم کهنه که با گرمی مزاج باشد بگذارند صفت آن مرداسنگ و سرکه و زرد چوبه و بپاشند بر رفادها صندل خشک سائیده و بمالند بحوالی زخم صندل سرخ سائیده با آب کاسنی و آب خرفه و اگر با چنین زخمی تب باشد باید که غذا آش ناردان باشد و اگر تب نباشد آش با جوجه مرغ خانگی

| ورق ۶۱ | جراحتها و زخمها | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | زخم کهنه با سردی مزاج | زخم کهنه با تری مزاج | زخم کهنه با خشکی مزاج | زخم کهنه با ورم یا با گوشت زیاد |
| مزاجها | سردی | تر | خشك | گرم |
| سالها | پیران | پیران | کودکان | جوانان |
| فصلهای سال | زمستان | زمستان | پائیز | تابستان |
| شهرها | سردسیر | تر | خشك | گرمسیر |
| سلامت وخطر | بیخطر اگر در عضو شریف نباشد | بیخطر اگر در عضو شریف نباشد | بیخطر اگر در عضو شریف نباشد | بیخطر اگر در عضو شریف نباشد |
| سبب | بسیار خوردن چیزهای سرد و ترش نمودن جراحت کهنه | افراط نمودن در غذا و نشستن رطوبات بتحلیل | کم خوردن و بسیار غذا ترک نشستن | بیحرکت شدن موضع زخم و ورم کردن عضو بسبب آن |
| علامتها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | سرخی [illegible] |
| استفراغ | نباید کرد | اسهال فرمودن بطبیخ و تربد | نباید کرد | فصد کردن |
| تدبیر اغذیه | تناول نمودن نخود آب و گوشت بره | [illegible] | نمودن موضع با شیر چرب گرم [illegible] | غذای [illegible] تناول کنند |
| معالجات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| ۱۶ | معالجۀ عام |
|---|---|
| | بایدکه پاشانند بسیار کم آب سرد و مرهم اسود بکار برند صفت آن مرداسنج یک وقیه و روغن زیتون سی مثقال مرداسنج را نرم بکوبند و با روغن بجوشانند تا سیاه شود و اینها را اضافه کنند کندر دم الاخوین انزروت از هر یک ده درم و بسیار خوب برهم زنند و در وقت حاجت بکار برند و باید که تناول کنند مویز و انجیر |
| | طرف صبح مرهم بکار برند و طرف شام پنبه و نفع میکند آنکه بکار برند اندک مرهم زنگار باین روش که بگیرند مرهم زنگار بکار برند و بگیرند پنبه کهنه و اگر زخم کهنه رطوبت بسیار داشته باشد و گوشت آن فاسد و بدبو شده باشد باید که بکار برند دوای بسیار تند تا گوشت فاسد را بخورد و هرگاه بر روی زخم خشک ریشه بهم رسد باید که نشتر را و روغن طعام و پنبه کهنه و اگر این تدبیر نفع نکند داغ باید کرد |
| | بایدکه غذا زیاده تناول کنند اما نه بقدری زیاد که از عهدۀ هضم آن بیرون نتواند آمد و سزاوار آنست که مرهمها بکار برند بسیار خشک کننده و باید مثل آرد جو و آرد کاورسانه که با موم و روغن مناسب مرهمها سازند و همچنین سزاوار آنست که غذاهای تر تناول کنند مثل شوربای چرب و شیر تازه دوشیده |
| | بپاشند زرقا و با صندل خشک سائیده و بمالند بر حوالی زخم صندل سرخ و سفید که سائیده باشند با آب گل همیشه بسیار و اگر با زخم کهنه گوشت زیاد باشد مرهم زنگار بکار برند و اگر بر دو لب زخم گوشت زیاد باشد و سخت بنجراشند آنرا با آلتی آهنین که آنرا قاذدین گویند تا آن گوشت سخت برطرف شود و اگر آن گوشت سخت کننده و غلیظ باشد که بتراشیدن برطرف نشود باید که بجبرند آنرا با تیغ تیز و بعد از آن مرهمی که گوشت برویاند بکار برند و اگر نتوان برید طلا دیگر بر دیگ بکار برند تا آن گوشت غلیظ مرده را بخورد و بعد از آن روغن طعام بمالند تا خشکریشه که بهم رسیده بریزد و مرهمی که گوشت تازه برویاند بکار برند |

## کالمرد و بعضی دیگر از زخمها

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | تدبیر | معالجهٔ مخصوصه |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| زخمی که پاره پاره شده باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | باخطر است اگر رگ جهنده باشد | معلوم است | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| یعنی پراکنده عصب | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | باخطر است اگر بر عصب باشد | معلوم است | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| زخمی که با شکستن استخوان باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | بیخطر است مگر بر سر باشد | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| زخمی که بسیار دیر باشد | گرم | کودکان | بهار | گرمسیر | خطرناکست | حس عضو [illegible] | ظاهر است | فصد باید کرد | مسندل بر آن باید مالید | [illegible] |



اگر بوده باشد بیرون آمدن خون از دستها و پاها باید که ببندند بالای آن موضع را که خون از آن بیرون میآید بطریقیکه بستن آن نه بسیار محکم و نه بسیار سست بود تا بسته کنند زخم را به غبار آرد یا آرد کندر و صبر بعد از آن آمیخته باشند و سفیدهٔ تخم مرغ و موی بسیار نرم خرگوش و ببندند زخم را بکپارچه دراز و چندین لا و بگذارند سه روز بر همین وضع پس بگشایند و همچنین اگر مازو ی سوخته را که با روغن گل آمیخته باشند بر موضع جراحت گذارند نافع است یا اینکه بپاشند بر جراحت غبار آسیا و همچنین نافع است پشم نرم خرگوش و غبار آسیا که با سفیدهٔ تخم مرغ آمیخته باشند هرگاه بر موضع جراحت بگذارند و اگر بایند و اما خون بند نشود باید که ببرند رگ جهنده را که خون از آن میآید بعد از آن بالا و پائین رگ را محکم بسته باشند

باید که حذر کنند از آنکه بموضع برسد آب یا دوائیکه آب خمیر کرده باشند بلکه پشمی را بروغن زیتون نیم گرم بیالایند و بر موضع گذارند و روز بروز دیگر و هرگاه ساکن شود درد و ایمن شوند از ورم استعمال دوائیکه گوشت برویاند و اگر عارض شود ورم گرم باید که بپاشند قلقدیس و زاج و آنچه میریزد از مس در وقت چکش زدن و موم و نشاسته و کندر که نرم سائیده باشند بآن و بر موضع گذارند و حذر کنند از آنکه بر موضع گذارند چیزی سرد و اگر عارض شود تشنج از جراحت عصب باید که ببرند عصب تشنج کرده را زیرا که اگر ببرند از تشنج عصب بدماغ موجب هلاک است پس بمالند روغن بنفشه و پیه مرغ خانگی بر مهره های پشت و هرگاه جراحتی بسر برسد و فرو رود بنحو احتی تا آنکه نزدیک دماغ رسد سزاوار است که زخم را چاق نکنند در اول مرتبه زیرا که باعث هلاکت است بلکه اول مرتبه پشم پاره که چرب کرده باشند بروغن زیتون سه روز بگذارند بعد از آنکه بکار برند مرهمی که گوشت برویاند

هرگاه استخوان در زخم متعفن شود و علامتش آنست که چاق میشود و چند روز پس خوناب چرک زور دوان میشود پس باید در چنین صورتی دوای تند بکار برند تا گوشت را بخورد و استخوان ظاهر شود و هرگاه ظاهر شود استخوان و ممکن باشد بریدن آن ببرند و الا روغن نیم گرم مکرر بکار برند تا استخوان بیفتد یا آنکه بکار برند برگ انجیر که نرم کوفته و بسرکه آمیخته باشند و بعد از آن تیر و زرنیخ کهنه و یکروز مرهم زنگار بکار برند تا چاق شود

هرگاه باز زخم درد سخت بوده باشد سزاوار آنست که بپزند انار شیرین را با دوشاب و بگذارند بر زخم و بمالند بر گرد زخم دواهای مخدر یعنی دوائیکه حس عضو را کم کند مثل تریاک هرگاه درد ساکن شود پاک کنند دواهای مخدر را زیرا که بسیار ماندن دواهای مخدر در عضو ضرر دارد بحس عضو و مانع رویدن گوشت است

| ۱۸ | عام | معالجه |
|---|---|---|

هرگاه بازخمهای پلید قوت بیمار ضعیف باشد غذا در اج باید داد که قوت بگیرد و باید گذاشت بر زخم دواهائیکه مذکور شده در جدول صفحهٔ سابق تا آنکه بحال خود بایستد و زیاد نشود و زخمهای پلید آنست که موضع زخم زخم شود و بر دور سیاهی زخم سفیدی بهم رسد و چون زخم بحال خود بایستد معالجه باید کرد بروغن طعام و مرهم زنگار یا انزروت که نرم سائیده باشند تا آنکه سیاهی زخم چیده و پدید آید گوشت سرخ بعد از آن معالجه باید کرد بمرهمها که گوشت برویاند و اگر دهن زخم روز بروز فراخ شود معالجه باید کرد بروغن گل سرخ و مرهم سفیداب و اگر زخم مذکور بد و یا چاق نشود و اگر در زخم را بتیغ بریده تا گوشت فاسد از آن زایل شود و پس معالجه بمرهمها که گوشت برویاند نماید

و اگر زخمهای کهنه بسیار باشد باید چکانید در زخم گلاب با خاکستر چوب انگور و اگر ماند و نفع نکند باید شکافت زخم را پس علاج باید کرد زخم را بمعالجه جراحتها و باید دانست که هرگاه زخمی در سینه واقع شود و برسد باندرون سینه یا زخم در سر واقع شود و برسد بمغز دماغ صاحب چنین زخمی زنده نمیماند و همچنین هرگاه برسد بر جگر یا معده و زخمی بزرگ صاحبش زنده نمیماند و اگر کوچک باشد زیستن ممکن است

هرگاه عضوی سوخته باشد باتش باید که مرکب جای حشه مالند یا عدس و آرد جو بوده که نرم کوفته و آمیخته باشند بسفیده تخم مرغ و روغن گل سرخ یا سفیداب و مرداسنج و روغن گل و سفیده تخم مرغ با اندکی سرکه که خوب برهم زده باشند و با هفت مرهم نوره و صفت آن آنست که بگیرند آهک سفید و چندانی آب بر بالای آن بریزند که چهار انگشت آب بر بالای آن بایستد و قدری برهم زنند و دو ساعت صبر کنند پس آب را از آن ظرف بریزند در ظرفی دیگر و سه مرتبه دیگر چنین کنند و ثفل آهک که در ظرف اول مانده بدور بریزند پس صبر کنند تا آنچه از لطیف آهک در ظرف دوم مانده ته نشیند پس آنچه در ته نشسته بگیرند و اندکی خشک کنند بعد از آن بیامیزند با روغن گل سرخ و خوب برهم بزنند که مانند مرهم شود پس بکار برند و اگر سوختن عضو از آب گرم باشد بریزند بر عضو سوخته پیش از آنکه آبله کند آب نمک که زیتون در آن پرورده باشند یا آب خاکستر و اگر آبله کرده باشد باید که مرهم سفیداب و مرهم آهک بکار برند یا آنکه صندل با گلاب سائیده و بمالند انشاء الله نیک است

اگر بدواهائیکه مذکور شده در جدول صفحه پیش بیرون نیاید شیشه و پیکان و ممکن باشد رسانیدن انبر بآن موضع است برای بیرون آوردن این قسم چیزها برسانند انبر را به پیکان و پیکان اگر از جا بیرون آورند و اگر دهن زخم تنگ باشد باید که از آن فراخ نمایند تا انبر تواند داخل شد و اگر پیکان باستخوان فرو رود باید که چند مرتبه از جا بجنبانند تا بیرون کنند و اگر پیکان چند سر داشته باشد که اکثر تا کج باشد به بیرون پیکان در ترس آن باشد که اگر بیرون آرند عضو بسیار پاره شود باید که دهن زخم را فراخ کنند تا آنکه پیکان با آسانی بیرون آید و اگر پیکان بسیار فرو رفته باشد و چوب تیر از او جدا باشد امر کنند که شخص تیر خورده بر وضعی باشد که تیر خورده پس تفحص کنند و دست مالند تا معلوم شود که پیکان چه قدر فرو رفته پس اگر بیابند او را در نزدیکی جانب مقابل بهتر آن باشد که طرف مقابل را شکافند و پیکان را از آن طرف بیرون آرند بعد از بیرون آوردن احتیاط کنند که مبادا سرهای پیکان در اندرون مانده باشد و گیرا که گان زده باشند باید که بپیچند او را به پوست گوسفندی که همان وقت پوست را از او جدا کرده باشند که این معالجه در کشیدن زهر او را چاق میکند یا اینکه بپیچند او را با پارچه که بگلاب تر کرده باشند



| ورق ۱۸ | کلام در بعضی دیگر از زخمها و سوختن آتش و بیرون آوردن پیکان و آنکه از تیر و چوب خورده باشد | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| باب ۱ زخمها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| زخمهای کهنه پلید | کرم | ن | با | [illegible] | [illegible] | سیاه ماهی دنگ زخم | فصد باید کردن و مسهل دادن بمطبوخ فاکهه با فلوس خیار شنبر | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| زخمهای که فراخ و بلند | ن | ن | [illegible] | [illegible] | [illegible] | تنگ بودن دهن زخم و فراخ بودن آن | فصد باید کرد اگر بدن پر باشد از اخلاط | [illegible] | [illegible] | خاکستر چوب انگور که تر کرده باشند بگلاب |
| آتش سوختن | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد اگر ترس آن باشد که ورم بهم رسد | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| پیکان و چوب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

# کلام در ذکر باب گزیدن جانوران زهردار

ورق ۱۹

| نامها | گزیدن سگ دیوانه | دندان گرفتن آدمی خشم ناک و دیوانه | گزیدن زنبور و عقرب | گزیدن مار افعی |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | خشک | همه مزاجها | خشک | گرم |
| سالها | جوانان | همه سالها | جوانان | جوانان |
| فصلهای سال | تابستان | همه فصلها | تابستان | تابستان |
| شهرها | خشک | همه شهرها | خشک | گرم و خشک |
| سلامت و خطر | با خطر اگر برسد با عضا | با خطر اگر بر عضو شریف رسد | خطرناکست | خطرناکست |
| سبب | [illegible] | ظاهر است | ظاهر است | [illegible] |
| علامات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | موضع گزیده را حجامت کنند و خون بسیار بگیرند | فصد باید کرد اگر بدن پر باشد از خون و دیگر خلطها | موضع گزیده را حجامت کنند و خون بگیرند | فصد باید کرد |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه شیرف الشانه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





باید که اول دهن زخم گشاده کنند تا زهر از آن آسان بیرون آید پس محجمه بر آن بگذارند و بمکند و باید که در آن محجمه قدری بوده باشد تا زهر بیرون کشد و آنچه میگوید پس بگیرند خرچنگ نده و در دیگ مسین کنند و آتش در زیر آن برافروزند تا خاکستر شود و از این خاکستر چهار دانگ و از کندر یک دانگ و از خطمی یک دانگ از هم کوبند پس بیامیزند این اجزا را با دوشاب و آب سرد و روز اول سگ گزیده دهند تا تناول کند و اگر چند روز گذشته باشد باید که دوا نه کو زیره مثل آن باشد که گفته شد بعد جالینوس گفته است که مردم سگ گزیده را اگر سگ دیوانه گزیده باشد و دوای که گفته را خورده باشد آخر الامر از آب بترسد و باید که معالجه مرض مالیخولیا در ابتدای مرض بکار برند و باید که جای نخست جراحت را تا آنکه بخیارد کرده کوفته بر زخم گذارند و بخورد مرغ خانگی دهند اگر مرد جای کنند و اگر مرد باز آید و او را که در جدول صفحه پیش گفته شد بر زخم گذارند و باید که غذای سگ دیوانه گزیده مرغ خانگی و گوشت بره و بزغاله و با در نخوده با نعناع بوده باشد و هر وقت که از آب بترسد اگر چه امید زیستن کم است لیکن معالجه باید کرد و بعلاج مالیخولیا که شاید بزید و باید که بحجه شود و در دهن و آب زنی ... تا آنکه آب در نظر ... و بعضی از اطبا گفته اند که اگر آب را در قدح چوبین کنند و بر بالای آن پوست گشادار رنک بگذارند و نزد سگ گزیده برند آن آب را بیاشامد و باید که بیاشامد شیر جو با این قرص مغز تخم کدو و مغز تخم خیار و شک و مغز بهدانه و تخم خرفه از هر یک یکجزو و صمغ عربی و نشاسته و طباشیر کتیرا از هر یک نیم جزو کوفته با لعاب بذر قطونا سرشته قرص سازند شربتی یکمثقال و بعضی از اطبا گفته اند که اگر جگر سگ دیوانه را بریان کرده بخورد سگ گزیده دهند سود دارد

باید که در گزیدن آدمی و انجانوران معالجه کنند و آنانکه بسیار گرم مثل دوانکه در صفحه پیش گفته شد ... دندان گرفتن آدمی خصوصا هر کاه روزه دار باشد و باید که بگذارند بر موضع زخم خاکستر چوب انگور که با سرکه آمیخته باشد یا بمالند روغن زیتون با آرد باقلا که سرشته باشد با آب و سرکه و روغن گل ... در دندان گرفتن بوزینه و سگ و ... بگذارند پیاز که با نمک کوفته باشند و در خصوص دندان گرفتن سگ ... بگذارند بر موضع ... سرکه یا آنکه بگذارند بر موضع پشم پاره ... که تر کرده باشند بسرکه و روغن زیتون یا آنکه بگذارند پیاز کوفته که با عسل سرشته باشد باید که بشویند موضع گزیده ... را با آب نیمگرم و روغن و دست بمالند تا آنکه دندان ... که در موضع مانده باشد بیرون آید اگر دندان در عضو بماند ... و چون بیرون آید بگذارند و بشویند با آب گرم ... سبوس گندم بگذارند بر موضع خاکستر چوب انگور ... اگر کسی ... بزرگ است ... معالجه ... که دارد زهر ... شوارات خاصی ... در حال گزیدن ... بر موضع گزیده ...

اگر با معطش ... اگر ممکن باشد عضو را ببرند زیرا که در بریدن آسایش است ... و غذا دهند ... باشند ... نمک ... تازه ... باید که ... مرغ بچه ... بر موضع گذارد و بیاشامد ... در هر زهر ... صفت ... یکمثقال افیون ... مثقال ... از هر یک ... یکمثقال ... از آن آب سیب و آب برگ سیب ترش و دوشاب ... کرده ... باید که بیاشامد شیر جو که پخته باشند با خرچنگ و شیر

| ۳۰ | معالجه عام |
|---|---|

باید که ببندند بالای موضع عقرب گزیده را پارچها و بگذارند بر موضع بندق‌ها که نرم کوفته باشند و بدهند تریاق اربعه و تریاق فاروق و بشویند موضع را با آب نیم گرم که جوشانیده باشند در آن بابونه و برنجاسف و سداب و سبوس گندم و بگذارند بر آن پودنه که نرم کوفته باشند و آرد جو بعد از آنکه خمیر نموده باشند با آب برگ سداب و تناول نمایند روغن گاو و گفته‌اند عقرب در شهر زور میباشد و کشنده است و اصل عقربهائیکه در نصیبین میباشد از عقربهای شهر زور است و این چنانست که وقتی که نصیبین را محاصره کرده بودند عقربهای شهر زور را در کوزها کرده و منجنیقها بسته به نصیبین انداخته بودند و این عقربها در نصیبین بچه کرده و بسیار شده و مانده‌اند

باید که فراخ کنند موضع گزیده زنبور را بسوزن خوب بمکند و طلب نمایند زیرا پخته بر موضع گذارند و همچنین برگ کنجد که نرم کوفته باشند بر موضع بگذارند و بریزند بر موضع آبیکه با پنج سرکه کرده باشند و گفته‌اند که هرگاه مگس را سائیده بر موضع گزیده زنبور گذارند درد آنرا ساکن کند

ریختن آب گرم بر موضع گزیده رتیلا و عنکبوت نافعست و باید که خاکستر چوب انجیر را با آب و نمک را نرم کوفته با آب گرم سرشته بر موضع گذارند که بسیار نافعست و در گزیدن عنکبوت نفع میکند اینکه تناول کند یکمثقال سیاه تخمه که نرم کوفته و با دوشاب غلیظ خمیر نموده باشند تناول کند سداب خشک و سعد از هریک نیم مثقال که نرم کوفته و با دوشاب سرشته باشند

عقرب جراره عقربی است سبز رنگی برگ بادنجان و او را دمی است که بر زمین می‌کشد و از اینجهت است که او را جراره گویند و هرکس را که بگزد کم است آنکه جان برد مگر بدوائی که آخر ذکر کرده‌اند بدان حکما و این عقرب در اهواز میباشد و دوائی که اند کو رایست بیخ کبر و بیخ حنظل و جنطیانا و فنجنکشت و زراوند مدحرج و کرسنه خشک اجزا را سوده و بیخته با دوشاب معجون سازند مقدار شربت آن یکمثقال و با اینده و اهل عسکر را آخر پرورده‌اند و باید که بعد از فصد بمکند موضع زخم را به محجمها بعد از آنکه پر کرده باشند آنها را پنبه که اگر پنبه در محجمه کنند می‌افتد و دندانهای آنکه میمکد و بمالند بر موضع زخم فرفیون و جندبیدستر و بر حوالی موضع گل ارمنی و سرکه و تناول کنند برگ کاسنی صحرائی خشک و برگ سیب ترش و کشنیز خشک سفوف نموده سه کف بخورند و همچنین تناول کنند یکمثقال تخم اسفند که کوفته و با دوشاب سرشته باشند و نقل کرده ابن قاضی ابو یوسف اینکه در شهر عسکر مردی پیر که هشتاد سال و کسری داشت و قوت و ضمهایش بسیار ضعیف شده و همچنین قوت باصره او نیز و این مرد جان نام داشت گزید او را عقرب جراره پس نیک شد و هضم او کامل قوت گرفته و بر اینحال بماند تا آخر عمر و همچنین حکایت کرد ابن قاضی مذکور که من دیدم کسیرا که نامش شریف احمد بود گزید او را عقرب جراره و حیران شد که چه کند درین فکر بود که ناگاه گزید او را عقرب غیر جراره و این وسیله صحت او گردید و محتاج نشد به دوای دیگر



ورق ۲۰

کلام در دوا بگزیدن جانوران زهردار

| نامها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| عقرب | سرد | پیران | تابستان | [illegible] | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | بمکند بسیار موضع گزیده را | [illegible] | [illegible] |
| گزیدن زنبور | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد کردن اگر از موضع گزیده خون برآورد | [illegible] | [illegible] |
| گزیدن رتیلا | سرد | پیران | تابستان | گرمسیر | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | مکیدن بسیار | [illegible] | [illegible] |
| گزیدن عقرب جراره | گرم | جوانان | تابستان | [illegible] | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد و موضع را بشاخ حجامت باید مکید | [illegible] | [illegible] |

## معالجه عام

سزاوار آنست که بعد از آنکه معده را بقی پاک کنند شوربائی دهند با مرغ خانگی فربه پس اگر تشنگی کند و هیچ چیز ترک که عمل آورده باشند از نشاسته و قند و روغن بادام و رشته با شوربای مرغ فربه و باید که بلکه انار و سیب و به و نخود و شفتالو و آلو و مغز خیار و کاهو و بوی خوشی که نزد او برند باید که صندل سفید سائیده باشد با گلاب و بگذارند بر جگر او پارچه کتان که تر کرده باشند او را با صندل و گلاب سائیده باشند و حقنه کنند او را باین حقنه عناب سپستان و بنفشه و گل سرخ و جو مقشر جوشانیده صاف نموده با روغن گل سرخ نیم گرم

باید که بعد از قی دواء المسک تناول نماید صفت آن مرکب صاف و قسط و برگ سداب و پودنه و فلفل و عاقرقرحا و قرد مانا اجزاء مساوی جلیست ساسی و جمیع کوفته و بیخته و با عسل سرشته مقدار خوراک وی یکمثقال تا نصف مثقال و باید که سداب و پودنه و شونیز در آب بجوشانند و پارچه بان تر کرده بر رگ معده و رود ها گذارند و بمالند بدن او را تا سرخ شود و چاشنی او شوربای از مرغ پخته فربه و شبت و دارچینی و خولنجان و فلفل و زیره و حقنه کنند بعسل و روغن یاسمین با آب نیم گرم

باید که بعد از قی تریاق فاروق دهند با آنکه پخته شده باشد داء و شلغم با تره و دیطوس با روغن گاو و علامت کسیکه قرون سنبل بخورد آنست که خون بول کند و زبان و سیاه گردد و عقل او پریشان گردد و علاج او آنست که تناول کند کافور از یک قیراط تا پنج قیراط با گلاب سرد کرده بیخ و آب انار و آب خیار و گلاب و نبات با لعاب بذر قطونا و بعد از آن با شیره تخم کدو و روغن گل و روغن بادام و روغن گاو و بایسته مرکب کافور و بیاشامد شیر تازه دوشیده و شیره جو و بگذارند بر جگر و معده او پارچه کتان که تر کرده باشند بصندل و گلاب و کافور و سرد کرده باشند بیخ و عجب آنست که پیش خطرناک ترست و کشنده تر از همه زهرها است و نعمای موش است و گفته اند که اگر آن موش اپیش خورده بخورد نجات یابد و چاق گردد

خاصیت ذراریح مضرت بمثانه و علاج آنست که بعد از قی بپاشامد شیره تخم خرفه با گلاب و نبات و روغن تخم کدو و بخورد مغز خیار و خیار شنبر و حقنه کند بشیره جو که پخته باشند در او عناب و سپستان با روغن بادام یا روغن گل یا روغن بنفشه و بچکانند در راه بول سفیده تخم مرغ و شیاف ساخته با روغن گل و شیر دختران و هر وقت که سوزش در مثانه بهم رسد بپاشامد لعاب بذر قطونا و گلاب و نبات در روغن بادام یا شیر تازه دوشیده و روغن بادام

---

### کلام در باب زهرهای کشنده

| ورق بو | نامها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | سال از تن خطر | سن | علامت | علاج بقی | معالجات در شفاخانه | دوای ... |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرم سیری | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | سوزش معده و ... | قی کردن با آب گرم و روغن بنفشه | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | پیران | زمستان | سرد سیری | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | ... ورم زبان | قی کردن با آب گرم و روغن زیتون | [illegible] | سرکه ... |
| [illegible] | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | سرخی و سیاهی زبان و ... چشم | قی کردن با آب گرم و روغن زیتون یا روغن کنجد یا روغن طعام | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | درد ... بول و خون ... کردن | قی کردن با آب گرم و روغن کنجد آمیخته در انجیر جوشانیده باشند | [illegible] | [illegible] |

سزاوار

## معالجهٔ عام

بعد از قی تناول کنند این معجون را صفت آن گل مختوم و حب الغار از هر یک یک مثقال و نیم تریاق تخم سداب از هر یک نیم مثقال کوبیده و با عسل معجون کنند مقدار خوراک یک مثقال و بعد از تناول کردن این معجون باز قی کنند و باز همین معجون را تناول کنند و باید که بنشانند او را در آبی که جوشانیده باشند در او بابونه و اکلیل الملک و بنفشه و نیلوفر و ریحان و مرزنجوش و کسیکه خورده باشد زهرهٔ افعی و زهرهٔ خرگوش و سه ساعت یا چهار ساعت برآید نگذارند که بخوابد و نیرو میکند ایستادن و داشته باشند و باید که بدهند باو رب سیب و رب به لیکن در خوردن زهرهٔ افعی کم است اینکه امید خلاصی باشد آنرا اما بعد از خوردن مکرر قی بفرمایند باید سنگ فادزهر در آب سائیده باو دهند و همچنین تریاق فاروق و مثرودیطوس یا بانند و شیرهٔ جو و شیرهٔ تخم خرفه

سنداورانستکه مکرر قی بفرمایند تا معده خوب پاک شود و بعد از آن دو دانگ فادزهر بدهند باو و شاب اگر بکار برد تریاق و مثرودیطوس از هر یک دو دانگ نفع میکند

نفع میکند روغن بنفشه و روغن بادام باو و شاب و همچنین تریاق فاروق و مثرودیطوس از هر یک دو دانگ و آنکه گاه غذا دهند شوربای گوشت بره اگر ترش باشد

بعد از آنکه قی فرمایند حقنه کنند باین حقنه صفت آن قثاء الحمار و شبت و عسل و تخم کرفس و رازیانه و زیره و بوره و ارمنی و شحم حنظل و روغن یاسمین و روغن قسط و بنشانند او را در آب گرم که جوشانیده باشند در آن سداب و سیسنبر و مرزنجوش و در شنه ترکه و بدهند باو نیم مثقال تریاق اربعه و کسیکه شوکران خورده باشد علاج او همین است که مذکور شد و علامت خوردن شوکران بعینه علامت کسی است که افیون خورده باشد بازیادتی که آنتاریکی چشم و گردش را بخش و سرد روی زیاد و دست و پاست و با آنکه شوکران زهر است در بدن آدمی غذا میشود و از نور او آن مرغیست





## کلام در باب زهرهای کشنده

| نامها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | ساعتها | سبب | علامت | علاج | غذاها | تدبیر |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | هـ | هـ | هـ | هـ | حصص | [illegible] | صفرای سبز و قی زیاده درد دهان و زردی در چشمها | قی کردن بآب گرم و روغن | [illegible] | شیر تازه دوشیده [illegible] |
| خوردن [illegible] | هـ | هـ | هـ | هـ | حصص | [illegible] | درد اندرون | قی کردن بآب گرم و روغن | خوردن [illegible] | خوردن [illegible] |
| [illegible] | هـ | هـ | هـ | هـ | حصص | [illegible] | سبزی و زردی رنگ و درد حلق و دوار بسیار | قی کردن بآب گرم و عسل و روغن | [illegible] | [illegible] از هر یک نیم مثقال بآب گرم |
| خوردن شوکران و افیون | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] کردن و خواب زیاده [illegible] | قی کردن بآب گرم که جوشانیده باشند در آن شبت و نمک و ترب بعسل | [illegible] | بخورد [illegible] دکان و عسل |

## کلام در باب زهرهای کشنده

ورق ۴۳

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | [illegible] خورده باشد | [illegible] خورده باشد | کشنیز تر خورده باشد | [illegible] |
| مزاجها | همه مزاجها | همه مزاجها | سردی | سردی |
| سالها | همه سالها | همه سالها | پیران | پیران |
| فصلهای سال | همه فصلها | همه فصلها | زمستان | زمستان |
| شهرها | همه فصلها | همه شهرها | سردسیر | سردسیر |
| سلامت و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطر دارد اگر بسیار باشد | خطر دارد اگر بسیار باشد |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | سستی بدن و بیهوشی [illegible] چشم | [illegible] چشم و خواب زیاد | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | قی کردن باب گرم و روغن | قی کردن باب گرم و عسل و شبت و نمک و آب ترب | قی کردن باب گرم و شبت و نمک | قی کردن باب گرم و نمک و ترب و عسل |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] شیر تازه دوشیده باید [illegible] | تناول نمودن دوشاب | تناول نمودن دوشاب |
| معالجه [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | خوردن [illegible] بسیار |





| معالجه | عام |
|---|---|
| باید که تخم انجره را نرم بکوبند و با دوشاب آمیخته تناول نمایند و غذا شوربای مرغ خانگی با گوشت مرغ بی ترشی میل نمایند و سایر تدبیرها که مشترک است در میان جمیع زهرها بعد از قی و پاک کردن معده بکار برند | |
| باید که بعد از پاک کردن معده بقی حقنه کنند بحقنهائیکه بسیار گرم و قوی باشد و پاشاهسه که بسیار رشد که جوشیده باشد در او سعتر و انجدان و فودنج کوهی و سه گاه کم شود و سنگی چشم در او شوربای مرغ خانگی بی ترشی میل کنند | |
| بعد از آنکه بقی معده را پاک کنند دوا المسک حار میل نمایند و بیاب منه شوربای بی ترشی و بذر قطونای کوفته هرگاه خورده شود بسیار باشد بکشد و همچنین هرگاه بذر قطونا بسیار خورده شود اگرچه کوفته نباشد و آب گشنیز تازه هرگاه ضعف زیاد بخورند عارض میشود از خوردن او تاریکی چشم و گچش سر و پریشانی عقل و خواب بسیار و از تمام بدن خورنده آن بوی گشنیز تازه میآید و تدبیر او مثل تدبیر کسی است که بذر قطونا خورده باشد | |
| باید که خاکستر درخت انجیر یا انگور را باب گرم و نمک تناول کند یا تریاق اربعه بخورد و بجوشانند بابونه و صعتر و سداب در آب و پارچه را باب آنها گرم کرده بر روی معده بچسبانند و حقنه کنند بآنچه جوشانیده باشند در او افسنتین و سداب و صاف نموده عسل و بوره ارمنی و روغنی از روغنهای گرم باو اضافه نموده باشند بدانکه قسمی از اقسام گماه کشنده خیار باد آنکه روئیده باشد در بیخ درخت زیتون و بیخ گیاه فطر و قسمی دیگر از اقسام گماه کشنده و غیبار باشد و او آنستکه روئیده باشد در کنار رود خانهای بزرگ و سخت باشد لیکن این قسم را هرگاه بسیار خورند در دگلو و قولنج از آن حاصل میشود | |

## کلام در بیان زهرهای کشنده

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | پرهیز | معالجه |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| بدن بحسری گزیده [illegible] | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطرناکست | بجهت ذات با مزاج آدمی مخالفتی دارد | [illegible] | قی کردن با آب گرم و روغن کنجد | شیر تازه دوشیده بنوشند | [illegible] |
| خورده به [illegible] | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطرناکست | بجهت ذات با مزاج آدمی مخالفتی دارد | [illegible] | قی کردن با آب گرم و عسل و نمک | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] گزیده | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خطرناکست | بجهت ذات با مزاج آدمی مخالفتی که بسیار دارد | [illegible] | قی کردن با آب گرم و روغن کنجد | [illegible] | [illegible] |
| خورده به [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خطرناکست | بجهت ذات با مزاج آدمی مخالفتی که بسیار دارد | [illegible] | قی کردن با آب گرم و روغن گل سکنجبین و نمک | [illegible] و شربت عناب بنوشند | [illegible] |





## معالجه عام

بعد از پاک کردن معده و قی با آب گرم چیاشت مند آبی را که جوشیده باشند در آن خبازی و برگ خطمی و اگر بعد از این تدبیر باقی ماند در وی در سینه رگ باسلیق گشوده خون بگیرند و شربت خشخاش و شربت عناب بنوشند

بعد از پاک کردن معده قی با آب گرم همه عضوها را خصوصا حوالی شکم را در حمام و در حمام بسیار بمانند و چون از حمام بیرون آیند سکنجبین بنوشند و غذا شوربای مرغ خانگی با گوشت بره یا ترشی تناول فرمایند

بعد از پاک کردن معده و قی اگر تب نباشد شیر تازه دوشیده بنوشند و اگر تب باشد لعاب بهدانه و لعاب بذر قطونا با روغن گل و روغن بادام و اندک شربت خشخاش

بسا باشد که عارض شود از خوردن [illegible] ورم و سوزش سودا پس باید که بعد از آنکه قی کنند شیره جو با روغن بادام چیاشت چند روز پی در پی و همچنین لعاب بهدانه پی در پی چند روز چیاشت مند و غذا باید که آشهای با گوشت با اسفناج و کدو و روغن بادام بود و باشد بخورند و شغل کنار رود و خیار [illegible]

## کلام در بیان سمهای کشنده

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامتی و خطر | سبب | سیمپتوم | استفراغ | [illegible] | معالجه [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| کیلو بذر بنج خورده باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطر داری | از جهت ذات بنج مخالف است با مزاج آدمی و خاصیت زهری دارد | بسیاری [illegible] | قی کردن | لعاب [illegible] با روغن [illegible] | [illegible] طعام بخورد |
| کیلو پیاز عنصل خورده باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطر داری | جهت ذات [illegible] مخالف است [illegible] دارد | [illegible] درد | قی کردن | شیر تازه دوشیده بنوشند | سفیده تخم مرغ بخورد |
| کیلو مرداسنج خورده باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطر داری | [illegible] | [illegible] | قی کردن آب گرم و عسل | تناول نمایند دوشاب [illegible] | [illegible] |
| کیلو [illegible] جیوه خورده باشد | همه مزاجها | همه سالها | همه فصلها | همه شهرها | خطر داری | جهت ذات [illegible] مخالف است [illegible] | [illegible] | قی کردن عسل و شربت | دوشاب دادن | [illegible] دادن |



## معالجه عام



خرزهره وی کشد چهار پا یا بز او بسا باشد که بکشد آدمی را لیکن چون بسیار تلخ است اگر در طعامی باشد ظاهر میشود مگر آنکه با صبر آمیخته باشند بدهند بکسیکه محتاج بخوردن صبر باشد که در اینصورت معلوم نمیشود که تلخی از صبر است یا از خرزهره و معالجه کسیکه خورده باشد آنرا قی است و شوربای چرب دادن و حلوائیکه بعسل آورده باشند و از آن خرما و روغن تناول نمودن فالوده و روغن بادام با نمک و تخم انداختن اگر بریزند تخم بنجنگشت را و بدهند بکسی که خرزهره خورده باشد خلاص میشود

اگر از خوردن پیاز عنصل تشنگی پیدا شود و شکم بهم رسیده باشد معالجه آن دادن سفوف الطین است با رب سیب و اگر بهم رسیده باشد لعاب بهدانه با صمغ عربی باید داد و باید که روغن بادام و روغن کنجد بدهند و غذا شوربای بی ترشی

از خوردن مرداسنج ایلاوس بهم میرسد و معنی این لفظ پیچ خوردن روده است و آن قولنجی است که از او فضله آدمی بیرون نمیآید و عارض از خوردن مرداسنج خفه شدن نفس و اینکه ورم کند تمام بدن و معالجه آن است که جوارش سفرجل مسهل بدهند با آنکه جوشانیده باشند در او افیون و تخم کرفس

از خوردن جیوه زنده چندان ضرری بآدمی نمیرسد و خطر ندارد زیرا که بسبب سنگینی در روده ایکه دارد لذا پائین بیرون میرود اما جیوه تصعید کرده و جیوه کشته کشنده است پس اگر قی و غشی شود خوب و الا حقنه باید کرد با آب برگ چغندر و روغن کنجد و آب کاسه و خطمی و اگر از خوردن جیوه پیچش روده بهم رسد سفوف الطین با روغن گل سرخ باید داد و با شیر الاغ آب و اگر ریخته شود بگوش آدمی جیوه علامت آن باشد که غش و تشویش بهم رساند و آن گوش که جیوه داخل آن شده گران باشد و علاج آنست که تکیه کنند بجانب آن گوشی که جیوه در آن رفته و بر جهند مکرر بیک پا و عطسه فرمایند آنکس را بدمیدن کندش بینی و در وقت عطسه بینی را بگیرند که هوا از بینی بیرون نیاید و روغن بادام تلخ گرم نموده بگوش بچکانند و چون لحظه بگذرد و بیرون آرند و باید که کف دست بر آن گوش گذارند و حرکت سخت بدهند انشاالله معالجه میشود

## كلائكرا فى شهرها كشنده

| نامها | [illegible] | خوردن باشد [illegible] | [illegible] | شیر در معده [illegible] |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | همه مزاجها | همه مزاجها | همه مزاجها | همه مزاجها |
| سالها | همه سالها | همه سالها | همه سالها | پیران و کودکان |
| فصلها سال | همه فصلها | همه فصلها | همه فصلها | همه فصلها |
| شهرها | همه شهرها | همه شهرها | همه شهرها | شهری که هوای آن تر باشد |
| سلامت و خطر | خطری ازی | خطری ازی | خطری ازد | خطری ازی |
| سبب | نمودن [illegible] | [illegible] حرارت [illegible] دارد | دماغ [illegible] بچه [illegible] در زبان | خوردن شیر [illegible] غلیظ باشد بسیار |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | قی کردن [illegible] | قی کردن [illegible] | قی کردن [illegible] | قی کردن [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



| ٢٦ | معالجه عام |
|---|---|

کشانند اینکه گیرا که سفیداب قلعی خورده باشد هر گاه بعد از قی نیم مثقال حب السیل بدهند نافعست و باید که دوائی بدهند که بول براند مثل اینکه جوشانیده باشند در آن تخم کرفس و تخم انیسون و رازیانه و افسنتین رومی

بعد از قی بدهند لعاب بذر قطونا با روغن تخم کدو و حقنه کنند بشیره و روغن بنفشه که جوشانیده باشند در آن عناب و سپستان و اضافه نموده باشند بآن لعاب بزر قطونا و لعاب بزرک سفید و سفیده تخم مرغ و اگر عارض شود سرفه معالجه نمایند بشربت خشخاش و شربت عناب و بآنچه مذکور شد معالجه کنند کسیرا که بحلق او رقه باشد غبار زرنکار و کسیکه زاج خورده باشد معالجه او شیر تازه دوشیده و تخم کتانست

بعد از قی بحمام روند و آب نیم گرم مکرر بشکم بریزند و اگر از خوردن بریان پوشانیده ماهیچه بهم رسد علاج حیضه باید کرد و نفع میکند از بابای بریان پیچیده خوردن اینکه بعد از قی اندک فلفل نرم کوبیده با شربت سیبی که خوشبو کرده باشند تناول نمایند

تبسکی شیر در معده از این بهم رسد که شیر بسیار خورند خصوصا هر گاه آن شیر غلیظ باشد مثل شیر گاو و شیر میش علاج او آنستکه بعد از خوردن شیر فلفل سائیده را با عسل بخورند تا شیر که اخته کرده و دو بستکی از و بر طرف شود

## معالجهٔ عام



اگر صداعیکه از حرارت باتب یا بی تب بوده باشد باید که سر را خنک کنند بگلاب و روغن گل سرخ که گلاب دو حصه و روغن یکحصه باشد و اندکی سرکه اضافه کنند و پارچه کتانی با آن ترکرده بر سر گذارند و اگر فصل تابستان باشد باید که جبند مه کردهای پار استحکام و اگر با بینه د سر بخواب بوده باشد دو شند بر سر شیر دختران و اگر صداعی که از حرارت آفتاب بهم رسیده باشد بریزند بر پیش سر گلاب و روغن نیلوفر و بگذارند بر سر برشته کدو و برگ خرفه و برگ بید و گل همیشه بهار و گلاب و صندل و خطمی سفید و باید که بپاشند گلاب و نبات و شربت غوره که سرد کرده باشند بیخ و غذا آش جو بوده با نبات و آب سرد میل کنند و بدانکه این قسم صداع را هرگاه زود معالجه نکنند و بگذارند آخر الامر معالجه اش دشوار میگردد

باید که معالجه کنند اینقسم صداع را باین روش که بشویند سر را با پیکه جوشانیده باشند دراو بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و سر را بخار این آب نیز بدارند و همچنین پارچه نمد را باین آب فرو برده بر سر گذارند و مالیدن روغن سوسن و روغن نرگس نافعست در اینقسم صداع و اگر صداع بارد باشد مالند بر سر روغن سداب و غذا نخود آب با جوجهٔ مرغ خانگی یا تیهو میل کنند و لازمست بر آدمی اینکه پرهیز نماید از چیزهائیکه باعث صداع میشود مثل شاهدانه و گردوکان و تره تیزک و بادروج و سیر و پیاز مگر اینکه ضرور شود بکار بردن اینها در معالجه بعضی از امراض

باید که بعد از فصد بپاشند سکنجبین با گلاب و از میوه‌ها آلو و سیب تناول کنند و غذا آش انار یا حیوانات میل نمایند و اگر اینصداع از خلط صفرا باشد بپاشند آب تمر هندی و آب آلو که با نبات شیرین کرده باشند و بپاشند شربت ورد مکرر یا سکنجبین که با یخ سرد کرده باشند و همچنین نافعست ایرج شاهیه و پوست هلیلهٔ زرد ده درم ترشا بتره پنجدرم گل سرخ و بنفشه و افسنتین از هر یک سه درم بجوشانند در سه رطل آب تا اینکه سه ربع آب برود و یک ربع باماند و صاف نموده و اضافه کنند با او نیم مثقال صبر و یکقیراط سقمونیای مشوی و بپاشند و بعد از آنکه خلط صفرا بتمامی از بدن دفع شود بگذارند بر سر دواهائیکه سر را خنک کند مثل تره کدو و حی العالم و صندل و گلاب

باید که دفع کنند خلط بارد را از بدن باین حب صفت آن ضبر سقوطری نیمدرهم تربد دو دانگ شحم حنظل یکدانگ محموده مشوی افتیمون عود بلسان از هر یک یک دانگ نمک هندی یکدانگ و نیم کوفته و بیخته با آب حب نموده تناول نمایند و هرگاه این صداع از خلط سودا باشد بعد از آنکه مسهل سودا بکار برند باید که بریزند بر سر آبیکه جوشانیده باشند دراو بابونه و بنفشه و نیلوفر و اکلیل و بادرنجبویه و جو نیم کوفته و غذا گوشت بره یا مرغ یا شوربائیکه ترشی داشته باشد تناول نمایند و باید که غذا کم خورده شود و بهیچ وجه غذا گوارشند معالجه کنند صداع را که سبب ابخره غلیظ باشد و نافعست در اینصداع که از بادها است بوئیدن مرزنجوش و صداعیکه بهم رسد از رفتن غذا در معده نفع میکند و روغن گردن آب گرم پس خوابیدن چنان خوابیکه دور و دراز باشد

### در درد سر و اقسام آن



| نامها | درد سری که از حرارت باشد | درد سری که از برودت باشد | درد سری که سبب آن خلط گرمی باشد | درد سری که سبب آن خلط سردی باشد |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | سردی | گرم | سردی |
| سالها | جوانان | پیران | جوانان | پیران و [illegible] |
| فصلهای سال | تابستان | زمستان | تابستان و بهار | زمستان و پائیز |
| شهرها | گرمسیر | شمالی | جنوبی | سردسیر |
| سلامت و خطر | بی خطر است. | بی خطر است. | بی خطر است. | بی خطر است. |
| سبب | تناول نمودن غذاهای گرم یا دواهای گرم یا نشستن در حرارت آفتاب | [illegible] | خون یا صفرا | بلغم یا سودا |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | نباید کرد | نباید کرد اگر خلط زیاد در بدن نباشد | فصد قیفال باید کرد و یا رگ صافن باید گشود | حب ایارج یا حب قوقایا باید داد |
| پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه فی الجمله | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## درد سر



| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | درد سر که از ضرب ... بهم رسد | درد سر که بعد از ... شدن خلط از بدن بهم رسد | درد سر نصف یعنی شقیقه | درد سر که بشرکت معده باشد |
| مزاجها | همه مزاجها | خشک | خشک | گرم و تر |
| سالها | همه سالها | جوانان | دوموئیان | پیران و کودکان |
| فصلها | همه فصلها | تابستان | پائیز | زمستان و بهار |
| شهرها | همه شهرها | خشک | خشک | جنوبی |
| سلامت و خطر | خطرناکست اگر ... بهم رسد | خطرناکست اگر خلط از بدن دفع نشود | خطر دارد به چشم | بی خطر است |
| سبب | از افتادن از جای بلند یا چوب یا سنگ بر سر خوردن | آمدن خون بسیار از بینی یا اسهال زیاده از حد | خواه از اخلاط ... مزاج اگر گرم باشد ... | بخار معده بسر رفتن و دماغ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد قیفال ... باید کرد | نباید کرد | فصد کردن ... و اسهال ... | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| ۲۸ | معالجهٔ عقل عام |
|---|---|

باید که بالد بر سر آب برگ بید با گل ارمنی و روغن گل سرخ یا آنکه بکمارند بر سر برگ مورد ترکه نیم کوفته کرده باشند و اگر عارض شود با تقسیم پیشانی صداع بکمارند بر سر خطمی و آرد جو و بنفشه و روغن گل و اندکی سرکه و بباید دانست که ضماد سرکه این دوا با بجهت آنست که نفوذ بکند باید اینده داما و برساند قوت اینده دانا را بانده رون عضو از جهه لطافتی که با سرکه است

باید که غذا در این قسم صداع گوشت مرغ جوان باشد و این ترک نیز نافعست مغز نان بید و روغن بادام و نبات سفید و شیرهٔ آن باشد که بچکانند در این صداع به بینی شیر دختران و روغن بنفشه و روغن کدو و روغن نیلوفر و بریزند بر سر روغن بنفشه و بخورند حلوای بادام و هم که بریان کرده باشند بروغن بادام بلا ترشی و اگر با این صداع تب باشد باید که غذا اش نان با اسفناج و کدو باشد و صداعیکه عارض شود در عقب جماع معالجه آن باشد که از جماع پرهیز نماید مگر بعد از غذا و تناول نماید به و امرود و صداعیکه عارض شود بسبب غم علاج آن خواب است و چکانیدن به بینی روغن بنفشه و روغن کدو

باید که اهتمام کند در این قسم صداع بدفع بودن خلطی که سبب صداع شده و اگر این صداع از حرارت باشد باید بچکانند به بینی این دوا را صفت آن نبات سفید زعفران و کافور نرم سائیده و بمقدار نخودی از آنها بید و با آب خیار بکار برند و اگر این تدبیر نافع نه ساکن نشود و بطول انجامد و خوف آن باشد که چشم را ضایع کند و رگهای جهنده که در شقیقه است بسیار تند حرکت کنند باشد سزاوار آن باشد که برند آن رگ جهنده را که در شقیقه است و بریدن رگ عقب گوش در این صداع هر گاه تند جهد از رگ و بر باشد بغایت نافعست و هر گاه شدت صداع بمثابه باشد که بیمار قوت برحرف زدن نداشته باشد باید که بریزند بر سر آب نیم گرم و بچکانند در گوش روغن گل و پرکنند گوش را به پنبه

اگر این صداع از خلط صفراوی باشد باید که قی کنند با آنچه مذکور شد در صفحه پیش در جدول استفراغ و بعد از آن بپاشانند این سکنجبین صفت آن تخم کاسنی و تخم کشوث و شاهتره و گل سرخ از هر یک ده درم اجزا را بکوبند با چهار رطل سرکه یا دو رطل آب بجوشانند تا نصف برود و نصف بماند با شش رطل نبات سفید بقوام آورند و هر روز پانزده درم از آن میل کنند و باید که بکمارند بر سر صندل و گل سرخ و اقاقیا و حضض مکی و گل ارمنی نرم کوبیده و با آب مورد و گلاب یا آب برگ درخت انگور و آب شکوفه خرما سرشته بشند و ببندند بندهای کردها و پا محکم و بکند آب به و هر گاه این صداع از خلط بلغم بهم رسیده باشد قی کنند به سکنجبین و آب ترب و نمک نیم گرم و اسهال کنند بلغم را بحب صبر صفت آن هلیله کابلی ترید از هر یک دو دانگ گل سرخ و مصطکی از هر یک یکدانگ صبر سقوطری یکدرم حب موده طرف سحر میل کنند و غذا شوربا با گوشت مرغ بچه و نخود بی ترشی میل کنند

[illegible]

## ورق ۲۹ — مرضهای دماغ

| نام مرضها | مزاج مرضها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سببها | نبض | قاروره | علاج | شربتها | غذاها |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| سرسام (یعنی ورم دماغ) | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خلط صفرا | [illegible] | [illegible] | فصد از رگ قیفال باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| قرانیطس (یعنی ورم پرده دماغ) | گرم | جوانان و کودکان | بهار | جنوبی | خلط خون | [illegible] | [illegible] | فصد رگ قیفال باید کرد | [illegible] | آب انار [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خلط [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد از رگ قیفال باید کرد | [illegible] | شیره تخم [illegible] |
| [illegible] | سرد و تر | پیران | زمستان | سردسیر | خلط بلغم | [illegible] | [illegible] | اول با حقنه باید کرد بعد از آن حب قوقایا باید داد | [illegible] | [illegible] |





[illegible]

## معالجهٔ عام — ۲۹

در سرسام گرم باید اول فصد کنند اگر بحسب سن و سال تاب فصد داشته باشد و اگر چنانچه طفل باشد حجامت کنند بعد از آن سکنجبین دهند با آب سرد و اگر قوت بیمار ضعیف باشد قرص کافور با غوره [illegible] دهند و اگر طبع بیمار خشک باشد [illegible] خیار شنبر و ترنجبین و تمر هندی دهند یا شربت ورد دیگر یا سکنجبین و آب سرد و بعد از آنکه دفع شود خلط از بدن بگذارند بر سر پارچه که تر کرده باشند بگلاب و روغن گل اندک سرکه و به بندند دستها و پاها را محکم و تناول نمایند شیره جو هفت هشت مثقال و بعد از آن [illegible] و نصف سکنجبین ساده پس اگر تشنگی در این سرسام بسیار زیاده باشد بدهند آب کدوی پخته با دو درم تخم خرفه و نیم درم طباشیر و باید که ترشی ترنج را اضافه کنند گلاب و نبات کرده بنوشند و اگر فصل تابستان باشد باید که آنچه تناول کنند یخ سرد کنند و باید که فرش کنند جایگاه بیمار را برگ بید و گل سرخی که پاشیده باشند [illegible] و صندل و کافور سائیده با گلاب و باید که مسکن بیمار در خیمه باشد از کتان و در حوالی او سبوهای پر از آب یخ بگذارند و اگر فصل زمستان باشد باید که جایگاه بیمار معتدل باشد در میان حرارت و برودت و باید که مالند بر زبان بیمار پارچهٔ کتانی که تر کرده باشند بلعاب بذر قطونا و نبات سفید

در مرض ماشرا بعد از آنکه فصد کنند غذا دهند مزوره کدو و ماش و آب انار و اگر [illegible] روز بروز در زیادتی باشد فصد دیگر باید اما از دست دیگر بشرط آنکه بیمار بحسب قوت تاب فصد مکرر داشته باشد و بدهند شیره جو و بمالند بر سر روغن صندل سرخ و سفید که سائیده باشند با گلاب و آب کاسنی و آب گشنیز و آب گل همیشه بهار و آب برگ کاهو و بپاشند [illegible] جوشانیده باشند در آن سبوس گندم و صاف نموده و قند و روغن بادام اضافه نموده باشند و هر گاه حرارت بسیار قوی باشد بپاشانند شیره جو با نیم مثقال طباشیر و نیم مثقال تخم خرفه که بسیار نرم کوفته و پخته باشند بخورد همین دوا را وقت خواب [illegible] تیز بپاشانند

در مرض حمره شربت غوره را بپاشانند بعد از آنکه فصد کرده باشند و غذا دهند کشک انار [illegible] و بمالند بر سر و پیشانی در اوایل مرض گل ارمنی و صندل و آب برگ بارتنگ و در آخر مرض [illegible] نکنند بلکه اکتفا کنند بلعاب بذر قطونا با اندک روغن بادام شیرین و نبات سفید که سرد کرده باشند به یخ اگر فصل تابستان باشد پس اگر عارض شود صاحب حمره را بیخوابی و نبوده باشد این بیخوابی از جهت بحران حیله باید کرد در خواب و تخم خشخاش با قند یا شربت خشخاش با تخم کاهو بدهند

اگر در سرسام بارد که آنرا نسیان [illegible] باشد باید که اکتفا کنند [illegible] چونکه پخته باشند [illegible] و آب نبات سفید و پیش از این غذاها باید که تناول کنند هشت درم گلقند که با نبات بعمل آورده باشند و پرهیز دهد صاحب نسیان از میوه‌های سرد و تر و انواع ماهیها و انواع شیرها و از حبوب مثل باقلا و عدس و لوبیا و اگر با نسیان تب نباشد بدهند گلقند عسلی با سکنجبین بزوری پس اگر [illegible] نباشد بدهند یک مثقال از معجون بلادر صفت آن [illegible] هر یک چهار درم عسل بلادر [illegible] سعد از هر یک سه درم فلفل دو درم نبات سفید یکوقیه آنچه کوفتنی است بکوبند پس معجون کنند با عسل بلادر و قدری از عسل صاف و بعد از شش ماه استعمال نمایند و باید که بشویند بدن صاحب نسیان را با آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش

## معالجهٔ عام

اگر سبات تابع حمّی یا مرض دیگر باشد علاج او علاج آن مرض است و اگر سبات مرض اصلی باشد بسر خود تدبیر کنند او را هر روز کرم خشک و غذا دهند او را بخواب باشبت و دارچینی و باید که پرهیز کنند از آشامیدن آب سرد و از خوابیدن در جایکاه سرد

سزاوار آنستکه تدبیر کنند کسیرا که عارض شود سبات سهری تدبیریکه مرکب باشد از تدبیر سبات تنها و تدبیر سرسام زیرا که این مرض بهم رسیده است از اجتماع صفرا و بلغم که یکی مادهٔ سبات و دیگری مادهٔ سرسام است و باید که بیشتر رعایت کنند هر یکی از اینه و خلط را که غالب شده پس اگر صفرا باشد مسهل صفرا بکار برند و بیشتر دواهای سرد و تر بیشتر بکار برند و اگر بلغم غالب باشد بیرون کنند بلغم را از بدن بحبهای تنقیه و بمالند بر سر روغن شبت با سرکه

بعد از آنکه دفع کنند از بدن خلطی را که سبب جمود شده سزاوار آنستکه منع کنند بیمار را از غذاهائیکه مادهٔ این مرض از آن غذاها بهم میرسد و اگر عارض شود صاحب جمود را بیخوابی بسیار سزاوار آنباشد که بریزند بر سر او شیر دختران با روغن بنفشه و غذا شوربای جوجه مرغ بی ترشی میل کنند و اگر بیخوابی نباشد روغن چیزی بمالند بر سر

بمالند بقوت تمام پاها را و ببندند کردهای پا محکم و غذا دهند به نخوداب با شبت و دارچینی و خولنجان و بجوز و عسل یا دادن و بوییدن مرزنجوش و جاشیر و سکنجبین بزوری پس اگر نفع نکند معجون بلادری بکار برند



## مرضهای دماغ

| نامها | سبات | سبات سهری | جمود | [illegible] |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سرد و تر | گرم | سرد | سرد |
| سالها | پیران | در موی بان | در موی بان | پیران |
| فصلهای سال | زمستان | پائیز و بهار | زمستان و پائیز | زمستان |
| شهرها | سرد و تر | جنوبی | سرد سیر | سرد سیر |
| سلامت و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست | بی خطر است |
| سبب | بلغم که غالب شود در دماغ | صفرا و بلغم [illegible] در دماغ | سردی و خشکی [illegible] در دماغ خلط | بلغم در دماغ [illegible] مزاج دماغ [illegible] سرد شدن |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | حقنه باید کرد [illegible] قوقایا باید داد | حقنه باید کرد پس مطبوخ فاکهه باید داد | حب اصطمیخون باید داد [illegible] ایارج فیقرا بکار برد | حقنه شد باید کرد و حب [illegible] و قوقایا بکار باید برد |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

# معالجه عام

اگر بوده باشد سبب سدر در دماغ باید که اول مسهل دهند و بعد از آن بریزند بر سر آبیکه جوشانیده باشند در او بابونه و اکلیل الملک و شبت و سداب و باید که بو بدهند او را اوقات غالیه و سیسنبر و مرزنجوش و غذا نخود آب با جوجه مرغ خانگی یا تیهو که با روغن پخته باشند تناول کنند و بپرهیزند صاحب سدر از خوردن گوشتهای دشوار هضم و اقسام شیرها و انواع ترشیها و اگر بوده باشد سبب سدر خلطی که در معده جمع شده است پس اگر آن خلط بلغم باشد اسهال باید کرد و استفراغ بقی باید و مصطکی و بیاشامد سکنجبین بزوری و اگر آن خلط صفرا باشد باید که قی کنند بشیره جو و سکنجبین و اندکی از نمک و چون معده پاک شود بقیه رب سیب و رب غوره بیاشامند

اگر بوده باشد دوار در دماغ مسهل باید داد و بعد از آن دواهائیکه ماده را لطیف کند بدماغ باید چکانید از راه بینی مثل بوره ارمنی و صبر سقوطری از هر کدام یک جزو کندش و زعفران از هر کدام نیم جزو کوفته و بیخته ... و هر مرتبه که بخواهند از آنها با آب مرزنجوش و روغن بنفشه حل نموده در بینی چکانند و اگر دوار در معده باشد قی باید کرد و بعد از آن شربت سیب و رب انار باید آشامید و باید که ضماد کنند معده را بایند و اصندل ... کوفته و بیخته با آب ... و غذا جوجه مرغ خانگی و دراج شوربا یا بریان یا با روغن پخته یا کباب کرده تناول نمایند

اگر مصروع طفل شیرخواره باشد باید که پرهیز کند شیر دهنده و غذا دراج یا مرغ خانگی که با روغن پخته باشند یا نان خشکار تناول نماید و پیش از غذا سکنجبین بیاشامد و اگر مصروع از سن شیرخوارگی گذشته باشد باید که بپرهیزد از انواع شیرها و گوشت گاو و تره تیزک و کرفس و از همه سبزیها بغیر از نعناع و بادرنجبویه و همچنین از انواع میوهها و خرما ... خاصیت عظیم است در نفع صرع و باید که مصروع ریاضت بدنی و تعب فرماید او را بحرکت کردن بسیار و غذا دراج و کبک تناول کند و اگر غالب باشد بر بدن مصروع بلغم باید که قی کنند با آبیکه جوشانیده باشند در او ترب و شبت و پودنه و سکنجبین عسلی اضافه آن نموده باشند پیش از آنکه نوبه صرع بیاید و بیاشامد هر روز آبیکه جوشانیده باشند در او فاوانیا و سکنجبین عسلی اضافه آن نموده باشند و آشامیدن این جوشانیده نافعست سیسالیوس رومی اسطوخودوس از هر یک پنج درم بیخ اذخر سه درم دار چینی و قسط و جنطیانا و زنجبیل از هر یک یک درم و نصف سلیخه و اسارون و قرنفل و مصطکی ... از هر یک نیم درم بپزند این ادویه را در چهار رطل آب تا یک رطل بماند و بیاشامند ... دو مثقال صبر سقوطری

باید که صاحب سکته را سه روز بحال خود گذارند بعد از آن سکنجبین با آب گرم و نمک نیم کوفته و روغن نرگس بخورد او دهند ... کنند ... تریاق فاروق یا معجون ... جوشانیده باشند در او مصطکی و افیون بخورد او دهند و باید که عسل دهند و بریزند بر سر او آب گرمی جوشانیده باشند در او بابونه و صعتر و پودنه و قرنفل و ... غذا نخود آب ... و نان خشکار ... و علامت نفع ... جالینوس و بعد از آن ... و غره فرمایند ... جوجه مرغ خانگی ... طبیب ... بلاد گرمسیر ... سکته ...





# مرضهای دماغ

| نام مرض | مزاج مرض | [illegible] | فصل سال | [illegible] | [illegible] | سبب | علامت | علاج | پرهیز | [illegible] |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| سدر | سرد و تر | ن | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] ... سکنجبین | [illegible] | [illegible] |
| دوار | سرد | ن | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | حب صبر دهند | [illegible] | [illegible] |
| صرع | سرد | کهولت | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | کف کردن ... و بازدن و افتادن | سیسالیوس ... حب ... | [illegible] | سکنجبین ... |
| سکته | سرد | ن | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | رگ صافن ... حقنه باید کرد | [illegible] | [illegible] ... سکنجبین |

| ورق ۲۲ | مرض های دماغ | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | نشانه | استفراغ | پرهیز و غذا | معالجه قرابادین |
| کابوس (از جدول علامت معلوم میشود) | سرد | پیران | زمستان | سردسیر | بی خطر است | بسیار خوردن و خوردن [illegible] | [illegible] | حب ایارج باید داد | [illegible] | [illegible] |
| مالیخولیا (از جدول علامت معلوم میشود) | خشک | دو موبان | پائیز | خشک | خطرناک است | خلط سودا در دماغ باشد [illegible] | [illegible] | فصد حیوان [illegible] مطبوخ افتیمون باید داد | [illegible] | [illegible] |
| قطرب (از جدول علامت معلوم میشود) | خشک | دو موبان | پائیز | خشک | خطرناک است | [illegible] سودا سوخته [illegible] | [illegible] | فصد کردن در وقت طغیان مرض | [illegible] | [illegible] |
| عشق | گرم | جوانان | همه فصلها | بیشتر شهرها | بی خطر است | خیال محبوب [illegible] | [illegible] | نباید کرد | وصال محبوب [illegible] | [illegible] |





| ۲۲ | معالجه عام |
|---|---|

مرض کابوس که بفارسی آن را سکاجه گویند و به بخت شهرت دارد از مقدمات صرع است یعنی هرگاه مکرر بهم رسد علامت آنست که صرع بهم خواهد رسید و بیشتر عارض میشود کسی را که غذا بسیار خورد و خوب هضم شواند کرد و سزاوار آنست که اول اسهال کنند صاحب کابوس را بدوائیکه مسهل خلط غالب باشد بعد از آن تقویت کنند معده او را و غذاهای لطیف نیکو دهند و پوشیدن فرو پوش بسیار نافعست و باید که ریاضت دهد خود را بریاضت معتدل یعنی حرکت کند باندازه نه بسیار کم

دراینده و مرض هرگاه خواب نبرد و چیزی خورد و هذیان گفتن بسیار باشد باید که حب سوم به استفراغ نشود و داینده و مرض جگر به چهار شیره جوکه جوش نیده باشند و او شربت خشخاش و شربت بنفشه و انار و بهدانه و سیب شیرین که خوب رسیده باشد تناول باید و غذای و مرغ خانگی چاق و پاچه بره و بزغاله و زرده تخم نیم برشت با نان سپید باشد و باید که پرهیز دارند از آنکه سبوس از او جدا کرده باشند و همچنین پرهیز دارند از عدس و گوشت گاو و عسل و پیاز و خردل و سرکه و آبکامه و پنیر کهنه و از هر غذائیکه مولد سودا باشد غیر از آنچه مذکور شد و باید که بریزند برسر صاحب این مرض آبیکه در او جوشانیده باشند خشخاش نیم کوفته ده عدد جو پوست کنده و پوست کدو تازه و نیلوفر و بنفشه و برگ کاهو و تخم آن از هر کدام یک کف و باید که بر سر چند از هر پارچه که قند و برده باشند در روغن بنفشه و شیر دختران و در مراقبه که ماده او معده است باید که قی فرمایند و چون معده پاک شود غذا دهند بنان و جوجه مرغ خانگی و شربت سیب و شربت ریحان و ریحوی با گلاب بنوشند

باید که در مرض قطرب اول بار فصد کنند و غذا آنچه مذکور شد در صفحه پیش دهند و نشانند بیمار را در آب نیم گرم مکرر و بعد هاو ... ایجنین باین سفوف هلیله سیاه و آمله و افتیمون و بسفایج کوفته و چخته سفوف سازند و بعد از آن تریاق فاروق دهند و هرگاه بیداری بر او غالب باشد باید که بریزند برسر او آبیکه جوشانیده باشند بادرواهای خواب آورنده مثل بنفشه و نیلوفر و خشخاش و برگ کاهو و تخم آن و ببندند برسر او پنبه که تر کرده باشند بروغن بنفشه و شیر دختران معالجه شود ان شاء الله

باید که در مرض عشق غذاهای سرد و تر بکار برند و ببرند بباغهای تر و تازه و سبزه زارهای تر و تازه و با صفا بسیار روند و بشنوند آوازهای خوش و مشغول نمایند او را بشغل و صحبتها و حکایت صلحا و زاهدان و باید که گذرانند اوقات او را بکارهای دنیا مشغول سازند که نافعست و نافع است در مرض عشق مجامعت اگر چه باغیر معشوق باشد و همچنین اختیار کردن سفره و دور شدن از مکان که معشوق در آنجا باشد و مصاحبت کردن با کسیکه شبیه معشوق باشد در صورت و احوال تا مصاحبت این کس زنگ آن کس باز ماند و باید که پیش از آنکه محبت او با آنکس بسر حد عشق رسد و مستحکم گردد سعی کنند در میانه جدائی ایشان زیراکه در غیر صورت جدائی در میان ایشان باسانی میسر شود

# معالجهٔ عام

در مرض فالج تا چهار روز یا هفت روز گرسنگی کشند گلقند با آب پخته جوشانیده بخشند و در آن افتیمون و باید که در این ایام پرهیز از خوردن و آشامیدن و صبر کند از گرسنگی و تشنگی و اگر بی تاب شود از تشنگی باید که بنوشد آب مگر در ظرف شیشه و آب بسیار سرد نباشد و هر گاه بگذرد دو روز هفتم مسهلی که در صفحهٔ پیش مذکور است بکار برند و باید که غذا نخود آب باشد و چون هفت روز دیگر بگذرد حب ایارج اول کنند و غذا شوربا دراج یا قبره یا جوجه مرغ خانگی با آب نخود تناول کنند و هر روز نیم قند [illegible] گلقند عسلی یا قندی بخورد و پرهیز از [illegible] و بعد از مرض پیش از آنکه نضج یابد ماده مرض که ضرر عظیم دارد زیرا که دفع میکند لطیف ماده را و باقی میگذارد غلیظ ماده را و بعد از آنکه بدن پاک شده باید که بمالند بر جایی از بدن بیمار که فالج دارد روغن قسط یا روغن بادام تلخ یا روغن یاسمین یا روغن گردکان کهنه بعد از آنکه مالیده باشند بر آنجانب بدن پارچهای زبر درشت تا سرخ شده باشد و باید که بشویند بدن را در آب [illegible] که جوشانیده باشند در برگ ترنج و بابونه و شبت و حاشا و سیسنبر و مرزنجوش و برگ غار و نمک سفید با سعتر و انجدان و شونیز و همچنین عسل و گردکان و پسته بخورد

و علاج خدر مثل علاج فالج است در اینکه روغنهای مزبور را بکار باید برد و گلقند و نخود آب باید داد

استرخاء که علامت است از سست شدن عضو اگر عارض شود در حال افتادن علاج ندارد و اگر بعد از آنکه بگذرد از افتادن دو روز یا سه روز عارض شود بگذارند بر موضعی که بر زمین جوزده است دواهائیکه تحلیل دهد ماده را مثل ضماد که بعمل آمده باشد از قسط و صبر و [illegible] و گل سنج از هریک یک جزو و رامک و مصطکی و گلنار و اقاقیا و سنبل الطیب از هریک نیم جزو اجزا را کوفته و [illegible] با موم [illegible] که در روغن [illegible] حل شده باشند با هم سازند و اگر استرخاء حادث شود در عقب قولنج بمالند بر موضع استرخاء روغن بنفشه دو جزو و روغن شبت یک جزو و غذا شوربا با جوجه مرغ خانگی بدهند

علاج لقوه مثل علاج فالج است زیرا که در هر سبب موافقند و در محل که عضو است اختلاف دارند پس غذا و دوای مسهل و غیر آن در هر دو یکی باشد و باید که بعد از پاک شدن بدن از خلط بمالند روغنها را بر آنجایی که کج شده است و همچنین باید که صاحب لقوه نگه دارد روی را بجانبی [illegible] که ماده در آنجا نیست و باید که کلپله و کندش کوفته به بینی او بدمند که عطسه کند و بخاید مویز و بوره ارمنی و خردل و فلفل و سعتر

اگر تشنج از پری و بسیاری اخلاط باشد دوای مسهلی که در فالج مذکور شده بکار برند و بعد از آن بمالند بر عضوی که هم تشنج و هم استرخاء دارد دواهائیکه گرم کند مزاج عضو را و تحلیل برد ماده را پس اگر استرخاء پیش از تشنج باشد استعمال باید کرد دواهائی که خشک کند ماده را بیشتر یا بعضی از دواهائیکه عضو را نرم میکند و عضو را بقوت تمام باید مالید و اگر تشنج پیش از استرخاء باشد باید که دواهای نرم کننده عضو بیشتر باشد و اندکی از دواهای خشک کننده ماده و اگر استرخاء در عضوی باشد و تشنج در عضو دیگر باید گذاشت بر عضو تشنج دواهای نرم کننده و باید مالید عضو استرخاء بقوت تمام بروغنی و اندک بوره ارمنی







## مرضهای نخاع

| نامها | مزاجها | سنها | فصلها | شهرها | خلطها | سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| فالج | سرد و تر | پیران | زمستان | سرد و تر | خلط بلغم [illegible] | [illegible] | کم شدن حس و حرکت نصف بدن ناگاه [illegible] | اسهال باید کرد بعد از هفتم [illegible] ایارج فیقرا و شحم حنظل و نمک نفطی | [illegible] | بعد از روز چهارم غذا نخود آب [illegible] خشخاش بخورد |
| خدر | [illegible] | پیران | زمستان | [illegible] | خلط بلغم [illegible] | [illegible] | [illegible] | حقنه کردن اگر طبیعت قبض باشد | [illegible] | [illegible] بر زمین جوزده گذارند |
| استرخاء | [illegible] | پیران | زمستان | [illegible] | خلط بلغم [illegible] | [illegible] | [illegible] | بعد از هفتم ایارج باید داد | [illegible] | سعتر و مصطکی با اندکی بوره ارمنی [illegible] |
| لقوه | [illegible] | پیران | زمستان | [illegible] | خلط بلغم [illegible] | [illegible] | [illegible] | حب ایارج باید داد اگر سبب بسیاری خلط و پری ماده باشد | [illegible] | روغن شبت بر موضع استرخاء بمالند |
| تشنج | [illegible] | [illegible] | زمستان | [illegible] | خلط بلغم [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

۳۴ | مرضهای نخاع

| نامها | مزاجها | سنها | فصلها | شهرها | [illegible] | سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| تشنج زیادی خون | [illegible] | پیران و کودکان | زمستان | سرد | خلط بلغمی | [illegible] | [illegible] | حقنه فرمودن بعد از آن حب منطقه خوردن دادن | [illegible] | [illegible] |
| تشنج زیبوست | خشک | جوانان | تابستان | خشک | خلط بلغمی | [illegible] | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| رعشه و اختلاج (عضو) | سرد | پیران | زمستان | سرد | خلط سوداوی | [illegible] | عضو در این اثر باید ... تا موی پیدا | اسهال نمایند بحب شیطرج | روغن ... | بسیار نافع ... |
| خدر | سرد | کودکان | زمستان | سرد | خلط بلغمی | [illegible] | ظاهر است و اگر سرد و تر باشد علامات آن ... | حب ایارج باید داد و اگر سبب خلط بلغم باشد | [illegible] | [illegible] |

علاج تشنج که



۳۴ | معالجه عام

علاج تشنجی که بهم رسیده باشد ... غلط است ... علاج که بهم رسیده باشد از رفع شدن خلط بسیار از بدن مگر اینکه قسم دوم از تشنج عارض ... یا هشت ساله شده باشد که در این صورت علاج قسم دوم آسان تر است و سزاوار است که در قسم اول از تشنج حقنه کند اول بار و با غذاهای ... نشست و زیره و پس اگر قاروره ... باشد دو ... باید داد و اگر رنگین باشد نباید داد و بعد از آن اسهال باید کرد و بعضی از حقنهای مناسب قسم اول از تشنج و باید که در اسهال او افراط نکنند و ... حبب ... وقت دادن دوای بسیار گرم حذر کنند از اینکه فصل تابستان باشد یا اینکه بچار تب داشته باشد یا اینکه مزاج او بسیار گرم باشد

شیره جو بدستوری که در صفحه پیش مذکور شده بپاشامد و لعاب بذر قطونا و لعاب ... و روغن تخم کدو و مکرر بروی بیان ... بمالند و بپاشامد آب انار و بعد از آن با روغن بادام و باید که بریزند به بینی روغن بنفشه و نیلوفر و بمالند بر سر او لعاب بذر قطونا با روغن بنفشه و بکذارند بر سر او و کردن و کل خطمی سفید و بنفشه خشک و آرد جو که کوفته باشند با روغن بنفشه و لعاب بزر قطونا خمیر نموده و بمالند بر عضو متشنج و روغن بنفشه که با مغز ساق گاو ... تازه و همیشه بها بر وچسبنده باشند و باید که غذا در این مرض با چیه بره و زغاله با روغن بادام با ... تریشی اضافه کننده بوده باشد با تیغ ... چیزی با ... تخم نیم بسته یا ترکی که بعل آورده باشند از آن ... سبوس خوب از وجه اکر ده باشند و نبات سفید و روغن بادام و باید که حذر کنند از آنچه خشک میکند مانند نمک و عدس و سرکه

اگر رعشه بسبب بیر و ... بهم رسیده باشد مانند غم و ترس یا ... آمدن بر مکانهای بسیار بلند معالجه باید کرد و باید بگوید با اینکه اسباب بیروفی مذکور را برطرف کند و اگر از غذای سرد بهم رسیده باشد معالجه باید کرد و غذاهای گرم و اگر از خلطی بهم رسیده باشد اخلاط را از بدن بیرون کنند و اگر از خوردن شراب بهم رسیده باشد بریزند بر سر او روغن گل سرخ با آب غوره یا روغن شکوفه خرما و علاج اختلاج موافق است با علاج رعشه که از سردی بهم رسیده باشد از دوا و غذا و باید ببندند بر عضو صاحب اختلاج دواهائیکه گرم کرده باشند یا ... مثل سیاه و تخمه و نمک و مانند اینها

اگر خدر از چوب خوردن یا افتادن بهم رسیده باشد باید که نهر ... پشت که از جا ... بیرون ... اندازند ... دو ... قوت دهنده مثل برگ مورد و صندل ... اقاقیا بکار برند و اگر از ورم بهم رسیده باشد معالجه ورم باید کرد و اگر از خلط غلیظ چسبنده بهم رسیده باشد علاج باید کرد بچیزهائیکه گرم کرده اند عضو را و خشک کرده اند ماده را از بدن

## مرضهای پلک چشم

| نام مرض | مزاج | سال | فصل | شهرها | علامت خطر | سبب | علامت | علاج بدن | علاج چشم | علاج |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| جرب | تر | جوانان و کودکان | زمستان | [illegible] | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | فصد کردن و قرص بنفشه دادن تا اینکه اسهال کند | [illegible] | اول بتراشند اندرون پلک چشم را بعد از آن [illegible] |
| [illegible] | تر | پیران | زمستان | [illegible] | بی خطر نیست | [illegible] | حکه در پلک چشم [illegible] | فصد کردن و حب صبر و ایارج دادن | [illegible] | [illegible] روغن زیتون |
| تحجر | خشک | کودکان و جوانان | [illegible] | [illegible] | بی خطر است | [illegible] | کوچک [illegible] شده باشد | حب ایارج و حب قوقایا باید داد | [illegible] | [illegible] داخلیون بر پشت چشم گذارند |
| التصاق | تر | پیران | زمستان | [illegible] | بی خطر است | [illegible] | چسبیدن پلک چشم [illegible] با پلک دیگر | فصد کردن اگر بدن پر باشد از اخلاط | [illegible] | بگذارند در میان دو پلک چشم [illegible] |







## معالجهٔ عام

درقسم اول جرب بکار برند شیاف احمر لین و بعد از آن شیاف اخضر و تراشیدن نقند درین قسم مناسب نیست و اگر این تدبیر نفع نکند شیاف احمر حاد بکار برند و درقسم دوم تراشند شیاف روشنائی یا نقند و درقسم سیم که شبیه است بدانهای میان انجیر تراشند نقند و اگر نفع نکند تراشند با آهنی که آنرا اورده مینامند و بچکانند بعد از تراشیدن در چشم آب زیره که خائیده باشند با نمک و بگذارند بر پشت چشم زردهٔ تخم مرغ که آمیخته باشند با روغن گل سرخ و بعد ازین چون ساکن شود دردی که از تراشیدن بهم رسیده بکشند بچشم شیاف احمر و بعد از آن زرور اصفر و بعد ازین شیاف ابسلیقون و باید که درین مرض پرهیز کند از غذائیکه خلط بد از آنها بهم میرسد و تناول کنند غذاهای لطیف نیکو مثل جوجهٔ مرغ خانگی و تیهو یا گوشتهای بادوان

باید که در مرض برده بگذارند بر پشت چشم انجیری که پخته باشند او را یا بتراشند برده را با برگ انجیر و بپاشند بر او زرور اصفر بعد از آنکه کشیده باشند بچشم شیاف احمر لین و اگر تدبیر مذکور نفع نکند باید که بشکافند پلک چشم را و بیرون آورند برده را باین طریق که برگردانند پلک چشم را و بشکافند روی برده را از اندرون بعرض نشتری بعد از آن بیرون آرند برده را با منقاش و بگذارند که خون بیرون آید و بعد از آن بپاشند بر او زرور اصفر و باید که اینکار بعد از تنقیه بدن باشد و علاج کمنه مثل علاج برده است و کمنه در شکل چندان تفاوتی با برده ندارد و جایز است اگر بردارند کمنه را بمقراض

در مرض تحجر اگر دوا نفع نکند باید که برگردانند پلک چشم را و بشکافند تحجر را بنشتری و احتیاط کنند که زیاده شکافته نشود و بعد ازان موضع را با ناخن یا بحلقهٔ انگشتر تا بیرون آید از آنجا ماده که سبب تحجر شده و هرگاه پاک شود موضع بپاشند بر آن زرور اصفر در صلابت پلک چشم که علامتش آنست که دشوار حرکت کند پلک چشم بعد از بیدار شدن از خواب و جمع شود در کنج چرک خشک که بسیار نباشد باید که بسیار بحمام روند و شیاف احمر بچشم بکشند و بمالند بر سر روغن بنفشه و علامت غلظ پلک چشم آنست که پلک چشم سرخ و کنده نماید که گویا جرب دارد و چون برگردانند پلک معلوم شود که جرب ندارد و پاک است و معالج آنست که غذای لطیف بکار برند و بمالند بر پلک چشم شیاف مامیثا و زعفران و بکشند بچشم شیاف احمر

در مرض التصاق باید که داخل کنند میلی را بزیر چشم و بردارند پلک چشم را با آن میل تا آنکه بردارند پلک را بتمامی و بعد از آن جدا کنند پلک را از تخم چشم بمیلی که آنرا مهت گویند و اگر بمهت جدا نشود جدا کنند بآلتی که آنرا قادینه گویند و احتیاط کنند که طبقهٔ قرنیه با پلک چشم بر نیاید بعد از آن بچکانند در چشم آب زیره و نمکی که آنرا خائیده باشند و بگذارند در زیر پلک پنبه که چرب کرده باشند بروغن گل سرخی که آمیخته باشند او را بزردهٔ تخم مرغ و بگذارند بر پشت چشم زردهٔ تخم مرغ با روغن گل سرخ و چون خاطر جمع شود که دیگر بهم نمی چسبد بکشند در چشم شیافی را که زخم چاق کند

## مرضهای پلک چشم

| ۳۰ | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | کمنه [illegible] | شتره [illegible] | شعیره [illegible] | توثه [illegible] |
| مزاجها | خشک | خشک | خشک | خشک |
| سالها | پیران و کودکان | پیران | دو مویان | پیران |
| فصلهای سال | پائیز | پائیز | پائیز | پائیز |
| شهرها | تر | تر | مغربی | تر |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | مسهل بلغم باید داد | فصد کننده اگر بدن پر باشد از خلط | حب قوقایا باید داد | فصد باید کرد و حب [illegible] داد |
| تدبیر و پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



| ۳۶ | معالجه | عام |
|---|---|---|

در مرض کمنه باید که غذاهای لطیف بکار برند و بسیار بحمام روند و بکشند بچشم شیاف دیزج و باید که پرهیز کنند از غذاهای غلیظ مثل گوشت گاو و گوشت بز و عدس و پنیر کهنه

مرض شتره اگر بسبب اصل خلقت باشد معالجه نباید کرد و اگر بسبب موم و روغن و اگر از گوشت بهم رسیده باشد باسلیقون و شیاف اخضر بکار برند و اگر از بهم دوختن پلک چشم یا از زخم پلک چشم بهم رسیده باشد و خواهی که معالجه کنی او را بآلات آهنین باید که بشکافی آن موضع را از پلک چشم که بهم دوخته شده و یا آن موضع را که زخم بوده و چاق شده و بگذاری تا اگر پلک پائین آید و ممکن باشد که چشم پوشیده شود بعد از آن باید که بگذاری در میان شکاف پلک چشم فتیله که آلوده باشی از آن مرهمهائی که زخم را چاق کنند

اگر پلک چشم که موضع شعیره است گرم باشد بمالند بر او شیاف ابیشا یا گل ارمنی و گلاب و اگر گرم نباشد بشویند عضو را بآب گرم و بمالند براو پارچه نانیکه بسیار گرم باشد و همان لحظه از تنور بیرون آورده باشند یا بمالند براو مویز که آلوده باشند آن را بمومی که گرم باشد یا بگذارند براو زاج کوفته و موم که با آن موم آمیخته باشند یا بگذارند براو انجیر که پخته باشند او را با صبر سقوطری و اگر بانیه والا به تحلیل نرود باید که بگیرند سر شعیره را بناخن و بیفشارند بقوت تمام تا پاره شود یا آنکه ببرند او را بمقراضی و بگذارند تا هر قدر که خون از وی بیرون آید پس بپاشند در او ذرور اصفر

به اگر معالجه مرض توثه بآلات آهنین کنی ببرند او را سلیم تر است از آنکه معالجه کنند او را بگذاشتن دواهای بسیار تند بخورد او را و اگر خواهی که معالجه کنی او را بدواهای بسیار شدید تر است که بچکانند در چشم شیر بکر تا آنکه حرارت زیاد در چشم بهم رسد و پر کنند چشم را بخمیر تا آنکه ضرر دواهای بسیار تند بچشم نرسد و طریقه معالجه او با آهن آنستکه بند کنند او را بقلاب و بکشند او را و بعد از آن ببرند او را بمقراض پس بچکانند در چشم آب زیره و نمک و بگذارند بر پشت چشم زرده تخم مرغ که آمیخته باشند او را با روغن گل سرخ

شیاف دیزج همین شیاف اسود [illegible]
که تفصیل اجزاء آن در امراض [illegible]
در ذیل مرض ظفره [illegible]

| ۳۷ | معالجه عام |
|---|---|

سعفه که هست که از ماده سودا بهم میرسد و که از ماده بلغم و باید که پرهیز کند صاحب سعفه از غذاهائی که مولد بلغم و سودا باشد بعد از آنکه مسهل سودا و بلغم بکار برده باشند و بکشند بچشم بعد از مسهل خوردن شیاف اصفر و بعد از آن شیاف احمر لین

در مرض نمله بعد از فصد و مسهل پرهیز کند از غذاهائیکه مولد و منشا ماده میباشد مثل ماهی نمک سوده و ماست ترش و عدس و غذا اشوربای جوجه مرغ خانگی با آب انار تناول نمایند و شیاف احمر بچشم بکشند و بعد از آن برود کافوری

در مرض سلعه سزاوار آنست که پرهیز کنند از غذاهائیکه مولد بلغم و سودا است و بر چشم گذارند دواهائی که مذکور شد در جدول پیش و اگر نابود و اتحلیل نرود تیغ بزنند و بشکافند موضع را و بیرون آورند موضع سلعه را چنانکه بیان شد در علاج سلعه بدن و بچسبانند بعد از آن [illegible]

در مرض قمل و قمقام بعد از آنکه مسهل بکار برند و مداومت نمایند بدخول حمام پرهیز باید کرد از غذاهائیکه مولد فضلهای غلیظ باشد در بدن و از مداومت انجیر خشک بخصوصه و باید که غذا مرغ خانگی و کبک و دراج بوده باشد و بکشند بچشم شیاف روشنائی یا بمالند بر پشت چشم [illegible] و شب یمانی و نمک و زاج [illegible] اجزا بهمساوی کوفته و با آب [illegible] نمایند



ورق ۳۷ ب

## مرضهای پلک چشم

| نام مرض | سعفه | نمله | سلعه | قمل و قمقام |
|---|---|---|---|---|
| مزاج مرض | خشک | گرم | سرد | سرد |
| سن اهل مرض | کودکان و جوانان | جوانان | [illegible] | [illegible] |
| فصلهای سال | تابستان | تابستان | زمستان | زمستان |
| شهرها | خشک | گرمسیر | سردسیر | سردسیر |
| سالم یا خطرناک | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | بلغم غلیظ | [illegible] |
| علامات | [illegible] | [illegible] | موضع [illegible] بسیار غلیظ نباشد | [illegible] |
| علاج | فصد باید کرد و مطبوخ فاکهه باید داد | فصد کنند و شربت ورد و [illegible] بنوشانند | مطبوخ افتیمون باید داد | حب ایارج و حب صبر باید داد |
| غذا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سایر احتیاطها | [illegible] | شیاف [illegible] بالند | [illegible] | [illegible] |

سعفه که

| ۳۸ | معالجه عام |
|---|---|

موی زیاد و برگشته را باید معالجه کرد به دواهای تند که بکشند بچشم یا باید چسبانند موی اصلی را باید کند بمنقاش و داغ باید کرد با آهن بسیار باریک و باید که داغ بکشند پیش از جای دو دسته موی زیاد را و مالند بعد از داغ کردن سفیده تخم مرغ یا روغن گل سرخ یا بکنند موی زیاد را بمنقاش و بمالند بموضع خون وزغ یا خون کهنه سگ یا تخم مورچه کوبیده باشند با آب یا شیره انجیر تازه که بجای خطاطیف از وزار چیده باشند یا بمالند نوشادر و سم خر سوخته که کوفته و خمیر نموده باشند بسرکه و اگر چنانچه موی زیاد بسیار باشد و دواها کم نفع کند تشمیر باید کرد و چنانچه یاد کرده شد در حاشیه صفحه پیش اما بختن قرکانها پس هم میرسد از خلط تند و سزاوار آن باشد که مسهل دهند و بمالند زرنیخ و موی مژه را زود برکنده است استخوان جز ما که سوخته باشند او را با سرگین موش که سوخته و سرشته باشند بعد از عسل با الاجورد و بنده بچشم بکشند

در مرض وردینج بعد از استفراغ بدن بفصد و حجامت سزاوار است که غذاهای لطیف بکار برند مثل شوربای اوان جوجه مرغ و اگر صاحب وردینج طفل شیرخواره باشد باید که پرهیز کند شیرده او را و بگذارند در چشم دایه او وردینج زرده تخم مرغ و بعد از آن در روز سیم اضافه کنند آن اندک زعفران و تریاک بعد از آن ذرور ملکایا بکار برند و صفت آن انزروت پرورده در شیر و نشاسته و نبات سفید و صمغ عربی کوفته و نرم بیخته ذرور سازند و بعد از آن این ذرور صغیر بکار برند صفت آن شیاف ما میثا دو درم و ذرور صغیر سه درم نشاسته سه درم کوفته و بیخته ذرور سازند و باید که بچشم بکشند ذرور اصفر اگر کان جوششی در چشم باشد و نفع میکند وردینج را آنگه بچشم کشند انزروت و شیاف ما میثا و آنگه بگذارند بر پشت چشم عدس نرم کوفته و آرد جو و زعفران و اگر برگ دانند پلک چشم را و بشکافند وردینج را و بپاشند بر او ذرور اصفر بعد از آن شیاف احمر نافعست

در مرض سلاق بعد از استفراغ بدن از رطوبتهای بسیار تند باید که غذاهای خشک بکار برند مثل گوشت مرغ و گوشت بزغاله و نان سپید و بمالند بر پلک چشم مرداسنج که نرم ساییده باشند بروغن گل سرخ و حضض و شیاف ما میثا یا بمالند گل سرخ و آرد جو و زعفران که نرم کوفته و سرشته باشند با آب برگ کاسنی و بکشند بچشم شیاف احمر یا برود غوره که بعمل آورده باشند با آب غوره و توتیا و اگر نفع نکند بکشند بچشم برود غوره که بعمل آورده باشند از توتیا و زرد چوبه از هر یک یکدرم و هلیله زرد و زنجبیل از هر یک نیمدرم و فلفل و ماميران از هر یک یک دانگ و نیم و نمک هندی یکقیراط مجموع را کوفته با آب غوره تربیت نمایند و چون خشک شود بار دیگر نرم سایند و بکار برند

در مرض شترناق بعد استفراغ بدن باید که بنشانند بیمار را در پیش روی خود و بکشد پلک چشم را با انگشت بزرگ و انگشت شهادت و بشکافند تا جمع شود پیه زیاد در میان دو انگشت بعد از آن بفرمایند که دیگری پلک را از میان ابرو بالا کشد و خود دانند که پایین کشد بعد از آن بشکافند پلک را به نشتری در عرض پلک پیش از آنکه در پیه میشکافند و احتیاط کنند که سطح باطن پلک پاره نشود که مبادا منزری طبقه قرنیه برسد بعد از آن بگیرند پیه را با پارچه نرم و بچسبانند بطرف راست و چپ تا کنده شود و بعد از آن بپاشند بر او ذرور صغیر و به بندند چشم را با پارچه و بعد از یکروز بگشایند و اگر ورم نکرده باشد پس مرهمی بر او بگذارند تا چاق شود و بمالند بر حوالی حضض مکی و شیاف ما میثا و اگر ورم گرم بهم رسیده باشد بمالند بر او شیاف ما میثا و فوفل با آب گشنیز



| ورق ۳۸ | مرضهای پلک چشم | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نامها | مزاجها | سببها | فصلها | شهرها | سالها | سن | علامت | علاج | غذا | تدبیر |
| [illegible] | سرد | سرد | زمستان | سرد | بلغمی | [illegible] | [illegible] | مطبوخ افتیمون | [illegible] | [illegible] |
| وردینج | گرم | گرم | تابستان | گرم | صفرا | [illegible] | [illegible] | فصد و حجامت باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| سلاق | گرم | گرم | بهار | گرم | صفرا | [illegible] | [illegible] | حب ایارج باید داد | [illegible] | [illegible] |
| شترناق | گرم | [illegible] | تابستان | گرم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد و حجامت باید کرد | [illegible] | [illegible] |

ورق ۹ ۳۰

## مرضهای پلک چشم

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | معالجات شاهانه | معالجه فقرا |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| جرب دوم کرم ده قمل | گرم | جوانان و کودکان | بهار | جنوبی | بیخطر است | امتلاء بدن ... صفرا ... خون ... خلط [illegible] | [illegible] | فصد قیفال باید کرد | [illegible] بگلاب و کافور [illegible] | [illegible] |
| تحجر انشقاق جفن | سرد | پیران | تابستان | سرد سیر | بیخطر است | باد یا خلط بلغم یا خلط سودا | [illegible] | حب ... ایارج ... باید داد | شیاف ... بکشند بچشم [illegible] | [illegible] |
| در جفن متحجر صلابت | خشک | دو مویان | پائیز | خشک | بیخطر است | خلط غلیظ که ... بخار ... باشد | [illegible] | فصد باید کرد و مطبوخ افتیمون باید داد | اول ... فصد ... و بعد از آن ... بکشند | [illegible] |
| جفن متحجر خارش | خشک | جوانان | تابستان | خشک | بیخطر است | خلط شور که بسیار غلیظ نباشد | [illegible] | حب صبر ... بدهند | شیاف ... بچشم بکشند | [illegible] |

معالجه باید کرد



| ۳۰ | معالجه عام |
| --- | --- |

معالجه باید کرد در قسم اول بعد از آنکه از سببهای پیروی بهم رسیده است باکه سببهای پیروی را برطرف کنند و سر [illegible] چشم [illegible] پارچه [illegible] کافور را حل نموده باشند و بر پشت چشم گذارند و بعد از آن بکشند بچشم برود کافور [illegible] باشند و در قسم [illegible] باشند و بمالند بر پشت چشم حضض [illegible] اسفنج کرسانیده باشند بگلاب و آب کشنیز تازه و معالجه باید کرد در قسم دوم بعد از آنکه بهم رسیده [illegible] پروانه که بحرکت آورده باشند خلط اندرونه را یا بسبب ورم در جفنه متحجر شده باشد باید که مسهل بدهند و فصد کنند و غذا [illegible] باشد [illegible] سرکه و ... باشند تناول نمایند و باید که بسیار استراحت کنند و حرکت کم کنند و در خانه تاریک بنشینند و شیاف که بهم آورده باشند از اجزای [illegible] صمغ عربی [illegible] کتیرا سفید از هر یک یکدرم افیون نیم درم سفیداب قلعی سه درم کوفته و بیخته بسفیده تخم مرغ شیاف سازند و هر گاه ساکن شود ورم برود کافور که در قسم اول مذکور شد بکار برند و در قسم سیم که از اسباب اندرونی بهم رسیده و بعد از آنکه فصد و مسهل بکار برند شیاف مذکور را بچشم بکشند اگر تابستان باشد و اگر زمستان باشد همین شیاف را با شیر دختران سائیده بچشم بکشند و بگذارند بر پشت چشم [illegible] کاسنی و آب بهیشه بهار و هر گاه چشم بهم چسبد و چرک کند این ذرور بکار برند توتیا چهار درم نشاسته دو درم نبات صمغ عربی از هر یک یکدرم چون سفوف کرده در سائیده ذرور اصفر و شیاف احمر بکار برند و باید که بحمام روند و چشم را بشویند با آب ریاحین مثل بنفشه و نیلوفر و بابونه و [illegible]

در قسم اول انشقاق بشویند چشم را با آبیکه جوشانیده باشند در او بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و باید که بسیار بحمام روند و در قسم دوم استفراغ کنند بدن را و غذا شوربای جوجه مرغ خانگی با دراج بار رشتی تناول کنند و شیاف احمر لین بچشم بکشند و بمالند بر پشت چشم صبر و حضض و زعفران و شیاف ماميثا که بگلاب سائیده باشند و بشویند چشم را با آبیکه جوشانیده باشند در او ریاحین مذکوره و در قسم آخر استفراغ بدن باید کرد و شیاف احمر حاد و ذرور اصفر بچشم باید کشید و بشویند چشم را با آبیکه جوشانیده باشند در او بابونه و اکلیل الملک و صعتر و مرزنجوش

در صلابت متحجره بعد از فصد و مسهل شیاف ابیض با شیر دختران بچشم بکشند بعد از آن ذرورها بکار برند بعد از آن شیاف احمر بکشند و پارچه را با آب گرم فرو برده بر پشت چشم بگذارند و بمالند بر پشت چشم آرد جو و شیاف ماميثا و اکلیل الملک و زرده تخم مرغ که تحجیه باشند با روغن گل سرخ با پیه اردک و بمالند بر سر روغن بنفشه و باید که بحمام روند و بریزند بر سر آبیکه جوشانیده باشند در او اکلیل الملک و نیلوفر و بنفشه خشک و حلبه

در حکه و خارش متحجره بعد از استفراغ بفصد و مسهلات بکشند شیاف احمر لین بچشم و بعد از آن شیاف احمر حاد بکشند و دوائیکه اشک چاور [illegible] مانند باسلیقون و غیر آن و بگذارند بر پشت چشم پارچه که فرو برده باشند در آبیکه جوشانیده باشند در او بابونه و اکلیل الملک و اندک نمک و مکرر بحمام روند و غذا گوشت بزغاله و گوشت بره تناول نماید

## مرضهای طبقه ملتحمه

| نامها | سبل | ظفره | دمعه | ودقه |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سالها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| فصلهای سال | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| شهرها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامات خاص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علاج | فصد قیفال بکنند و حب صبر و ایارج بدهند | فصد قیفال باید کرد | [illegible] | فصد باید کرد |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





## معالجه عام

اول استفراغ بدن کنند در مرض سبل پس اگر حرارت در چشم باشد بکشند بچشم شیاف اسود و چون ساکن شود حرارت بچشم بکشند شیاف احمر [illegible]
و غذای نیکو دهند و پرهیز کنند از آنکه غذا یا آب بسیار بخورند و از غذاهائیکه مولد سودا باشد باید احتیاط کنند [illegible]
[illegible]

| ورق ا جم | مرضهای طبقه قرنیه | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | نامها | مزاجها | سنها | فصلها | شهرها | [illegible] | سبب | [illegible] | علاج | [illegible] |
| در بیان قرحه | گرم | جوانان | تابستان و فصل [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | رگ قیفال باید گشود و مطبوخ [illegible] باید داد | [illegible] | [illegible] |
| در بیان [illegible] | گرم | کودکان | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | رگ قیفال باید گشود | [illegible] | [illegible] |
| در بیان [illegible] | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| در بیان سرطان | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | رگ قیفال باید گشود و ماء الجبن باید داد | | [illegible] |





| ا جم | معالجه | عام |
|---|---|---|

در قرحه چشم اول فصد کنند بعد از ان استعمال [illegible] و یکروب زخم را بچسبانند و دردا ساکن کنند و تبرید چشم نماید مانند دواهائیکه در جدول صفحه پیش گذشت بعد از ان [illegible] بکار برند بعد از ان شیاف [illegible] و غذا دهند شوربای کدو و ماش و اسفناج با جوالقو و پاشاند گلاب و نبات بتوام آورده و آب انار بجوشش و شربت عوزه با شیره تخم خرفه و همچنین شیره جو [illegible] و بگذارند بر پشت چشم پنبه که فرو برده باشند در شیره خرفه [illegible] آن شیاف ابیض یا اینکه بگذارند بر پشت چشم بذر قطونا که با گلاب و آب گشنیز تر بهم زده باشند تا اینکه لعاب داده باشد و اگر پدید آمده باشد در طبقه قرنیه [illegible] باید که پارچه چند محکم بر چشم ببندند [illegible] باید که حل کنند شیاف مذکور را با آب حلبه و بچشم بچکانند و بمالند بر پشت چشم حضض و افیون [illegible] و آب برگ کاهو یا پوست خشخاش که کوفته و آب گشنیز تر سرشته باشند بر پشت چشم بگذارند و هرگاه درد ساکن شود باید که [illegible] [illegible] بکار برند [illegible] شیاف [illegible] بکار برند و اگر نفع کند [illegible] بچشم کشند و چون قرحه گوشتی بالا آرد شیاف احمر بچشم کشند و بکام روند و غذا جوجه مرغ خانگی [illegible]

معالجه مرض [illegible] مانند معالجه مرض قرحه است در استفراغ اخلاط و استعمال ادویه که حس را کم کند و درد را ساکن سازد و اگر درد بسیار باشد [illegible] در قرحه مذکور شد در این مرض مناسب است و باید که بپاشند آب برگ [illegible] و اگر شیره [illegible] بکار برند [illegible] [illegible] مروارید [illegible] از هر یک یکدرم [illegible] سوخته شسته یکدرم و نیم [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

وهل مختوم و مروارید اجزاء بسیار نرم کوفته استعمال نمایند

## مرضهای طبقهٔ قرنیه



| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | [illegible] | فصد | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نتو | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خطر دارد بچشم | [illegible] | [illegible] | فصد کنند اگر بدن پر باشد از اخلاط | [illegible] | [illegible] |
| حفر | تر | کودکان | بهار | جنوبی | خطر دارد بچشم هرگاه برای نفیس غشیه باشد | [illegible] | [illegible] | باید کرد | [illegible] | سرمه ... بچشم کشند |
| [illegible] | تر | کودکان و پیران | بهار | جنوبی | خطر دارد بچشم هرگاه چرک غلیظ باشد | [illegible] | [illegible] | قرص بنفشه با قند سفید باید داد | [illegible] | شیاف ... بچشم کشند |
| [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خطر دارد بچشم | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد و اگر حرارت در چشم باشد | [illegible] | سرمه اصفهانی بچشم کشند |





| ۳۲ | معالجهٔ عام |
|---|---|

در مرض نتو بپاشند بچشم دوائی که بر چیند رطوبات آنرا و در هم کشد عضو را چنانکه ز برب از و جشیر اشل قرو و ریکه بعمل آورده باشند و قلیمیا نقره و صمغ عربی و اگر بدّه تها برا نکه نشسته باشد و نتو بزرگ باشد علاج ندارد و اگر خواهیکه علاج کنی دو را بآلت آهنین ابرای انکه چشم اندکی خوش نا شود و نه از برای انکه بینا شود و باید که رشته را از سوزن بکذرانند و فرو برند سوزن را در زیر نتو و از طرف دیگر نتو بیرون آورند بعد از انکه سر رشته را گرفته نتو را اندکی بالا کشند و متعرض بیرند بعد از آن بر کننده چشم را باشاریخ و سده و تد بیرکه سلامت نزدیک تر و از آفت دور تر است آنکه فرو برند سوزن در بیخ نتو از طرف یک پائین که از طرف یک بالا بیرون آید بعد از آن سوزن دیگر را رشته دو تا از سوراخ آن کذرانیده باشند فرو برند از طرف کنج چشمی که آن کنج در طرف دست راست است در بیخ نتو و از طرف دیگر بکشند و آن سوزن دیگر را در نتو بگذرانند و بکشند بعد از آن ببرند نتو را از بیخ رسیمان دوته و به نهند در این رسیمانها پاره از نتو بالا و پاره دیگر را پائین بعد از آن بیرون آورند سوزن اول را

در مرض حفره بچشم کشند این شیاف را قلمی سوخته و صدف سوخته و شیح سوخته و کثیرا و صمغ عربی و رحجت و سفیداب و سرمه از هر یک یکجزو دم صاف و افیون مصری از هر یک دو جزو نرم کوفته و بسفیدهٔ تخم مرغ سرشته شیاف سازند و بپاشند بچشم انزروت و داش و بیخ سنبل یکدرم شیح سوخته دو درم توتیا و مرداسنگ از هر یک یکدرم آبار سوخته دو درم سرمه اصفهانی یک درم نرم کوفته استعمال نمایند

علاج کنند چرکی را که در زیر قرنیه جمع آمده باشند بدوائی که بیرد چرک را و تحلیل دهد او را همچو آرشش وزرو رمکا یا و شیاف احمر و اگر باید و احتیاج بتحلیل نزده بکشند بچشم این عسل را هر روز دو مرتبه یا سه مرتبه صفت آن صاف و زعفران از هر یک یکدرم ذوناب سه درم عسل شش درم اجزا را خوب بکوبید بسر سرشته استعمال نمایند و اگر باید و انیز به تحلیل نزده و باید که اشکافند کنج چشم را آنگاه میل سبز تند در زول آب و چرک را بیرون آورند و بعد از آن بکانند بچشم شیر دختران و علاج کنند چشم را به دواهای قرحه

علاج کنند جدا کردن پوست قرنیه را بدواهائیکه بر چیند رطوبت را و خشک کند و غذاهای مناسب بکار برند بان روش که اول با آشهای حیوانات دهند و بعد از آن جوجه مرغ خانگی و با شامد گلاب و نبات اقوام آورده و شیره تخم خرفه و شیره جو و بهترین دوائیکه در این مرض بچشم کشند شیاف ابیض است

مرضهای ماوه و مرضهای عنبیه که مابین طبقه قرنیه و رطوبت جلیدیه بهم میرسد

| نامها | غرب (در صدو دل علامت سلوم میشود) | سیلان (در صدو دل علامت سلوم میشود) | غدّه (در صدو دل علامت سلوم میشود) | جسم ناخنه در مکر |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | تر | تر | تر | خشک |
| سالها | کودکان | جوانان | پیران | پیران |
| فصلهای سال | بهار | تابستان | زمستان | پائیز |
| شهرها | جنوبی | گرمسیر | تر | خشک |
| سلامت و خطر | بی خطراست | بی خطراست | بی خطراست | بی خطراست |
| سبب | ماده تند | [illegible] | خون غلیظ بسیار زیاد | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد باید کرد [illegible] | فصد باید کرد اگر علامات زیادی خون ظاهر باشد | فصد باید کرد | فصد باید کرد اگر سبب ورم باشد |
| تنقیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



| ٣ | معالجه عام |
|---|---|

هرگاه ماده غرب سرواکند و زخم کرده باید که پر کنند زخم را با انزروت و صبر و دم الاخوین و کلنار و سرمه و زاج از هر یک یکجزو زنکار یکجزو و بعد از آن اجزا را نرم کوفته باشند یا اینکه پر کنند بگرد کاف سیار کهنه که نرم کوفته باشند یا پر کنند بقرک و برگ مورد یا پر کنند بتخم حنظل یا برگ سداب بستانی یا خاکستر و اگر زخم غرب ناسور شود و بکوش نرسد معالجه باید کرد با شنان فارسی دو جزو آهک شسته یکجزو زاج نیم جزو کوفته و بیخته و بیرون کوک سر شته فتیله با آن بیالایند و در ناسور گذارند یا اینکه بگیرند زرنیخ سرخ و زرنیخ زرد و قلقطار نرم کوفته خمیر کنند با شقی که در آب حل کرده باشند و فتیله با آن بیالایند و در ناسور گذارند و گفته اند که اگر شاخ اشنان قبطی در ناسور بگذارند دیگر روز و یکشب و بعد از آن شاخ اشنان بردارند و شاخ دیگر بگذارند و سه روز پی در پی چنین بکنند ناسور چاق میشود و اگر دوا در ناسور نفع نکند و برسد ازاو باستخوان بینی باید کر برید گوشتی را که فاسد شده تا استخوان بینی پس اگر استخوان فاسد نشده باشد بخراشند استخوان را با آلتی که او را قادین گویند و اگر فاسد شده باشد داغ کنند استخوان را چند جا بمیل باریک که با تش سرخ کرده باشند بعد از آنکه پر کرده باشند اندرون چشم را بخمیر که سر شته باشند بگلاب و باید که میل مذکور را فرو برند باستخوان تا آنکه برسد باندرون بینی و علامت رسیدن میل باندرون بینی آنست که نفس بر آنکه دارد و دود بسوی بینی بکشد پس اگر بادا از موضع باسور بیرون آید میل باندرون بینی رسیده است بعد از آن مشتی از پنبه کهنه بمرهم زنکار بیالایند و در ناسور گذارند یکروز چنین بکنند و یکروز فتیله را بآب الاکیش مرهم گذارند

اگر گوشت کنج چشم در مرض سیلان بالکلیه بر طرف شده باشد علاج ندارد و اگر چیزی از آن گوشت باقی مانده باشد معالجه باید کرد به دوائیکه گوشت بر رویاند و رطوبت را خشک کند مثل مرقشیشا و زاج و مامیثا و غذاهائیکه تناول کنند مثل گوشت بره و زرغاله و مرغ خانگی و پاشند گلاب نبات بقوام آورده و شربت بنفشه

هرگاه زیادی گوشت کنج چشم از مقدار طبیعی بگذرد و بگذارند یا ادوائی مانند مثل مرهم زنکار و اگر دوا نفع نکند ببرند گوشت زیاد را بمقراض و احتیاط کنند که زیاد یا کم بریده نشود پس بپاشند بر او ذرور صفر و بگذارند بر موضع زرده تخم مرغ که آمیخته باشند با روغن گل سرخ و اگر حرارت در چشم بهم رسد شیاف ابیض بچشم کشند و چون حرارت ساکن شود شیاف احمر لین بکار برند

تنگی مردمک چشم اگر بسبب خلقت باشد پسندیده و نیکو است و اگر عارضی باشد و در اصل خلقت نبوده باشد پس اگر از زیادتی خلط و فشردن آن باشد استفراغ باید کرد بفصد و اسهال و باید مالید سر و درد را بزور و قوت تمام و ریاضت یعنی حرکت بدنی بکار باید داشت و اگر از خشکی مزاج باشد علامتش آنست که تخم چشم کاهیده و لاغر شده باشد و در این قسم امید علاج نیست لیکن حفظ آن کنند تا زیاده نشود و باید روش که غذاهای تر که خون نیکو از آنها بهم رسد تناول کنند مثل مرغ خانگی و پاچه بره یا پاچه بزغاله و دیگر بحمام بروند و بگشایند چشم را در زیر آب و تنگی مردمک هرگاه از زیر شده بهم رسد علاج ندارد و اگر از حرارت بهم رسد دواهای سرد تر بکار برند

مرضهای ماقوه و مرضهای عنبیه و مرضهای طبقه بیضیه و قرنیه و رطوبت جلیدیه و بصر

| ورق موضع | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | چشم نزولی و دملک | نزول آب | خیالات که از پیش نزول آب بهم رسد در چشم | خیالات که از شرکت معده بهم رسد در چشم |
| مزاجها | تر | تر | تر | تر |
| سالها | کودکان | پیران | پیران | پیران |
| فصلهای سال | بهار | زمستان | زمستان | زمستان |
| شهرها | تر | تر | جنوبی | تر |
| سلامت و خطر | خطر دارد بچشم | خطر دارد بچشم | خطر دارد بچشم | بی‌خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| نشانه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد باید کرد [illegible] | [illegible] حب ایارج [illegible] | حب ایارج [illegible] | حب ایارج [illegible] |
| غذا و پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات خاص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



# معالجهٔ عام

فراخی مردمک چشم که او را انتشار گویند اگر از ورم بهم رسیده باشد فصد باید کرد و بگذارند بر چشم برگ بید و گل نیلوفر و چون ورم رو بکمی کند بگذارند بر چشم آرد باقلای خمیر کرده و اگر انتشار بسبب خلط غلیظ بهم رسیده باشد مسهل باید داد بحب ایارج و حب قوقایا و بعد از آن شیاف مرارات باید که بچشم کشند و آنچه در ابتدای نزول آب بچشم می کشند در اینجا نیز نافع است و اگر انتشار از خشکی باشد علاج ندارد و لیکن مدارا باید کرد بانیکه بچکانند بچشم شیر دختران و تناول نمایند غذاهای تر و چون مرض انتشار مرضی است دشوار العلاج میشود باید که سخت دهند بیمار را بکشیدن دواهای قابض مقوی مثل سرمه اصفهانی و توتیای هندی و اقلیمیای نقره و طلا

در مرض نزول آب پرهیز باید کرد از غذاهای غلیظ مثل عدس و گوشت گاو و اقسام شیر و آنچه از شیر حاصل آورند و سیر و پیاز و تنقیه بدن باید کرد بدواهای مناسب و اگر اینها نفع نکند میل باید زد و اگر نزول آب باشد که میل زدن نفع کند و از دو علامت او مذکور شده و طریق میل زدن آنست که بنشانند بیمار را پیش روی خود بر بالش زمین در جای روشن در برابر آفتاب و بچسبانند دو زانوی او را بسینه او و به بندند آن چشمی را که میل نمیزنند و بنشیند کسی که میل میزند بر کرسی و بنشیند کسی در پس سر بیمار نگاه بدارد چشم او را و سر او را محکم نگهدارد و پس بگیرد میل زننده میل را و بدنبالهٔ میل نشان کند موضعی از کنج چشم که بطرف بیرون بدنست بشرط آنکه آن موضع در برابر مردمک چشم باشد بعد از آن بگذارد سر میل را بر آن موضع که نشان کرده است و زور کند تا طبقهٔ ملتحمه پاره شود پس برساند سر میل را بر مردمک چشم و چون ببیند که سر میل بر مردمک رسیده است و بر بالای آبست بفشارد آب را اندک اندک تا آنکه آب بپایین رود و از مردمک ببند شود و بزیری که در پشت طبقهٔ عنبیه است بعد از آن سر میل را ساعتی در همان موضع نگاه دارد تا آب در پشت عنبیه قرار گیرد و بعد از آن سر میل را بلند کند و ملاحظه کند که آب بجای خود باز میگردد یا نه اگر برگردد بار دیگر بفشارد آن را بدستور سابق و چند بار چنین کند تا خاطر جمع شود که آب برنمیگردد پس میل را بیرون آرد و بگذارد بر چشم زردهٔ تخم مرغ با روغن گل سرخ و چشم را به بندد و بخواباند بیمار را در خانهٔ تاریک و منع کند او را از حرکت و سرفه و عطسه و باید که غذای او آشهای بیگوشت باشد با نان سیده تا روز هفتم و بعد از آن چشم او را بگشاید

در مرض خیالات که پیش از نزول آب بهم میرسد بکشند بچشم دوای معمول که مرکب است از عسل و آب برگ رازیانه با زهرهٔ کلنگ و زهرهٔ باز و زهرهٔ ماهی شبوط و زهرهٔ روباه و زهرهٔ کلنگ و زهرهٔ کرکس و زهرهٔ بزکوهی هر کدام از این زهرها که میسر شود با روغن بلسان و سکنجبین آمیخته بچشم بکشند و باید که پرهیز دارند از غذاهای غلیظ مثل گوشت گاو و گوشت گاو و اقسام شیر و پنیر کهنه و بخورند شوربا و تریج و تیهو

در مرض خیالات که بشارکت معده و بخارهای معده بهم میرسد باید که غذاهای لطیف نیکو تناول کنند و اگر در معده صفرا باشد قی باید کرد و با آب گرم و سکنجبین و بکشند بچشم دوائی که قوت دهد چشم را مثل ذرور اغبر و رمادی و اگر با این مرض دردسر باشد بمالند بر شقیقها دوائی که سرد باشد و قبض کند و صندل و گلاب بوید

ورق ۵ م

## مرضهای عصبی چشم و مرضهای گوش

| نامها | شبکوره (یعنی شبکوری) | جهره (یعنی روزکوری) | درد گوش از حرارت | درد گوش از برودت |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | تر | تر | خشک | سرد |
| سالها | پیران | دو مویان | جوانان | دو مویان و پیران |
| فصلهای سال | بهار | پائیز | تابستان | زمستان و پائیز |
| شهرها | جنوبی | خشک | گرمسیر | سردسیر |
| سلامتی و خطر | بی خطر است | خطری آورد بچشم | خطر دارد اگر کهنه شده باشد | بی خطر است |
| سبب | غلیظ بودن [illegible] | [illegible] | استعمال چیزهای گرم [illegible] | استعمال چیزهای سرد [illegible] |
| علامت | دیدن [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد کردن [illegible] دادن | [illegible] | فصد باید کرد اگر خون زیاد باشد [illegible] | حب ایارج و حب قوقایا باید داد |
| تدبیر | [illegible] | روغن بنفشه [illegible] | [illegible] بچکانند | [illegible] بچکانند |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





۵ م

## معالجه عام

شبکوری بیشتر عارض میشود مردمیرا که چشم ایشان بزرگ و سیاه باشد و معالجه آن آنست که غذاهای لطیف تناول کنند و شب غذا اصلا نکنند و پرهیز کنند از غذای بخاردار و هر گاه و بیگاه جگر بزرا و فرو برند و دارو دار فلفل و بریان کنند و او را بخار آن گذارند نفع عظیم دارد و همچنین هرگاه آبی که از این جگر بیرون بیاید در وقت بریان کردن بعد از آنکه اندکی سرد شود بچشم کشند و بعد از آن بخورند آن جگر را بسیار نفع میکند و باید که سه روز پی در پی چنین کنند و اگر این تدبیرها نفع نکند بکشند بچشم عسل را که آمیخته باشند با نوشادر و آب برگ رازیانه تازه هرگاه بچشم بکشند نافعست و همچنین هرگاه بکشند بچشم زهره بزکوهی که سرشته باشند بعسل و آب رازیانه

روزکوری عارض میشود بیشتر مردمیرا که میش چشم باشند یا اینکه چشم ایشان کبود باشد و سبب در روزکوری آنستکه روح باصره کم و لطیفتر و در روز بسبب حرارت آفتاب پراکنده میگردد و دو کمتر میشود و از اینجهت بسیار ضعیف میشود و نمی بیند و چون شب شد روح باصره قوی شود و کم منتشر گردد و از اینجهت خوب میتواند دید و می بیند و معالجه آن آنست که غذاهای لطیف و تر تناول نمایند و بچکانند بینی شیر دختران و روغن کدو و روغن بنفشه و مانند این روغنها را بسر و بکشند بچشم شادنج مغسول و پرهیز نمایند از غذاهای تند و شور و ترش و از غذاهای که قبض کند

درد گوشی را که از حرارت باشد نفع میکند اینکه بدوشند شیر دختران در گوش و بعد از اندک زمانی پاک کرده باز بدوشند و مکرر چنین کنند و مانند بردو در گوش صندل و گلاب و کافور یا آب کشنیز تازه و آب برگ کاهو و آب گل همیشه بهار را اگر درد بسیار باشد و چاره را پرتاب کنند حل کنند اندکی افیون در روغن بنفشه یا روغن گل سرخ و بچکانند بگوش یا بچکانند در گوش عصاره لفاح با روغن گل سرخ

درد گوشی اگر از برودت باشد نفع میکند اینکه بچکانند در گوش روغنهای گرم مثل روغن ترب و روغن قسط و روغن بادام تلخ یا اینکه بگیرند آب برگ ترب و آب مرزنجوش و با روغن زیتون آمیخته بجوشانند تا آب برود و روغن بماند پس این روغن را در گوش بچکانند که نفع میکند این روغن درد گوشی را که از سردی باشد یا از باد باشد یا بگیرند اناری و سر او را ببرند و خالی کنند و را بعد از آن پر کنند از برگ درخت سفید دار و زم کوفته با حنا و اندکی آب پس بگل حکمت بگیرند آن انار را و در آتش ملایم گذارند تا پخته شود پس آب آنرا در گوش بچکانند بشرط آنکه نیم گرم باشد و اگر با بیند در رطوبتی از گوش روان باشد بچکانند در گوش زهره کلنگ که حل کرده باشند در روغن بادام تلخ

## درکرمی هاگوش

| نامها | ورم گرم در گوش | ورم سرد در گوش | خون آمدن از گوش | چرک آمدن از گوش |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | سرد | گرم | تر |
| سالها | جوانان | دو مویان و پیران | جوانان | پیران |
| فصلهای سال | تابستان و بهار | پائیز و زمستان | تابستان | زمستان |
| شهرها | گرمسیر | سردسیر | گرمسیر | تر |
| سلامت و خطر | خطر دارد [illegible] | خطری ندارد بگوش | خطر دارد اگر [illegible] باشد | خطری ندارد اگر متعفن شود |
| سبب | خون یا صفرا زیادتی | بلغم یا سودا زیادتی | موجود در گوش جراحتی که عارض [illegible] | دملی که کهنه شده باشد در گوش |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد قیفال باید کرد | حب ایارج باید داد | [illegible] باید کرد | اسهال باید کرد [illegible] |
| [illegible] | [illegible] در گوش بچکانند | [illegible] در گوش بچکانند | [illegible] در گوش بچکانند | [illegible] در گوش بچکانند |
| معالجه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| ٤٦ | معالجه عام |
|---|---|

درورم گوش که از حرارت باشد باید که بالند بر دو ره گوش آب بدر قطونا و آب کاسنی و آب گشنیز و بگیرند با قلا و جو پوست کنده و ورق بنوفر و بابونه و اصل السوس و بنفشه و پیخ خطمی و همه دواها را نرم کوفته با آب گشنیز تازه و روغن بنفشه که آن را اصل و زیغ گویند خمیر کنند و بر گوش بگذارند و غذا اشتهای بکوشت تناول نمایند و شیره جو با گلاب و نبات بقوام آورده بنوشند و اگر ورم پس کن نشود باید دواهاش نه اینکه ماده ورم چرک شده پس باید که بچکانند در گوش عاب بزرک سفید با شیر دختران هر روز چند بار تا آنکه سر وا کند و چرک بیرون آید و چون چنین شد معالجه کنند بدوا اینکه بعد از این مذکور خواهد شد در باب چرک کردن گوش اگر بدین تدبیر چرک از گوش بیرون نیاید نشانه آنست که ورم تحلیل خواهد رفت پس باید که بجوشانند بابونه و اکلیل الملک را با آب در ظرف سفالین تنگ دهان که سر آن را محکم بسته باشند و چون پخته شود گوش را بخار آن دهانند بعد از آن ابتدا روغن بنفشه در گوش بچکانند

درورم گوش که از برودت باشد بگیرند شبت و بابونه و اکلیل الملک و مرزنگوش و سیسنبر از هر کدام یکجزو و حلبه و برگ سفید از هر یک نیم جزو و همه را نرم کوفته با آب مرزنگوش و روغن سوسن خمیر نمایند و بر گوش گذارند و نفع بسیار کند اینکه بگیرند بابونه و اکلیل الملک و شبت و حندقوقا و مرزنگوش و صعتر همه را بجوشانند در ظرف سفالین که دهان آن تنگ باشد و بسته باشند تا خوب پخته شود پس بگشایند سر انرا وانی را در آن ظرف سفالین بگذارند و سر دیگر آن نی را در گوش گذارند تا بخار آن بگوش برسد و اگر ورم گوش صلابت بهم رساند باید که بگذارند براو پیه مرغ خانگی با سرگین سوسمار که آمیخته باشند با یک دیگر

اگر خون از گوش آید بچکانند در گوش آب بستان افروز با آب سماق یا آنکه بگیرند مازو را و نرم بکوبند و با آب برگ خرفه آمیخته در گوش بچکانند یا آنکه بگیرند صبر و کندر مساوی یکدیگر و نرم بکوبند پس با پیرزند آب کنند او در گوش بچکانند و باید که غذا اشتهای بکوشت تناول نمایند و بپاشانند آب انار و شیره تخم خرفه و گلاب و نبات که بقوام آورده باشند آن را

هرگاه چرک از گوش روان باشد باید که بگیرد از زروت و خون سیاوشان و کندر و مر مکی و شیاف مامیثا و انزروت اجزا را مساوی نرم بکوبند و بعسل خمیر کنند و بمالانید بان فتیله از کتان و در گوش گذارند بعد از آنکه بپنبه چرک را از گوش پاک کرده باشند و اگر بیرون آمدن چرک از گوش بطول کشد باید که بگیرند عسل ده درم و سرکه چهار درم و هر دو را بجوشانند بآتش ملایم و بگیرند کف آن و بپاشند بر آن زنگار نیکو یک درم و نصف و باید که آمیخته فتیله را بآن آلوده در گوش گذارند یا اینکه در گوش گذارند فتیله که آلوده باشند از زبر هم احمر که بعمل آمده باشد از مرداسنگ و زرد چوبه و زیت و سرکه

١٠ ٢ ١ ٢

## مرضهای گوش و بینی

| نامها | مزاجها | سالها | فصلها | [illegible] | بلادها | سبب | علامت | استفراغ | معالجه بادوای [illegible] | معالجه بادوای [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| سده گوش | [illegible] | [illegible] | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | حب ایارج و حب قوقایا و هر چند اگر سبب بلغم باشد | [illegible] | [illegible] |
| صدای گوش | [illegible] | [illegible] | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | حب صبر باید داد اگر سبب بلغم باشد | [illegible] | بچکانند در گوش روغن [illegible] |
| گرانی گوش | [illegible] | [illegible] | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | حب ایارج باید داد اگر سبب بلغم باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | جوانان | تابستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد یا حجامت اگر سبب دم باشد | [illegible] | [illegible] صندل سائیده با گلاب |







## معالجه عام

سده گوش اگر از چرک باشد پاک کنند و اگر از بلغم باشد مسهل بلغم بکار برند بعد از آن غرغره فرمایند بخردل و سکنجبین [illegible] و آنگاه آب گرم و عطسه فرمایند بکندش که نرم کوفته باشند [illegible] و بدمند به بینی و بچکانند در گوش آنکه جوشانیده باشند در آن سداب و مرزنجوش و سیسنبر یا بچکانند در گوش آب سداب و مرزنجوش و سیسنبر تازه یا بوره ارمنی و اگر سده از ورم باشد علاج کنند بآنچه ورم را بآن علاج میکنند و معالجه ورم از پیش گذشت و اگر از گوشت زیادی یا ثولول باشد ببرند اگر ممکن باشد و الا مرهم زنگار بکار برند و اگر سده از سنگریزه یا استخوان خرما باشد میل باریک که چسبانیده باشند بر آن سریشی که بسیار چسبنده باشد فرو برند بسوراخ گوش تا بچسبد بآن سنگریزه یا استخوان خرما و بیرون آید و اگر در یک مرتبه بیرون نیاید مکرر چنین کنند و اگر بتکرار نیز بیرون نیاید عطسه فرمایند با بیرون کش که فتیله از کاغذ باندرون بینی فرو برند و بگیرند سوراخ بینی و گوش و دهان را تا باز و عطسه کنند و آنچه در گوش است بیرون آید و اگر سده گوش از آب باشد که بگوش رفته یک پا از زمین بردارند و بپای دیگر از جانب گوش گرفته جست مکرر جهند در حالتی که میل داده باشند سر را بهمان جانب تا آب بیرون آید و اگر بآن تدبیر بیرون نیاید بگیرند ساق پیاز را که بقدر یک وجب یا بیشتر باشد و بپیچند بر گرد او تا یک ثلث آن ساق پنبه و چرب کنند آنرا بروغن کنجد و سر دیگر آن ساق را در سوراخ گوش گذارند و بجانب سر را که پنبه پیچیده اند با آتش برافروزند و بگذارند تا که بسوزد و تا که حرارت آتش باندرون گوش رسد آنقدر که تاب داشته باشد بعد از آن بیرون آرند ساق پیاز را و پاک کنند سوراخ گوش را و بچکانند بسوراخ گوش دو سه قطره روغن گل سرخ و اگر جانوری باریک فرو رفته باشد بگوش و بگذارند تا بیرون بیاید و اگر [illegible] در گوش [illegible] یا جانوری که بگوش رود بدرد [illegible] بکشد او را آب درمنه ترکی یا آب پودنه یا اندک قطران یا آب افسنتین جوشانیده یا عصاره قثاء الحمار با اندک بوره

معالجه باید کرد صدای گوش را با بیرون کش که بجوشانند زوفا و حب الغار و برگ درخت صنوبر و آب آنرا گرفته در گوش بچکانند و اگر نفع نکند سبب صدای گوش بلغم غلیظ خواهد بود و پس باید که استفراغ کنند بلغم را باین حب صفت آن تربد سفید دو دانگ شحم حنظل یکدانگ نیم کتیرا و انزروت از هر کدام یکدانگ هلیله کابلی دو دانگ اجزا را کوفته و بیخته حب نمایند و بچکانند بگوش آب سداب و آب مرزنجوش و عطسه فرمایند بکندش

گرانی گوش اگر از بلغم باشد معالجه کنند بآنچه مذکور شد در خانهای صفحه پیش و اگر از صفرا باشد مسهل صفرا باید داد و اگر بعد از مرضهای گرم قوی باشد که در انقضاها قوت بدن بتحلیل رود و رطوبات بدن کم میشود غذاهای نیکو بکار باید برد و مکرر بحمام باید رفت و اگر کری گوش از پاره شدن عصبی باشد که بگوش آمده و یا از قوت سامعه بسبب اصل خلقت آفتی داشته باشد علاج ندارد

حرارت اندرون بینی که بمقدم دماغ رسیده باشد معالجه باید کرد با اینکه بچکانند در بینی روغنی که گرفته باشند از گل نیلوفر و مغز تخم کدو یا روغن گل سرخ و گلاب و ببویند صندل و گلاب و کافور و نیلوفر و بنفشه و گل سرخ و گل خشخاش و ورم و جوشش بینی را معالجه باید کرد بفصد و حجامت چنانچه در خانه صفحه پیش مذکور شد و غذای سرد باید داد مثل آش جو و با قند سفید یا آب انار یا آب سیب یا [illegible] و [illegible] شیاف [illegible] و حضض [illegible] که سائیده باشند با گلاب یا آب برگ خرفه و آب گل [illegible] و اگر ورم سخت در پرده اندرون بینی پدید آید [illegible] از هم کشیده میشود و سنگینی [illegible] آنکه گوشتی باشد [illegible] و علاج باید کرد بچیزهای نرم [illegible] بچکانند در بینی لعاب بزرک سفید و روغن [illegible]

ورق ٨ جو

## مرضهای بینی

| نامها | قرحه در بینی | گوشت زیاد | بوی بد که از بینی آید | رعاف خون آمدن از بینی |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | خشک | تر | گرم |
| سالها | جوانان و کودکان | دومویان | پیران | جوانان |
| فصلهای سال | تابستان و بهار | پائیز | بهار | تابستان |
| شهرها | گرمسیر | خشک | تر | گرمسیر |
| سلامت و خطر | بی خطر است | خطر دارد تا بوئید سخت باشد اگر گوشت [illegible] | خطر دارد با لت بوئیدن [illegible] | خطر ندارد اگر [illegible] باشد |
| سبب | [illegible] | خون و ماده غلیظ [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد قیفال باید کرد | فصد قیفال باید کرد و حب ایارج باید داد | حبس باید داد | حجامت پشت گردن [illegible] با فصد قیفال [illegible] |
| معالجه کردن با چیزهای [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| اغذیه و آشامیدنیها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



٤٠٨

## معالجه عام

زخمهای کهنه که در اندرون بینی باشد معالجه کنند باینکه اول بشویند اندرون بینی را بسرکه بعد از آن بدمند به بینی مرهم که نرم سائیده باشند آزاد و اگر زخمهای مذکور رطوبت بسیار داشته باشد بگیرند جبث الفضه و مرداسنگ و سفیداب قلعی سرب سوخته اجزاء مساوی بکوبند در روغن گل سرخ تا مانند مرهم شود و فتیله بآن آلوده در بینی گذارند و اگر زخمهای مذکور خشک باشد موم سفید زرد روغن بادام و تخم ساق کاو بگذارند و با لعاب بهدانه و اندک کندر سائیده و برهم زنند و فتیله از کتان بآن آلوده در بینی گذارند یا اینکه چرب کنند اندرون بینی بآن

اگر گوشت زیاد که در بینی پیدا شده است سخت باشد و بسیاهی زند مرکب علاج آن نباید شد زیراکه از جنس سرطانست و قابل علاج نیست اگر نرم باشد و سرخ رنگ معالجه باید کرد باینروش که بگیرند زاج و قلقدیس و زنگار از هرکدام یکدرم قنطار یون در شب یمانی و مازو و توبال مس و زراوند و برگ از هرکدام نیم درم کنند و یکدانگ سرکه چیت و چند درم اجزا را نرم سائیده بریزند بسرکه و در دیگ مسین تا بقوام عسل آید و فتیله را آلوده در بینی گذارند و اگر باینروش علاج نشود دواهای تند مثل فرفیون و دیگ بر دیگ بکار برند و اگر این دواها نیز نفع نکند ببرند گوشت زیادی را باینروش که سوراخ بینی را برابر آفتاب بدارند و با آهنیکه بشکل سنان نیزه ساخته باشند گوشت را از بیخ ببرند و سعی کنند که از آن گوشت چیزی باقی نماند بعد از آن میل مجوف که از قلعی ساخته باشند بر یاره چهار آن بچند روز دواهای تند که گوشت را بخورد و بسایانند و به بینی نفوذ شد بعد از آن مرهم های که گوشت برویاند بکار برند

هرگاه بوی بد از بینی آید غرغره باید کرد سکنجبین بزوری و ایارج فیقرا و کف عرق انجکانند به بینی مرکبی که حل کرده باشند در آب پودینه یا گرم حمام و گل سرخ و نرم کوفته روغن بآن بسرشند و فتیله بآن آلوده در بینی گذارند و هرگاه بچکانند به بینی بول شتر تا عفونت خون از بینی آمدن هرگاه زیاد شود و بیالایند فتیله از کتان بصبر و کندر و سرکه در بینی گذارند یا بچکانند در بینی آب گندنا یا بدمند به بینی اقاقیا و کافور که نرم سائیده باشند یا کاغذ سوخته و گوشت بی سوخته یا زاج مصری و کندر و مازوی سوخته که خاموش کرده باشند آنرا در سرکه یا بیالایند فتیله از کتان بآن بیندوازند و در بینی گذارند یا پوست تخم مرغ و کاغذ سوخته و اقاقیا و پوست انار ترش نرم کوفته با آب یخ بسرشند و فتیله بآن آلوده استعمال نمایند و هرگاه این نفع نکند بریزند بر سر آب بسیار سرد و بگذارند بر پیشانی مازوی سبز و پوست انار و عدس مقشر و گل سرخ و حنظل که نرم کوفته با آب برگ مورد و گلاب سرشته باشند یا بگذارند بر پیشانی توتیا که نرم سائیده و بسرکه بخته باشند و اگر باین تدبیرها خون بند نشود باید کش کنند پهلو را از آنطرف که خون بینی از آنطرف بیرون میآید و به بندند خصیتین را محکم و بگذارند بر پیشانی و میان سر گل ارمنی و عصاره لحیة التیس و عدس و گلنار از هرکدام یکجزو و کافور و مومیائی از هرکدام ربع جزو که نرم کوفته باشند با سرکه سرشته باشند یا بگذارند بر سر و پیشانی برگ بید و برگ درخت انگور و برگ گل سرخ تازه که کوفته و با آرد جو سرشته باشند یا فتیله از تار عنکبوت که آلوده کرده باشند با زاج مصری و سرکه شده در بینی گذارند و غذا دهند بغذاهائیکه خون را غلیظ کند مثل حلوائیکه بعسل آورده باشند از آرد برنج و روغن کنجد و دوغ با شکر و آب غوره و آشی که پخته باشند از شیر و نشاسته و برنج و مثل پنیر تازه و گوشت بره و هریسه

ورق ٩ عم

## مرضهای آلت بوئیدن و زبان

| نامها | خشم یعنی نا شنیدن بوی | زکام | قلاع یعنی جوشش دهان و زبان | ورم گرم در زبان |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| مزاجها | تر | تر | تر | گرم |
| سالها | پیران | پیران | کودکان | کودکان و جوانان |
| فصلهای سال | زمستان | پائیز و زمستان | بهار | بهار تا تابستان |
| شهرها | تر | تر | تر | گرمسیر |
| سلامت و خطر | خطری ندارد مگر بو نشنیدن | بی خطر است | خطر دارد اگر بسیار باشد | خطر دارد اگر بسیار باشد |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | خون بسیار زیاد شدن [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | حب ایارج باید داد و اگر [illegible] باشد | فصد باید کرد | اگر طفل باشد حجامت کنند والا فصد قیفال باید کرد | فصد قیفال باید کرد |
| معالجۀ مسهل و ضماد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه فی الشاب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| معالجۀ عام | ٩ عم |
| --- | --- |

اگر سبب خشم خلط غلیظ باشد که چسبنده باشد بسوراخهای استخوان که شبیه است بصفاه معالجه کنند باین بخور صفت آن بگیرند شونیز و زرنیخ سرخ مساوی یکدیگر و نرم کوفته در کوزه سفالین کنند و بریزند بر آن بول شتر آنقدر که بپوشاند او را یا چشتر و در آفتاب بگذارند هر روز چند بار بر هم زنند تا خشک شود بار دیگر بول شتر را بر آن بریزند و بدستور در آفتاب بگذارند بر هم زنند تا خشک شود سه دفعه چنین کنند و چون خوب خشک شد قدری از آن بردارند و بریزند بر آتش و تیغی سرنگون بر روی آن آتش بگذارند و لولهٔ قیف را نزدیک سوراخ بینی برند تا بخار آن به بینی رود و هر روز دو دفعه یک دفعه چنین کنند و در عقب این بخور بچکانند به بینی روغن گل سرخ تا تندی این بخور فرو نشیند

در مرض زکام باید که پرهیز کنند از کدو کان و پنیر کهنه و شیر و تره تیزک و غذا کم خورند و سر را گرم نگهدارند و بر پهلو بخوابند که بر پشت خوابیدن ضرر دارد و برای زکام و غرغره کنند بگلاب و بکار برند آنچه نوشته شده در خانهای ... هر گاه رطوبت از بینی نضج یافته و بچکد بیرون آید بحمام روند و سر بود زند بخار آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و بنفشه خشک و تا نضج نیابد بحمام نباید رفت و اگر رطوبت از بینی بسیار آید و رقیق و تنک باشد عود و کافور بر آتش بریزند و بینی را بر بخار آن بدارند غلیظ کند رطوبتی را که از بینی آید یا سبوس یا در سرکه بجوشانند و بریزند بر روی سنگی که بآتش تافته باشند و بینی را بر بخار آن بدارند نفع عظیم کند یا سنگی را بآتش تافته سرکه بر آن بریزند

بمالند بر موضع قلاع این مرهم را صفت آن سفیداب قلعی مرداسنگ روغن گل سرخ موم سفید کافور بطریق معمول مرهم سازند و اگر صاحب قلاع طفل باشد بسیار کوچک که شوند او را حجامت کنند دایه او را فصد باید کرد و غذا باتش غوره و آتش سماق باید داد و اگر صاحب قلاع جوان باشد اول بار او را فصد کنند بعد از آن آب تمر هندی و گلاب و نبات بقوام آورده بدهند و مضمضه کنند بآب برگ بارتنگ که جوشانیده باشند و آب سماق یا بگلابیکه جوشانیده باشند در آن گشنیز خشک و سماق یا آبیکه جوشانیده باشند در آن توت سیاه و گل سرخ یا آب گشنیز تر و آب توت یا آب پوست خشخاش و زه انگور و باید که بپاشند بر قلاع گشنیز خشک و گل سرخ و عدس و فوفل طباشیر و نشاسته و تخم خرفه و نبات سفید و صندل سرخ از هر یک جزوی کافور ربع جزو که همه این اجزا را نرم سائیده باشند و چون ماده قلاع نضج یابد مرهم سفیداب بکار برند و اگر قرحه آن مزمن شود مضمضه کنند بآبیکه جوشانیده باشند در آن اصل السوس هر گاه قلاع سیاه رنگ و بدبو گردد بپاشند بر او برگ زیتون خشک پودینه و اقاقیا از هر کدام چند درم اصل السوس یکدرم سعتر یکدرم شب یمانی و زاج از هر یک نیم درم زعفران دو دانگ که همه را نرم سائیده باشند

در ورم گرم زبان بپاشند آب انار بجوش و شربت غوره و آب خیار و آب هندوانه و مضمضه کنند اول با ربه و از آنچه که در خانهای مذکور شد بعد از چند روز مضمضه کنند بآب کاسنی و چوزر و بگیرند مضمضه کنند بآبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و مرزنجوش و اکلیل الملک و بنفشه خشک و حل کرده باشند در آن فلوس خیار شنبر و چون این ورم نزدیک گردد بآنکه جرک کند مضمضه کنند بآبیکه جوشانیده باشند در آن انجیر خشک یا روغن بنفشه یا لعاب بزرک سفید و لعاب تخم مرو یا آبیکه جوشانیده باشند در آن انجیر خشک و روغن بنفشه و اگر ورم بسیار صلب و بزرگ باشد کامیت در نضج او آب گرم و روغن بنفشه که در دهان نگاه دارند و چون بحرک آید و سر بگشاید بگذارند برا و پنبه که چرب کرده باشند بروغن گل سرخ تا آنگه پاک شود از چرک بعد از آن مرهم سفیداب بکار برند

## مرضهای زبان

ورق ۵

| نام مرضها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | خطرناک اند یا سالم اند | سبب | علامتها | رنگ و نبض | غذاها | دواها |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| ورم صلب زبان | سرد | کودکان و پیران | پاییز | سردسیر | خطرناک اند گاهی | بلغم یا سودا | سختی ورم و سفیدی زبان | مطبوخ افتیمون باید داد | [illegible] | [illegible] با روغن نیلوفر |
| [illegible] زبان | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | بی خطر است | [illegible] | سرخی زبان اگر سبب خون باشد و تلخی دهان اگر سبب صفرا باشد | فصد کنند اگر سبب خون باشد شربت ورد تمر هندی اگر سبب صفرا باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | پیران | زمستان | سردسیر | بی خطر است | [illegible] | دهان اگر سبب بلغم [illegible] شود دهان اگر [illegible] شود | قی باید فرمود با سکنجبین و آب گرم و نمک کوفته | [illegible] | [illegible] |
| سنگینی زبان | سرد | پیران | زمستان | سردسیر | خطرناک [illegible] | [illegible] | [illegible] از زبان | حب ایارج باید داد اگر سبب بلغم باشد | [illegible] | از دل و زبان باید |





## معالجه عام

۵

در ورم صلب زبان سزاوار آنستکه پرهیز از غذاهائیکه مولد بلغم و سودا باشد و کمند زنند و در دهن لعاب بزرگ سفید و لعاب حلبه و آنچه جوشانیده باشند در آن تخم خشک و روغن نیلوفر مضمضه کنند بعین دواها و بمالند بر زبان روغن گل سرخ و پیه مرغ و موم سفید گرم هم نموده باشند تنها و مضمضه کنند با آب رازیانه تازه که حل کرده باشند در آن فلوس خیار شنبر

در تغییر ذائقه بسبب خلط گرم بپاشانند آب تمر هندی یا سکنجبین گلاب و نبات بقوام آورده و آب انار میخوش و غذا جوجه مرغ خانگی با آش غوره تناول کنند و اگر خلط گرم صفرا باشد و طبیعت خشک باشد بپاشانند آب انار شیرین و ترش که فشرده باشند با پیه آن انار و اگر خلط گرم خون باشد نرم کنند طبیعت را با آلو بخارا یا شکر آن را جوشانیده باشند در شربت بنفشه سزاوار آنستکه در این مرض بپاشانند شیره تخم خرفه با گلاب و نبات بقوام آورده و فصد هم طبابت شیر

در تغییر ذائقه بسبب خلط بارد پرهیز نماید از غذاهائیکه مولد بلغم باشد در میدن و غذا دراج و تیهو کباب کرده باشند یا روغن پخته باشند بپیمایند یا آش برگ کهو و قند شیرین کرده باشند و قدری زیره کرمانی و زعفران اضافه نموده باشند یا تخود و آب میل کنند و مضمضه کنند با آب گرم و بپاشانند سکنجبین یا ده یا آنچه جوشانیده باشند در آن عود و افسنتین و حب ایارج خلط بارد را اسهال کنند صفت آن ایارج فیقرا و تربد سفید خراشیده و هلیله کابلی و هلیله زرد از هر یک نیم درم شحم حنظل سقمونیا از هر یک یک دانگ نمک نفطی یک دانگ و نیم صبر سقوطری و افتیمون از هر یک دو دانگ نرم کوفته حب نموده استعمال نمایند

در سنگینی زبان اگر از بلغم باشد بکار برند آنچه نوشته شده در خانهای معالجه پیش و اگر سبب آن تشنج عصب باشد و آن تشنج از زیادتی خلط باشد معالجه تشنج امتلائی باید کرد چنانچه از پیش گذشت و اگر آن تشنج از خشکی باشد معالجه آن بس دشوار است و باید که غرغره کنند با شیر دختران یا روغن بادام شیرین و روغن تخم کدو و روغن بنفشه و چرب کنند پس گردن را بروغن بنفشه و موم سفید یا پیه مرغ یا دنبه میش و بزنند بر عقب سر آنچه جوشانیده باشند در آن بنفشه و نیلوفر و جو مقشر نیم کوفته و بپاشانند شیره جو با شیر بز و غرغره کنند بکرر بشیر و اگر سنگینی زبان از پاره شدن عصب باشد قابل علاج نیست

ورق ۱ ه

## مرضهای لب و دندانها

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | موادیکه بکار آید | معالجه فرنگیها |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| ترکیدن لبها | خشک | جوانان و پیران | پائیز | خشک | بی‌خطر است | خشکی مزاج لبها | [illegible] | جلاب باید داد ... خلط سودا باشد | [illegible] | [illegible] |
| ورم لبها | گرم | کودکان و جوانان | بهار | جنوبی | بی خطر است | زیادتی خون غلیظ | [illegible] | فصد قیفال باید کرد [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| جوشش لبها | گرم | کودکان و جوانان | تابستان | جنوبی | بی‌خطر است | خون با صفرا | [illegible] | فصد قیفال باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| درد دندان از حرارت | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیری | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | فصد باید کرد | [illegible] | [illegible] |





ورق ۱ ج

## معالجه عام

غذاهای نیکو دهند مثل گوشت بره و مرغ خانگی و بپاشانند شربت بنفشه و شربت خشخاش و مرهمی بعمل آورده باشند که کتیرا و سفیداب قلعی و مازو که اجزا را نرم سائیده باشند و با موم سفید و روغن مورد مرهم ساخته بر لب بمالند و باید که مجموع دواها ساوی موم و روغن باشد

بهتر چیزیکه بکار برند در بواسیر آنستکه بیرنگ آرا بعد از آنکه فصد کرده باشند و بعد از بریدن بپاشند با گل سرخ و زعفران و انزروت که همه را نرم سائیده باشند و باید که چندروز آتش و یا ان شاول نمایند و پرهیز کنند از غذاهای غلیظی که خون غلیظ از آنها در بدن بهم میرسد

در جوشش لب بعد از فصد مطبوخ هلیله بپاشانند تا اسهال کند صفرا را و بپاشانند سکنجبین با شیره تخم خرفه و غذا جوجه مرغ خانگی با آتش غوره تناول نمایند و پرهیز کنند از غذاهائیکه صفرا از آنها در بدن بهم میرسد مثل شیر مینها و چربیها

درد دندان که از حرارت باشد باید که مضمضه کنند با آب برگ بارتنگ که جوشانیده باشند در آن سماق و همچنین با عفصت انکه بجوشانند برگ خیار و بار درخت گز در سرکه و صاف نموده مضمضه کنند و اگر درد دندان از صفرا باشد سهال کنند صفرا را بهلیله و صبر و قند سفید و آب تمر هندی

## معالجهٔ عام

دیگر اند اطبا که سرکه و نمک را هرگاه نگه دارند در دهان نفع میکند درد دندان را خواه از حرارت باشد و خواه از برودت زیرا که سرکه چون سرد و تیز بود درد دندان و تبرید میکند ساکن میکرداند حرارت را و چون تقطیع میکند بلغم را دی بر در دو جدا میکند از عضو ساکن میکند درد دندان را اگر از برودت باشد و نمک چون تقطیع میکند بلغم را و لطیف میکند و تحلیل میبرد از آن ساکن میکند درد دندانی را که از برودت و بلغم باشد و نفع میکند درد دندانی را که از برودت باشد اینکه بجوشانند تخم شبت و اکلیل را در آب و دهان مضمضه کنند و اگر پوست انار را بجوشانند و بآن مضمضه کنند نافع است

هرگاه نفع نکند در خوره دندان و سوراخ شدن آن دواهائیکه مذکور شد در صفحه پیش باید که داغ کنند دندانی را که سوراخ شده تا درد آن ساکن شود باید دو مثقال دود درم مور نخود بوش از هر ساییده در هشت مثقال روغن زیتون خوب بجوشانند و بگذارند تا باریکی بر دندان سوراخ دار و دو جوال دوز را در آتش بگذارند تا سرخ شود بعد از آن یکی از آن دو جوال دوز را در روغن زیتون مذکور فرو برند و پس بیرون آورده و فرو برند بسوراخ آن تا برسد به دندان و بگذارند بر آن دندان و صبر کنند تا سرد شود و چون سرد شود بر دارند باز بآتش بگذارند و آن جوال دوز که در آتش است بگذارند و چنان کنند که در مرتبه اول کرده بودند و همین عمل کنند تا سه بار یا چهار بار و اگر درد ساکن نشود و باین تدبیر بکنند دندان را بعد از آنکه پرکرده باشند سوراخ آن را با پنبه و بعد از کندن بگذارند بر جای آن پنبه که چرب کرده باشند بروغن گل سرخ و از جمله دواهائیکه دندان را ریزه ریزه کرده میریزد داشت که بگذارند بر دندان شیر برگ انجیر یا علیقش

نفع میکند در مرض خوران سنون کف دریا و پوست تخم مرغ سوخته و شیح سوخته و شکسته کاسه چینی همه را نرم کوفته بدندان بمالند و این سنون نمک سفید و آرد جو را با عسل خمیر کرده بسوزانند و پوست تخم شتر مرغ را نیز بسوزانند و شکسته کاسه چینی را از هریک یکجزو و سنباده نیم جزو همه را نرم کوفته بدندان بمالند

در مرض ضرس عالند بر دندان روغن زنبق و روغن زیتون و همچنین در دهان نگاه دارند و اینده روغن را با شوربا بسیار جرخ در دهان نگاه دارند یا بخایند بشرط آمیغه بادام شیرین خائیدن بسیار





## مرضهای دندان

| نامها | درد دندان از برودت | خوره دندان | حفر | کند شدن دندان |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سردی | گرم و تر | تر | سردی |
| سالها | پیران کهل و جوانان | کودکان | پیران | پیران |
| فصلهای سال | پائیز | بهار | زمستان | پائیز |
| شهرها | سردسیر | جنوبی | تر | سردسیر |
| سلامتی و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | از ترشی یا خلط ترشی [illegible] که در معده جمع آمده باشد |
| علامت | [illegible] | ظاهر است | [illegible] | ظاهر است |
| استفراغ | حب ایارج باید داد اگر سبب ماده بلغم باشد | حب صبر باید داد | قی کنند [illegible] سکنجبین | قی کنند اگر سبب خلط باشد در معده |
| معالجات باطنیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | روغن بادام شیرین [illegible] |
| معالجه ثانیا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| ورق ۵۳ | مرضهای دندان و گوشت بن دندان | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | جنبیدن دندان | ورم گوشت دندان | عفونت گوشت دندان | [illegible] |
| مزاجها | تر | گرم | تر | تر |
| سالها | کودکان و پیران | جوانان و کودکان | کودکان | پیران |
| فصلهای سال | زمستان | بهار و تابستان | بهار | بهار |
| شهرها | تر | گرمسیر | جنوبی | جنوبی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | زیادتی خون | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | فصد قیفال یا حجامت میان شانه‌ها باید کرد | فصد قیفال یا حجامت میان شانه‌ها باید کرد | [illegible] |
| معالجه با دواهای مناسب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات مناسب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |







| ۵۳ | معالجه عام |
|---|---|

جنبیدن دندان هرگاه از پیری باشد دوا ندارد و هرگاه از زیادتی رطوبت گوشت بن دندان باشد معالجه باید کرد و به دواهای قابض مثل زاج سوخته و گلنار و گل سرخ و پوست پسته و زرد و صندل و مازو و حب الآس و زاج را هرگاه بپزند و سرکه و گلاب و با آن مضمضه کنند قوت میدهد گوشت و دندان را

ورم گوشت دندان بعد از فصد و حجامت غذاهای لطیف تناول نمایند مثل آش انار یا زرشک یا جوجه مرغ خانگی بعد از آن مضمضه کنند با سرکه جوشانیده باشند و در آن طراثیث و قرط و زاج سوخته و پوست انار و زرشک و سماق و هرگاه این ادویه را نرم بکوبند و بپاشند بر گوشت دندان نفع میکند یا بگیرند برگ درخت سرو و گلنار و مازو و گزمازج و بپزند با سرکه و با آن مضمضه کنند و اما بیرون آمدن خون از گوشت دندان سبب آن تباهی گوشت دندان و کمی و رقت آن و ضعف قوت آنست و نفع میکند آن را تخم گل سرخ و گل سرخ و سماق هرگاه بپزند همه را با گلاب و صاف نموده و پاشیده با آب برگ یا زرشک و مضمضه کنند با آن و اینها نفع میکند خون آمدن را نفع میکند ورم و جوشش کرم گوشت و دندان را

در عفونت گوشت و دندان سه روز اول طریفون بابند تا گوشت متعفن را بریزد و بعد از آن مرهم سفیداب بکار برند تا گوشت برویاند بعد از آن مضمضه کنند بگلاب که جوشانیده باشند در آن سماق و مازو و برد و تا حشک کند گوشت بن دندان را و اگر طریفون و مثل آن از دواهای تند نفع نکند گوشت و دندان را داغ باید کرد و بعد از آن روغن گل سرخ باید مالید و غذاهای لطیف تناول باید کرد مثل آش سماق و آش غوره و آش زرشک با گوشت بره یا جوجه مرغ خانگی

بوی دهان اگر از عفونت گوشت باشد معالجه او مذکور خواهد شد و اگر از سوراخ شدن دندان باشد که رطوبتی در آن جمع گشته باشد و بو کرده باشد آن رطوبت را پاک باید کرد و یا آن دندان را باید کند و اگر از بخارات معده باشد قی باید فرمود و بعد از آن ایارج بخورد تناول کنند و هرگاه عود و مصطکی و میخک و کبابه و جوزبوا از هر یک دو درم نیم کوفته نمایند و در پارچه کتانی ببندند و با نیم رطل گلاب و ربع رطل دوشاب بجوشانند تا ثلث آن برود و دو ثلث باقی بماند صاف نموده با آن صبح و شام مضمضه نمایند نفع بسیار میکند و این سنون نافعست صفت آن صندل گل سرخ از هر یک یکدرم سعد و برگ مورد و پوست ترنج و اذخر مکی و دارچینی از هر یک سه درم قاقله و کبابه و کبابه و میخک و مصطکی و عود هندی از هر یک دو درم کافور نیم درم مشک نیم دانگ همه را نرم کوفته سنون سازند و هرگاه اینها را خمیر نموده با گلاب حب ساخته در دهان نگاه دارند نافعست

ورق ۵۹

## مرضهای گوشت بن دندان و مرضهای ملاذه

| نامها | روان شدن لعاب دهان | گوشت زیادی در میان دندان | ورم گرم ملاذه | سستی ملاذه |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | تر | گرم و تر | گرم | تر |
| سالها | پیران و کودکان | کودکان | کودکان و جوانان | کودکان |
| فصلهای سال | زمستان | بهار | بهار | بهار |
| شهرها | تر | جنوبی | جنوبی | جنوبی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بی خطر است | بی خطر است | بیخطر است مگر زیادی باشد |
| سبب | یا زیادتی رطوبت [illegible] بلغم [illegible] | [illegible] | زیادتی خون یا صفرا | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه دوائی و جراحی | [illegible] | فصد باید کرد اگر خون غالب باشد | فصد قیفال کنند بعد از آن [illegible] | فصد کنند |
| مسهلها | [illegible] تناول نمایند | [illegible] | غرغره کنند بگلاب و آب برگ [illegible] | [illegible] |
| معالجه غذائیها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





۵۹

## معالجۀ عام

روان شدن لعاب دهان اگر از حرارت باشد کاسنی بنیر با اندک نمک ناشتا باید خورد و نفع میکند آرد گندم بو داده که سفوف نموده ناشتا تناول نماید و اگر از بلغم باشد سپاهیز به با این سفوف اندکی عزول و بر بالای آن آنچه که به بپاشند و اگر نفع نکند رقه باید فرمود و اطریفل صغیر و هلیله پرورده بعد از رقه باید داد و در روان شدن لعاب از دهان اطفال را معالجه باید کرد تا قاقیا که میخایند باشند در گلاب و دوشاب با نیزوش که بمالند در دهان اطفال

بگیرند گوشت زیاد را که در میان دندانها بهم رسیده بهت منقاشی با قلابه و ببرند بتیغ و بگذارند تا هر خون و چرک که در آن موضع جمع شده بیرون آید بعد از آن مضمضه کنند بسرکه و بعد از سه که بگلاب و روغن گل سرخ مضمضه نمایند و روز دیگر مضمضه نمایند بماء العسل و بپاشند بر آن موضع اکلیل الملک که نرم سائیده باشند با سماق و گلنار

ورم گرم ملاذه را معالجه باید کرد با نیزوش که بگیرند گل سرخ و گلنار و مازو و صندل سفید و سماق و شیاف ماميثا و عدس مقشر و زرد چوبه و برگ سوسن اجزاء مساوی و نرم کوفته بدهند در حلق بآلتی مجوف مثل قلم و غرغره کنند بگلاب و آب عنب الثعلب

و در سستی ملاذه بگیرند شیاف ماميثا و گل سرخ و تخم گل سرخ و زعفران و نوشادر و درب سوس و سعتر و عاقرقرحا و فلفل و دار فلفل و کزمازج و پوست انار و زرد چوبه و پوست هلیله زرد و مازو و زاج سفید و حضض مکی و قاقله و حب الرز یره و زرنیخ سرخ و سرکین حلکه سه روز در پی در استخوان خورده باشند و خطاف سوخته اجزاء مساوی همه را نرم بکوبند و بانی بحلق بدمند و نفع میکند انکه زاج سفید و کلنار را نرم بکوبند و بحلق بدمند و اگر نماند و اما معالجه نشود و نخ ملاذه باریک شده باشد در آنکرد و سفید رنگ باشد هم آنچه که از فس بگیرد و باید بر هذ یاد ملاذه را با نیزوش که چاره در قاب بخشایند و بفرمایند که دهان را آنقدر که بتواند بگشاید و بگیرند ملاذه را از آنجا که جدا باید برید با آلتی که از اما سکه طبهات گویند و بکشند اطراف خود را اندکی و ببرند آنکه زیادتی را بتیغ یا مقراض بعد از آن غرغره کنند بگلاب یکه خایند و باشند در سماق

[illegible]

| ورق ۵۵ | مرضهای حلق و حنجره | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| نامها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| علامت | [illegible] | [illegible] | ظاهر است | [illegible] | [illegible] | |
| استفراغ | فصد قیفال کنند و حقنه نمایند | [illegible] کنند | [illegible] | فصد [illegible] کرد | | |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | | |
| معالجه ادویه [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | | |

[illegible]



[illegible]

| ۵ ۵ | معالجه عام |
|---|---|

در مرض خناق و ذبحه ... [illegible] ... غرغره کنند ... [illegible]

باشند و در آن سماق و عدس مقشر کوفته با لعاب بذر قطونا ... [illegible]

[illegible]

ودر روغن بادام ... [illegible] ... باشند بخورد

هرگاه خار در گلو بند شود ... [illegible]

[illegible]

علاج ... [illegible]

[illegible]

| ۵ ۷۶ | معالجۀ عام |
|---|---|

[illegible] حنجره باشد که با گرفتگی آواز باشد بدهند شربت بنفشه با لعاب بهدانه یا کتیرا ... مغز بادام پوست کنده و نرم بکوبند و با گلاب و نبات بقوام آورده ...
... بهدانه ... گلاب و نبات بقوام آورده و روغن بادام ...
[illegible]

[illegible]





## مرضهای حلق و حنجره و قصبة الریه

| نام مرضها | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

[illegible]

مرض ... سرفه

[illegible]

| ۵۷ | معالجهٔ عام |
|---|---|

در نفث الدم اگر خون از حلق آید غرغره کنند به آب سماق و آب برگ مورد [illegible]

[illegible]





[illegible]

| ورق ۵۷ | آمدن خون از حلق و مرضهای پرده‌های اضلاع |
|---|---|

| بابها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | حالت اعضا | سبب | علامت | استفراغ | معالجهٔ اول | معالجهٔ ثانی |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | گرم وخشک | جوانان | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | بهار | [illegible] | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سرد | گرم وخشک | جوانان | تابستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

[illegible]

## مرضهای سینه و دل



| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | معجونها و شربتها | معالجهٔ [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | گرم | جوانان | بهار | شمالی | خطرناکست اگر ورم عضل سینه باشد | [illegible] | [illegible] | فصد [illegible] بایدکرد | [illegible] | [illegible] |
| برسام | گرم | جوانان | بهار | شمالی | خطرناکست | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق بایدکرد | شربت [illegible] | [illegible] |
| گرمی مزاج دل | گرم | جوانان | بهار | شمالی | بیخطر است مگر زیاد باشد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] تناول نمایند | [illegible] |
| سردی مزاج دل | سردی | پیران | پائیز | جنوبی | خطرناکست | [illegible] | [illegible] | [illegible] | شربت سیب [illegible] تناول نمایند | [illegible] |





## معالجهٔ عام

معالجه جراحت های سینه مثل معالجهٔ ذات الجنب است و اگر نضج ماده و پخته شدن آن پس افتد بگیرند برگ سفید و حلبه و با قلا را پس از آن نرم بکوبند و با انجیر پخته بسرشند و بر سینه بگذارند و آب زوفا و شربت بنفشه بپاشامند و اگر با این مرض تب باشد دوای گرم نباید داد و بلکه بگیرند جوعشر و اصل السوس را بکوبند و جوشانیده صاف نموده با شکر و نیز شیرین نموده بدهند

در مرض برسام اگر سده باشد شیره جو باید داد و با شربت عناب و اگر سرفه نباشد شربت تمر هندی یا سکنجبین بدهند و اگر از فصد کردن قوت ضعیف شده باشد جوجه مرغ خانگی با آتش انار بدهند و اگر طبیعت خشک باشد فلوس خیار شنبر با آب تمر هندی بپاشامند و بگذارند بر سینه بعد از هفته پارچه کتانی که تر کرده باشند با گلاب و روغن گل سرخ و اندکی سرکه و اگر با این مرض تشنگی زیاد باشد بدهند آب کدو با دو درم تخم خرفه و نیم درم طباشیر و اگر این مرض در تابستان واقع شود باید که غذا ها را بی سرکه کنند و باید که فرش کنند جایگاه بیمار را شاخ بید و گل سرخ و صندل سائیده و گلاب و یخ و کتان و اگر زمستان باشد باید که جایگاه بیمار معتدل باشد در حرارت و برودت و باید که بمالند بر زبان بیمار پارچه کتانی که تر کرده باشند بلعاب بزر قطونا که تر کرده باشند بقند

در معالجه گرمی مزاج قلب بدهند دوغ گاو با گل ارمنی و گشنیز خشک از هر کدام یک درم طباشیر و کهربا از هر یک نیم درم کافور نیم دانگ سه روز پی در پی که هر روز چند دانه ها را نرم کوفته بر روی دوغ پاشیده باشند و اگر در این مرض تب باشد غذا فروج کده و با آب انار میخوش باید داد و اگر تب نباشد این آتش را با جوجه مرغ خانگی بدهند و باید که جایگاه در تابستان خنک باشد و فرش کرده باشند آن را برگ بید و گل سرخ و ریحان و شکوفه سیب و شکوفه به و برگ مورد و نیلوفر و صندل را با گلاب و کافور سائیده بر روی این ریاحین بپاشند و پارچه کتانیکه با این آلوده بر سینه بیمار چند از ندیا پارچه که بر سینه بیمار میاندازند آلوده باشد با آب گل همیشه بهار و آب برگ خرفه و آب برگ درخت انگور و آب برگ بارتنگ و باید که صندل و کافور را با آب بسایند و بر سینه و دل بیمار بمالند و باید که پرهیز و از تعب و بیداری و غصب و مجامعت و غم و باید که بپاشامد نزد خوابیدن آب انار و لعاب بزر قطونا با گل ارمنی و تخم خرفه و نفع میکند انیکه حقنه کنند تا پیکه جوشانیده باشند در آنجو مقشر و عناب و سپستان با آب برگ خرفه

در مرض سردی مزاج دل بدهند دواء المسک گرم با دو شراب یا گلاب یکه جوشانیده باشند در آن عود و مصطکی یا با پوست ترنج کوفته و فشرده باشند با آب برگ درخت ترنج که تازه باشد و بمالند بر سینه موم روغنی که بعمل آورده باشند از آب بینبر و آب مرزنجوش و آب درمنه ترکی و روغن زنبق و موم سرخ و خوشبو کنند سینه را بمالیدن غالیه و باید که بسیار کم کند آشامیدن آب سرد را و اگر بدهند دواها معالجه نشود جوارش عنبر تر باید داد و غذا دراجیکه با روغن پخته باشند تناول کند

ورق ۵۹

## مرضهای دل

| نامها | تری مزاج دل | خشکی مزاج دل | خفقان یعنی طپش دل | غشی که از بسیاری استفراغ ... |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | تر | خشک | تر | خشک |
| سالها | پیران و کودکان | جوانان | پیران | پیران |
| فصلهای سال | زمستان | تابستان | بهار | تابستان |
| شهرها | جنوبی | شمالی | جنوبی | شمالی |
| سلامت و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست خصوص از ورم باشد | خطرناکست |
| سبب | غذاهای تر و کم حرکت کردن و بسیار خوردن | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | نباید کرد | فصد باسلیق باید کرد ... | نباید کرد |
| معالجهای خاص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه بتشانید | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



| ۵۹ | معالجهٔ عام |
|---|---|

سوء مزاج تر هرگاه عارض دل شود و دیر بماند اگر مدت مدید بماند ... شود و معالجهٔ این مرض آنستکه پرهیز کند از غذاهای ترش ... و شیر و مانند اینها و بکار برند چیزهایی که موجب خشکی مزاج دل شود ... مگر اینکه ضعف غالب شود و بعد از آن تناول نمایند غذاهای خشک مانند تیهو و دراج و گنجشک که بریان کرده باشند در روغن بادام ... و فلفل و کرویا و دارچینی ... اوقات را راه روند در ریگ گرم و خاک گرم

معالجهٔ خشکی مزاج دل مثل معالجهٔ مرض دقست که باید تناول کنند شیر خران و شیر الاغ و شیر زن جوان و اگر با این مرض حرارت باشد شیره جو و لعاب بذر قطونا و روغن بادام با شربت بنفشه یا شربت نیلوفر بپاشانند و بگذارند بر سینه پارچه کتانی که ... باشند بگلاب و روغن تخم کدو که با بنفشه پرورده باشند و غذا ماهی تازه که پرورده باشند بروغن بادام یا شوربای جوجه مرغ خانگی با ترشی تناول نمایند

در مرض خفقان اگر از حرارت باشد فصد کنند بعد از آن آب انار میخوش و آب تمر هندی و اسطوخودوس ... دو درم و تخم خرفه از هریک چهار درم زرشک و تباشیر و گل ارمنی و گل سرخ از هریک سه درم کهربا و مروارید از هریک دو درم و عود و کافور و مصطکی از هریک یکدرم نرم کوفته و بیخته یکدرم از این سفوف با شربت سیب بپاشانند و اگر خفقان از برودت باشد ... عنبر و تریاق فاروق میل کنند و این سفوف ... عود هندی قرنفل از هریک یکدرم کهربا و پوست ترنج و گل ... و ... و آهو از هریک سه درم ... و مروارید و ابریشم خام سوخته ... از هریک دو درم کوفته و بیخته یکدرم از این سفوف با شربت سیب یا شربت ... میل کنند

در مرض غشی که از استفراغ باشد یعنی بسیاری دفع اخلاط از بدن باید که بکار برند چیزهای خوشبو مثل کافور و ... گلاب و عود بخور کنند و ریحانهای خوشبو نزدیک بیمار بگذارند مثل گل سرخ و نیلوفر و شاهسپرم و غذا جوجه مرغ خانگی و اگر این استفراغ بسبب ... باشد آب سرد بر او بپاشند و اگر بسبب اسهال معده باشد یا بسبب دوای مسهل باشد که عمل کرده باشد بحمام برند و اگر بسبب قی باشد ... ببندند و مالند و ... بکار برند و ... مورد بپاشانند و بگذارند بر معده گل سرخ و کافور که کوفته با گلاب خمیر کرده باشند و اگر این استفراغ از بسیاری عرق باشد بحمام برده دست و پا را ببندند ... و گلاب آب سرد بر او بپاشند و ... برگ مورد و ... بر بدن ... و ... روغن مورد ... شکوفه ... و بخوابانند در جای خنک که ریحانهای ... باشند و اگر این استفراغ بسبب ... باشد ... دست و پا را ببندند تنها را و جمیع آنچه مذکور شد در ... بکار برند

## مرضهای دل

| | غشی که از [illegible] بهم رسد | غشی که از سوء مزاج جگر و معده بهم رسد | غشی که از سوء مزاج دل بهم رسد | غشی که از [illegible] بهم رسد |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | همه مزاجها | آن مزاجی که غشی بسبب او بهم رسیده است | آن مزاجی که غشی بسبب او بهم رسیده است | تر |
| سالها | پیران و کودکان | سنی که مناسب آن مزاج باشد | سنی که موافق مزاج باشد | کودکان |
| فصلهای سال | تابستان | فصلی که موافق آن مزاج باشد | فصلی که موافق آن مزاج باشد | زمستان |
| شهرها | جنوبی | شهری که شبیه آن مزاج باشد | شهری که شبیه آن مزاج باشد | شمالی |
| سلامت و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| دستور غذا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه‌های آسان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه‌های دشوار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



## معالجهٔ عام

در مرض غشی که از ... باشد ... اگر تب نباشد حمام نافعست و اگر تب باشد حمام نافع نیست و سکنجبین بیاشامند و اگر صفرا در معده باشد که سبب غشی باشد آب سرد بر رو بپاشند و بیمار نفس را نگاه دارد و ... در خم معده ... و ... سکنجبین و آب گرم و ... آب انار ... و سبب ترش و شیرین و ... و شربت ... بجوشانیده باشند در آن شبت و تخم ترب و نمک و اگر این غشی بسبب ... در راه آمدن هوا ... و ... از دل بجمیع بدن ... سکنجبین ... و همچنین آب انار ... باشند در آن ... و ... گرفس و افیسون ... و صاف نموده با قند شیرین کرده باشند نافعست و اگر این غشی از اختناق رحم ... باشد بیمار نفس نگاه دارد و آب سرد بر روی آن بپاشند و بیاشامند آب انار ... چیزهای بدبو ... و ... چیزهای خوشبو مثل مشک و عنبر ... نموده بر رحم بردارد

در غشی که بسبب سوء مزاج دل باشد ملاحظه باید کرد اگر مزاج دل گرم شده باشد و سبب غشی شده باشد آب سرد و گلاب ... و ... بپاشند و سکنجبین و شربت ... و غذا جوجهٔ مرغ خانگی که با آب انار ترش کرده باشند تناول کند و اگر بسبب خشکی مزاج دل یا تری مزاج دل باشد معالجه باید کرد بآنچه مذکور شده در معالجات امزاجهای دیگر عارض دل شده باشد

در غشی که از بدی مزاج جگر و معده باشد معالجه باید کرد بآنچه بعد از این مذکور خواهد شد در معالجهٔ امزاجها و مرضهای جگر و معده از دواها و غذاها و چیزهای مالیدنی

غشی که در نوبتهای تب بهم میرسد اگر ... صفرا باشد ... معده و یا بسبب اسهال ... باشد معالجه اش مذکور خواهد شد و اگر بسبب خشکی مزاج بدن باشد غذا باید داد ... باید که غذا ... باشد که ... باشند در گلاب ... و ... شربت سیب با آب ... باید که ... و دستها و پاها ... در این غشی و ... در ابتدای نوبت بهم رسد باید که غذا ... از ... چاره ... آب انار ... بمحل ... ملاحظه ... سبب غشی ... و معالجه باید کرد بطریقی که رفع کننده سبب ... غشی زایل گردد

| ورق ا ب | مرضهای مزاج | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | تعدیل و اغذیه | معالجه |
| گرمی مزاج | گرم | جوانان | تابستان | جنوبی | بی خطر است | بسیار خوردن چیزهای گرم و زیاد ... کردن و حرکت بسیار | [illegible] | تب باید کرد اگر بدن پر باشد از اخلاط | [illegible] | [illegible] |
| سردی مزاج | سرد | پیران | زمستان | شمالی | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | تب باید کرد اگر بدن پر باشد از اخلاط | [illegible] | [illegible] |
| خشکی مزاج | خشک | دو مویان | پائیز | شمالی | بی خطر است | بسیار خوردن چیزهای خشک ... | [illegible] | تب باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| تری مزاج | تر | پیران | زمستان | جنوبی | بی خطر است | بسیار خوردن غذاهای تر و بسیاری ... | [illegible] | قی باید کرد ... بلغم زیاد باشد | [illegible] | [illegible] |





| معالجه عام | ا ب |
|---|---|

سزاوار آنستکه در گرمی مزاج مری پاشانند آب تمر هندی و گلاب و نبات بقوام آورده و لعاب بزرقطونا اندک اندک تا آنکه بکرر شود جاری شدن و دوا بر مری زیرا که بند نمیشود و در مری چیزی تا اینکه یکبار آشامیدن نماید و تمامی بکشند و باید که بمالند در میان شانها صندل بگلاب سائیده باشند یا گلاب و آب برگ کاهو و آب برگ خرفه و آب همیشه بهار و قدری انار ترش و شیرین و آبکش غوره بیحیوانات تناول نماید و باید که کم حرف بگوید و حرکت کم بکنند

و در سردی مزاج مری پاشانند شوربای گرم که دواهای گرم مثل فلفل و زیره و دارچینی در آن جوشانیده باشند و پاشانند انگور جوشانیده باشند و در آن سنبل الطیب و افیسون و شبت و شیرین کرده باشند یا دو شاب و بمالند در میان شانها روغن نرگس یا روغن قسط و بگذارند در میان شانها ضماد افسنتین و صبر و مصطکی و سنبل الطیب که کوفته با گلاب خمیر نموده باشند

سزاوار آنستکه در خشکی مزاج مری پاشانند شربت نیلوفر با روغن تخم کدو و شوربای چرب که بعمل آورده باشند از سینه بزغاله و خبازی و حریره که بعمل آورده باشند از آرد میده و شیر تازه دوشیده و باید که شیر الاغ و شیر بز گرم آهسته آهسته بنوشند و بمالند روغن تخم کدو و روغن بنفشه و موم سفید در میان شانها و بگذارند در میان شانها برگ خبازی و برگ خطمی که کوفته و با روغن بنفشه مرهم کرده باشند

سزاوار آنستکه در تری مزاج مری تناول نماید جوارش صغیر و بخایند هلیله پرورده که بسیار نفع میکند و پرهیز نمایند از بسیاری آب خوردن و از غذاهای تر و اندک اندک قند و برنج مانند میوه‌ها و غذا دراج و جوجه مرغ خانگی که پخته باشند در روغن آبکامه و دارچینی تناول نمایند

## معالجه عام

ورم گرم معده را باید که پاشانند شیره تخم خرفه با گلاب و نبات بقوام آورده واندکی مذکی و شیره بادام با شربت بنفشه و بپاشانند کاسنی که صاف کرده باشند و در آن لعوق حیار شنبر با روغن بنفشه و بمالند بر میان شانها صندل که سائیده باشند با آب کاسنی و گشنیز و بگذارند بر میان شانها بعد از آنکه دو از ده جو و خطمی سفید و بنفشه و سبوس گندم و بابونه و اکلیل الملک که کوفته و با آب گشنیز خمیر کرده باشند و هرگاه شروع کند ورم بحرکت شدن و علامت این آنست که قشعریره بهم رسد باید که پاشانند آنچه که جوشانیده باشند در آن انجیر خشک و صاف نموده و شاب اضافه کرده نیمگرم و ضماد کنند با بابونه و اگر بر میان شانها گذارده بود از تخم حلبه و روغن بنفشه و انجیر خشک که خوب پخته باشند و بر میان شانها بگذارند و پاشانند حریره که بعمل آورده باشند از سبوس گندم و آرد باقلا و قند سفید و روغن بادام

ورم سرد در معده باید که بمالند بر میان شانها روغن شبت و بگذارند بر میان شانها روغن بابونه و حلبه و اکلیل الملک و انجیر پخته کرکوفته و خمیر نموده باشند و پاشانند آنچه که جوشانیده باشند در آن حلبه و برگ سفید و شبت و بدو شاب شیرین کرده باشند و غذا نخود آب یا شوربای که بعمل آورده باشند از کلم و شبت میل کند

در گرمی مزاج فم معده بدهند این سفوف را صفت آن گل سرخ تخم خرفه مقشر تخم خیار و خیار شنگ از هر یک یکدرم طباشیر و صندل سفید و زرشک و گشنیز خشک که در سرکه خیسانیده و خشک کرده باشند از هر یک نیم درم کافور یکدانگ عود یکدانگ و تخم نرم کوفته سفوف سازند و یک مثقال از این سفوف با شربت سیب بیخوش و شربت غوره تناول نمایند و بدهند قرص طباشیر ملین با دوغ یا با آب ترشی ترنج یا رب غوره یا رب ریباس و بگیرند تراشه کدو و صندل سفید و کافور و بکوبند و با آب برگ کاهو و آب همیشه بهار و آب کاسنی و گلاب و اندکی سرکه بسرشند و بر فم معده بمالند و غذا جوجه مرغ خانگی که با آب غوره و آب انار و برگ خرفه پخته باشند تناول نمایند یا با ماهی تازه که با سرکه پخته باشند تناول کند

در گرمی مزاج معده از صفرا اگر قی شود اکر اسهال نمایند این جوشانیده هلیله زرد شاهتره گل سرخ مویز منقی تمر هندی جوشانیده صاف نموده با صبر سقوطری بپاشانند و اگر با این مرض تب باشد این حب بدهند صفت آن هلیله زرد سه درم ایارج فیقرا و افسنتین رومی گل سرخ از هر یک دو درم نرم کوفته با آب شاهتره خمیر کرده حب نمایند و چهار درم از این حب با آب تمر هندی و سکنجبین بدهند و بگذارند بر معده گل سرخ و صندل سفید و مسک و کافور که کوفته و با گلاب خمیر نموده باشند





## مرضهای مزاجی و مرضهای فم معده

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | معالجات هاضمه | معالجات آخر |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ورم گرم در معده | گرم | کودکان | بهار | شمالی | خطرناکست اگر [illegible] | جری خون یا صفرا [illegible] | [illegible] | فصد کنند [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ورم سرد در معده | سرد | پیران و [illegible] | زمستان | سردسیر | بی خطر است | جری بلغم یا سودا [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| گرمی مزاج فم معده | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| گرمی مزاج معده از صفرا | گرم | جوانان | تابستان | گرمسیر | خطرناکست | صفرا [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

ورق ٣ ب

## مرضهای معده

| نامها | سردی مزاج معده و تری آن | سردی مزاج معده از بلغم و سودا | خشکی مزاج معده | گرمی مزاج معده |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سردی | سردی | خشک | گرم |
| سالها | پیران | پیران و دو مویان | دو مویان | جوانان |
| فصلهای سال | زمستان | پاییز | پاییز | بهار |
| شهرها | جنوبی | جنوبی | شمالی | شمالی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بیخطر است | خطرناکست | خطرناکست |
| سبب | غذاهای سرد و آب بسیار خوردن | بلغم یا سودا | خشکی ... خوردن چیزهای ... بسیار کردن | خون یا صفرا |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه با دواها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه به غذاها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| معالجه | عام | ٣ ب |
|---|---|---|

در سردی مزاج معده و تری آن باید که بدهند قرص گل و گلقند آفتابی و اگر نفع نکند بدهند دوا المسک حار و تریاق فاروق آبی که جوشانیده باشند در آن انیسون و زیره و کرمانی و مصطکی و سنبل الطیب و بگذارند بر معده و مصطکی و سک و عود هندی صبر و افسنتین و زعفران نرم کوفته و با آب خیر کرده باشند و بمالند بر معده و نیز مرهم را صفت آن آب مرزنجوش با بابونه و روغن مصطکی بجوشانند تا آب برود و روغن بماند بعد آن نیز روغن را با موم سفید مرهم سازند و غذا را نیز از دراج و تیهو و روغن بریانکرده باشند یا نخود آب بود و باشند بدهند و آن سفوف ناعفت صفت آنکه عود هندی و مصطکی و سنبل الطیب و جوز بوا از هر یک یکدرم و انیسون و تخم کرفس از هر یک سه درم گل سرخ پنجدرم همه را نرم کوفته سفوف سازند و یکمثقال از آن سفوف با شربت سیب بخورند

در سردی معده که با بلغم و سودا باشد اول استفراغ معده کنند بعد از آن بدهند گلقند عسلی و اگر نفع نکند بدهند مشرود یطوس یا تریاق فاروق با آب سیب یا آب نعناع بشرط آنکه قوت بیمار قوی باشد و اگر ضعیف باشد بجا آن بدهند قرص گل و گلقند که جوشانیده باشند با گلاب یا قرنفل و عود هر گاه ترش شود غذا او بعد از آن سفوف ناعفت زیره کرمانی یکدانگ و نیم و گل سرخ نیم درم و فلفل یک قیراط و عود هندی یکدانگ و نیم نرم کوفته با آب نیم گرم یا دوشاب بخورانند

در خشکی مزاج معده بدهند شیر دختران یا شیر الاغ یا شیر بز جوان در حمام رفته بنشیند و بر روی معده آبیکه جوشانیده باشند در آن بنفشه و نیلوفر و کدو و کاهو و چوبست کنده و غذا شوربای چوزه بی جوجه مرغ خانگی بکدو و اسفناج و کاهو بخورانند و بمالند بر معده روغن بادام و آب کاهو و آب بیخ بنفشه بهار و آب برگ خرفه و بجوشانند این آبها را با روغن بنفشه و روغن نیلوفر و روغن تخم کدو تا آب برود و روغن بماند بعد از آن نیز روغنها را با موم سفید مرهم سازند و خوردن ماهی تازه ناعفت و اهتمام کنند در معالجه این مرض که اگر مدتی بماند مرض دق و سل مشکل میشود

در ابتدای ورم حار معده بدهند آنچه مذکور شده در خانه صفحه پیش و بگذارند بر روی معده صندل و گل سرخ و گل ارمنی و حضض مکی و شیاف مامیثا که نرم کوفته و با آب برگ کاسنی خمیر نموده باشند و بمالند نیز مرهم را صفت آن بگیرند آب کشنیز تر و آب به و آب برگ خرفه و آب برگ مورد و گلاب و آب سیب پس موم را در روغن گل سرخ گداخته چاشنی زده با این همه آبها در هاون در بهم زنند چندانکه خوب آمیخته شود پس اندک کافور و صندل سفید ضماد نموده بر روی معده بمالند و غذا مزوره اسفناج جو آش با خشخاش بدهند و هرگاه شروع کند ورم بنضج بگذارند بر معده آرد جو و خطمی سفید و بابونه و صندل و اکلیل الملک و گل سرخ که نرم کوفته و با آب عنب الثعلب خمیر نموده باشند و بیاشامد آب کاسنی با شیر خیار شنبر و روغن بادام و اگر نضج نموده باشد با ورم بت غذا بدهند حریره که از آرد جو سبوس گندم و نبات سفید و روغن بادام و چون رسید بجای یا چرک شود بدهند تخم مرو و تخم خطمی با چهار اوقیه شیر تازه دوشیده صبح و شام و اگر در دیگ نهان بتراشند بدهند آنچه گلی کوفتند و شیر تازه با انجیر و عناب نموده باشند چهار اوقیه تا اینکه ورم سر باز کند و چرک از آن بیرون آید و چون چرک و ورم بیرون آمد بدهند بیست مثقال شیر بز با شربت خشخاش و شربت عناب و گل ارمنی دو درم و صمغ عربی یکدرم و نیم و ماش مقشر بدهند حریره که از آرد و جو باشد نشاسته و شیر تازه دوشیده

[illegible]

| معالجه | عام | ۶۹ |
|---|---|---|

اگر ورم سرد و معده و نرم باشد بدهند آنکه جوشانیده باشند دواء و تخم کرفس و رازیانه و موز منقی و صاف نموده مغز خیارشنبر اضافه آن نموده باشند و بدهند بعد از آن تریاق فاروق و مثرودیطوس و بالند بر معده ایمرهم راصفت آن صبر سقوطری پنجدرم افسنتین رومی سه درم و سنبل الطیب از هر یک دو درم خاکستر چوب انگور سه درم روغن یاسمین بیست درم موم سرخ پنجدرم موم را در روغن بگدازند و دواها را کوفته و بیخته با آن بسرشند و اگر ورم سخت باشد بکار برند مرهم داخلیون که حل کرده باشند در روغن قسط و ضماد آن نموده باشند زعفران و سنبل الطیب و روغن بادام تلخ و برگ مورد که نرم کوفته باشند

این مرض اگر در زن آبستن نباشد قی فرمایند با آنچه مذکور شد در خانه سنوح و مثل و اگر خلطی که در معده است بلغم شور و تند باشد قی فرمایند با آب گرم و سکنجبین بعد از قی بدهند باید دوا را صفت آن جلوط دو درم موز منقی شش درم افسنتین سیاه و هلیله آمله مقشر از هر یک پنجدرم بجوشانند همه را در یک رطل دوشاب و نیم رطل آب تا اینکه نصف آید و هر روز از آن بنوشانند و اگر تب بدهند و اگر این مرض در زن باشد آبستن قی فرمودن مناسب نیست بلکه باید دوا از سفوف هر روز یک مثقال با آب گرم صفت آن قاقله سباسه از هر یک یکجزو نبات سفید زیره کرمانی نانخواه از هر یک دو جزو نرم کوفته سفوف سازند و اگر این مرض در زنان آبستن طغیان کند باید که بمکند سه استخوان مرغ خانگی که بریان کرده باشند

اگر بد اشتهائی از گرمی مزاج معده باشد بیماری معالجه کنند آنچه را که مذکور شد در خانه سنوح مثل و اگر از سردی مزاج معده باشد بمعده بدهند جوارش عنبر و جوارش عود و بپاشانند این سکنجبین را بالقدر دوا و تبه صفت آن عسل و سرکه و آب مساوی یکدیگر بطریق معهود بجوشانند و سفوفا نافعت صفت آن زیره کرمانی و تخم کرفس و جندوان صعتر نانخواه پودینه و مصطکی از هر یک یکجزو همه را کوفته سفوف سازند و بقدر حاجت از سفوف با دوشاب میل نمایند و اگر بد اشتهائی از ماده صفرا باشد معالجه نمایند با آنچه مذکور شد در گرمی مزاج فم معده از صفرا و اگر از ماده بلغم باشد معالجه کنند با آنچه مذکور شد در سردی مزاج معده از بلغم و باید که بدهند در این دو صورت سفرجل مسهل غذا جوجه مرغ خانگی که پخته باشند در آب و روغن و آبکامه و سرکه و دارچینی و کرویا و خولنجان بخورد

در مرض بولیموس اگر غشی عارض شود بپاشند بر او آب سرد و ببویند چیزهای خوشبو مانند مشک و عنبر و عود و بگذارند بر معده سک و ادراکمه و برگ مورد و برگ سوسن و گل سرخ که نرم کوفته و بگلاب خمیر نموده باشند و ببندند دستها و پاها را محکم و بکشند موهای بدن او و فریاد کنند در گوش او و فرو برند سوزن و مانند آن در بدن او و چون بهوش آید بدهند با و نان با دوشاب و بعد از آن غذا دهند او را بگوشتابها از گوشت کبک یا تیهو یا دراج با ادویه حاره





| ورق ۶۹ | مرضهای معده | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نامها | مزاجها | سالها | فصلها | شهرها | خطر [illegible] | سبب | علامت | امراض تبعی | معالجات خاص | معالجات مشترک |
| [illegible] | سرد | پیران و کهول و جوانان | زمستان و پاییز | معتدل | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | جوانان | پاییز | معتدل | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | اگر بیمار آبستن باشد قی کند [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | تابستان | گرم | خطرناک [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | پیران | پاییز | معتدل | خطرناک است | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

اگر ورم

## مرضهای معده

| نامها | شهوة کلبی یعنی اشتهائی که از خوردن غذا ازو نشیند | وجع الفؤاد یعنی درد دم [illegible] | عطش یعنی تشنگی | از حرارت ناگوار شدن غذا |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سرد | گرم | گرم | گرم |
| سالها | دو مویان | جوانان | جوانان | جوانان |
| فصلهای سال | پاییز | تابستان | تابستان | تابستان |
| شهرها | سردسیر | مغربی | جنوبی | گرمسیر |
| سلامت و خطر | بیخطر است اگر زیاد نباشد | خطرناکست | خطر دارد اگر باعث استسقا نشود | بی خطر است |
| سبب | [illegible] ممشود در معده یا [illegible] شدن خون بسیار از بدن | گرمی مزاج [illegible] معده [illegible] | [illegible] حرارت مزاج [illegible] معده [illegible] | گرمی مزاج معده |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| خوردنیها و آشامیدنیها | [illegible] | [illegible] شربت [illegible] | [illegible] سکنجبین [illegible] | [illegible] سکنجبین [illegible] |
| معالجات بشرایط | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |







## معالجه عام

در شهوة کلبی اگر بسبب خلط باشد اول مسهل بدهند یا قی فرمایند و بعد از آن بدهند غذاهای چرب شل مانند کله و پاچه و گوشت ترید کرده باشند و گوشتابه و شوربا های چرب با ادویه حاره و پاشامند دوشاب کهنه است بهتر اطاکه آشامیدن شراب در همین مرض تا خفت زیرا اگر گرم میکند معده را و اشتها را کم میکند لیکن گناه و پیش از نفع او بیست چنانکه قرآن مجید بآن ناطقست و اگر غذا از معده زود میگذرد نشسته باشد باید هر لیسه و گوشتهای غلیظ و فالوده و باید که پرهیز کند از چیزهای ترش و قابض و اگر طبیعت نرم باشد جوارش سفرجل قابض بدهند و اگر این مرض از استفراغ بسیار بهم رسیده باشد هر روز چند دفعه غذا بدهند اما کم تا خوب هضم شود و با آب سرد بر رود و بنشینند در جاهای سرد و حرکت کم کند و بمالند بر بدن روغن سوسن و روغن گل سرخ

گشنه بهتر اطاکه زیرا این مرض عارض شده پیش خاوران کرد آرد جو بوداده با آب انار و حاقی شده و سزاوار آنست که بگذارند بر معده شاخهای درخت انگور که تازه باشد بعد از آنکه نرم کوبیده باشند و بمقدار آن خمیر کرده باشند و بمالند بر معده آب بو و آب برگ یا زرشک و آب بهیشه بهار که با روغن گل سرخ آمیخته باشند

مرض تشنگی اگر از حرارت باشد بدهند رب انگور رب سیب با آب کدو و بدهند سکنجبین و آب سرد و بعد من یا خفت مغز تخم کدو و مغز تخم خیار شنگ و تخم خرفه از هر یک چهار درم صمغ عربی نشاسته و کتیرا و صندل سفید و طباشیر از هر یک دو درم کافور دو دانگ کوبیده و بخته با لعاب بذر قطونا البسر شند و قرص نموده هر روز یک مثقال با شربت زرشک و آب سرد صبح و شام بیاشامند و اگر تشنگی از خشکی تنها باشد بیاشامد یگر آب سرد و اگر نفع نکند بیاشامد شیره جو و آب کدو و لعاب بذر قطونا و لعاب بهدانه و نفع میکند آرد جو بوداده با آب یخ و اگر از گرمی و خشکی با هم باشد بیاشامد آب کدو و آب بهدانه و نگهدارند در دهان چیزی که بعمل آید باشد از اجزای قرصی که مذکور شد و غذا جوجه مرغ خانگی با آب غوره و یا آب ترشی ترنج یا آب سیب ترش و آب انار ترش که یخ در آن گذاشته باشند تناول کنند و اگر این تشنگی از گرمی دل و شش باشد از معده نفس کشیدن در هوای سرد و نشستن در خیمه تنگی که از کتان بعمل آورده باشند و در باد گیرهای بسیار سرد که یخ و آب سرد در آنجا باشد و گذاشتن چیزهای خنک بر معده و از برای همسایگی معده با دل و شش نفع میکند

در این مرض بدهند قرص گل که طباشیر داشته باشد با شربت سیب و آب سرد و افسنتین با غفت گل سرخ و زرشک از هر یک چهار درم تخم خرفه و مغز تخم خیار و خیار شنگ از هر کدام چهار درم گشنیز خشک سه درم بکوبند و طرف صبح دو درم از افسنتین با دوغ گاو بیاشامد و آخر روز دو درم باشربت انار و شربت سیب بیاشامد و غذا جوجه مرغ خانگی با روغن و سرکه و اندکی آب که ریخته باشند و گشنیز خشک بر آن پاشیده باشد تناول نماید با آش انار با نعناع و اندکی کرفس و یک سیب ترش و به ترش

[illegible]



## معالجهٔ عام

در این مرض سه اوار کهنگه با شاهدشربت عود و صفت آن اینست بگیرند گلاب یا علی دو رطل و در دیگ کرده بریزند بر آن عود هندی از هر یک سه درم بعد از آنکه نرم کوب کرده باشند پس بگیرند سنبل الطیب قرنفل و جوز بوا از هر یک دو درم نیم کوب نموده در پارچه کتان بسته نموده و در دیگ کرده خوب بمالند بعد از آنکه خوب جوشانیده باشند و آنقدر بجوشانند که ثلث گلاب برود و دو ثلث آن بماند پس صاف نموده با دو رطل نبات بقوام آورند و یک دانگ مشک خالص اضافه آن نموده هر روز قریب هفت مثقال با شام دفع میکند آروغ ترش اگر در این مرض بهم رسد جوارش فلافلی و غذا آنکه سبوس آن را خوب نگرفته باشند و در دیگ بار و غن تر گرم وا بکار بچه باشند تناول نماید و بخورد مویز با جوارش سکری و بجای مصطکی و عود حرکت کند باعتدال بجام رود پیش از آنکه غذا بخورد

در این مرض اگر فصل پائیز باشد مسهل دهند و اگر تابستان باشد فرمایند با آنکه جوشانیده باشند در آن و چون معده پاک شود دهند قرص گل کرفس شیر و رشته باشد با سکنجبین که با آب بپخته باشند یا شربت انار و غذا جوجه مرغ خانگی با آب غوره تناول کند و جمیع آنچه مذکور شد در معالجه بدی مزاج معده از حرارت در این مرض نافعست

در این مرض قرص گل یکدرم مصطکی و عود هندی از هر یک یکی انگ به راز نرم سائیده با پنجدرم گل قند ممزوج نموده تناول نماید بر بالای آن یک پیاله گلاب که جوشانیده باشند در آن افسنتین و تخم کرفس بیاشد و اگر خلط بلغم در این مرض فزون رفته باشد بجرم معده و در آنجا کرده باشد بدهند حب ذهب و حب صبر تا آنکه بلغم را دفع کند بعد از آن یکدرم قرص کوکب با شربت سیب که خوشبو کرده باشند از آبا عود و مشک و مانند آن باید داد و تا سه روز از معده ببرد و قوت دهد آن را و جوارش سفرجل مسهل در این مرض برای اسهال بلغم نافعست و غذا جوجه مرغ خانگی با دراج که با روغن پخته باشند یا شوربا نموده باشند تناول کنند

در این مرض بدهند افتیمون اصفهانی آن ناخواه تخم کرفس و رازیانه از هر یک دو درم تخم تره تیزک زنجبیل و دارچینی و کندر از هر یک یکدرم پودینه کوهی سپستان از هر یک یکدرم و نیم نرم کوفته سفوف سازند و هر روز یکدرم از آن سفوف با دوشاب یا عسل تناول کنند و اگر با سفوف این مرض زایل نگردد بدهند مثرودیطوس و جوارشهای گرم و اگر طبیعت نرم باشد بدهند تخم تره تیزک بود اده و وزره گرمانی در سرکه جوشانیده بود اده و اگر آروغ در این مرض بسیار باشد قی کند و بخورد و بعد از قی زنجبیل پرورده و بجای کمندر و زیره گرمانی





[illegible]



## مرضهای معده

| نامها | ناگوار شدن غذا از برودت | ناگوار شدن غذا از غلط صفرا | ناگوار شدن غذا از غلط بلغم | ناگوار شدن غذا از غلط سودا |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سردی | گرمی | سردی | سردی |
| سالها | پیران | جوانان | پیران | دوموی‌ها |
| فصلهای سال | پائیز | تابستان | زمستان | پائیز |
| شهرها | مغربی | جنوبی | مغربی | مغربی |
| سلامت و خطر | بی‌خطر است | بی‌خطر است | بی‌خطر است | بی‌خطر است |
| سبب | [illegible] معده سردی | [illegible] جمع آمده در معده صفرا | جمع آمدن خلط بلغم در معده | جمع شدن سودا در معده |
| علامات | آروغ ترش [illegible] و نفع یافتن از غذاهای گرم | [illegible] | [illegible] | آروغ [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | شربت ورد و [illegible] سکنجبین [illegible] هلیله | حب ایارج و حب قوقایا بدهند | مطبوخ افتیمون با آنکه بهتر جوشانیده باشند |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] سکنجبین [illegible] | [illegible] | شربت [illegible] تناول نماید |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## مرضهای معده

| نامها | مزاجها | فصلها | سالها | شهرها | سن | علامت | تدبیر | معالجهٔ ... | معالجه ... |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | سرد | [illegible] | تابستان | جنوبی | خطرناک | [illegible] | [illegible] | پسکنجبین با آب گرم | [illegible] |
| هیضه | سرد | جوان | تابستان | جنوبی | خطرناک | [illegible] | [illegible] | قی فرمایند با آب گرم و روغن بادام | [illegible] |
| ذرب | سرد | جوان | تابستان | جنوبی | خطرناک | [illegible] | [illegible] | شاید کرد | [illegible] |
| زلق الامعاء | سرد | [illegible] | تابستان | جنوبی | خطرناک | [illegible] | [illegible] | شاید کرد | [illegible] |



## معالجهٔ عام



اگر دشوار باشد بر صاحب این مرض بدهند خورشهای سهل و آب گرم و روغن بادام شیرین تناول نماید و صبر کند بر گرسنگی و [illegible] آب سرد و اگر مرض تابستان باشد غذا کم بخورد و خواب بسیار کند و حرکت معتدل بکار برد و بحمام برود و پیش از غذا و باید که بمالند معدهٔ او را و بریزند بر معدهٔ او آب نیم گرم و باید که پارچهای گرم کرده بر معده بگذارند و چرب نمایند شکم او را به روغن بادام شیرین

باید که در مرض هیضه بگذارند بر معدهٔ او چهار برگ مورد و به و گل ارمنی بعد از آنکه نرم کوفته بروغن گل سرخ آمیخته باشند و باید که بویند صندل و گلاب و کافور و به و اگر زیاده کند اسهال یا قی در هیضه بحدی که سبب غشی شود بپاشند بر رو گلاب و آب سرد و چنبره کرد دستها و پاها را بمالند هر دو قدم و چون بهوش آید بدهند سیب و به و غذا دهند بنابر آنکه اگر ذرب باشد بدهند تا با غذا آب سیب با نان دو آتشه تناول کند و اگر با هیضه حرارت مزاج باشد جوجهٔ مرغ خانگی با نان دو آتشه یا آش حاقی یا آش زرشک که به و سیب پاره پاره کرده در آن انداخته باشند تناول کند و اگر صاحب هیضه بلغمی قی کند بدهند شربت سیب خوشبو کرده باشند بدهند شیرهٔ جو که با یخ سرد کرده باشند و سرد کنند معدهٔ او را بصندل و گلاب و اگر صاحب هیضه [illegible] باشند مثل مرزنجوش و ریحان و مانند آن

مرض ذرب اگر از جهت بحران باشد که طبیعت او مرض را باسهال دفع کند باید که معالجه نکنند و بگذارند که بخودی خود بند شود مگر اگر زیاده کند و بر حد قوت رسد و بترسند باید که بند کنند ذرب را بشربت سیب و غذا دهند با آش زرشک جوانی و اگر ذرب از صفرا باشد که اگر از عضو دیگر بمعده بریزد بدهند قرص طباشیر با رب ریواس و این سفوف نافعست صفت آن انار دانه بو داده دو درم تخم مورد و زرشک بو داده از هر کدام سه درم سماق و ارز سفید و آرد گندم و آرد سیب که آن را خشک کرده و کوفته باشند از هر یک دو درم کشنیز خشک که در سرکه خیسانیده و بو داده باشند و خرنوب نبطی و شاه بلوط از هر یک یکدرم و نیم توت خشک و تخم حماض از هر یک دو درم گل سرخ یکدرم و نیم طباشیر یکدرم بکوبند همهٔ اجزا را نه بسیار نرم و سفوف سازند هر روز از این سفوف سه درم صبح و پیشین و شام با رب مورد تناول نمایند و اگر اسهال و ذرب بلغمی باشد بدهند سفوف [illegible] با شربت سیب خوشبو کرده باشند

مرض زلق الامعاء اگر از رطوبتی باشد چسبنده این سفوف باید داد صفت آن گلنار و تخم مورد و سماق و قرط از هر یک یکدرم بازوی بو داده که در سرکه [illegible] کرده باشند و پوست انار ترش که خشک باشد و تخم حماض و خرنوب نبطی و دانه مویز و جفت بلوط از هر یک دو درم زیره کرمانی در سرکه خیسانیده باشند و بو داده سه درم مصطکی و عود از هر یک یکدرم و نیم اجزا را کوفته سفوف سازند و دو درم از این سفوف با شربت مورد بدهند و قرص گلنار با شربت سیب در این مرض نافعست و غذا دراج یا کبک که شکم آن را با انار دانه و کشنیز خشک و تخم کرفس پر کرده باشند و با سرکه و آب زرشک پخته باشند تناول کند یا آش زیره یا مویز و انار دانه و [illegible] که دراج یا کبک در آن پخته باشند تناول کنند و اگر این مرض بسبب زخمهای معده و رودها باشد بدهند قرص طباشیر قابض با رب مورد و رب به یا شاب [illegible] مانند شیرهٔ جو که پخته باشند و در آن تخم مورد و صمغ عربی و گل ارمنی و غذا پلاوی که با روغن گل سرخ پخته باشند یا نان دو آتشه که کوفته در روغن بادام بریان کرده باشند تناول کند و خوردن آرد سنجد و به و فقاع خشک نافعست

## مرضهای معده

| [illegible] | نام مرض | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| غثیان [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | اگر بسبب غذا باشد یا غلیظ باشد | [illegible] | [illegible] |
| فواق | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| فواق | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | قی فرمایند با سکنجبین و آب گرم | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | حرکت کردن و بحمام رفتن پیش از خوردن غذا | [illegible] | [illegible] |









اگر غثیان بسبب پری معده از غذا یا بسبب غذای بدمزه باشد قی فرمایند به سکنجبین و آب گرم و بعد از قی شربت نعناع چاشت نمایند و غذا کم خورد و اگر قی بسبب بحران باشد بند نباید کرد و مگر آنکه بسیار زیاد قی کند پس اگر قی صفراوی باشد بدهند شربت سیب با شربت انار با نعناع یا بدهند آب به میخوش و آب تمر هندی از هر یک یکجزو جمع این آبها را با نعناع بجوشانند و صاف نموده طباشیر اضافه نمایند و غذا دهند با آرد جو بوداده و با آب یخ با نان دو آتشه با آب سیب و غیره و بدهند آنچه مذکور شد اگر در مرتبه اول طبیعت قبول کند و دفع کند و اگر ضعف غالب شود ماءاللحم که گرفته باشند از سینه مرغ خانگی با نان دو آتشه باید داد و این سفوف نافع است انار دان و زرشک از هر یک چهار درم گل سرخ و طباشیر و سماق و پوست بیرون پسته از هر یک دو درم گشنیز و عود از هر یک یکدرم و نیم اجزا را نرم کوفته دو درم با شربت عود و شربت سیب چاشت نمایند و اگر قی بند نشود دستها و پاها را محکم باید بست و آستین اطراف را نها و ساقها را با کش کنند و نفع میکند در قی هرگاه بند نشود و صفراوی باشد طباشیر و زرشک و پوست بیرون پسته و نعناع خشک و عود و کافور و انار دانه و از هر یک یک مثقال کوفته و بیخته با آب تمر هندی که تازه در گلاب تر کرده باشند و نفع میکند در قی بلغمی که آب به و آب سیب و دو شاب و گلاب و نبات که با نعناع و پودینه بپخته و بقوام آورده باشند و عود و مصطکی و قاقله و زنجبیل که قرصها از آن نموده باشند

بدهند بصاحب این مرض شیره چهار مغز با روغن بادام که بیخ سرکرده باشند و کنار و بر صمغ و سوم و روغنی که عمل آورده باشند از آب خیار و آب کدو و آب هندوانه بهار و آرد جو و گل خطمی و روغن بنفشه یا بدهند شیره تخم خرفه با گلاب و نبات بقوام آورده و روغن بنفشه چاشت دهند و آب کدو و گلاب و نبات بقوام آورده و روغن بنفشه

صاحب این مرض بعد از آنکه قی فرمایند بدهند سفوف را نانخواه و تخم کرفس و انیسون اجزا مساوی کوبند و یک مثقال از سفوف با آب نعناع و دو شاب تناول کند و اگر فواق از خلط صفرا باشد اول قی فرمایند و بعد از آن بدهند جرعه که عمل آورده باشند از نشاسته و قند سفید در روغن بادام

سزاوار آن باشد که بدهند به صاحب این مرض سفوف را نانخواه و تخم کرفس و رازیانه از هر یک دو درم و تخم ترب تیزک و زنجبیل و دارچینی و کند از هر یک یکدرم و پودینه کوهی و نمام از هر یک یکدرم و نیم همه را نرم بکوبند و یکدرم از سفوف با دو شاب یا شربت عسل تناول کنند و اگر نفع نکند بدهند مثرودیطوس و یکی از جوارشها که مناسب باشد و اگر شکم در این مرض نرم باشد بدهند تخم ترب تیزک بوداده و زیره کرمانی در سرکه خیسانیده بوداده که خوب خشک شده باشد و اگر آروغ زیاد ترش کنند و از معده بگذرد قی فرمایند و نفع میکند زنجبیل پرورده و جوارش فلافلی و اگر بسیار زیاد نباشد نگاه کنند و زیره و انیسون و آنها هست

## معالجهٔ عام

بسا باشد که سبب حیرفضله خشک شده باشد [illegible]

[illegible]





## مرضهای معده

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

ورق ٧

# مرضهای امعاء و مقعد

| اسماء | مزاج | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | سن | علامت | [illegible] | معالجه [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| قولنج [illegible] | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| مغص | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

این قولنج



## معالجه عام ٧

این قولنج اگر بهم رسیده باشد از فضله خشک شده اسهال باید کرد بدوائیکه مذکور شد و اگر بسبب دوائی کشنده باشد [illegible] باید داد و اگر بسبب
ناخوش نخوردن غذا باشد شوربا های چرب که با گوشت بره و بچه باشند بدهند بشرطیکه در این شوربا ها نان بسیده و ترید کنند و بدهند [illegible]
بار روغن بادام [illegible] و از آنکه صاحب قولنج بعد از آنکه قولنج او تخفیف یابد مدتی پرهیز کند و رجوع نکند بزودی بغذاهای معتاد خود بلکه بعد از مدتی
ترکیب استعمال نماید [illegible] و پرهیز از غذاهای غلیظ [illegible] قند سفید یا نبات [illegible] شکر [illegible] بخورد و اگر این قولنج با حرارت باشد باید که
تناول کند مغز نانیکه سبوس آنرا گرفته باشند با گلاب و نبات بقوام آورده باشند و روغن بادام و شوربای جوجه مرغ خانگی و گوشت [illegible]
که بعمل آورده باشند از مرغ فربه و بخورد گاهی اوقات آنچه جنبانیده باشند در شربت بنفشه و گلقند

دواهائیکه میکشد کرم روده را و بیرون میآورد آنها را دوای چندیست که جلاء میدهد روده ها را و تلخ باشد مثل باقلای مصری و درمنه ترکی و بوماذران
و پودینه و آنچه ماند باینها پس اگر بگیرند مقدار سه درم از مجموع این ادویه یا بعضی از آنها کوفته و با عسل سرشته و یا آب گرم بخورند
نفع میکند و بهم میرسد اکثر اوقات کرم در روده ها از خوردن انجیر و گندم خام و گوشت خام و پنیر تازه و شیر و آنچه ماند باینها

سبب مغص اگر فضله خشک شده باشد معالجه کنند بدواهای مسهل و اگر مغص با اسهال باشد بدهند سفوف مقلیاثا و اگر سبب بادی غلیظ باشد
بدهند انیسون [illegible] تخم کرفس و انیسون و رازیانه و نانخواه و سعتر فارسی همه را کوفته دو درم از این با دوشاب بدهند و اگر سبب صفرا باشد
بزرقطونا و تخم خرفه و تخم ریحان و مغز خیار و مغز تخم کدو از هر یک یک جزو طباشیر و بارتنگ از هر یک نیم جزو همه را غیر از بزرقطونا بکوبند و بروغن
بادام کف مال نموده دو درم از آن با آب زرشک و شربت ریباس بنوشند

اگر خون بواسیر بند باشد بگذارند بر مقعد بخور مرهم با فلدفیون تا بگشاید از او خون و آنرا روان گردانند و ساکن گردانند درد را و اگر از جهت [illegible] دواها
بهم رسیده باشد بگیرند بابونه و اکلیل الملک و برگ خطمی و بپزند با زرده تخم مرغ و انجیر مرهم نموده بر مقعد بگذارند و اگر با بواسیر حرارتی باشد
[illegible] عدس مقشر و روغن بنفشه و اگر حرارت نباشد [illegible] بر مقعد بگذارند نیم گرم و اگر [illegible] نفع نکند [illegible]
[illegible] بواسیر [illegible] باید که بالای موضع [illegible] با فلدفیون و بعد از آن عسل و شراب [illegible] بعد از آن [illegible] بر مقعد
پوست حنظل یا باقلای مصری که سوزانیده و کوفته باشی و بعد از آن بکار بری مرهم سفید با سفیده تخم مرغ [illegible] روغن گل سرخ و اگر [illegible]
نفع نکند [illegible] و برو مرهم گرم مقعد باید که بگذارند برگ خطمی و بنفشه خشک و عدس مقشر [illegible] باشند [illegible]
[illegible] روغن گل سرخ و روغن بنفشه [illegible] و سفیده تخم مرغ و در شقاق مقعد بکار برند مرهم سفید با سفیده تخم مرغ و کافور و مرهم
[illegible] بیرون آمدن مقعد باید که بنشیند در آب گرم و چون [illegible] بیرون آید باید [illegible] بر مقعد جوز السرو و برگ مورد خشک و اقاقیا
و [illegible] و مازوی سبز و تخم گل سرخ و سماق اگر با این بیرون آمدن مقعد ورمی باشد [illegible] بگیرند عدس مقشر [illegible]
[illegible] بلوط و جوز [illegible] و بپزند همه را در آب برگ مورد و با روغن گل سرخ [illegible] بر مقعد [illegible] زنند که مرهم شود پس بر مقعد گذارند

| ۷۱ | معالجهٔ عام |
|---|---|

درا ینمرض بگذارند بر جگر صندل سرخ و سفید که کوفته و خمیر کرده باشند با آب کاسنی آب کاهو و آب برگ خرفه و آب حی العالم و آب عنب الثعلب و آب کشنیز باشد و بمالند روغن گل سرخ که مرهم کرده باشند که مرهم کرده باشند با موم سفید و بدهند قرص طباشیر و سکنجبین و آب کاسنی و آب عنب الثعلب و آب کثوث و چاشاهده (؟) و انجبین با شیغوف هلیله زرد و ذک مغسول گل سرخ و طباشیر از هر یک چهار درم ریوند چینی سه درم طین دو درم بکوبند و بیست درم از شیغوف با چهار درم نبات سفید بدهند و غذا مزوره ماش و کدو و اسفاناج باید داد و اگر طبیعت نرم باشد بدهند قرص طباشیر قابض با شربت مورد و ریباس و غذا مزوره سماق بخورد

درا ینمرض بدهند قرص لک با سکنجبین عسل و زنجبیل پرورده و بگذارند بر جگر سعد و اذخر و قسط و سنبل الطیب و صبر و افسنتین و بابونه و اکلیل الملک کوفته و با روغن قسط و دو شاب خمیر کرده باشند و غذا نخود آب با دراج و زیره و دارچینی تناول نماید اگر دراج را در روغن بچه شانک دو شاب اضافه نموده میل نموده با پارچه نانی با دوشاب بخورد و بعضی از حکما گفته اند که جگر گوسفند از هر کاه خشک کرده بدهند با بونه بکسی که آزار جگر داشته باشد خواه گرم خواه سرد نفع میکند و باید که پارچه را فرو برند در آنچه جوشانیده باشند در آن اذخر و سنبل الطیب و مرزنجوش و بر روی جگر گذارند و پیش از خوردن

درا ینمرض باید که پرهیز از غذاهای ترش و ماهی و شیر و فالوده و از حلوا و حرکت نکند بعد از غذا و باید که غذا کم بخورد و بر گرسنگی و تشنگی صبر کند و با حرکت کند پیش از غذا بر روی ریگ خشک و غسل کند در آب شور و تناول کند این قرص را گل سرخ سه درم زرشک دو درم سنبل الطیب و ساذج و دانه و غافث و عصاره افسنتین از هر یک یکدرم تخم کرفس و انیسون و رازیانه و انزروت از هر یک نیم درم زعفران یکدانگ همه را کوفته خمیر کرده قرص سازند و با آب کرفس بخورند و بگذارند بر روی جگر صبر و شیلم کوفته و قسط و نمک کوفته و با سرکه و آب کرفس سرشته باشند و غسل کردن با آنچه جوشانیده باشند بابونه و درمنه ترکی نافعست

درا ینمرض بدهند شیره جو با نبات سفید و بعد از آن شربت خشخاش و انار و بدانه و سیب که خوب رسیده باشد و تناول نماید با پچه زغاله و مرغ خانگی و اسفناج و نافعست حلوا که بعمل آورده باشند از خشخاش تازه و قند سفید و مغز بادام و مغز تخم کدو و بگذارند بر جگر پارچه را که تر کرده باشند بگلاب و آب حی العالم و آب برگ خرفه و آب کدو و روغن بنفشه و بپاشند آب هندوانه با گلاب و نبات بقوام آورده و بحمام برود و بریزد بر سر آنچه جوشانیده باشند در آن بنفشه و نیلوفر و برگ کاهو و پوست خشخاش و چرب کنند بدن را بروغن بنفشه



| ۷۱ | مرضهای جگر | | | |
|---|---|---|---|---|
| نام مرض | گرمی | سردی | تری | خشکی |
| مزاجها | جوانان | کودکان و پیران | کودکان | جوانان |
| سالها | تابستان | پائیز | زمستان | تابستان پائیز |
| فصلها | گرمسیر | سردسیر | جنوب | شمال |
| شهرها | خطرناک است | خطرناک نیست | خطرناک است | خطرناک است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علاج | فصد باسلیق باید کرد از دست راست | حب صبر بدهد و داد اگر طبیعت قبض باشد | دواهای بکار برند که ادرار بول نماید | باید کرد |
| مداوای غذائی | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| اصلاح | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## مرضهای جگر

| | ۱ | ۲ | ۳ | ۴ |
|---|---|---|---|---|
| نامها | ورم جگر گرم | ورم جگر سرد | [illegible] | سده جگر |
| مزاجها | گرم | سرد | گرم | سرد |
| سالها | جوانان | دومویان | جوانان | دومویان |
| فصلهای سال | بهار | پائیز | تابستان | پائیز |
| شهرها | گرمسیر | مغربی | گرمسیر | مغربی |
| سلامتی و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست |
| سبب | خون و صفرای زیادتی | بلغم و سودای زیادتی | [illegible] | خلط غلیظ [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد باسلیق از دو دست [illegible] کرد | [illegible] تناول کنند | [illegible] | اسهال [illegible] |
| خوردنیها و آشامیدنیها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه و نشانه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

ورم جگر





در ورم جگر گرم باشد در سه روز اول کشادکنند شیره جو و سکنجبین و آب انار و نرم سازند شکم را بطبوس خیار شنبر و بگذارند بر جگر صندل و گل سرخ کوفته و خمیر نموده باشند با آب کشنیز و آب برگ کاسنی و آب کدو و آب بید بهار و بعد از آن اضافه این ضماد نمایند بابونه و سعتر و خطمی واگر ورم گرم در محدب جگر باشد بکار برند دوائی که بول براند و بدهند قرص زرشک و آب کاسنی و آب کشوث و آب عنب الثعلب واگر ورم در مقعر جگر باشد بکار برند دوائی که شکم براند مثل آب کاسنی با مغز خیار شنبر و روغن بادام و شیر ماء الجبن با مغز خیار شنبر و ماء الجبن سفوف هلیله زرد و کابلی از هر یک پنج درم تخم کاسنی و تخم کشوث و تخم خیار شنگ از هر یک یک درم ربوند چینی نیم مثقال کوفته و بیخته سفوف سازند و دو درم از این سفوف با نیم رطل ماء الجبن بنوشند

در ورم سرد جگر بدهند قرص ربوند با قرص لک مسهل با سکنجبین و اگر ورم رخو و بلغمی باشد بگذارند بر جگر تخم کرفس و نانخواه و قردمانا و صبر و بیخ اذخر و سنبل و مصطکی و بوره ارمنی و سعتر کوفته و با موم سفید و روغن قسط مرهم کرده باشند و پرهیز کنند از انواع شیرها و دواها و اگر ورم سوداوی باشد بدهند طبیخ زوفا و اگر با ورم سوداوی جگر حرارتی باشد بدهند ماء الجبن با سکنجبین و بگذارند بر جگر حلبه و زرگ سفید و بنفشه و مصطکی کوفته و بیخته با موم سفید و پیه مرغ خانگی و روغن بنفشه مرهم ساخته باشند انشاء الله خوبست

در ان مرض بگذارند بر جگر برگ سفید و تخم مرو و چهار تخم نرگس و بیخ خطمی و آرد و شیلم و کرد آسیا و بابونه و اکلیل الملک و بنفشه و مصطکی و سکبینج و بوره ارمنی که با روغن بنفشه و موم سفید و شحم مرهم ساخته باشند و اگر تب نباشد بدهند انگور و شاهتره و نانخواه و بیخ کرفس و رازیانه تا اگر ماده ورم را با ادرار دفع کند و اگر تب باشد بدهند سفوف از مغز تخم خرزه و مغز تخم خیار و خیار شنبر و تخم کدو از هر یک پنج درم نشاسته و کتیرا و صمغ عربی و رب السوس از هر یک یک درم و تخم کوفته و بیخته سفوف سازند و سه درم از این سفوف با شربت بنفشه بنوشند تا دل نماید و غذا با چوزه و نخاله میل کنند بی ترشی یا ماهی تازه بی ترشی با مزوره اسفناج و برگ چغندر و خبازی با روغن بادام بی ترشی و بعد از آنکه ورم چرک گشته سر واکند با بول دفع شود بدهند شربت خشخاش و شربت عناب و غذا حریره بدهند و اگر چرک با براز و فضول بدهند حریره که بعمل آورده باشند از آرد برنج و نشاسته

اگر سده در محدب جگر باشد بدهند دوائی که بول براند مثل قرص افسنتین و قرص زرشک با سکنجبین و پرهیز کنند از شیرینیها خصوصا شیرینی که با آرد و نشاسته باشد و حرکت بکنند بعد از غذا و اگر سده در مقعر جگر باشد بکار برند حقنهای مسهل و معجونهای که سده بکشایند و بگذارند بر جگر بابونه و اکلیل الملک و بنفشه از هر یک پنج درم تخم کرفس و نانخواه از هر یک سه درم مصطکی سنبل الطیب و اسارون از هر یک دو درم مغز بادام تلخ سه درم که کوفته و با آب رازیانه سرشته باشند و باید وقتیکه معده خالی باشد این ضماد را استعمال کنند

## معالجهٔ عام

دراین مرض منع کنند از بسیاری خوراک و غذاهائیکه تر باشد مانند انواع ماهی و روغن حلوا با قند یا عسل یا دوشاب و هرغذای غلیظی و از بسیار آشامیدن خصوصا آنچه با یخ سرد کرده باشند و همچنین منع کنند از حرکت بعد از طعام لیکن حرکت کردن در آفتاب گرم پیش از غذا بهتر است و غذا مرغ خانگی و تیهو و نخود آب کرده باضافهٔ نخود لغان تناول کنند و بعد از خوردن دوشاب که در وقت پختن ریزه ریزه کرده باشند و آب برگ سداب و کرفس و نعناع و دوا اقراص زرشک و قرص ریوند تناول نمایند با سفوف صفت آن تخم کرفس و رازیانه و عصارهٔ غافث و عصارهٔ افسنتین و سنبل الطیب از هریک یکدرم ریوند چینی و نمک مغسول از هریک سه درم اصل السوس یکدرم و تخم کوفته و بیخته سفوف سازند و یکدرم از این سفوف با دوشاب تناول کنند و ضماد برد و زناف و بسیم چنین تمام بدن در این مرض ایند دارا بابونه و اکلیل الملک و آرد جو و سرگین بز از هریک دو درم صبر و مرمکی و قسط از هریک چند درم مصطکی و سنبل و اسارون و افسنتین از هریک یکدرم کوفته و بیخته باسرکه و آب کرفس و آب رازیانه خمیر کرده استعمال نمایند

در ابتدای این مرض بکار برند تدبیریکه مذکور شد در استسقای لحمی در خانه ...ش و بعد از آن شروع کنند با سهال آنچه در میان پردهای شکم مجتمع شده باین حب گل سرخ مغسول عود و ریشه ... مازریون مقشر و ... همه را در سرکه ... روز بخیسانند و خشک کرده از هریک دو درم افیون و مصطکی از هریک یکدرم و نیم ریوند چینی عصارهٔ افسنتین از هریک یکدرم عصارهٔ غافث و بیخ سوسن آسمانجونی از هریک یکدرم کوفته و بیخته با آب رازیانه حب سازند دو درم از این حب با آب گرم بیاشامند و غذا آب نخود و نیم کوفته تناول کنند و اگر در این مرض آب دواهای مسهل نباشد بکار برند این دواها مالیدنی ... صفت آن تخم حنظل و بیخ حنظل و شبرم و حب النیل و مازریون و سقمونیا از هریک یکدرم صبر و ... و مقل بیخ سوسن آسمانجونی و سرگین گاو از هریک یک وقیه زهره گاو و ... انجار و میویزج و قردمانا و حماما و میعه سائله و فرفیون از هریک یکدرم و نیم بوره ارمنی و نمک نفطی از هریک یک وقیه موم دو وقیه بکار زند موم را آب و دواها کوفته و بیخته بیامیزند و موم و ... خوب برهم زنند و بر شکم ضماد کنند ... نفع نکند بزل باید کرد و بزل عبارتست از شکافتن شکم و طریقه آن در کتابهای طوال مذکور است و کاهست که در عوض بزل داغ میکنند معده و دهن معده و جگر و سپرز و ناف را کتابهائیکه بعضی از آن آهن و بعضی دیگر چوب بلوط میباشد

در این مرض پرهیز کنند از هرچه باد غلیظ از او در بدن بهم رسد و بکار برند آنچه تحلیل دهد بادهای ... را و استعمال این حب نفع میکند ایارج فیقرا دو درم غاریقون و نمک هندی از هریک یکدرم تخم کرفس و انیسون و نانخواه و اذخر و عصارهٔ غافث و مازریون از هریک نیم درم عصارهٔ افسنتین یکدرم همه را کوفته خمیر کرده حب سازند و یکدرم از این حب با آب گرم تناول کنند و ضماد کنند بر شکم بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و پودینه و زیره کبود و سعتر و رازیانه و انیسون و دوقو و تخم سداب و اسارون و سنبل که همه را کوفته بروغن بشست خمیر نموده باشند

در این مرض اگر تب نباشد اکتفا کنند بابو ... که ... آورده باشند و سکنجبین و دو درم شکر ... و نیم اهلیله زرد و نیم درم ریوند چینی و تخم خیار ... نفع میکند اگر تب نباشد یک رطل شیر شتر و یکدرم روغن بادام و روغن زیتون ... آن بگیرند یک رطل زیتون و بجوشانند در نخود آب تا آنکه یک رطل باقی ماند پس بیخ رطل روغن بادام اضافه نموده بجوشانند تا آب برود و روغن بماند یکدرم از این روغن بکار برند و بگذارند بر شکم صندل و گل سرخ و ... و صبر و سرگین گاو و منعات ... و شیاف ماميثا و بابونه و اکلیل الملک و خطمی و آرد جو و بنفشه خشک و اندکی زعفران و بعد از آن که همه را کوفته باشند و آب برگ کاسنی خمیر نموده باشند و غذا کوارج با آب لیمو یا سرکه و آبگامه یا ترشی خواه و در روغن پخته باشند یا در آب تناول نمایند





## استسقا

| نامها | استسقای لحمی | استسقای زقی | استسقای طبلی | استسقای ... |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سرد | سرد و تر | مزاج گرم و خشک ... | گرم |
| سنها | پیران | پیران | ... | جوانان |
| فصلها | زمستان | زمستان | تابستان | تابستان |
| شهرها | بارد | بارد | ... | ... |
| سازوارترین صحت | حفظ ... | ... | ... | ... |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علاج جسمانی | بکار برند ... قرص ... سکنجبین ... | یکدرم مازریون و یکدرم افیون ... کوفته حب نموده تناول نمایند | زیره و بوره ... عسل خمیر کنند ... | ... عنب الثعلب ... خیارشنبر ... ریوند چینی |
| معالجات دوائی | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات غذائی | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| ۲۴ | عام | معالجه |
|---|---|---|

یرقان زرد اگر از جهت بحران باشد نفع میکند حمام و غذا ماهی تازه و کدو و سرکه بچه باشند اگر از جهت گرمی جگر باشد معالجه کند بقرص طباشیر طین بسکنجبین و آب کاسنی و آب کشوث و اگر با این مرض تب باشد نافعست شیرهٔ جو و ترنجبین و طباشیر و آب انار میخوش و آب بنه دانه و زردهٔ عدس اگر تب نباشد نافعست ماء الجبن و باید که جالند بر جگر صندل و گلاب و کافور و اگر سبب این یرقان متقل شدن اخلاط باشد بصفرا معالجه کنند بشربت ورد و سکنجبین و اگر سبب یرقان جانور زهردار باشد یا شاهترج قطورنا با آب کدو و آب بنه دانه با طباشیر باشد جو با ترنجبین و اگر سبب یرقان سده باشد مطبوخ افسنتین و قرص افسنتین تناول کند و غذا ماهی تازه و کدو با سرکه بچه باشند مسهل کند و نافعست اینکه سر و چشم را بخار نیمغذ ابدارند و اگر بدن درا این مرض بحال خود باشد و چشمها زرد شده باشد داخل حمام شود و سرکه تند بر پیشانی کند و نافعست اینکه گلاب بچشم بچکانند

در این مرض بدهند ماء الجبن با منضوف هلیله دو درم افتیمون و غاریقون از هر یک نیم درم نمک نفطی و صبر از هر یک یکدانگ کوفته و بیخته سفوف سازند و از منضوف دو درم با ماء الجبن چاشت دهند یا آنکه بگیرند عدس مقشر نیم کوفته دو درم و در آب بار یا نیز و بول علف که محکم نشده باشد شیرهٔ آنرا خوب بکشند و نبات سیاه بجوزند یا آنکه بگیرند مویز دانه بیرون کرده ده درم و گل سرخ پنج درم گل بابونه سه درم یکشبانه روز در آب بخیسانند و در بکیه هر روز از این آب بقدر نیم رطل چاشت دهد و اگر در سپرز صلابت و سختی باشد بگداز ند بر روی ضمادها یکه خواهد آمد در معالجه سختی سپرز

نفع میکند در این مرض قرص طباشیر طین با سکنجبین و ترنجبین یا منضوف هلیله گل سرخ و زرشک از هر یک پنج درم طباشیر دو درم کوفته سفوف سازند و دو درم از منضوف بکار برند و بگدازند بر سپرز برگ درخت گز کوفته و با آرد جو و سرکه خمیر کرده باشند یا بگدازند پارچه نمد که فرو برده باشند در سرکه در او تکاله جوشانیده باشند

در این مرض اول بار فصد کنند و بعد از آن بدهند این منضوف را گل سرخ و زرشک از هر یک چهار درم اصل السوس انگ منقی و طباشیر در یوند چینی پنج کسوه عصارهٔ غافث از هر یک نیم درم زعفران یکدانگ کوفته و بیخته سفوف سازند و یک مثقال از این منضوف با سکنجبین بزوری و آب سرد بیاشامند و بگدازند بر سپرز آرد جو و خطمی و مغاث از هر یک یکجزو گل سرخ و صندل از هر یک نیم جزو کوفته با آب عنب الثعلب و آب برگ درخت گز و سرکه خمیر نموده بکار برند





| ۲۶ | مرضهای زهره و سپرز | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نام مرض | مزاج | سن | فصل | شهر | سبب | نبض | علامت | اسباب | معالجه | معالجه خاص |
| یرقان زرد | گرمی | جوانان | تابستان | خطهٔ ناگست | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ضعف جگر و عضو از حرارت جگر باشد | [illegible] | [illegible] |
| یرقان سیاه | سردی | کودکان | زمستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | گشاینده سده بسیلیم و مطبوخ افتیمون بنوشند | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرمی | جوانان | تابستان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق یا اسیلم بکنند و مطبوخ ... بنوشند | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرمی | جوانان | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق یا اسیلم از دست چپ بکنند | [illegible] | [illegible] |

## مرضهای سپرز و گرده

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] سپرز سردی | سردی | دو مویان | پائیز | مغربی | بیخطر اگر زیاد نباشد | بسیاری سودا در سپرز [illegible] | [illegible] | مطبوخ افتیمون باید داد | [illegible] سکنجبین [illegible] | [illegible] |
| [illegible] سپرز سرد | سردی | دو مویان | پائیز | مغربی | بی خطر است | غلبه سودا | [illegible] | مطبوخ افتیمون باید داد | سکنجبین [illegible] | [illegible] |
| سنگ [illegible] گرده | گرم | پیران | پائیز | مغربی | خطرناک اگر [illegible] باشد [illegible] | خلطی که در گرده باشد [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] گرده گرم | گرم | جوانان | بهار | جنوبی | خطرناک است | خون یا صفرا | [illegible] | فصد باسلیق باید کرد | [illegible] | [illegible] |







## معالجه عام

درایمرض باید که فرو برند همه را در سرکه جوشانیده باشند و آنسبوس گندم و سداب نیمگرم بروی بگذارند و اگر محتاج باشند باسهال باین جوشانیده اسهال کنند هلیله سیاه و شاهتره و شکاعی و بادآورد و برگ غافث و افتیمون و تخم بادیان بجوشانند در چهار رطل آب تا ربع بماند پس صاف نموده و اضافه نمایند بآن ایارج فیقرا و تربد و غاریقون از هریک یکدرم و بسیج نموده باشامد و غذا دراج و تیهو که بهر رنگ باشد و کره یا و دارچینی پخته باشند تناول نمایند و نان خشکار با دو شراب خوردن نافعست و باید که تنقل کنند بمغز بادام و مغز جلغوزه و پرهیز کنند از هریسه و شیر برنج و حلوای زلبیا و قطاب

درایمرض بدهند قرص کبر با سکنجبین و نافعست با داحجین با سکنجبین و بگذارند بر روی طحال حلبه و برگ سفید و آرد جو و با قلاوا کلیل الملک و اشنه و شلغم سفید و بوره ارمنی و بیخ کبر و دو دانه انجیر سیاه بکوبند همه را و در سرکه جوشانیده خوب بریکدیگر بمالند و بر روی سپرز گذارند و اگر ورم سپرز از باد غلیظ باشد بدهند این سفوف را حرف که در سرکه جوشانیده باشند و خشک کرده با آرد و خمیر نموده باشند و در تنور نان گرم کرده باشند بکوبند و پوست بیخ کبر بکوبند و سنبل الطیب نیم جزو بکوبند و سه درم از این سفوف بنوشند

درایمرض پرهیز کنند از غذاهای غلیظ و استعمال کنند غذاهائیکه زود هضم شود و خون خوب از و بهم رسد مثل جوجه مرغ خانگی و دراجکه شوربا کرده باشند با دویه حاره و ترشی اگرچه زیره و زعفران و ترشی اضافه کرده باشند و مثل نان خشکار و از میوه ها خیار و خیار شنگ و خربزه میل کنند و پیش از غذا حرکت کنند باعتدال و بحمام بروند و بنشینند در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و تخم خطمی و پرسیاوشان و بمالند بر سپرز روغن شبت و این سفوف نافعست مغز تخم خیار و مغز تخم خیار شنگ و مغز تخم کدو و مغز تخم خربزه از هریک سه درم رازیانه نیمدرم کوفته و بیخته سفوف سازند و با سکنجبین و گلاب بیاشامد و بکار برد انجیر یکه سنگ کرده بریزاند مثل بحرالیهود و خاکستر عقرب هرکاه بخورند از هریک نیمدرم با آب برگ رازیانه و این سفوف نافعست شیشه سوخته و زنجبیل از هرکدام سه درم حجر الیهود یکدرم خاکستر عقرب دو درم همه را کوفته نیمدرم از این سفوف بدهند با آبیکه جوشانیده باشند در آن نخود سیاه و بمالند بر گرده و روی عقرب و بگذارند بر گرده سبوس گندم و جاورسی که تر کرده باشند بآب نیمگرم و اگر با اینها علاج نشود و بادکش با نیروش بگذارند شاخ حجامت را برپائین گرده و در نزدیک آن و بکشند اندک اندک و از موضع مذکور بر داشته پائین تر از آنکه گذارند و بکشند بدستور یکه مذکور شد و همچنین تا مثانه برسد تا آنکه سنگ ریزه با بول بیرون آید و اگر سنگ بالا از جهت بزرگی بند شود در راه باید که بنشینند در آبیکه جوشانیده باشند در آن گلبه و برگ سفید و خبازی و خطمی و همچنین باید که بمالند بر موضع روغن بنفشه یا روغن کنجد که پخته باشند با حلبه و پیه اردک بعد از آن بار دیگر همان دواها که سنگ بریزاند بکار برند

بگذارند و در این مرض برگ ده و زرگ سفید و حلبه از هر یک چند درم تخم خطمی و خبازی و شبت و بابونه از هر یک چهار درم اشق و اکلیل الملک از هر یک سه درم حل شود و آنچه حل کرده بیت زاینده را با آب گرم و بابونه را کوفته و بیخته با آنچه حل شده و بعد خمیر نموده برگرده بگذارند و اگر با این مرض حرارت باشد تخم خرفه و تخم کاسنی از آینده را بجوشانند و باقی را استعمال نمایند و باید که مغز تخم خیار و خیارشنبر و مغز تخم کدو و تخم خطمی و خبازی اجزا مساوی کوفته سفوف سازند و دو درم از این سفوف با شربت بنفشه یا گلاب و نبات بقوام آورده بدهند و غذا شوربای قرع و یا تره با روغن بادام و این مرض بگذارند برگرده آرد جو و گل خطمی و صندل و شیاف مامیثا و عصاره ترشه کدو و بعد از آنکه به آن کوفته باشند و آب کاسنی و روغن بنفشه خمیر نموده باشند یا اگر پارچه و درم در آب کاسنی و آب عنب الثعلب و بعد از آنکه سه درگرده باشند و روغن بنفشه و روغن گل سرخ و گلاب و اندکی سرکه با آن آمیخته باشند و بدهند در اول روز مغز تخم خیار و مغز تخم کدو و مغز تخم خیارشنبر و مغز تخم خربزه و کرنب از هر یک یک درم کوفته و بیخته با گلاب و نبات بقوام آورده با اندکی آب سرد تناول نمایند بعد از آن شیره جو با شربت خشخاش و شربت بنفشه بدهند و بعد از این لعاب بذر قطونا و شیره تخم خرفه و تخم خیار و تخم خربزه و کرنب با شربت بنفشه بدهند و هر گاه ورم بیدا کند به بخار بگذارند برگرده آرد جو و گل خطمی و اکلیل الملک و حلبه و زرگ سفید و بنفشه بعد از آنکه کوفته و خمیر نموده باشند با شیره و اگر پخته کرد اول یا پخته را کوفته و جوشانیده و شیره آن را گرفته باشند و روغن بنفشه اضافه نموده باشند و بریزند بر موضع گرده یا بگذارند که جوشانیده باشند و از برگ خطمی و بنفشه و حلبه و برگ کاهو و مرهم آگر آن ورم بپزد و دهند بادق لبن و شربت خشخاش و اگر چرک آمدن از ورم بطول انجامد بدهند قرص کاکنج با شربت بنفشه و شربت خشخاش

تناول از آن در این مرض بگذارند آنچه گذشته در معالجه نفث الدم یعنی خون آمدن از حلق و در این مرض نافع است تخم خرفه و تخم خیار و خیارشنبر از هر کدام چند درم نشاسته و کثیرای سفید از هر کدام چهار درم گل با یک مثقال اقاقیا و گل قرسی از هر کدام دو درم همه را نرم بکوبند و با لعاب بذر قطونا خمیر نموده قرص سازند و یک مثقال از این سفوف با آب برگ بارتنگ و آب برگ خرفه بدهند و غذا جوجه مرغ خانگی یا سماق یا زرشک بپزند تناول کنند یا زرده تخم مرغ نیمبرشت تناول کنند

بدهند در این مرض سفوف را تخم خیار و خیارشنبر و زرگ سفید از هر کدام سه درم نشاسته و گل ارمنی از هر یک دو درم خشخاش چهار درم همه را نرم کوفته سفوف سازند و سه درم از این سفوف با شربت خشخاش بدهند و اگر باید و اگر چرک پاک نشود بدهند قرص خشخاش با شیر او لاغ یا شیره خرفه از این سفوف تخم کدو و مغز تخم خیار و خیارشنبر و مغز تخم خربزه از هر کدام چهار درم نشاسته و صمغ عربی از هر کدام دو درم کاکنج کوهی ده عدد خشخاش سیاه و سفید از هر یک سه درم همه را نرم بکوبند و سفوف ساخته سه درم از این سفوف با سی درم شیره خرفه بدهند و اگر چرک آمدن بطول کشد بدهند قرص کاکنج و شربت خشخاش و شیر خره و غذا ماش مقشر که در روغن بادام پخته باشند و قند و خشخاش کوفته اضافه نموده باشند تناول نماید

در این مرض بدهند شیره جو با شربت خشخاش یا آب انار پیدانه یا قرص طباشیر قابض و آب سیب و شربت ریباس و شربت به و لعاب بذر قطونا و گلاب و نبات بقوام آورده و اگر حرارت زیاد باشد قرص کافور با آب انار بدهند و غذا مغز سر بره و پنیر تازه و ماهی تازه تناول کنند و ماست و خورده مغز شکوفه و جت حرفا و خیار و خربزه و خیارشنبر و باید که بگذارند برگرده صندل و کافور و گلسرخ و بذر قطونا و گل ارمنی و گلنار همه را بکوبند بعد از آن بذر قطونا با آب برگ کاهو خمیر نموده برگرده بگذارند و در این مرض نافع است طباشیر و تخم کاهو و تخم خرفه از هر یک نیم درم تخم حماض و کشنیز خشک و گلسرخ و گل ارمنی از هر یک سه درم صندل سفید و گلنار و سماق از هر یک دو درم کافور نیم درم کوفته و بیخته با آب برگ خرفه قرص سازند و یک مثقال از این قرص با شربت غوره یا با آب انار ترش بدهند

## مرضهای سپرز و گرده

| ورق ۲۰ | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | ورم صلب گرده | بول الدم یعنی خون بول کردن | بول اللبن یعنی مثل شیر بول کردن | سلس البول یعنی بول بسیار کردن |
| مزاجها | سرد | گرم | گرم | گرم |
| سالها | دو مویان | جوانان | جوانان | جوانان و دو مویان |
| فصلهای سال | پاییز | بهار | بهار | زمستان |
| شهرها | مغربی | گرمسیر | گرمسیر | مغربی |
| سلامتی و خطر | بی خطر است | خطرناک است اگر زیاد باشد | خطرناک است اگر زیاد باشد | خطرناک است اگر زیاد باشد |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| مسهل و اغذیه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه و نشانه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| ورق ۷۲ | مرضهای مثانه | | | |
|---|---|---|---|---|
| نامها | سنگ مثانه | ورم مثانه | قروح مثانه | ضعف مثانه |
| مزاجها | گرم | گرم | گرم | سرد |
| سالها | کودکان | جوانان | جوانان | پیران |
| فصلها | بهار | تابستان | تابستان | زمستان |
| شهرها | معتدل | جنوبی | کرمسیر | معتدل |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سبب مهم | جوشانیده که سبب اسهال شود باید داد | رگ باسلیق بکشایند | بدهند دواهائیکه پاک کند زخم را و ریم را | بکار برند دواهائیکه بول براند |
| معالجهای خاص | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |



| ۷۷ | معالجه عام |
|---|---|

معالجه سنگ مثانه مثل معالجه سنگ گرده است در اینکه غذا کم باید داد و پرهیز باید فرمود از غذاهای غلیظ بکار باید برد دواهائیکه سنگ را بریزاند مثل حجر الیهود که بر روی سنگ سائیده باشند و صمغ درخت آلو و شیشه نو که سوخته باشند و صمغ عربی و خاکستر عقرب از مجموع اینها دواها یکدرم و نیم بگیرند و با سکنجبین بدهند و اگر در مریض بول کردن دشوار شود بسبب آنکه سنگ راه را بگیرد بکار باید برد آلتی که آنرا قاثاطیر میگویند با بیرون کشیدن کر بنشانند بیمار را بر کرسی و بریزند بر پشت زهار را و آب نیمگرم بعد از آن بفرستند قاثاطیر را بسوراخ قضیب یعنی آلت مردی تا برسد به بیخ قضیب بعد از آنکه سر قاثاطیر را چرب کرده باشند بروغن بنفشه و چون برسد به بیخ قضیب راست کنند قضیب را تا قاثاطیر و بلند کنند چنانکه سر قضیب بطرف ناف باشد و بهمواری زور کنند قاثاطیر داخل شود در راه مثانه داخل شده و بجای خالی رسیده و بکشند میل را که در میان قاثاطیر است بریسمانیکه بند کرده اند بسر آن میل تا آنکه بول بقوت تمام بیرون آید چنانکه در آب دزدکها ایجاد است معلوم میشود و اگر بعد از استعمال قاثاطیر جراحتی در مجری بهم رسانند شیاف ابیض امیوفی با انزروت باشیر دختران و اگر دواها از برای ریزاندن سنگ بکار برده اند نفع نکند باید که بشکافند گردن مثانه و سنگ را بیرون آورند

اگر ورم مثانه بسبب پر بودن باشد فصد باید کرد و چرب باید کرد موضع مثانه را با آب نیمگرم که اضافه نموده باشند روغن بنفشه و آنچه باشند یکدیگر و باید فشرد مثانه را بجانب قضیب اگر بول حبس شده باشد و اگر ورم بسبب تندی باشد جاالند بر مثانه آنچه مذکور شد در جدول پیش بعد از آن بگیرند جلب و برگ سفید و آرد شلم و بابونه و بنفشه خشک بکوبند و بپزند و ضماد نمایند به پیه مرغ و شیره انجیر که پخته باشند در آب نیمگرم و بر موضع مثانه گذارند و از سفوف بدهند تخم خرفه و تخم کدو و تخم خیار و شنگ و تخم خربزه و تخم خطمی و خبازی از هریک نیم درم کوفته سفوف نموده سه درم از این سفوف با شربت بنفشه و گلاب و نبات بدهند و اگر طبیعت قبض باشد بدهند فلوس خیارشنبر با جوشانیده بنفشه و تخم خطمی و سپستان و سبوس گندم بعد از آنکه صاف نموده فلوس خیارشنبر و روغن بنفشه اضافه نموده باشند و آنکه حقنه کنند بروغن بنفشه و آب کاسنی و آب برگ چغندر

در زخم مثانه غذا مزوره از ماش با اسفناج و روغن بادام باید داد و با تخم نیم لبیب دوا بدهند و از مغز چلغوزه و تخم خیار و تخم و نشاسته و تخم کرفس از هریک یکمثقال بجوشانند تخم کرفس را در نیم رطل آب تا آب دو اوقیه بماند و آن دواها را بعد از کوفتن و بیختن با این آب بسرشند و سه درم از این با دو شاب بدهند و بکار برند هر چه مذکور شد در بول مده یعنی چرک آمدن با بول

در ابتدای مرض اینها بدهند مغز تخم خربزه و مغز تخم کدو و مغز تخم خیار و مغز تخم خیار و شنگ نرم کوفته از هریک یکدرم بذر قطونا و روغن گل سرخ از هر کدام یکدرم با دو اوقیه گلاب و نبات بقوام آورده با شربت بنفشه و آب سرد بدهند و بکار برند با رب السوس و بگلاب و نبات بقوام آورده و بنشینند در آب نیمگرم و بگذارند بر مثانه او برگ بنفشه و عنب الثعلب خطمی و خبازی بعد از آنکه کوفته باشند و با آرد جو و روغن بنفشه خمیر نموده و نیمگرم نموده باشند و اگر مرض از زور دوا باشد بنشانند بیمار را در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و بمالند بر پشت زهار روغن شبت یا روغن عقرب و بدهند که بیاشامند آنچه جوشانیده باشند در آن تخم کرفس و انیسون و رازیانه و عسل شیرین کرده باشند و اگر با اینها بول روان نشود در استعمال نمایند قاثاطیر را بروشی که مذکور شد در سنگ مثانه زیرا که این قاثاطیر مناسب است و نیکوست هر وقت که بول بند آید مگر که سبب ورم باشد زیرا که مذکور شد

## مرضهای مثانه و پرده شکم و انثیین

| نام مرضها | مزاجهای مرضها | سالهای مرضها | فصلهای مرضها | شهرهای مرضها | بیان آنکه از کدام خلط | سبب | علامت | اکثر علاج | معالجه پرهیز | معالجات |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] بول | سرد | کودکان | زمستان | جنوبی | از خلط بلغم است | [illegible] | بول [illegible] | [illegible] باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| فتق | سرد | کودکان و پیران | زمستان | جنوبی | از خلط بلغم است | [illegible] | [illegible] | [illegible] باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| ورم گرم [illegible] انثیین | گرم | جوانان | بهار | گرم | از خلط [illegible] است | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق باید کرد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] سرد [illegible] | سرد | کودکان و پیران | زمستان و پائیز | معتدل | از خلط بلغم است | [illegible] | [illegible] | [illegible] باید کرد | [illegible] | [illegible] |







## معالجه عام

دراینمرض نفع میکند اینکه بلوط بچه درم کندر وکرد دو درم حب المحلب سه درم بکوبند همه را وازاین مجموع دو درم هر شب بخورند ونفع میکند کیر اکه بول کند در خواب اینکه سعد کوفی دو درم تخم تره تیزک یکدرم کوفته با قند معجون کنند ووقت خواب بگذارند وبعد از خوردن تخم نیم بیت تناول کند وگفته اند برکاه بسوزانند حجره خروس را وبیاشامند دو دانگ از آن با آب نیمگرم به بنده بکسیکه در خواب بول میکند نافعست وسزاوار آنست که صاحب اینمرض پرهیز از چیزهای سرد واز چیزهائیکه بول براند وغذا شوربا با دو دیه حاره وخردل تناول نماید

مرض فتق اگر از رطوبت باشد بدوا های الینه وکنه اشتنی با صلاح میاید واگر از پاره شدن پرده شکم باشد چاره او بسیار مشکل است واینه وامتاب است جوز اینه وپوست انار شت بانی کلنار کل سرخ مورد همه را کوفته بصمغ وسیریشم مابی خمیر نموده بر موضع بگذارند وپرهیز کند از پر خوردن واز حرکت بقوت تمام واز غذاهائیکه باد انگیز باشند وبخورد جوارشن زیره وجوارش پونه وغذا جوجه مرغ خانگی یا دراجیکه در روغن پخته باشند

دراینمرض پرهیز کند از خوردن گوشت وشیر وحلوا وپاشامد گلاب ونبات بقوام آورده باشیره تخم خرفه وسکنجبین وغذا مزورهٔ ماش با اسفناج وآب انار تناول نماید وبگذارند بر ورم آرد عدس وآرد جو با قلا وحل وزغ بعد از آنکه سرشته با آب عنب الثعلب وزرده تخم مرغ وروغن گل سرخ وپرهیزد از حرکت وراه رفتن

دراینمرض بمالند بر موضع ورم مقل وسفیداب بادوشاب یا بگذارند بر موضع کندر وزیره وآرد باقلا وآرد نخود وکنجد ومویز خراسانی دانه بیرون آورده با آب درهاون سائیده وباشند همه را بکوبند وباپیه بز آمیخته بکار برند ومحکم ببندند یا آنکه بگیرند خاکستر کلم وبرگ سعد کوفته وباپیه مرغ آباشته بر موضع گذارند

## معالجهٔ عام

در این مرض فلفل و حب الغار و فطرون از هر کدام یکجزو کوفته و بیخته با موم و روغن زیتون مرهم ساخته بر موضع گذارند و این مرهم را هم با یک مشت بدستور
معلوم با موم و روغن بلسن مرهم ساخته استعمال نمایند و اگر آب باین تدبیرها تحلیل نرود باید که بشکافند پوست خصیه را بنیزه وشکی که آب را بکشند و چارزا
بر پشت و بگذارند و زیر سرین و بالش نرم و بگذارند و بر زیر خصیه پارچهای نرم تا ببندند بالسیه و باید که جراح در طرف چپ بیمار نشیند و
او باید بکمکی در جانب راست و بنشیند تا به دارو خصیب بیمار از جای خود میل بطرف چپ یا راست یا طرف بالا بعد از آن بشکافد جراح پوست خصیه را
از میان بدرازی تا آنچه محبوس مانده است از آب بیرون آید بعد از آن مرهم ها بکار برد تا زخم چاق شود
هرگاه فرو از پاره شدن پرده و فرو آمدن روده بخصیه باشد علاج نیست و اگر با این خطر عظیم دارد و کم است که در این معالجه جان بر دو اما
فرو کمی اگر ضرر رشو و معالجه او باین طریقه اوا است که بکشند خصیه را بالا و بشکافند پوست و را و جدا کنند از گوشت زیاد یکه روئیده است در
اینموضع و ببرند گوشت زیاد را و بیرون آورند پس مرهمها بر روی آن نهند تا گوشت و بهتر آنست که در این مرض معالجه باین نکنند زیرا که ایمنی نیست از اینکه خون بند
نشود و در و ساکن نگردد تا هلاک کند و در مرض دوالی فصد کنند از رگها را که بزرگ گشته و پر شده از اخلاط و بیرون آورند خونیکه قدر آن
دلیل باشد زیادتی بعد از آن خطمی و خطمی سفید را کوفته با پیه بسرشته بر موضع باید گذاشت و پرهیز باید کرد از غذاها که مولد سودا باشد یا معالجه
باید کرد این مرضها را باین تدبیر روش که بند کنند این رگها را اقلاب چند و بردارند رگها را و ببرند پوست را از روی این رگها تا رگها ظاهر شود و بعد از آن
ریسمانی دو ته از سوزن گذرانیده بزیر رگها فرو بشد و بالای این رگها را با این ریسمان محکم به بندند و زیادتی ریسمان را قطع کنند بعد از آن بشکافند
رگها را و بیرون آورند هر خونیکه در این رگها جمع شده است و بعد از آن مرهمها بکار برند که زخم چاق شود

با جوششها و خارش خصیه اگر ورم نباشد علاج باید کرد بدواها که خشک کننده ماده جوشش باشد مثل کاغذ سوخته و حنظل و صبر و اقاقیا کوبند
همه را با آب برگ مورد و بسرشند پس ضماد کنند بر خصیه گل قرسی و صبر سقوطری بعد از آنکه چرب کرده باشند موضع را بروغن گل سرخ نفع
کند و اگر با جوشش خارش تیز باشد ماهیت مرداسنج و زرد چوبه و قلیمیای نقره و مازو از هر یک یکدرم بوره ارمنی یکدانگ و نیم همه را
کوفته با آب برگ مورد و روغن گل سرخ و سرکه بسرشند و بمالند بر موضع و اگر خارش شود و پوست خصیه را ریشی باید که بمالند بر موضع روغن
گل سرخ و برگ مورد که نرم کوفته باشند یا بمالند مرهم سفیداب

هرگاه باطل شود خواهش جماع بسبب استفراغ اخلاط که از حد خود تجاوز کند معالجه باید کرد بچیزها که بسبب رطوبت فراخ شود مثل گوشتهای فربه
که با ترشی پخته باشند و حمام بگرم و آشامیدن دوشاب و خوردن نان با شیر که بقند شیرین کرده باشند و اگر بسبب سردی و خشکی فراخ باشد معالجه
کنند بچیزها که نرم کند مزاج را و رطوبت دهد مثل گوشت بره چاق کباب ترشی پخته باشند لیکن اضافه کرده باشند شبت و نخود و باقلا و مثل گوشت
گنجشک و گوشت قبره و نافعست خوردن نرگس پرورده و باید خورد مدام خوشحال طرب دوار جمله چیزها یکه بسیار نفع میکند جوارش شقاقل
و معجون صفت آن زردک و تخم شلغم و تخم ترب و مارچوبه و تخم پیاز از هر یک پنجدرم زنجبیل و نعناع و شقاقل و پسته فلافلا از هر یک سه درم تخم انجره سه درم
بکوبند همه را و بپزند و بسرشند بعسل و قند و مقدار یک گردکان از این معجون تناول نمایند





## مرضهای انثیین و ذکر

| نامها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | سرد | کودکان و جوانان | زمستان | سرد و معتدل | معتدل است | [illegible] | [illegible] | سوراخ کردن و بیرون آوردن آب هرگاه نفع نکند دواها گذاشته | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | اوائل جوانان | زمستان | معتدل | [illegible] | [illegible] | [illegible] | مطبوخ افتیمون باید داد و دواها | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | [illegible] | معتدل | معتدل است | [illegible] | ظاهر است | فصد باید کرد و مطبوخ هلیله باید داد و اگر از خون صفراوی باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | پیران و کودکان | [illegible] | معتدل | معتدل است | [illegible] | [illegible] | استفراغ باید کرد و دیگر آنکه سبب رطوبت بلغمی باشد | [illegible] | [illegible] |

## مرضهای انثیین و ذکر

| نامها | مزاجها | سالها | فصلهای سال | شهرها | سلامت و خطر | سبب | علامت | استفراغ | معالجات موضعی | معالجه فوقانیه |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| زیادتی خواهش جماع | گرم و تر | اول جوانی | بهار | مشرقی | بی خطر است | زیادتی حرارت و رطوبت مزاج بدن یا عضو | [illegible] | فصد باید کرد اگر سبب زیادتی خون باشد | [illegible] | [illegible] |
| نبودن خواهش جماع | گرم و تر | اول جوانی | بهار | مشرقی | بی خطر است | [illegible] | [illegible] | قی باید فرمود و مسهل باید داد اگر سبب ماده باشد | [illegible] | [illegible] |
| ورم انثیین [illegible] ذکر | گرم | جوانان | تابستان | مغربی | خطرناک است اگر [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق باید کرد اگر اختلاج ورم باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] ذکر | تر | کودکان پیران | پائیز | مغربی | خطرناک اگر [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد باسلیق باید کرد اگر سبب زخم باشد | [illegible] | [illegible] |



## معالجه عام

آنچه قطع میکند زیادتی شهوت جماع را نیلوفر است تخم کاهو و تخم خرفه و بذر قطونا و تخم گشنیز از هر یک یکجزو بکوبند همه را سوای بذر قطونا و یکجزو هم از نیلوفر با گلاب تناول نمایند و بمالند بر حوالی گرده صندل و کافور با گلاب و بیاویزند در شکم پارچه از قلع یا بر کمر بندند و کمربندی از قلع که قطع میکند زیادتی خواهش جماع را و امارو نشدن منی و بسیاری احتلام پس باید که پرهیز و اجتناب از آنچه منی را زیاد کند و بخوابد بر فرشهای سرد مثل کتان و حصیر و بشوید قضیب و حوالی آنرا با سرکه و بخورد آش عدس با سرکه یا آب انار و بمالند بر گرده اقاقیا و گل ارمنی و طراثیث و قرظ و سماق و گلنار همه را کوفته با آب برگ مورد و آب برگ خرفه استعمال نمایند

باید که در این مرض بکار برند چیزهای گرم و خشک تا تحلیل دهد بادها که سبب این مرض گشته مثل تخم سداب و زیره و تخم شبت هر کدام بکوبند و دوام از این استعمال نمایند یا بکار برند دواهای گرم و خشک تا آنچه مانع تولد بادها در بدن شود مثل بذر البنج و گل سرخ و تخم گشنیز و تخم کاهو و تخم کاسنی با زرنک و بزرواز آن نباشد که اگر مزاج گرم باشد بمالند بر قضیب صندل و کافور با آب کاهو و آب کدو و اگر ببیند و اکافی نباشد اندک افیون اضافه همین دوا کنند باید که احتیاط کنند که افیون زیاده نشود که اگر زیاده شود و چنان عضو را بیحس و حرکت میکند که قابل علاج نباشد و غذا کم بخورد و پرهیز کند از غذاهائیکه مولد بادها باشد در بدن

باید که در جستن قضیب هر گاه زیاده باشد بمالند بر عضو صندل با آب برگ کاهو و آب گشنیز با گل ارمنی و گل قیمولیا با آب برگ خرفه و آب عنب الثعلب و پرهیز از خوابیدن بر پشت و بپاشاند شیره جو و شیره تخم خرفه و اگر باینده و اساکن نشود و معلوم میشود که ورم گرم در قضیب هم رسیده پس باید که حجامت کنند قضیب را و خون بکشند یا زلو بچسبانند

در این مرض باید بنادق البزور باشربت بنفشه و بپاشاند آب خیار و شیره تخم خربزه و شیره تخم کدو و شیره تخم خیار شنک و خیار و بمالند بر قضیب بذر قطونا با روغن گل سرخ و برگ جوشیده سرد کرده و تخم گرد و بچکانند در سوراخ قضیب شیاف ابیض در روغن گل سرخ و شیر زنان دو مرتبه یا سه مرتبه و اگر سبب سده قضیب خلط باشد باید که غذاهای لطیف بکار برند مثل نخود آب بادیه و دارچینی و نیلوفر نافعست تخم کرفس و رازیانه و انیسون از هر کدام یکجزو و مغز تخم خربزه دو جزو بکوبند و یک مثقال از نیلوفر با آب نخود بسپاشاند و بریزند بر قضیب آنچه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و پودنه

## معالجه عام

اگر بوده باشد نزف رحم از حدت و تیزی خون معالجه نمایند بچیزها یکه خون را غلیظ و سرد کند و اگر بوده باشد از جراحت رحم بر دارند دواها یکه خشک کند جراحت را مثل صبر و خون سیاوشان و گل قبرسی بدهند دواها یکه قطع کند خون را مثل قرص کهربا و بسد و گل قبرسی با آب برگ بارتنگ و آب سماق و آب برگ خرفه و نشینند زن در آبیکه جوشانیده باشند در آن گلنار و پوست انار و جوز السرو و خرنوب نبطی و حب بلوط و برگ مورد و مازو و قرظ و طراثیث و بگذارند بر پشت زهار ایشان و انار البلاذر که همه را کوفته باشند و با برگ مورد و آب برگ خرفه خمیر کرده باشند و بردارند بپارچه پشم یا پارچه که فرو برده باشند در آب سماق و آب برگ مورد و پاشیده باشند بر آن کاغذ سوخته و حب بلوط و گلنار و بسد و گل مختوم که همه را نرم کوفته باشند و بکار برند این حقنه را در رحم آب برگ بارتنگ و آب برگ خرفه همه آنها را بپزند در سماق و صاف کنند پس بپاشند بر چهار اوقیه از این گل مختوم و حضض و اقاقیا و عصاره و لحیة التیس و زاج سوخته و انک از هر یک یک درم استعمال کنند و اگر باشد زن ... بندند و ... گرگ کنند ... بارها و گفته جالینوس که من معالجه کردم نزف رحم را بحقنه آب برگ بارتنگ تنها

احتباس حیض اگر از غلظت خون باشد یا از سردی آن باید بدهند دواها یکه گرم کند مزاج را و خون را لطیف کند مثل تخم کرفس و رازیانه و پودینه کوهی بجوشانند در آب نخود سیاه و صاف نموده پس با عسل شیرین کرده بیاشامند و نفع میکند در این مرض سکنجبین بزوری گرم و بگذارند بر پشت زهار ... الطیب و دار چینی و سلیخه و فقاح الاذخر و جوزبوا و اسارون و قاقله و قسط بکوبند همه را درشت و بپزند در آب و بر پشت زهار بگذارند و بردارند بپارچه پشم پاره که آلوده کرده باشند باب سداب و آب پودینه نهری و پاشیده باشند بر آن با قلای مصری و اشنان فارسی و شحم حنظل و فستین بعد از آنکه همه را نرم کوفته باشند و دود کنند رحم را بجاوشیر و کندش و عود و نفع میکند بحمام رفتن و در آب گرم نشستن و اگر نزف رحم بسبب باشد غیر از این سبب که مذکور شد معالجه کنند بچیزها یکه دفع سبب کند

سیلان خون اگر از زیادتی خون باشد معالجه کنند بدواهای نزف رحم و اگر از زیادتی بلغم باشد اضافه کنند اندک فلفل با دواهای بردباشی که مذکور شد در نزف رحم بکار برد و پرهیز کنند چار از غذاها یکه مولد بلغم باشد بعد از آنکه مسهل بلغم بکار برده باشند و بکار برد غذاها یکه سبب گرمی مزاج و اعتدال مزاج باشد

هر گاه بهم رسد بسبب اختناق رحم غشی محکم بربندند کردهای پا و بازوها را بسته و دکنند دو سوراخ بینی او و بپاشند آب سرد بر رو و فریاد کنند در گوش بیمار با آواز بسیار بلند و عطسه بفرمایند بدمیدن کندش و خردل کوفته در بینی او و چیزهای بد بو پیش بینی او بدارند مثل نفط و چیزهای سوخته و بوی که بسیار مانده و بد بو شده باشد و قطران دود کنند رحم بیمار را بعود و عنبر و اگر باید دواها بهوش نیاید بادکش کنند زیر ناف و رانها بعد از آنکه چرب کرده باشند عضو را بروغن بان و اگر سبب اختناق رحم عدم مجامعت باشد چرب کنند ما ... انگشت خود را بروغن حلوق در رحم ... شده بگذارند ... باز گشت رحم را و چون بهوش آید بدهند به بیمار دو شاب که پخته باشند در آن افسنتین باید بدهند شربت افسنتین و باید که بیمار نشیند در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و صعتر و مرزنجوش و چرب کنند دو تهیگاه بیمار را بروغن یاسمین سفید مغز نان عرقیده یا شوربا دراج گرم بازیره و دارچینی پخته باشند و چون بیمار قوت بگیرد و ضعف او کم شود حب اصطمیخقون بدهند یا ایهال کنند اخلاط غلیظه و ماده مرض را ... و فرمایند حقنه کنند و بگذارند بر رحم دواها یکه تحلیل دهد بادها را که در رحم باقی مانده پس غذا بدهند بگوشت مرغ خانگی و تیهو که در روغن پخته باشند





## مرضهای رحم

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نام مرض | نزف رحم | احتباس | سیلان رحم | اختناق رحم |
| مزاج | گرم | سرد | سرد | سرد و تر |
| سال | جوانان | دو قسم ... | کودکان نوجوانان | جوانان |
| فصل | تابستان | زمستان | بهار | بهار |
| شهر | جنوبی | معتدل | جنوبی | جنوبی |
| ساعات ... | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سن | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| سبب | فصد باسلیق باید کرد و اگر سبب بسیاری خون و پری رگها باشد | فصد صافن باید کرد | فصد باید کرد و اگر سبب ... خون باشد ... و اگر سبب ... خلطها دیگر باشد | فصد صافن باید کرد و اگر سبب نیامدن خون حیض باشد |
| معالجه یا دوا | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ما یحتاج ... | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## مرضهای رحم



| نامها | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| مزاجها | گرم و تر | سرد | گرم و تر | سرد و تر |
| سالها | جوانان | دو مویان | جوانان | دو مویان |
| فصلهای سال | بهار و تابستان | پاییز | بهار | پاییز |
| شهرها | جنوبی | مغربی | جنوبی | مغربی |
| سلامت و خطر | خطرناکست | خطرناکست | خطرناکست | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| مبوحات و ... | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات ... | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





## معالجه عام



معالجه کننده بادهای رحم را بانیکه جالند بر زیر ناف و پشت نهاد، روغن سداب و روغن شبت و حقنه کنند باینکه جوشانیده باشند در آن بابونه و شبت و مرزنجوش بابونه و فستین و سیسنبر و مرزنجوش و درمنه ترکی و سداب و تخم کرفس و انیسون و رازیانه و زیره و همه را خوب بپزند و بگیرند از این آب چهار یک رطل و ضماد نمایند بآن سه درم روغن قسط و بریزند در رحم و نشینند چهار در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و درمنه ترکی و سیسنبر و بگذارند بر رحم ثقل بنه جوشانیده را بگیرم

ورم گرم رحم غذا دهند بشوربای جوجه مرغ خانگی کرنجه باشند با بنفشه و خبازی یا زرده تخم شبت و بگذارند بر پشت آرد جو آرد و باقلا و گل خطمی سفید و بنفشه از هر که ام یکدرم کافور یکدانک و نیم باب کشنیز تازه و آب کاسنی خمیر نموده استعمال نمایند و بردارند چهارم موم روغن که مسهل آورده باشند از موم سفید و روغن بنفشه و آب برگ بارهنگ و چرب کنند ناف و پشت را بردارند روغن گل سرخ و روغن بنفشه و اگر ورم باشد بسیار زیر شود و حرارت عظیم در رحم خود بچکانند در رحم آب گل سرخ و سفیده تخم مرغ و آب برگ بارهنگ باشیره جو و روغن گل سرخ و اگر درد بسیار شود اندک افیون دواهای مذکور نمایند بچکانند در رحم آبیکه جوشانیده باشند در آن پوست خشخاش بچکانند شیاف صمغ با شیر دختران و اگر ورم سخت شود بگذارند بر رحم بابونه و اکلیل الملک و خطمی و زرک سفید بکوبند همه را و با روغن بنفشه و زرده تخم مرغ خمیر نموده استعمال نمایند

در ایمن مرض بردارد پشم پاره که آلوده کرده باشند بایمر بیاره دک و روغن سوسن و موم سفید بقدر چهار یک روغن لعاب تک سفید و کتان بگذارند موم و بسیار دک و با روغن و لعاب جاد ها و نی خوب بیایند تا مرهم شود و بگذارند بر رحم این مرهم را بزرک سفید و حلبه و تخم کتان و بیخ خطمی همه را کوفته با موم سفید و مغز ساق گاو و روغن کنجد و روغن گاو مرهم سازند و چرب کنند پشت را و زیر بیره و روغن د بنشیند بیمار در آبیکه جوشانیده باشند در آن شبت و اکلیل الملک و خطمی و زرک سفید

در دبیله رحم بگذارند بر رحم ایمر هم آرد حلبه و بزرک سفید و بابونه و اکلیل الملک و آرد جو و تخم مرو و آرد باقلا و بیخ خطمی همه را کوفته باینکه اگر بخته باشند در روغن کنجد و پیه که چه مرهم نموده استعمال نمایند و چون دبیله سر بکشاید و چرک چون بیرون آید حقنه کنند در رحم آب نیم گرم و روغن بنفشه پس اگر چرک بسیار بد بو باشد بانشه باشد بجاییکه از گوشت جدا میشود حقنه کنند در رحم باینکه جوشانیده باشند در آن برنج و عدس و تمشک و کلنار و پوست انار و تخم مورد و حبت موطسی درم از آن آب نیم اوقیه روغن گل سرخ بر رحم بریزند و اگر چرک در دبیله رحم از رحم مثانه برود بدهند این سفوف را مغز تخم خربزه و سفیده تخم خیار و خیار شنک و مغز تخم کدو و خشخاش سفید از هر کدام یک جزو صمغ نشاسته و کثیرا از هر یک ربع جزو همه را نرم بکوبند و سفوف ساخته سه درم از این سفوف با شربت خشخاش بیمار تناول کند بر بالای آن یکدرم طین قطونا یا شیر زنبوشد و اگر چرک در دبیله رحم برود بر روده حقنه کنند باینکه جوشانیده باشند در آن عدس و برنج و پوست انار پس صاف نموده اضافه نمایند بآن گل ارمنی و روغن گل سرخ و سفیداب قلعی و صمغ عربی و زرده تخم مرغ که در سه که جوشانیده باشند در روده بریزند

[illegible]

## مرضهای رحم



| نامها | سرطان | قروح و جراحت | رحمی | سرکیسون رحم |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سردی و خشک | سردی | گرمی و خشک | خشک |
| سالها | دومویان | دومویان | دومویان | جوانان |
| فصلهای سال | پائیز | پائیز | پائیز | پائیز |
| شهرها | مغربی | شمالی | جنوبی | شمالی |
| سلامتی و خطر | خطرناک است | خطرناک است | خطرناک است | بیخطر است |
| سبب | بودن ماده سودا در رحم | ماده غلیظی که در طبقهای رحم سخت شده باشد | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| موجبات و پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه قریبه | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





[illegible]

| ورق ۳ ب | معالجه عام |
|---|---|

سرطان رحم علاج ندارد لیکن دواها بکار باید برد که منع کند او را از زیادتی و ساکن گرداند شدت درد او را و نفع بکند تحلیل ماده او را بند و از آنجمله آنست که در وقت شدت درد بکار برند دواها را برگ خرفه تازه و برگ خطمی تازه را با آب عنب الثعلب بپزند و در تاون با روغن گل سرخ بسیار بمالند تا مرهم شود و بر سرطان بمالند یا حقنه کنند در رحم با آب بنگ گرم و شیر دختران و روغن گل سرخ و آب برگ خرفه و اگر درد ساکن نشود و خون از رحم روان باشد حقنه کنند با آب برگ بارتنگ یا عصاره لحیة التیس و گل ارمنی و سفیداب قلعی و چون درد اندک ساکن شود دایند و بکار برند زرده تخم مرغ و روغن بنفشه و گل خطمی سفید کوفته و آرد خرفه و تخم بارتنگ را در لعاب بزرگ سفید خوب حل کنند و دواهای مذکور را اضافه کنند آن شود و بر سرطان بمالند و برداروزن پشم پاره که آلوده کرده باشند به پیه اردک و شیر دختران و اندکی زعفران و افیون و منع فرمایند بیمار را از غذاهای غلیظ که مولد سودا باشد و غذا نان خمیر رسیده و گوشت بزغاله و دراج و کبوتر بدهند و از میوها انجیر و انگور و آلوی شیرین و سیب شیرین و کشمش تناول نمایند و نقل کرده اند از تجربه اینکه هرگاه وزغ را که جمع میشود در ته دیگ حمام با بیاندازند با روغن گل سرخ و بمالند بر سرطان نفع میکند

در مرض قروح و جراحت بکار برند دواهائیکه تحلیل برد ماده را و نرم کند سختی شکم را و اگر با این مرض خون از رحم آید دواها بکار برند که بند کند خون را و اگر سبب این مرض پارچه گوشتی باشد که بهم رسیده باشد در رحم بدهند دواهائیکه بیاندازد بچه مرده را مثل آنچه جوشانیده باشند ترمس و پودینه

نفع میکند در بواسیر رحم دواهای بواسیر مقعد و اگر آنکه دواها بکار برده نشود و اثر نفع ظاهر نگردد قطع کنند بواسیر رحم را با ابریشم که بیمار را بر پشت بخوابانند و بکشند بواسیر را با منقاش که از برای اینکار ساخته باشند و از بیخ ببرند و از انقراض جای آن بپاشند برآنموضع گل ارمنی و کهربا و شاخ گوزن سوخته و کاغذ سوخته یا آنکه ببندند محکم بیخ بواسیر را با ابریشمی که خوب تابیده باشند و از ابریشم طلبکی را از آنها وا گذارند و بمالند بر آن دواهائیکه لب بسته اند روغن بادام و زعفران تا آنکه بیفتد و چون بیفتد بکار برند مرهمی که زخم را چاق کند

در این مرض زن بمالد پشم پاره را با مرهم باسلیقون یا پیه مرغ یا مغز ساق گاو یا روغن بنفشه یا روغن سوسن یا زنبقی که حل کرده باشند در آن شقر و بردارد آن پشم پاره را و غذا گوشت بزغاله و بره که بچه باشند بی ترشی تناول کند

[illegible]

## مرضهای رحم

| نامها | جوشش رحم | زخم رحم | بیرون آمدن رحم | میل رحم بیکجانب |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | گرم | خشک | تر | تر |
| سالها | کودکان | جوانان | کودکان | پیران |
| فصلهای سال | بهار | پائیز | زمستان | زمستان |
| شهرها | جنوبی | مغربی | جنوبی | جنوبی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بیخطر است مگر دیر باشد | بیخطر است مگر زیاد باشد | بی خطر است |
| سبب | زیادی خون و گرمی خون | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |







## معالجهٔ عام

در جوشش رحم اینمرهم استعمال نمایند گل سرخ وگل قمبولیا از هر یک ده درم سفیداب قلعی مرداسنگ از هر یک یکدرم جمیع را نرم کوفته با موم و روغن گل سرخ مرهم نموده بکار برند واگر اینها دوا با موم و روغن کوفته وگل مختوم اضافه آن نموده شیاف سازند و زن بردارد وآنها را نافعست

اگر زخم رحم بسبب جراحتی باشد در رحم وخون خالص از او آید بردارد زن پشم پاره که فرو برده باشند تاب برگ بارتنگ و پاشیده باشند بر آن گل ارمنی و اقاقیا و جوز السرو یا حقنه کنند با پیکه جوشانیده باشند در آن کوفته خرما با گلاب و شیر دختران و روغن گل سرخ و بدهند زن قرص کهربا با آب برگ بارتنگ تاب سماق واگر چرک سفید خالص از رحم آید حقنه کنند بروغن گل سرخ و روغن بنفشه نیم گرم تا رحم پاک گردد واگر چرکی که از رحم میاید سفید نباشد یا آنکه خونابه از رحم آید حقنه کنند بشیره جو یا با پیکه جوشانیده باشند در آن اینها را حلبه و عدس گل خطمی و سبوس گندم بجوشانند همه را در یکرطل آب تا ربع بماند و صاف نموده ده درم عسل اضافه نموده استعمال نمایند واگر زخم رحم درد بسیار داشته باشد حقنه کنند به شیر دختران با اندک افیون و زعفران

در بیرون آمدن رحم بعد از آنکه بکار برده باشند دواها را که در جدول پیش مذکور شده بخوابانند زن را بر پشت و بگذارند در زیر سرین او بالشی و بچسبانند هر دو زانوی او را بهم پس بردارد زن پشم پاره که فرو برده باشند در آب جوشانیده باشند در آن قرظ و طراثیث و مازو و خروب یا فرو برده باشند در شرابی که حل کرده باشند در آن اقاقیا و سک و رامک بعد از آن نم رسته آبجوشی تمام رحم بیرون آمده تا آنکه خود بجای خود برود و پس بگذارند بر پشت زن لته را بر مرده را که فرو برده باشند در آب برگ مورد یکه حل کرده باشند در آن اقاقیا و رامک و ببویند زن مشک و عنبر سه روز پی در پی چنین کنند و اگر این تدبیر نفع نکند دو طرف ناف را حجامت باز باید کرد بقاعده که تفصیل آن در کتابهای طب مذکور است و باید گذاشت بر پشت زهار گلنار و قرظ و طراثیث و اقاقیا که همه را کوفته تاب برگ بارتنگ سرشته باشند

در مرض میل رحم بیکجانب دواهای خوشبو بکار برند و بهموار دست مالند تا آنکه رحم بوضع طبیعی شود و قرار گیرد و باید که زن از چیزهای بدبو اجتناب کند

[illegible]

| ورق ٨٥ | مرضهای رحم | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| نام مرض | مزاج | سن | فصل | شهرها | ساعات | نبض | قاروره | [illegible] | معالجات | [illegible] |
| [illegible] | تر با خشک | جوانان | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | سهل ... اگر خلطی سبب شده باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | تر | اول جوانی | بهار | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | در وقتیکه زن آبستن نباشد ... حب اسطمخیقون باید داد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | نباید کرد | [illegible] | [illegible] |

اگر



[illegible]

| ٨٥ | معالجهٔ عام |
|---|---|

اگر آبستن نا شدن از بدی مزاج رحم باشد معالجه آن کنند با نچه اصلاح کند مزاج او و اگر از خلطی باشد آن خلط را استفراغ کنند و اگر از بسته [illegible] باشد دوائیکه بکشاید بسته را بکار برند و از جمله دوائیکه قوت میدهد رحم را و باعث آبستنی میشود این است [illegible] دو درم سماق زعفران عود هندی سنبل الطیب از هر کدام یکدرم همه را بکوبند و عسل بسرشند و پشم پاره که بروغن [illegible] چرب کرده [illegible] بالا نهند پس زن بعد از پاک شدن حیض بردارد و هر گاه دندان [illegible] را سوها نکرده زن چند روزی پیاپی بخورد نافع است و هر گاه سبب آبستن نا شدن رطوبتی باشد در رحم که بلغزاند منی را بگیرند کندر و سعد کوفی از هر کدام ده درم [illegible] آب بجوشانند تا چهار اوقیه باند و صاف کنند و سه روز پیاپی حقنه نمایند در رحم که نافع است

اگر سبب بچه بسیار انداختن چیزهای بیرونی باشد باید که احتیاط کنند از آنچیزها و اگر رطوبتی باشد در رحم که بلغزاند بچه را مسهل دهند در وقتی که آبستن نباشد و بعد از آن بکار برند حقنه که مذکور شد در جهت [illegible] قوت دهد رحم را و اگر سبب باد باشد جوارش [illegible] میل باید و [illegible] نافعست زیره کرمانی و تخم کرفس [illegible] را [illegible] باشند در سرکه [illegible] از هر یک [illegible] از هر یک نیم جزو و نبات سفید مساوی مجموع اجزا را همه بکوبند و هر روز سه درم با دوشاب تناول نمایند تا سه روز و اگر سبب ورم خون حیض باشد در وقتیکه زن آبستن باشد دواهائی بکار برند که خون حیض را بند کند مانند [illegible] و گل قرسی و سعد زرم صلایه کرده و اجزا مساوی یک مثقال از این مجموع با آب سماق بدهند یا بگیرند [illegible] و تخم نعناع از هر یک نیم درم [illegible] در رطل دوشاب تا آنکه نصف آن باقی ماند و صاف کنند از زروت [illegible] از هر یک یکدرم و روغن گاو و عسل صاف بقدر احتیاج و با یکدیگر بسرشند و سه روز هر روز بمقدار چهار ده مثقال بعد از هشت ساعت از تناول نمودن این معجون میل نمایند

اگر دشواری زائیدن بسبب فربهی زن باشد بسبب کوچکی رحم او چرب کنند زیر شکم او را بروغن خیری و بنشانند او را در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و نفل [illegible] و اگر ماکرم بزیر شکم او بگذارند و چرب کنند پشت و رحم و تهیگاه او را بموم و روغن و اگر بسبب رده باشد بجب اصل [illegible] نزدیک کردن رحم [illegible] باشد [illegible] ابداخل کردن انگشت و اگر سبب [illegible] زن باشد از زائیدن ماما [illegible] و اگر بسبب زائیدن غشی کند بویانند او را چیزهای خوشبو مانند مشک و غالیه و عود و صندل [illegible] بخور کنند و غذا دهند مرغی گوشت و شوربای جوجه مرغ خانگی و اگر دشوار زائیدن بسبب سردی هوا باشد [illegible] باشد او را در جای گرم بنشانند و چرب کنند زیر شکم او را بروغن یاسمین و بنشانند او را در آبیکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و حلبه و برگ سفید [illegible] و اگر سبب گرمی هوا باشد [illegible] او را و اگر سیر باشد بنشانند او را در جای خنک و بمالند بر شکم او صندل و گلاب و کافور [illegible] و گلاب [illegible] بقوام آورده با آب انار سرد

اگر تمرس [illegible] که بدهند زن [illegible] جوشانیده باشند در آن [illegible] پودینه و اسارون [illegible] و [illegible] قطران [illegible] دو بار [illegible] داشته باشد مجامعت کنند [illegible] زن [illegible] و بچه مرده را یا آنکه [illegible] بدهند زن غالیه [illegible] با دوشاب [illegible] آن [illegible] خون حیض باشد پس اگر بازماند [illegible] بیرون نیاید [illegible] در جای از رحم باید ماما [illegible] بروغن بنفشه چرب کنند [illegible] رحم و [illegible] را بیرون آورد و اگر ماندن [illegible] سبب [illegible] باشد [illegible] رحم [illegible] چرب کنند زیر ناف را

بروغن بنفشه و بنشانند او در آب نیمگرم و بیرون آوردن بچه مرده پاره پاره کردن بسیار دشوار است و گاه باشد که زن تاب نیاورد در اثنا و در دو هلاک گردد

[illegible]

## مرضهای حمی و پستان

| نامها | ورم صلب در پستان | خون که بسته شود در پستان | ورم گرم در پستان | کم شدن [illegible] شود |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| مزاجها | خشک | خشک | گرم و تر | خشک |
| سالها | دو مویان | دو مویان | اول جوانی | کودکان |
| فصلهای سال | پائیز | پائیز | بهار | تابستان |
| شهرها | مغربی | مغربی | جنوبی | شمالی |
| سلامت و خطر | خطرناکست اگر دیرتا باشد | بیخطر است | بیخطر است | بی خطر است |
| سبب | [illegible] | [illegible] | در پستان بسته شدن شیر | [illegible] |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | [illegible] | [illegible] | فصد بایدکرد | [illegible] |
| مسهلات و داروهای قی | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجات و تدبیرات | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |





| معالجه | عام | ع بر |
| --- | --- | --- |

سح کنند آبستن شدن زن را با تنکه بردارد و بجوشانند قطران دود و دود کنند چون بسترد رحم خود و قسمت و آید از زرد و با نهاد تند تیغ علم بردارد بجوشانند شوره کاو را با آب سداب و با تنکه بچاله مرد و در وقت مجامعت بر قضیب خود شحم کلم را اگر نرم کوفته با آب عجز نموده باشند و باتنکه بر رو و زن بجوشاند برگ درخت سفید دار را یا میوه او ایند رخت را و هزار او آنها باشد که اینده و اما بکار نبرند مگر وقتی که ترس داشته باشد از زائیدن که مبادا باعث هلاک او شود

در ورم گرم در پستان باید که فرو برند ابر مرده را در آب گرمیکه ممزوج کرده باشند با سرکه و بر پستان گذارند و بگذارند بر پستان این مرهم آرد جو و آرد باقلا و آرد حلبه و گل خطمی را با جزاد را با زرده تخم مرغ و روغن بنفشه بسرشند تا مرهم شود و اگر حرارت در پستان بسیار زیاد باشد بمالند بر پستان اینه و آرد باقلا و آرد جو و لعاب زیره کوفته با آب کشنیز و آب حی عالم و آب برگ خرفه بیامیزند و زرده تخم مرغ نیز اضافه نموده بکار برند و چون حرارت زیاد که بهم رسیده ساکن شود بگذارند این مرهم را موم سفید و روغن بنفشه بگذارند و زرده تخم مرغ اضافه آن نموده و در هاون آنقدر بسایند که مرهم شود

در مرض خون بسته ز حلبه و بزرک سفید و اندک حاشا را در آب بر پستان گذارند گرما گرم و بگذارند بر پستان کنجد سوخته که نرم کوفته و با عسل سرشته باشند و بایند بگذارند بر پستان مغز نان غیر بسیده و حلبه که کوفته و با آب که در او انجیر پخته باشند سرشته باشند و در این مرض باید که طفل پستان مادر را بمکد و اگر کوفته باشد پستان بسبب چیزی بحث که بر خورده باشد بگذارند بر پستان ماش و دانه مویز که کوفته و با آب برگ مورد و آب برگ درخت سرو سرشته باشند

در ورم صلب پستان این مرهم بکار برند بکیرند چند عدد انجیر که خوب پخته باشند و با آرد حلبه و بزرک سفید و روغن سوسن در هاون آنقدر بسایند که مرهم شود و بیمار باید که در این مرض پرهیز کند از غذاهائیکه مولد سودا باشد مثل گوشت گاو و گوشت مرغ خانگی و گوشت بره و شیر تازه دوشیده و ماهی تازه

## مرضهای رانها و پاها

| نامها | عرق النسا | نقرس | نقرس | وجع مفاصل |
|---|---|---|---|---|
| مزاجها | سردی | گرم | سردی | سردی |
| سالها | دو مویان | جوانان | دو مویان | دو مویان |
| فصلهای سال | بهار و پائیز | بهار | پائیز | پائیز |
| شهرها | مغربی | جنوبی | شمالی | شمالی |
| سلامت و خطر | بی خطر است | بیخطر است | بی خطر است | بیخطر است |
| سبب | خلط غلیظ خواه بلغم باشد و خواه سودا | بمفصل قدم ریزد صفرا یا خون | بمفصل قدم ریزد بلغم یا سودا | بمفصلهای بدن ریزد بلغم یا سودا |
| علامت | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| استفراغ | فصد باسلیق کنند و بعد از آن حب سورنجان و مطبوخ فاکه بدهند | فصد کنند اگر سبب خون باشد و قی کنند اگر سبب صفرا باشد | حب سورنجان بدهند بعد از آن مطبوخ و اسهال کرده باشند | حب شبطرج و حب صبر بدهند بعد از آنکه نضج خلط داده باشند |
| هوا و ادویه و پرهیز | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| معالجه در صفحه مقابل | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |







## معالجه عام

سزاوار آن باشد که بعد از فصد باسلیق در این مرض هر روز تا هفت روز بیمار را بحمام برند و آب نیمگرم بر پای او بریزند و بعد از هفت روز بدهند دوائی سهل که در جدول صفحه پیش مذکور شده و چون بدن پاک شود از خلط بگذارند بر موضع با قلای مصری نرم کوفته با سکنجبین سرشته باشند و چون مرض کهنه شود بکمادها بپزند بابونه و اکلیل الملک و مرزنجوش و برپا بگذارند و باب نیمگرم بشویند و اگر باین تدبیر با برطرف نشود فصد باید کرد رگ نسا را و آن رگی است در زیر کعب از طرف بیرون پا مایل بجانب پاشنه و طریق فصد کردن این رگ آنست که به بند پا را بنواری از سرین تا نزدیک کعب در نهایت استحکام و بگذارند بیمار کف پا را بر پارچه سنگی و پا را بالا ایستد پس فصاد بشکافد رگی را که مذکور شد در طول بعد از آن بگشایند نوار را و دهن رگ را بقاعده مقرر به بندند و اگر این مرض بسبب بلغم بهم رسیده باشد مسهل کنند بلغم را باین حب غاریقون ترید سفید مجوف صبر سقوطری سورنجان از هر کدام نیم درم شحم حنظل دو دانگ همه را نرم کوفته خمیر نمایند و حب کنند و بگذارند بر پا پودینه و قسط و عاقرقرحا کوفته با عسل سرشته باشند و حقنه کنند با آنکه جوشانیده باشند در آن شبت و بابونه و سداب و صاف نموده آبکامه و روغن کنجد مضاف آن نموده باشند و بنشانند بیمار را در آنکه جوشانیده باشند در آن بابونه و اکلیل الملک و سداب و اگر همه این تدبیرها بکار برده شود و علاج نشود مفصلی که میانه ران و بدنست حجامت بنار باید کرد بقاعده مقرر

اگر با نقرس حرارت تب باشد بدهند شیره جو با قند و آب انار میخوش بعد از آن بگذارند بر موضع زرشک کهنه و پوست هندوانه و پوست خیار و بگذارند بر موضع پارچه کتان که تر کرده باشند با گلاب و سرکه و اندک کافوری که آمیخته باشند با آنها و هر وقت پارچه کتان گرم شود تازه کنند یا بگذارند بر پا مغز نان و آرد جو که با آب برگ کاهو و آب عنب الثعلب و روغن گل سرخ خمیر کرده باشند یا بگذارند آرد جو که خمیر کرده باشند با لعاب بذر قطونا یا بگذارند آرد جو و گل خطمی سفید که با زرده تخم مرغ و روغن گل سرخ سرشته باشند و اگر نقرس گرم از خلط صفرا باشد تنقیه باید کرد با شربت و رد و مکرر با سکنجبین و یخ برای اسهال باید خورد و غذا که دوغ و اسفناج بخورد و اگر حرارت نباشد با شیر بادام تنها بخورد

در نقرس که از سردی باشد بدهند هر روز گلقند و غذا کم تناول نمایند باید که غذا نخود آب باشد و بعد از چند روز وقتی که خلط بلغم نضج تمام پیدا نموده نضج ظاهر شود در بول اسهال باید کرد بحب سورنجان و اگر فصل باشد باید کرد و بعد از آن گذاشته باشد آب شبت و آب ترب و سکنجبین بگذارند بر موضع حضض و اشق که حل کرده باشند در لعاب بزرک سفید و آب شلغم با آن آمیخته باشند یا بگذارند بر موضع سرگین گاو و پشکل بز کوفته و سرشته باشند بعسل و بشویند پا را با آنکه جوشانیده باشند در آن شبت و بابونه و اکلیل الملک و پودینه و غذا نخود آب با گوشت دراج بخورد

درد مفاصل که از سردی باشد بدهند گلقند آفتابی و غذا نخود آب تناول کنند باید که غذا بسیار کم بخورد تا آنکه خلط بلغم نضج تمام پیدا بعد از آن اسهال باید کرد بحب شبطرج و حب صبر و بگذارند بر موضع ضماد انیسون و زیره همه را بکوبند و با لعاب تخم مرو و لعاب تخم ریحان و لعاب بزرک سفید و زرده تخم مرغ سرشته باشند و نفع میکند بعد از آن تنقیح خلط بلغم این حب هلیله و آمله و زنجبیل و سعتر فارسی از هر کدام دو دانگ شبطرج و سورنجان از هر کدام چهار دانگ و نیم محموده یک دانگ و نیم صبر سقوطری نیم درم شحم حنظل یک دانگ همه را بکوبند و با عسل سرشته حب نمایند و این مرض حرکت کم باید کرد و از مجامعت و غذا بسیار خوردن پرهیز نماید

[illegible]

## مرضهای ... پاها

| نام مرضها | مزاج مرضها | سال مرضها | فصل مرضها | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | گرم | جوانان | بهار | خون | دخل خون است | [illegible] | [illegible] | فصد کنند اگر سبب خون باشد و قی کنند اگر سبب صفرا باشد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | خشک | [illegible] | [illegible] | [illegible] | دخل خلط است | [illegible] | [illegible] | اسهال فرمایید اگر در بدن خلطی باشد محتاج باسهال | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | سرد | [illegible] | [illegible] | [illegible] | دخل خلط است | [illegible] | [illegible] | حب سورنجان با مطبوخ افتیمون باید داد | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | گرم | جوانان | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | فصد کنند و مطبوخ خیار شنبر بدهند | [illegible] | [illegible] |







## معالجه عام

و این مرض بعد از آنکه استفراغ خلط کنند بگذارند بر موضع عدس مقشر کوفته با کشنیز تازه و اندکی کافور صلایه کرده باشند بگذارند بر موضع مفاصل و خطمی سفید و بذر قطونا و آرد جو و صندل که کوفته با روغن ورد و تخم مرغ و اندکی سرکه خمیر کرده باشند و چون ساکن شود حرارت در مفاصل اضافه دواهای مذکور کنند دوائی چند که تحلیل دهد ماده را با آنکه حرارت زیاده داشته باشد مثل بابونه و اکلیل الملک و شبت و امثال آن که در این مرض بسیار سود استعمال بکنند که مبادا ماده بسیار غلیظ شود و آخر الامر تحلیل نرود و از غایت غلظت [illegible] نشود و نفع میکند اینکه بگذارند بر موضع عدس مقشر و [illegible] و نان و دو آتشه و اندکی کافور که نرم کوفته و بگلاب سرشته باشند و چون درد ساکن شود و اندکی غلظتی در ماده حاصل باشد این دوا بکار برند اکلیل الملک و بابونه و آرد جو بوداده و خطمی سفید و بنفشه خشک کوفته و بگلاب سرشته بر موضع گذارند و بریزند بر مفاصل در وقتی که بجوشانیده باشند در آن آب جو و مرزنجوش و اکلیل الملک و غذا دادن این مرض آش جو و اسفناج و کدو و در آخرهای مرض با اضافه جوجه مرغ خانگی تناول نماید

در این مرض بگذارند بر موضع [illegible] را بکوبند و برگ سپیدار هر کدام یک جزو همه را کوفته با روغن و نیم خمیر شود بر موضع گذارند و گفته اند اطبا که هرگاه روباه زنده را بپزند در روغن زیتون و بنشیند صاحب این مرض در آن گرمها که در مفصل او هم رسیده دائمی شود و همچنین گفته اند اینکه هرگاه [illegible] زنده بگیرند و دست و پای او را محکم بسته با قدری گوشت خرگوش در دیگ گذارند و آنقدر آب بر آن بریزند که بپوشاند و او را نخود سیاه و سفید از هر یک یک کف و برگ تره تیزک تازه یک دسته و مغز کدو و شلغم از هر یک [illegible] درم و روغن زیتون یک رطل سداب یک چارم [illegible] آن اضافه نمایند و آنقدر بجوشانند که یک حصه برود و دو حصه باقی ماند و صاف نموده و بیمار در آن بنشیند نفع عظیم میکند در این مرض و در مرض نقرس که کهنه شده باشد و دواهای مذکور در آن نفع نکرده باشد

کسیکه خواهد وجع مفاصل سرد عارض او نشود باید که پرهیز کند از زیاد خوردن طعام و آب بر روی آن و بسیار خوردن از غذاهای که در معده فاسد شود و پرهیز کند از جماع خصوصا وقتی که معده پر باشد و پرهیز کند از خوردن و افراط کردن میوه های تر و خوردن میوه های خشک مانند مویز خشک و کشمش مناسب است و باید که حرکت بکند نه چنانکه از حد بگذرد و بعد از حرکت بحمام رود و بمالند در حمام بدن او را و چرب کنند بروغن گل سرخ و مانند آن و بپرهیزد از خوردن غذا وقتی که در معده بقیه از غذای سابق مانده باشد و گاه گاهی تنقیه کند بدن خود را از خلطها و غذا از گوشتهای لطیف با ادویه حاره مثل [illegible] یا زیره تناول کند

کسیکه خواهد وجع مفاصل گرم عارض او نشود باید که پیش از وقتیکه گمان آن باشد که این مرض در او پیدا شود تنقیه بدن کند و بعد از تنقیه غذاهای معتدل مثل تیهو و کبک و گوشت بزغاله که با آب انار و آب غوره پخته باشند تناول کند و بعد از غذا استراحت کند و حرکت نکند اما پیش از غذا حرکت کردن بقدر اعتدال مناسب است و باید که بعد از حرکت بحمام رود و بدن خود را در روغن بنفشه چرب کند و باید که پرهیز کند از شیر خصوصا و از میوه ها خصوصا میوه های تر و پرهیز کند از جماع خصوصا گاهیکه معده پر باشد و گاه گاهی قی کند و دواهائی که بول براند استعمال کند

[illegible]

باید که ما ختم کنیم کتاب را بسخنان چند که بجهة آنکه طبیب را از خطای در معالجه مرضها یاری دهند از نیکوئی تدبیر پس میگوئیم که ده
چیز است که واجب است بر طبیب ملاحظه آنها اول نوع مرض است مثل آنکه گرم است یا سرد یا تر است یا خشک دوم ملاحظه سبب مرض است
سیم ملاحظه قوت بیمار است که قویست یا ضعیف چهارم ملاحظه مزاج اصلی بیمار است که بحسب اصل خلقت مزاج او گرم است یا سرد پنجم
ملاحظه مزاج عارضی بیمار است که چه مقدار دور شده است از مزاج اصلی ششم ملاحظه سن بیمار است که طفل یا جوانست یا پیر هفتم
ملاحظه عادت بیمار است مثل آنکه بیمار عادت بر خوردن یا کم خوردن یا حرکت بسیار کردن دارد یا با آسایش بسیار نمودن هشتم ملاحظه
فصل سال است که تابستان است یا زمستان یا پائیز یا بهار نهم ملاحظه بلد بیمار است که جنوبیست یا شمالی یا شرقی یا مغربی
دهم ملاحظه حال هواست در وقت معالجه مرض مثل گرم بودن هوا در روز و سرد بودن هوا در شب و مثل صاف بودن هوا از گرد و دود و
بخار یا آنکه آمیخته میشود با آن و غشته بودن هوا با اینها و واجب است بر طبیب آنکه نظر کند اول بار در نوع مرض که بیرونی یا اندرونی
خلطی است یا مزاجی پس کوشد در برطرف کردن مرض یا آنکه وارد بدن سازد چیزی را که ضد مرض است و دفع میکند او را مثل آنکه
مرض گرم را بدوای سرد علاج کند و مرض خلطی را بفصد یا اسهال علاج کند و واجبست که نظر کند که مقدار دوا موافق مقدار
بیرون رفتن مزاج باشد از حال طبیعی و در مرض همچنین نظر کند در آن هشت چیز دیگر که مذکور شد اگر همه یا بعضی از آنها مددکار مرض
باشند مقدار دوا را بیشتر گرداند مثل آنکه اگر مرض سرد باشد و بیمار در سن پیری باشد هرآینه سن مددکار مرض میشود در اینصورت زیاد
مقدار دوای گرم را زیاده باید کرد و اگر مرض سرد باشد و بیمار در عین جوانی باشد هرآینه سن مددکار دوا میشود در اینصورت مقدار
دوای گرم را کم باید کرد و همچنین است سخن در باقی آن هشت چیز که مذکور شد و باید دانست که رعایت حفظ قوت بیمار بر طبیب پیش از
همه چیز لازم است تا بحدیکه اطبا گفته اند که حفظ قوت بیمار بر طبیب ضرورتر است از معالجه مرض گاهی که معالجه مرض باعث ضعف قوت بیمار
شود زیراکه فی الحقیقه قوت بیمار علاج مرض میکند و طبیب مددکار قوت است و باید دانست که هرگاه مرض را با قوت بسنجیم یا آنست که مرض
پیش از قوت است یا قوت پیش از مرض است یا آنکه هر دو مساوی یکدیگرند اگر مرض پیش از قوت باشد هرآینه خوف هلاک بیمار در این
صورت بیشتر پیدا شد پس احتیاج بمعالجه طبیب در اینصورت بیشتر خواهد بود و اگر قوت پیش از مرض باشد هرآینه دفع میکند در رنجها
مرض را و در اینصورت چندان احتیاجی بمعالجه طبیب نیست و از این جهت است که بعضی از بیماران بی آنکه رجوع کنند بطبیب صحت می یابند
و اگر قوت و مرض مساوی یکدیگر باشند احتمال هست که آخرالامر قوت بر مرض غالب شود و بیمار صحت یابد و احتمال آن
نیز هست که آخرالامر مرض بر قوت غالب شود و بیمار هلاک گردد پس در اینصورت احتیاج بمعالجه باشد تا آنکه قوت را بحال خود
نگه دارد و نگذارد که آخرالامر مرض بر او غلبه کند و بدرستیکه دانایان علم طب تشبیه کرده اند طب را بسوداگر صاحب وقوف
و قوت بیمار را بسرمایه سوداگر و معالجه مرض را بسودا و معامله که سوداگر میکند و صحت بیمار را بنفعی که عاید سوداگر میشود از سودا
و معامله پس همچنانکه هرگاه سوداگر نفعی در سودا و معامله خود گمان کند سودا و معامله می کند و اگر نفعی گمان نکند سعی میکند که سرمایه از دستش
بیرون نرود همچنین طبیب نیز باید که ملاحظه کند اگر در معالجه او گمان صحت بیمار باشد مشغول شود بمعالجه مرض و الا سعی کند که
قوت بیمار ضعیف نگردد و آنچه بجای سرمایه است از دستش بیرون نرود و همچنین تشبیه کرده اند بیمار را بمسافری که از شهری بشهری
رود و قوت بیمار را بتوشه مسافر و مدت بیمار را بمسافت سفر و آخر سفر را بمقصد مسافر پس همچنانکه توشه مسافر باید که بقدر

مسافت



مسافت سفر باشد که اگر کمتر باشد از قدر مسافت در میان سفر توشه آخر میشود و مسافر از بی توشگی هلاک میگردد و همچنان قوت بیمار باید
که بقدر مدت مرض باشد یعنی آنقدر قوی باشد که تا آخر مرض بماند که اگر چنین نباشد کار بیمار تباه میگردد و از این جهت است که بر طبیب رعایت
بیمار پیش از همه چیز لازم است و نیز باید دانست که هرگاه معالجه مرض بغذای دوائی تواند شد دوای محض نباید داد و همچنین اگر بدوای
مفرد علاج تواند شد دوای مرکب نباید داد و بر طبیب لازم است آنکه دوای غریب بکار نبرد زیراکه دوای غریب کم تجربه شده است
و نفع و ضرر آن به صحت نپیوسته است و همچنین لازم است که اعتماد نکند بر تجربه زنان زیراکه زنان تجربه را ضایع سازند و گاه باشد که بیمار
تجربه در بعضی از مزاجها موافق باشد و در بعضی دیگر مخالف و باید که طبیب حذر کند از استعمال مسهل قوی و منقی قوی مگر آنکه ضرورت تمام
باستعمال اینها بهم رسد و در این هنگام استعمال کند اینها را بشرط آنکه قوت بیمار قوی باشد و بیمار جوان باشد و هوا معتدل باشد و اگر بیمار
ضعیف باشد استفراغ بدوائی قوی ضرر رساند و اول تقویت قوت بیمار کند بهوای خوش و غذاهای موافق بعد از آن استعمال آن دواها
بکند و باید دانست که در این کتاب هر جا که امر باستفراغ شده مشروط است بچند شرط اول آنکه ظاهر باشد علامتهای زیادتی اخلاط دوم آنکه
قوت بیمار قوی باشد سیم آنکه هوا نه بسیار گرم باشد و نه بسیار سرد مثل آنکه بهار باشد یا پائیز و بلد بیمار نه بسیار گرمسیر باشد و نه بسیار
سردسیر چهارم آنکه بیمار بسیار لاغر نباشد پنجم آنکه بیمار نه بسیار پیر باشد و نه بسیار طفل زیراکه استفراغ در جماعتیکه بسیار کم سن باشند
یا بسیار پیر باشند خطر دارد ششم آنکه پیش از استفراغ باندک زمانی عارض بیمار نشده باشد مرض تخمه و یا زحیر رو داده زیراکه اگر چنین
باشد و استفراغ واقع شود باعث عود امید و مرض میشود و چاره آن مشکل میگردد هفتم آنکه استفراغ بدوائی شود که دفع کند خلط
فاسد را که ضرر ببدن رسانیده است که اگر با دوا دفع شود خلط صالحی که بدن احتیاج دارد ضرر عظیم میرسد ببدن و باید دانست
که اگر ضرورت تمام باستفراغ بهم رسد و هوا در غایت گرمی یا در نهایت سردی باشد باید که مسکن بیمار را معتدل گردانند و استفراغ
نمایند بعد از آن و همچنین هرگاه بدن بسیار لاغر باشد و احتیاج تمام باستفراغ بهم رسد باید که افراط در استفراغ نکنند و پیش از
استفراغ غذاهای نیکو دهند که بدن فی الجمله قوتی بگیرد و هرگاه دو مرض بهم رسد که هر یک ضد دیگر باشد مثل تب و
فالج باید که معالجه کنند مرضی را که ضرر آن ببدن بیشتر است از مرض دیگر بشرط آنکه بالکلیه دست از تدبیر آن مرض دیگر بر ندارند پس در اینصورت
باید که مشغول شوند اول بمعالجه تب که ضرر بیشتر ببدن میرساند و دواهای سرد بکار برند با شرط آنکه دواها بسیار سرد نباشند با آنکه
دواهای گرم نیز اضافه کنند که رعایت مرض فالج نیز شده باشد و همچنین است هرگاه جمع شود قولنج سرد با شدت درد آن و درد آن بسیار
باشد در اینصورت اول باید معالجه درد کرد و تا ساکن شود با افیون و مانند آن یا آنکه افیون چون بسیار سرد است ضرر بقولنج
میرساند لیکن چون خطر درد بسیار است و زودی موجب غشی و هلاک بیمار میگردد اول معالجه آن ضرور است و چون رعایت ماده قولنج
که سرد است نیز ضرور است باید که اضافه شود با افیون دواهای گرم که ضرر بسیار بماده قولنج نرسد و باید که طبیب در معالجه اکتفا نکند
باحوال پرسیدن از بیمار بلکه ملاحظه قاروره و نبض و سایر علامات بکند که بسا باشد که بیمار احوال خود را درست بیان نکند مثل آنکه
بیمار گوید که نفخی در پهلو دارم در اینصورت طبیب فی الحال مشغول نشود بمعالجه نفخ باستعمال دواهای گرم بلکه ملاحظه نبض بیمار بکند
که گاه باشد که نبض دلالت کند بر آنکه درد پهلوی بیمار نفخ نیست بلکه ذات الجنب است در اینصورت استعمال دوای گرم مضر و کشنده است
بلکه فصد و استعمال دواهای گزنجبین ضرور است و هرگاه مشتبه شود بر طبیب مرض عضوی از اعضا که سرد است یا گرم و خواهد که

کرامتحان کند که مرض سرد است یا گرم باید که دوای بسیار گرم یا بسیار سرد بکار نبرد که مبادا ضرری کند که تلافی آن مشکل باشد
برای امتحان دوائی دهد که اندک سردی یا اندک گرمی داشته باشد که اگر ضرری کند ضرر آن بسیار نباشد و تلافی آن آسان باشد
و هرگاه مرضی مشتبه شود بر طبیب و اهمال او بتشخیص آن مداشته باشد باید که مرتکب معالجه آن مرض نشود مگر دوائیکه تغییر مزاج کند یا اسهال
نباید نشود و لکن اکتفا باید کرد بتقویت قوت بیمار بغذاهای معتدل اگر قوت بیمار ضعیف باشد که اگر قوت بیمار چندان ضعف نداشته
باشد ترک غذا نیز باید کرد و انتظار باید کشید تا مرض مشخص شود زیرا که بر طبیب لازم است آنکه کاری کند که یقین داند که نفع به بیمار
برسد که اگر نفع یقینی نباشد و احتمال ضرر رود ترک آن کار لازم است و باید که طبیب منع کند بیمار را در مرضهای امتلائی یعنی مرضهائیکه
از زیادتی اخلاط بهم رسیده باشد مثل تب مفاصل و استسقا از ناپرهیزی و زیاد خوردن و بسیار بترساند او را اما در مرضهائیکه سبب
آن زیادتی اخلاط نباشد چندان منع نکند او را از ناپرهیزی و خوردن زیاد و ملکه بگذارد که اگر خواهش بعضی از غذاها داشته باشد
بقدری که میل کند بخورد که در اینصورت غذا چندان ضرری ندارد و باید دانست که بیمار هرگاه رغبت تامی بغذائی داشته باشد باید
که او را بالکلیه منع نکنند از آن غذا بلکه بگذارند که قدری از آن غذا تناول کند و بترسانند از بسیار خوردن آن غذا و آن قدر کمی که از آن غذا
میدهند اگر محتاج باشد باصلاح اصلاح کنند او را زیرا که غذا چندان خلط را در بدن زیاد نمیکند و همچنین که طبیعت
از او در بدن هم نمیرسد خصوصا کاهی که اصلاح کرده باشند و هرگاه بیمار را منع کنند بالکلیه از آنچه خواهش بسیار
دارد که باشد که حریف نفس خود نشود و باشتهای خود عمل کند و از آن غذا موافق خواهش خود تناول کند پس ضرری از او در
بدن بهم رسد که تدارک آن مشکل باشد و همچنین هرگاه دو دوا باشد که یکی نافعتر باشد از دیگری و آنچه نافعتر است طبع از آن نفرت
داشته باشد و با آنچه کم نفع تر است رغبت داشته باشد باید که دوائیکه مرغوب بیمار است بدهند که نفع آن کمتر باشد زیرا که گاه است
که رغبت بیمار باعث مناسبتی با مزاج او داشته باشد که نفع آن دوا در بدن او بیشتر بظهور رسد از آن دوای دیگر که پر نفع تر است
و باید دانست که هرگاه ضرور شود استفراغ خلطی از اخلاط و بیمار امتناع کند از خوردن دوائیکه مسهل آن اخلاط است بسبب
بدمزگی که دارد و حیز شوا اندکرد بیمار را ابخوردن آن دوا از بیمی که دارد مثلی و شاهان باید که استفراغ صفرا اگر مطلوب باشد
شربت ورد و دیگر با نح بدهند یا تمرهندی را در میان لوزینه گذاشته بدهند یا بگلاب و نبات بقوام آورده بدهند یا در میان
الوچه گذاشته بدهند و اگر استفراغ خلط غلیظی مثل بلغم و سودا مطلوب باشد ترنجبین تازه و غاریقون را با انجیر ها که
مذکور شد بدهند و اگر مطلوب استفراغ خون باشد چون چاره باستفراغ خون بجز فصد و حجامت نیست باید که در این چیزها
و هر چه محتاج باشد باستعمال آهن مدارا کنند که چندان آزاری به بیمار نرسد و مدارا در استعمال آهن اینست که رگ زن تند دست
و در فن مجرب کرده استعمال نمایند و اگر فصل زمستان باشد باید که بر زند بر عضو آب نیم گرم تا نرم شود و چندان المی از
استعمال آن آهن بآن نرسد و باید که ذکر کنیم پاره از علامات را که دلالت کند بر حدوث امراض که در زمان آینده
بهم میرسد هرگاه بهم رسد در بدن کاهلی و سستی و کشش در اعضا و خمیازه بسیار و غلبه خواب و سنگینی سر و کندی فکر
و کدورت در حواس و سرخی و کمی اشتها و شیرینی دهان و اندک تلخی یا شوری یا ترشی و جهندگی و آنکه دیده میشود در خواب
چیزهای سرخ و چیزهای سنگین که بر او بار کرده باشند دلالت کرده باشند اینها بر زیادتی خون در بدن و براینکه





بهم خواهد رسید مرضهای دموی مثل تبهائیکه از خون بهم میرسد و مثل آبله و حصبه و طاعون و ماشرا و خناق و نفث
الدم و رعاف بسیار و ورم معده و درد چشم و هرگاه بهم رسد زردی در رنگ و کمی اشتها و تلخی دهان و سوزش فم و
غثیان و قی و تشنگی و خشکی دهان و بول زرد مایل بسرخی شود و دیده شود در خواب چیزهای زرد یا آتشهای فروخته دلالت
میکند اینها بر زیادتی صفرا در بدن و براینکه بهم خواهد رسید بعد از این مرضهای صفراوی مثل تب غب و برسام و ذات الجنب و یرقان
و جوششهائیکه از آنجمله گویند و هرگاه بهم رسد تیرگی در رنگ و ترشی دهان و کمی خواب و بسیاری در فکر و اندیشه و کج خلقی و ترش
روئی و فشار ... در فم معده و تنگی در بول و دیدن خوابهای هولناک و دیدن چیزهای سیاه تاریک در خواب دلالت میکند
اینها بر زیادتی خلط سودا در بدن و براینکه بهم خواهد رسید بعد از این مرضهای سوداوی مثل تب ربع و بهق سیاه و جذام و
وسواس و مالیخولیا و ورم بسیار سخت و دوالی و درد سپرز و هرگاه بهم رسد کاهلی در بدن و کندی در فکر و روان شدن آب
دهان و بسیاری خواب و سنگینی در سر و کمی در اشتها و در هضم و سفیدی در رنگ و دیده شود در خواب نهرها و برفها و بارانها
و مرض کابوس که آنرا بختک گویند بسیار واقع شود و دلالت میکند اینها بر زیادتی بلغم و براینکه بهم خواهد رسید بعد از این مرضهای
بلغمی مثل نوبه تب هر روزه و ورمهای نرم و فالج و لقوه و صرع و سکته و باید دانست که هرگاه بهق سفید بسیار بهم رسد
دلیل آنست که برص بهم خواهد رسید و هرگاه دمل بسیار بهم رسد دلیل آنست که خراج یعنی ورم بزرگ بهم خواهد رسید و بسیاری بلغم
دلیل آنست که دبیله بهم خواهد رسید خصوصا در دو مویان و بنظر آمدن پشه و مگس و مانند آن هرگاه سبب آن بخار معده نباشد
دلیل آنست که نزول آب در چشم بهم خواهد رسید و جستن همه بدن دلیل آنست که تشنج بهم خواهد رسید و هرگاه با جستن همه بدن
خدر باشد یعنی کمی حس دلیل آنست که فالج بهم خواهد رسید و جستن همیشه دلیل آنست که لقوه بهم خواهد رسید و کابوس هرگاه
بسیار واقع شود دلیل آنست که صرع بهم خواهد رسید و برآمدگی در پوست رو و سرخی رگهای چشم یا درد سر دلیل آنست که سرسام
یا برسام بهم خواهد رسید و اندوه و اندیشه بسیار و کج خلقی بی سبب ظاهر دلیل آنست که مالیخولیا بهم خواهد رسید و سرخی بسیار لبها
و لاغری بدن و تنگی نفس دلیل آنست که سل بهم خواهد رسید و سنگینی در جانب راست بدن و سفیدی در رنگ براز دلیل آنست که
یرقان بهم خواهد رسید و برآمدگی در پوست رو و باد کردن پلک پائین چشم دلیل آنست که استسقاء لحمی بهم خواهد رسید و پیچش
همیشه در روده ها یا در حوالی ناف دلیل آنست که استسقای طبلی بهم خواهد رسید و غثیان و پیچیدن باد در تهیگاه با کمی اشتها دلیل
آن باشد که قولنج بهم خواهد رسید و سنگینی در تهیگاه و کشش در آن دلیل آن باشد که ورم گرده بهم خواهد رسید و ته نشستن
ریگها در بول دلیل آن باشد که سنگ گرده بهم خواهد رسید و ته نشستن درد که شبیه باشد برده آسنج کوفته دلیل
آن باشد که سنگ مثانه بهم خواهد رسید و سوزش همیشه در بول دلیل آن باشد که قرحه در مثانه یا قضیب بهم خواهد رسید
و پیچش و سوزش در مقعد با اسهال دلیل آن باشد که زخم در روده بهم خواهد رسید و خارش همیشه در مقعده دلیل آن باشد
که بواسیر بهم خواهد رسید و بهم رسیدن لکه سرخ تیره در عضوی از اعضا بعد از مرض بسیار گرم دلیل آن باشد که خراج در
آن عضو بهم خواهد رسید و تب تند و قبض شدن طبیعت و بیخوابی و گریه بسیار و تیرگی رنگ هرگاه عارض اطفال شود
دلیل آنست که تشنج بهم خواهد رسید و جنبیدن سر بعد از آنکه چوب و مانند آن سخت بر سر بخورد یا آنکه آدمی

از جا نجهد و سر او بسیار سخت بر زمین آید دلیل آن باشد که سکته هم خواهد رسید و درد سر و یا درد دل هر گاه در اول مرض
بهم رسد دلیل آن باشد که سبات هم خواهد رسید و جستن پی در پی در پهلوها دلیل آن باشد که ورم در یکی از پردهای اندرون بهم خواهد
رسید و هر گاه در مرض ذات الجنب آب دهان چسبناک باشد و از سینه بخرخر پاک نشود دلیل آن باشد که سل بهم خواهد رسید و همچنین هر گاه چرک در ذات الجنب
از سینه آید گرد باشد و بطول کشد هر چند که بجلد و زود رسد دلیل آن باشد که سل بهم خواهد رسید و هر گاه شکم زن آبستن همیشه روان و نرم باشد
دلیل آنست که بچه مرده خواهد بود و لاغر شدن پستان در زن آبستن دلیل آن باشد که بچه خواهد افتاد و اگر زن دو بچه یکی پسر و یکی دختر آبستن باشد و
پستان راست لاغر شود دلیل آن باشد که پسر خواهد افتاد و اگر پستان چپ لاغر شود دلیل آن باشد که دختر خواهد افتاد و بسته شدن خون از پستان
زن دلیل آن باشد که دیوانگی بهم خواهد رسید و هر گاه سخت شود پستان زن آبستن دلیل آن باشد که درد در چشم او بهم خواهد رسید و یا درین
او و روان شدن خون حیض در زن آبستن دلیل آن باشد که طفل بیمار خواهد شد و هر گاه شیر از پستان زن آبستن روان شود دلیل آن باشد که طفل او در شکم
ضعیف عارض شده است و هر گاه خون از زهدان بر طرف نشود و مدتی بکشد دلیل آن باشد که ورمی در رحم او یا جگر او بهم خواهد رسید و هر گاه جراحتی در بدن
بهم رسد و آن جراحت سبب ورم شود و آن ورم ناگاه بر طرف شود اگر در پشت باشد دلیل آنست که تشنج بهم خواهد رسید و اگر آن جراحت و ورم در پیش
باشد دلیل آن باشد که دیوانگی یا اسهال خون یا ذات الجنب یا ذات الریه بهم خواهد رسید مجملاً هر گاه حالی از احوال بدن که طبیعت مقتضی آن
حالست تغییر یابد و فی الجمله بطول انجامد دلیل آن باشد که مرضی بهم خواهد رسید و همچنین هر گاه بهم رسد در بدن حالتی بیش از آن بوده است
مثل درد و سختی دلیل آن باشد که مرضی بهم خواهد رسید اگر کسی گوید که بر طبیب لازم نیست که نفس خود را بمشقت اندازد در تحصیل علم طب
و مطالعه و مباحثه کتابها که تصنیف شده است در این علم بلکه سزاوار آنست که بکار بردن علم را چنانکه اطبای این زمان مثل زنان بکار میبرند که اکتفا
میکنند در معالجه مرضها بشیره جو و شیره بعضی از تخمها و سکنجبین و تمر هندی مگر آنکه طبیعت بیمار نرم باشد که در اینصورت منع میکنند
تمر هندی را و منع میکنند از غذاها در همه اقسام تبها و چون تب بر طرف شود غذا میدهند مزوره انجوره و مانند آن تا آنکه بهمین تدبیر در حفظ صحت
میکوشند و جرات میکنند بر استفراغهای زیاده با آنکه حاجتی بآن نباشد و ترک میکنند دواهائی را که مذکور شده است در کتابهای طب
از برای هر نوعی از مرضها و تدبیرها که ذکر کرده اند دانایان طب در حفظ صحت و نمی ترسند از دادن دواهای گرم در مرض سرد و از اینکه
بگذارند یا مالند بر عضو دواها از بیرون در جائیکه ضرورست چنانکه علمای طب ذکر کرده اند رعایت قوت بیمار که سرمایه طبیعت است
نمیکنند چنانکه بتفصیل بیان شده و دوری میکنند از اینکه رجوع کنند بسخنان اطبای پیشین از آنچه تجربه شده است و علت و عذر
تغشیر
ایشان در این اندیشهای باطل و کردارهای زشت آنست که مزاجهای مردمان بیشتر تغییر یافته است و مردم در این زمان محتاج نیستند بتدبیرهای
اطبای پیشین جواب گوئیم این سخن را که چیست باعث بر این اندیشهای تباه مگر تن پروری و آسایش طلبی و متابعت هوا و هوس
کند و عجز و کاهلی شیوه خود سازد از سلامت دور میشود و بهلاکت میافتد و دانایان گفته اند که عجز و کاهلی پشیمانی و ندامت بار میآورد
و احتیاط و پیش بینی موجب رستگاری و نجات میگردد و بدرستیکه بقراط که از بزرگان و پیشوایان این علم است گفته است که عمر آدمی
دراز و کوتاه است و صناعت طب دراز است یعنی عمر انسان هر چند که بطول کشد کوتاهی میکند از تحصیل تمام این فن و گفته اند مردم بیهوده
گو ممکن است که کسی تحصیل کند همه علم طب را در یکساعت و آنکه میترسند این طایفه از استعمال دوای گرم در مرض سرد و بیش
آنست که علم ندارند بمنافع دوای گرم در مرض سرد و گمان ایشان آنست که خطر در دوای سرد کمتر است از دوای گرم و بدرستیکه

نیست



نیست چنین که گمان کرده اند زیرا که دوای سرد هر گاه بیجا استعمال شود ضرر عظیم میکند مثل آنکه دوای گرم بیجا استعمال میکنند با آنکه
فرق و تفاوتی در میان ایشان نباشد و آنکه استفراغ زیاده میکنند با آنکه حاجتی بآن نباشد و با آنکه رعایت کنند حفظ قوت را ضرر و خطر او
از آن بیش از آنست که شرح توان کرد و تحقیق که از پیش گذشت شرح چند که واجبست رعایت آن شرطها در هر استفراغی و مرضهائیکه
استفراغ در آن مناسب است و در غیر آن امراض استفراغ وبالست بر طبیعت و آفت است بر بدن و نیز مذکور شد که حفظ قوت
اصل سرمایه است و معالجه فرصت و بمنزله نفع و سود سوداگرست در تجارت و معلوم است اینکه نگاه داشتن اصل و سرمایه ضرور
تر است از تحصیل نفع و سود و باعث بر چیرگی و جرات ایشان در استفراغ بیجا بی رعایت شروط و ملاحظه امراضی که موضع استفراغ
مطلع نبودن ایشانست بر سخنان و برهانهای اطبای پیشین که اگر ایشان را اطلاع حاصل میشد بر اینها یقین بهم میرسید از
برای ایشان که این طریقه خطا است و هرگز چنین جرات نمیکردند و چگونه روا است استفراغ در هر مرضی و حال آنکه سبب بسیاری از امراض کمی
رطوبت و خلطهاست در بدن و شک نیست در این که استفراغ در چنین امراض موجب هلاک و تلف نفس است و عجب تر آنکه بیک تدبیر هم
حفظ صحت و هم ازاله مرض میکنند و حال آنکه حفظ صحت نمیباشد مگر بوارد ساختن چیزی در بدن که موافق و شبیه مزاج بدن باشد و ازاله
مرض نمیباشد مگر بوارد ساختن چیزی بر بدن که مخالف و ضد مزاج بدن باشد و چگونه تواند بود که یک چیز هم موافق و شبیه چیزی
باشد و هم مخالف و ضد آن چیز و اینکه منع میکنند از غذا در همه اقسام تبها در همه مردمان با آنکه تفاوت عظیم در مزاج ایشان و قوت
ایشان هست خطائیست بسیار ظاهر و صواب آنست که حکمای پیشین ذکر کرده اند که در بعضی از اقسام تبها سزاوار آنست که غذا
دهند در بعضی بعد از نوبه و در وقت دیگر در وقت نوبه و این گاهیست که قوت بیمار بقدر ضعیف باشد که تاب مقاومت نوبه نیاورد و هم
آن باشد که آخر نوبه بتحلیل رود و ساقط گردد و در بعضی از اقسام تبها سزاوار آنست که منع کنند از غذا و این در وقتیست که
قوت بیمار قوی باشد و زمان مرض کوتاه و بدرستیکه حکمای پیشین در باب غذای بیمار دستوری گذاشته و قاعده
مقرر داشته اند و آن اینست که هر گاه زمان مرض کوتاه باشد و ماده آن لطیف و قوت بیمار قوی لطیف تر تدبیرها باید بکار برد
و هر گاه چنین نباشد تدبیر را غلیظ باید کرد و لطیف ترین تدبیرها آنست که منع کنند بیمار را از خوردنی و آشامیدنی بالکلیه
و تدبیر دیگر در لطافت بعد از این باشد آنستکه بدهند به بیمار گلاب و نبات بقوام آورده و مانند آن و تدبیر دیگر بعد از این باشد
در لطافت آنستکه بدهند شیره جو غلیظ و غلیظ تر از این تدبیر آنستکه بدهند جوجه مرغ خانگی و تیهو و دراج و غلیظ تر از این
تدبیر آنست که بدهند گوشت بره و بزغاله و غلیظ تر از این تدبیر آنست که بدهند گوشت تغلی و مانند آن و غلیظ تر از این تدبیر
آنست که بدهند گوشت شیشک و مانند آن و هر گاه حکمای پیشین در باب غذای بیمار باریک بینیها کرده باشند و نظر
زمان مرض در کوتاهی و درازی او و قوت بیمار در کمی و زیادتی از برای غذا چندین مرتبه قرار داده باشند تا بحدیکه در میان
شیرها جو غلیظ و تنک فرق گذاشته باشند و هر کدام را از موضعی خاص قرار داده باشند پس چگونه بی باکانه می
توان گفت که در همه اقسام تبها منع باید کرد از غذا چنانکه این جاهلان گفته اند و اما آن سخن که گفته اند که مزاجهای مردمان در این
زمان تغییر یافته است یا آنست که بعضی از مزاجها تغییر یافته است یا قصد ایشان از این سخن آنستکه همه مزاجها تغییر یافته است
یا آنست که بعضی از مزاجها تغییر یافته است اگر مقصود ایشان معنی اول است پس بدرستیکه رد میکند و باطل میکند سخن

ایشان از قسمت غلط که حکما مزاج را کرده اند در اینجا که گفته اند که مزاج بسبب حکم عقل یا معتدل است یا غیر معتدل و غیر معتدل یا مفرد است
یا مرکب و مفرد یا گرم است و یا سرد و یا تر و یا خشک و مرکب یا گرم و تر است و یا گرم و خشک است و یا سرد و تر است و یا سرد و خشک است و این
قسمتی است که کسیکه عاقل است میداند که قسم دیگر از این نه قسم متصور نیست و بنا بر گفته ایشان که همه مزاجها تغییر یافته است پس هر کسیکه خطا کرده
هم در لفظ و هم در معنی اما خطا در لفظ از آنجهت است که گفته اند که ما استعمال میکنیم دواها را چرا که اطبا گفته اند از برای آنکه مزاجها تغییر یافته است
و ظاهر این سخن دلالت میکند بر اینکه همه مزاجها تغییر یافته باشد تا آنکه اصلا احتیاج بدواهائیکه حکما تجربه یافته اند نباشد
و اما خطا در معنی از آنجهت است که این سخن که بعضی از مزاجها تغییر یافته است یا آنست که مقصود ایشان آنستکه بعضی از این نه قسم برطرف شده است
و قسم دیگر غیر از آن نه قسم که اطبا ذکر کرده اند بهم رسیده است و این مقصود باطل است بهمان وجه که از برای بطلان معنی اول مذکور شد
و یا آنست که مقصود ایشان آنست که مزاج گرم غالب شده است بر مردم این روزگار و مزاج بارد بسیار کم شده است اگر مقصود ایشان این
معنی باشد بدرستیکه عذر نمیشود این معنی از برای آنچه میکنند که اصلا استعمال دوای حار نمیکنند حتی در مرض بارد چنانکه اطبای پیش گفته اند
زیرا که بر تقدیریکه مرض بارد و مزاج بارد کم شده باشد بالکلیه برطرف نشده است که اصلا استعمال دوای حار نباید کرد و یا آنست که مقصود
ایشان آنستکه همه مزاج همه مردمان گرم شده است در هر فصلی از فصلها و در هر بلدی از بلدها خواه سردسیر و خواه گرمسیر و مرض سرد
بالکلیه از میان مردمان برطرف شده است و معلوم است که این معنی باطل محض است و احتیاج به بیان ندارد و دیگر میگوئیم که هر گاه زمانه
مزاج همه مردم را تغییر داده باشد پس ممکن است که زمانه مزاج دواها را خواه حیوانی و خواه معدنی و خواه نباتی تغییر داده باشد و مزاج
همه را گرم کرده باشد پس چگونه جرات میکنند در استعمال دوا در مرضها و از چه رو میدانند که اینها دواهائی که سرد است و گرم نشده است
بتاثیر زمانه و اما منع ایشان از دواهای مالیدنی و گذاشتنی بر عضوها چنانکه اطبا در کتابهای خود بتفصیل ذکر کرده اند معنی است که اصلا معقولیت
ندارد زیرا که اطبای پیشین از برای هر یک از اینها و اما در کتابهای خود ذکر کرده اند وجهها و دلیلها گفته اند که از روی آن دلیلها هر عاقل حکم
بانکه استعمال آنها ضرور است و بی آنها نمیشود و شنیده ام که بعضی از اینجماعت دلیل گفته اند از برای منع و دلیل او آنست که دواهای مالیدنی
و گذاشتنی اگر گرم است یا سرد و اگر گرم باشد جذب میکند بسوی عضو فضله دیگر زیاده بر آنچه در عضو است از آنجهت ضرر بعضو کلی میشود و اگر سرد
باشد مانع میشود از آنکه فضله که در عضو است تحلیل رود پس ورم عضو طول می انجامد و معلوم است که این دلیل باطل است زیرا که ممکن است که
دوای بسیط یا که گذاشتنی نه سرد باشد و نه گرم بلکه معتدل باشد چنانچه آنرا در ضمن کرده اند [illegible] و ظهور [illegible] و نیز میتواند بود که دوا اگر گرم باشد ولیکن بقدر
گرم نباشد که فضله یا خلطی را بعضو جذب کند زیرا که از برای جذب حرارت زیاده میباید و بدرستیکه اطبای پیشین تجربه یافته اند که با وجود اینکه هر گاه
بر عضو گذارند تحلیل میدهد فضول عضو را و جذب نمیکند فضله یا خلطی را بسوی عضو و نیز میتواند بود که بدن از خلطها و فضول پاک باشد در اینصورت دوای
گرم جذب نخواهد کرد خلط یا فضله را بعضو و همچنین میتواند بود که دوا سرد باشد و منع نکند از تحلیل بلکه تحلیل دهد مانند [illegible] و نیز میتواند بود که در وقت
استعمال دوای سرد هنوز خلطی در عضو قرار نگرفته باشد که دوای سرد منع کند از تحلیل بلکه در آنوقت خلط در کار ریختن باشد و فایده دوای سرد در این صورت
اینست باشد که مانع ریختن خلط بآن عضو شود و نیز میتواند بود که دوای سرد جمع کند حرارت را در باطن و این معنی سبب تحلیل فضول گردد و نیز میگوئیم که عضو
هر گاه گرم شود مزاج او بیرون میرود از اعتدال و قوت او ضعیف میگردد و هر گاه قوت عضو ضعیف شود عاجز میگردد از تحلیل
فضول و چون دوای سرد بکار برند ناچار گرمی مزاج عضو کم میشود و معتدل میگردد و هر گاه مزاج عضو معتدل شد هر آینه قوت

میگیرد



میگیرد و چون قوت گرفت تحلیل میدهد فضول عضو را پس چگونه توان گفت که دوای سرد البته مانع تحلیل میشود و اگر کسی گوید که چه
وجه جمع کرده اند اطبا میان دوای گرم و دوای سرد در دواهائیکه بکار میبرند از بیرون بدن و حال آنکه معلوم است که هر گاه دوای
سرد را با گرم بیامیزند هر یک از آنها اثر دیگری را باطل میکند و بیفایده میگردد جواب گوئیم که فایده اش آنست که از این آمیختن اعتدال
بهم میرسد یا بمعنی که در این دوا آمیخته شده است هم جهة حرارتی و هم جهة برودتی است پس بجهة حرارت تحلیل میدهد آنچه قابل تحلیل
از فضول است و بجهة برودتی که دارد عضو را سخت و محکم میکند و اندکی میکند از آنکه خلطی تازه بآن عضو بریزد و معلوم است که این فایده عمده ایست
و باید دانست که اطبای پیشین قاعده از برای دوای مالیدنی و گذاشتنی قرار داده اند و آن این است که در ابتدای ورم که شروع کرده
ماده بریختن عضو و چندان ماده بعضو نریخته است که محتاج باشد بتحلیل بدوا باید دوای سرد باید گذاشت تا منع کند بمحکم ساختن عضو از ریختن ماده
زیاد بعضو و در زمان زیادتی ورم که بیشتر ماده بعضو ریخته است و هنوز در کار ریختن است دوای سرد و گرم را باهم مخلوط باید کرد
تا آنکه دوای سرد نگذارد که دیگر ماده بریزد و دوای گرم آنچه را ریخته است تحلیل برد و در زمان انتها که دیگر ماده نمانده است که بعضو بریزد بلکه
تمام آنچه ریختنی بوده ریخته است دوای گرم باید گذاشت که ماده را تحلیل برد و اگر از برای احتیاط قدری از دوای سرد اضافه
دوای گرم شود قصوری ندارد که مبادا قدری از ماده باشد که بعد از این بریزد و در زمان انحطاط که خاطر جمع شده است
از ریختن ماده تازه بلکه قدری از آنچه ریخته است تحلیل رفته است و ورم شروع کرده است بکم شدن دوای گرم خالص باید
گذاشت که تحلیل برد ماده را که در عضو مانده است و باید دانست که اطبای پیشین که دوای مالیدنی و گذاشتنی را وضع
کرده اند و ضرور دانسته اند استعمال آنرا با منفعتی که مذکور شد از برای که آن گذاشتن و مالیدن دوا ممکن است که از خوردنی و آشامیدنی
حاصل شود جهتش آنست که دوای خوردنی و آشامیدنی تا میرسد بعضوی که ورم دارد یا مرض دیگر تغیرات بسیار میابد و قوت
آن بسیار کم میشود زیرا که چون بمعده رسید از حرارت معده متغیر میشود و چون از معده بجگر از حرارت جگر متاثر و متغیر میشود
و چون از جگر برگها رفت از حرارت رگها نیز متاثر و متغیر میگردد و پس ناچار بسبب این تغیرات قوت و خاصیت آن کم میشود
و از رگها که بعضو درد ناک رسید چندان خاصیت و اثری که در کار است از برای دفع مرض در آن نمانده است
بخلاف دوائیکه بمالند یا بگذارند بر عضو زیرا که اثر و خاصیت و نفع آن بی آنکه تغیری بآن راه یافته باشد و ضعیف شده
باشد بعضو درد ناک میرسد و این جاهلان که منع کرده اند از استعمال دواهای مالیدنی و گذاشتنی بر اعضا
جهتش آنست که از کمی تتبع و نظر در کتب اطبا حاصل شده است ایشان را اطلاع [illegible]
بر قاعدهائی که وضع کرده اند اطبا و حکمای پیش و بدرستیکه
خدا یتعالی است و بس یاری دهنده
بندگان در علم و عمل نگاهدارنده
از لغزش و زلل
حرره میرزا آقا [illegible]

[illegible]

قندران رومی
کندر آسیمم
زنجبیل سیاه دانه
این نسخه قلم را مساوی گرفته
کوفته حب نمایند و بخورند
برای زکام بلغمی خیلی نافع است

هلیله زرد عاقرقرحا
تخم فرفل از هر یک گرفته سائیده
در با آنکه بدندان بمالند
برای دندان بسیار نافع

تا کافی المهمات
بر ارباب بصیرت
پوشیده
و مخفی

نیست
که رساله تحفة
الابدان در علم معالجات
الحق نسخه ایست بی نظیر و جمیع اطباء
مالکند با این نسخه شریفه که گویا صحیفه ایست
بعلت آنکه نسخه آن بقدری نایاب بود که الا از این نسخه مطبوعه
شد بود که اشتیاق اکثر سرآمد اطباء و اشتیاق ها کاتب
ارجمند بنا بود لهذا این حقیر محمد صادق خوانساری
محمد امطبوع عموم باد نمود مرخوای تصحیح
که یکی از اجله ادباء الاطباء و ملاذ الفصحاء
الفصحاء افلاطون زمان
و ارسطوی
دوران

میرزا عبد الباقی الطبیب الطهرانی زاد الله توفیقه کما الحق
کوی حذاقت و فصاحت را از همگنان ربوده

در تصحیح
آن سعی بلیغ
کوشیدند و
جمیع اغلاط

از آن خط شریف رفع شد امید که منظور
ارباب بصیرت مطبوع افتد